

PUBLISHED BY AUTHORITI

नई दिल्ली शनिवार, मार्च 3, 1984 (फाल्गुन 13, 1905) सं० 97

NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 3, 1984 (PHALGUNA 13, 1905) No. 91

ात भाग में भिन्त पृष्ठ संख्या **दी जाती है जिससे कि यह अलग सं**कलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग ।।।...खण्ड 1 [PART III—SECTION 1]

न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसुवनाएं [Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of Inlia]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 21 जनवरी 1984

सं ए० 32014/1/84-प्रशा ा--संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग के निम्नलिखित वरिष्ठ वैयक्तिक सहायकों (कें ० स० स्टै० से० के ग्रेड "ख") को राष्ट्रपति द्वारा उनके नामों के सामने निर्दिष्ट अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उसी संवर्ग में तदर्थ आधार पर निजी सिचव (के० स० स्टे० से० के ग्रेड "क") के पद पर सहर्ष नियमत किया जाता है :---

ऋ॰ सं० नाम	अव	ध
	9-1-84 ₹ 8-4-84	
2. श्री तरसेम सिंह	16-1-84 से 15-4-84	तक

सं० ए० 32014/2/84-प्रशा०-I---संघ लोक सेवा आयोग में के० स० स्टे० से० संवर्ग के निम्नलिखित वैधिकतक सहायकों/ भयन ग्रेड वैयक्तिक सहायकों को राष्ट्रपति द्वारा उनके नामों के सामने निर्दिष्ट अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो 1-486GI/83 (4815) भी पहले हो उसी संवर्ग में वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (कें० स० स्टे॰ से॰ के ग्रेड ख) के पद पर तदर्थ आधार पर सहपं नियुक्त किया जाता है:--

क० सं० नाम	अवधि	टिप्पणी
1. श्री सुन्दर लाल	9184 से 8484 तक	श्री आई० एन० शर्मा के निजी सचिव के पद पर नियुक्ति हो जाने पर उनके स्थान
2. श्री आर० पी० डंग	16-1-84 स 15-4-84 तक	श्री तरसेम सिह के निर्जा सिचिष के पद पर नियुक्ति हो जाने पर उनके स्थान पर ।

2. उपर्यक्त व्यक्ति यह अवगत कर लें कि वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (कें ० स० स्टे॰ से० के ग्रेड ख) के पद पर अवर्श नियुक्ति पूर्णतः तदर्थ आधार पर है और इससे इन्हें के० स० स्टे० से० के ग्रेड खंभें विलयन का तथा उक्त ग्रेड में वरिष्ठता का कोई हक नहीं होगा ।

एम० पी० जैन अवर सचिव (प्रशा०) संघ लोक सेवा आयोग

गृह मंत्रालय

का० एवं प्र० सु० विभाग केन्द्रीय अन्त्रेषण ब्यूरो नई दिल्ली, दिनांदा

सं० पी०-30/65-प्रशासन-5----राष्ट्रपति ने अपने प्रसाद से श्री पी० एस० महादेवन, पुलिस अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, मद्रास शाखा द्वारा केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन). नियमा-वली, 1972 के नियम 48-क के उप-नियम 3-क (क) एवं (ख) के अधीन स्वैन्छिक सेवा निवृति के लिए दिये गये नोटिस को सहर्ष स्वीकार कर लिया है और उन्हें दिनांक 31 जनवरी, 1984 के अपराह्म से कार्यभार मुक्त समझा जाये।

दिनांक 9 फरवरी 1984

सं० ए०-19036/1/78-प्रशासन-5-निवर्तन होने पर, श्री डी० आर० चौहान, पुलिस उपाधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, जयपुर ने, दिनांक 31 जनवरी, 1984 के अपराह्म से, पुलिस उपाधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो के पद का कार्यभार स्याग दिया ।

दिनांक 10 फरवरी 1984

सं० ए०-19021/8/82-प्रशा०-5--निवर्तन की आयु प्राप्त कर रुने पर, श्री स्वर्ण सिंह, सहायक निदेशक (समन्वय), केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, नई दिल्ली ने दिनांक 31 जनवरी, 1984 के अपराह्म से सहायक निदेशक का कार्यभार त्याग दिया।

सं० ए०-20023/6/83-प्रशासन-5-निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विणेष पुलिस स्थापना एसद्द्रारा श्री ओम प्रकाश को, विनांक 30 जनवरी, 1984 के पूर्वाह्न से, अस्थायी रूप से लोक अभियोजक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-19014/3/84-प्रशा०-5-राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्रीमती लित का शरण, भा० पु० से० (तिमलनाडु 1976) को दिनांक 1 फरवरी, 1984 के पूर्वीह्न से दिनांक 31 जनवरी, 1987 तक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में प्रतिनियुक्ति के आधार पर पुलिस अधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 13 फरवरी 1984

सं० ए०-19023/2/84-प्रशासन-5--निदेशक केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशष पुलिस स्थापना एतत्त्राराश्री डब्ल्यू० भूमेण्यर सिंह को, विनांक 2 फरवरी, 1984 के पूर्वाह्म से अगले आदेश तक के लिए प्रतिनियुक्ति पर, लोक अभियोजक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरों के रूप में नियुक्त करते हैं।

श्री डब्ल्यू० भूमेश्वर सिंह को केन्द्रीय प्रन्वेषण ब्यूरो, सिल्चर णाखा मे पदस्थापित किया जाता है।

दिनांक 14 फरवरी 1984

सं० ए०—20023/5/83-प्रशासन—5—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना एतव्द्वारा श्री मो० लतीफुर रहमान ग्रंसारी को दिनांक 3 फरवरी,... 1984 के पूर्वीह्न से, अस्थायी रूप से लोक अभियोजक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो के रूप में नियुक्त करते हैं।

> राम स्वरूप नागपाल प्रशासनिक अधिकारी (स्था०) केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरी

महानिदेशालय के० रि० पु० बल०

नई दिल्लीं-110003, दिनांक 9 फरवरीं 1984 शुद्धि पत्र--लैं० कर्नल (निवृत अधिकारीं) जे० कें० बेरी का पुनर्नियुक्त

सं० ओ० दो० 1799/83—स्था० के० रि० पु० बल०— इस महानिदेशालय राजपन्न संख्या ओ० दो०-1799/83— स्था० दिनांक 12-5-83 के संदर्भ में ।

2. बजाय आगामी आदेश जारी होने तक जो कि उक्त महा-, निदेशालय राजपत्र पैरा-1 की तीसरी/चौथी पंक्ति में है प्रथमत: दो साल के लिए पढ़ें।

दिनांक 13 फरवरी 1984

सं० पी० सात-4/82-स्था०-भाग-3--राष्ट्रपति, के० रि० पु० वल के निम्नलिखित उपाधीक्षकों को सहायक क्मांडेंट के पद पर अस्थायी रूप में अगले आदेश होने तक सहर्ष पदोन्नति करते हैं:--

2. इन्होंने उनके नाम के आगे वर्णायी गई तारीख से अपना कार्यभार सम्भाल लिया है :---

क० सं० अधिकारी का नाम	कार्यभार संभालने की तारीख
 सर्वश्री	
1. जी० एल० सहानी	3-8-83 (अपराह्म)
2. ए० के० छिब्बर	n
3. एस० एस० सन्धू	4-8-83
4. एम० एस० गुलाटी	3-8-83 (अपराह्न)
 जी० एस० कहाई 	10-8-83
6. बी ० एस० यमबम	1 i – i – 84 (अपराह्न)

1	2	3	1	2	3
	सर्वेश्री			सर्व भी	
7.	बी० के० सागर	3-8-83 (अपराह्न)	50.	सी० बी० मध्यू	4-8-83
8.	हरमोहिन्द्र सिंह	48-83 (अपराह्म)	51.	हरभजन सिंह	** .
9.	ओम दयाल माथुर	4-8-83	52.	एस० के० रथ	4-8-83 (अपराह्म)
١0،	श्री कान्त	3-8-83 (अपराह्न)	53.	बी० के० टिक्कू	4-8-83
11.	वीरेन्द्र सिंह यादव	3-8-83 (अपराह्म)	54.	आ० एस० कुह्रे	11
1 2.	जे० एस० गहलोत	4-8-83	55.	शम्भूदत्त पाण्डे	11
1 3.	सत सरूप सिंह	4-8-83	56.	टी० सेथूरमन	3-8-83 (अपराह्न)
14.	एस० एम० जैंड, रिजवी	4-8-83 (अपराह्म)	57.	हरप्रीत सिंह ग्रेवाल	"
15.	वी० पी० एस० पंवार	3-8-83	58.	सुरेश धुनडिया	4-8-83
16.	श्री पी० जी० जी० नायर	5-8-83	59.	डी० आर० पाठक	"
17.	जी० एन० कबाड़ी	4-8-83	60.	एम० पी० नथानियल	' 1)
18.	प्रीतम सिंह	4-8-83	61.	भरत कपूर	5-8-83
19.	गान्ता राम	26-9-83	62.	आर० के० गौर	4-8-83
20.	टी० के० जोशी	3-8-83 (अपराह्न)	63.	रमेण चन्द्र	11
21.	रनबीर सिंह	4-8-83	64.	आर० एस० तिवाना	7-11-83
22.	मुचेत सिंह	4-8-83	65.	महावीर सिंह	2-9-83
23.	आज्ञाराम गुप्ता	4-8-83	66.	बी० के० कौशल	4-8-83
24.	डी० पी० यादव	4-8-83	67.	जार्ज सी० फान्सीस	3 -8-83 (अ पराह्म
25.	शायर सिंह	3-8-83 (अपराह्न)	68.	एन० जी० सुद्रामनीयम	4-8-83
26.	जयपाल सिंह	"	69.	सी० जे० एम० अलबर्ट	"
7.	कुलदीप सिंह	7-8-83	70.	बलजीत कुमार शर्मा	11
8.	मदन लाल	4-8-83	71.	जे० ए० पानीकुलम	n
9.	जयबीर सिंह भाटी	3-8-83 (अपराह्न)	72.	सी० एम० बक्सी	3-8-83 (अपराह्न
0.	आनन्द सिंह रावत	21-8-83 (अपराह्न)	73.	रामेश्वर दास शर्मा	3-8-83 (अपराह्न
31.	अवतार सिंह	4-8-83	74.	जितेन्द्र नाथ शर्मा	4-8-83
32.	जसवन्त सिंह	1)	75.	अक्वनी कुमार गर्मा	12-8-83
33.	जे० जे० एस० पन्नू	8-8-83	76.	प्रेमलाल णिवान	12-8-83 (अपराह्म
34.	एस० एस० गिड्डा	4-8-83	77.	रोशन लाल भट्ट	3-8-83 (अपराह्म
35.	बी० आर० गर्मा	16-8-83	78.	के० कें० जोरदार	n
6.	बी० पी० थापा	4-8-83	79.	सुशील कुमार कपूर	6-8-83
37.	एन० बीं० पीडिकाईल	4-8-83	80.		4-8-83
38.	आई० पी० सिंह	8-8-83		मसूद मुसतका	5-8-83
19.	पी० एस० मनकोटिया	4-8-83		रोहित कुमार सिंह	4-8-83
۰0۰	पी० एन० वीनदयासन	3-8-83 (अपराह्म)	83.		'n
10. 11.	ए० एन० क्रिपाठी	22-8-83	84.		6-8-83
11. 12.	जे० के० कपूर	38-83 (अपराह्न)	85.		5-8-83
	आर० एल० गुप्ता	13-8-83	86.		3-8-83 (अपराह्म
13. 14.	भारे एस० गुप्ता पी० एस० धारीवाल	4-8-83		रघुबीर सिंह	5-8-83
	दी० आर० गर्मा	4-6-83 3-8-83 (अपराह्म)	88.		4-8-83
15.	टार्न्जाररण्यमा नारायण सिंह नेकी	3-8-83 (अपराह्न) 4-8-83	89.		5-8-83
l 6.	मारायण । सह नका एन० सी० भट्ट	4-8-83 (अपराह्म)	90.		4-8-83
17. 18.		4-8-83 (अपराह्म) 8-8-83	91.		18-8-83 (अपराह्म
~	एन० भारद्वाज	0-0-03	J 1.	सन्त सिंह	4-8-83

1	2	3
	सर्वश्री	
93.	मान सिंह	4-8-83
94.	महिन्द्र सिंह	"
95.	चिरन्जी लाल शर्मा	11
96.	सोहन सिंह	11
9 /.	मुखवन्त सिंह	6-8-83
98.	पी० एन० अ डि योडी	4-8-83 (अपराह्न)
99	राममूर्ति सिंह	4-8-83
100.	एस० एस० रावत	3-8-83 (अपराह्न)
101.	मोहन सिंह	11
102.	रधुनन्दन कुमार	3-8-83 (अपराह्न)
103.	आर० सी० यादव	4-8-83
104.	फर नेल सिंह	11
105.	के० सी० शर्मा	3-8-83 (अपराह्न)
106.	एम० एस० बरियाना	4-8-83
107.	बी० एस० गहलोत	4-8-83 (अपराह्न)
108.	एस० एस० अहलुबालिया	8-8-83
109.	टी० के० डे०	4-8-83
110.	के० आ र० पी० कुरूप	3- 8- 83 (अपराह्न)
111.	एस० एस० गिल	8-8-83
112.	जे० एस० मेहर	6-8-83 (अपराह्न)
113.	एस० एस० महिन्द्र सिंह	6-8-83
114.	मेन सिंह निम	68-83 (अपराह्न)
115.	कफुनघूई वैश्यनाव	n
116.	उमराव सिंह	11
117.	कें० पीटीया	"

ए० के० सूरी सहायक निदेशक (स्थापना)

वित्त मंत्रालय आर्थिक कार्य विभाग भारत प्रतिभूति मुद्रणालय नासिक रोड, दिनांक 9 फरवरी 1984

सं० 47/क — अधिसूचना सं० 197/क दिनांक 9-12-1982 के कम में श्री गो० नारायण सामी, उप नियंत्रण अधिकारी की प्रणासन अधिकारी, भारत प्रतिभूति मुद्रणालय, नासिक रोड, के पव पर तदर्थ आधार पर प्रतिनियुक्ति को दिनांक 13-4-1985 तक नियमित आधार पर प्रतिनियुक्त किया गया है।

सं० 48/क—श्रिधसूचना सं० 28/क/स्थापना, विनांक 8-8-1983 के क्रम में श्री जी० एस० सपकाले, की केन्द्रीय मुद्रांक डिपो में सहायक नियंत्रक, मुद्रांक के पद पर तदर्थ श्राधार पर नियुक्ति को दिनांक 14-1-1984 से नियमित ग्राधार पर किया जाता है ।

सं० 49/क--- अधिसूचना सं० 35/क, दिनांक 9-9-1983 के अप में सर्वेश्री एम० एस० पाण्डे श्रीर के० के० पाठक की उप नियंत्रक अधिकारी के पदों पर तदर्थ आधार पर नियुक्तियों को अभगः दिनांक 20-10-1983 और 11--10-1983 से अभगः 19-4-84 और दिनांक 10-4-84 तक उन्हीं शतौं और नियमों पर छःमाह के लिए या उक्त पद नियमित आधार पर भरे जाने तक बढ़ाया जाता है।

पा० सु० शिवराम महाप्रबन्धक

बैंक नोट मुद्रणालय, देवास (म० प्र०) देवास, दिनांक 11 फरवरी 1984

नस्ती ऋ० बी० एन० पी०/सी०/3/73—श्री सी० वी० एन० इलायथु द्वारा बैंक नोट मुद्रणालय, देवास के सहायक ग्रिभ-यन्ता (सिविल) के पद से दिये गए त्यागपत्र को एतद्द्वारा दिनांक 7-4-83 से स्वीकृत किया जाता है।

मु० वै० चार महाप्रबन्धक

कार्यालय, निदेशक लेखापरीक्षा, केन्द्रीय राजस्व नई दिल्ली-2, दिनांक 10 फरवरी 1984

सं ० प्रणासन-1/का० श्रा० संख्या 470--इस कार्यालय के एक स्थानापन्न लेखापरीक्षा श्रधिकारी श्री बलराम शर्मा वर्धक्य श्रायु प्राप्त करने के परिणामस्वरूप 29 फरवरी 1984 श्रपराह्म को भारत सरकार की सेवा से सेवा निवृत्त हो जाएं।

उनकी जन्म तिथि 2 फरवरी 1926 है।

शंकर नरायण उप निदेशक ले० प० (प्र०)

महालेखाकार का कार्यालय, भ्रान्ध्र प्रदेश हैदराबाद, दिनांक 4 फरवरी 1984

सं० प्रशासन I 8-132/83-84/93—श्री एच०एच० अन्सारी, लेखा श्रधिकारी, महालेखाकार का कार्यालय, श्रांध्र प्रदेश, दिनांक 31-1-84 श्रपराह्म से संरकारी सेवाश्रों से निवृत्त हुए ।

रमा मुरलि वरिष्ठ उपमहालेखाकार (प्रशासन)

कार्यालय, महालेखाकार-I, बिहार

रांची, दिनांक 8 फरवरी 1984

सं० का० ग्रा० प्र० 2-1534—महालेखाकार-I, बिहार, रांची ग्रपने कार्यालय के स्थायी ग्रनुभाग ग्रधिकारी श्री रवीन्द्र कुमार गुप्ता को ग्रपने कार्यालय में दिनांक 12-9-83 में ग्रगला ग्रादेश होने तक स्थानापन्त लेखा ग्रधिकारी के पद पर सहर्ष पदोन्नत करते हैं।

म्रार० भाष्यम वरीय उपामहालेखाकार (प्र०) ----- बिहार

कार्यालय, निदेशक, लेखा-परीक्षा, रक्षा सेवाएं नई दिल्ली--110001, दिनांक 10 फरवरी 1984

सं० 5126/ए०-प्रशासन/130/83--वार्धक्य निवृत्ति श्रायु प्राप्त करने पर श्री एस० एन० देवराय, लेखापरीक्षा श्रधिकारी, रक्षा संवाएं दिनांक 31-1-1984 (श्रपराह्न) को सेवा निवृत्त हुए।

भगवान भरण तायल संयुक्त निदेशक, लेखा-परीक्षा रक्षा सेवा

वाणिज्य मंत्रालय (वस्त्र विभाग)

वस्त्र भ्रायुक्त का कार्यालय

बम्बई-400020, दिनांक 13 फरवरी 1984

सं० 2(78) ई० एस० टी० 1/84/733— वस्त्र श्रायुक्त, बम्बई के प्रादेशिक कार्यालय के श्री एम० पी० शाह, सहायक निदेशक श्रेणी—II स्वेच्छा से दिनांक 31-1-1984 को श्रपराह्म से सेवा-निवृक्त हो गए।

एस० रघीन्द्रन उप निदेशक (प्रशा०)

उद्योग मंत्रालय

श्रौद्योगिक विकास विभाग

विकास धार्युक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 7 फरवरी 1984

सं० ए०-19018 (87)/73-प्रणा० (राज०)--राष्ट्रपति, लघु उद्योग सेवा संस्थान पटना के सहायक निदेशक ग्रेड-II (कांच एवं मृत्तिका) श्री जी० सी० गोयल को लघु उद्योग सेवा संस्थान, श्रागरा के प्रधीन विस्तार केन्द्र, फिरोजाबाद में दिनांक 9-3-83 (पूर्वाह्न) से श्रगले श्रादेशों तक, सहायक निदेशक ग्रेड-I (कांच एवं मृत्तिका) के पद पर, तदर्थ श्राधार पर नयुक्त करते हैं।

दिनांक 8 फरवरी 1984

सं० 12(89)/61-प्रशा० (राज०) खण्ड-3--राष्ट्र-पित, निवर्तन की ग्रायु प्राप्त कर छेने पर, लघु उद्योग सेवा संस्थान, कसकत्ता के निदंशक, ग्रंड-I (यां०) श्री एस० एन० सेनगुप्ता को दिनांक 31-12-83 (श्रपराह्म) से सरकारी नौकरो से सेवा-निवृत्त होने की श्रनुमित देते हैं।

सं० ए०-19018 (346)/78-प्रशा० (राज०)-भारतीय सांख्यिकी सेवा के ग्रेड-3 ग्रधिकारी श्री जी० रवीन्द्रन
के पर्यटन विभाग में ग्रवर सचिव के पद पर नियुक्त हो जाने पर,
उन्होंने बिनांक 9-12-83 (ग्रपराह्म) से विकास ग्रायुक्त
(सघु उद्योग) को कार्यालय, नई दिल्ली में उप निदेशक के पद का
कार्यभार छोड़ दिया ।

मं० ए०-19018 (644) / 82-प्रशासन (राजपितत) --- विकास ग्रायुक्त, (लघु उद्योग), ग्रपने कार्यालय के लघु उद्योग संवर्द्धन ग्रधिकारी (यांतिकी), श्री ग्रार० एम० गोयल को दिनांक 8-4-83 (पूर्वीह्न) से, ग्रगले ग्रादेशों तक, क्षेत्रीय परी-क्षण केन्द्र, नई दिल्ली में सहायक निदेशक, ग्रेड-2 (यांतिकी) के पद पर तदर्थ ग्राधार पर नियुक्त करते हैं।

स० ए०-19018 (647)/82-प्रणा० (राज०)--विकास आयुक्त, शाखा लघु उद्योग सेवा संस्थान, रायपुर (लघु उद्योग सेवा संस्थान, रायपुर (लघु उद्योग सेवा संस्थान, इन्दौर के भ्रधीन) के लघु उद्योग संवर्द्धन श्रधिकारी (यांत्रिकी), श्री एस० सी० मिल्रा को विनाक 5-1-1983 (पूर्वाह्म) से लघु उद्योग सेवा संस्थान, कलकत्ता के श्रधीन फील्ड टेस्टिंग स्टेशन, भुवनेश्वर में सहायक निवेशक ग्रेड-2 (यांत्रिकी) के रूप में तदर्थ श्राधार पर नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-19018 (648) / 82-प्रणा० (राज०), विकास प्रायुक्त, क्षेत्रीय परीक्षण केन्द्र, मद्रास के लघु उद्योग संबर्द्धन प्रधिकारी (धातुकर्म), श्री के० जे० विधणामूर्ति को, क्षेत्रीय परीक्षण केन्द्र, मद्रास के प्रधीन फील्ड परीक्षण केन्द्र, हैवराबाद में दिनांक 17-12-82 (पूर्वाह्न) से, सहायक निवेशक, ग्रेड-2 (धातुकर्म) के पद पर, तदर्थ ग्राधार पर, नियक्त करते हैं।

सं० ए०-19018(649)/प्रशा० (राज०)--विकास प्रायुक्त (लघु उद्योग), लघ उद्योग सेवा संस्थान के, लघु उद्योग संवर्द्धन ग्रधिकारी (धातुकर्म), श्री गोपाल मित्रा को लघु उद्योग सेवा संस्थान, हैदराबाद में दिनांक 6-4-1983 (पूर्वाह्म) से सहायक निदेशक, ग्रेड-2 (धातुकर्म) के पद पर, तदर्थ ग्राधार पर, नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-19018(650)/82-प्रणा० (राज०)-विकास श्रायुक्त (लघु उद्योग), क्षेत्रीय परीक्षण केन्द्र, नई दिल्लो के लघु उद्योग संवर्धन श्रधिकारी (धातुकर्म), श्री मुमेश चन्द्र को क्षेत्रीय परीक्षण केन्द्र, नई दिल्ली के ग्रधीन, फील्ड टेस्टिंग स्टेशन, सम्हालखा में दिनांक 2-12-82 (पूर्वाह्न) से सहायक निदेशक, ग्रेड-2 (धातुकर्म)के पद पर, तदर्थ आधार पर, नियुक्त करते हैं।

> राधारमण फौजदार उप निदेशक (प्रशासन)

म्राधिक सलाहकार का कार्यालय -18 दिल्ली, दिनांक -6 फरवरी -1984

सं० ए०-32013(1)/81-ग्रा० स०--राष्ट्रपति, भार-तीय ग्राधिक सेवा के ग्रेड-4 के एक ग्रधिकारी श्री पी० सी० जैन की ग्राधिक सलाहकार के कार्यालय, उद्योग मंत्रालय में 1 फरवरी, 1984 की पूर्वाह्न से भारतीय श्राधिक सेवा के ग्रेड-3 के एक पद पर मुख्य श्रनुसंधान श्रधिकारी के रूप में नियुक्ति करते हैं।

सं ० ए०-32013 (1) / 81-श्रा॰स०-राष्ट्रपति, भारतीय आर्थिक सेवा के ग्रेड-4 के एक श्रधिकारी श्री निर्मल गांगुली की श्राधिक सलाहकार के कार्यालय, उद्योग मंत्रालय में 1 फरवरी, 1984 की पूर्वाह्न से भारतीय श्राधिक सेवा के ग्रेड-3 के एक पद पर मुख्य श्रन्संधान श्रधिकारी के रूप में नियुक्ति करते हैं।

मन मोहनसिंह भ्रपर श्राधिक सलाहकार

पूर्ति तथा निषटान महानिदेशालय (प्रशासन अनुभाग-6)

नई दिल्ली-110001, दिनांक जनवरी, 1984

सं० ए०-17011/246/84-प्र०-6---महानिदेशक-, पूर्ति तथा निपटान, निरीक्षण निर्देशक, कलकत्ता के कार्यालय में भंडार परीक्षक (अभियांतिकी) श्री एस० के० नान को 4 जनवरी, 1984 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश दिए जाने तक उसी कार्यालय में तदर्थ आधार पर सहायक निरीक्षण अधिकारी के पद पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 7 फरवरी 1984

सं० ए०-17011/245/84-ए०-6—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान ने उत्तरी निरीक्षण, मण्डल के अधीन उप निदेशक निरीक्षण कानपुर के कार्यालय में भण्डार परीक्षक (इंजीनियरी) श्री वीं० के० अग्रवाल को दिनांक 16 जनवरी, 1984 के पूर्वाह्म से आगामी आदेण दिये जाने तक, निरीक्षण निदेशक, उत्तरी निरीक्षण मंडल, के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में स्थानापन रूप से तदर्थ आधार पर सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजीनियरी) नियुक्त किया है।

विनांक 10 फरवरी 1984

सं० ए०-17011/244/84-प्र०-6—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान, निरीक्षण निदेशक, उत्तरी निरीक्षण मण्डल, नई दिल्ली के कार्यालय के भण्डार परीक्षक (अभियांतिकी) श्री बी० बी० साहनी को 16 जनवरी, 1984 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश जारी होने तक निरीक्षण निदेशक, कलकत्ता के कार्यालय में, तदर्थ आधार पर सहायक निरीक्षण अधिकारी (अभियोद्रिकी) के पद पर नियुक्त करते हैं।

> एस० एल० कपूर उप निवेशकः (प्रशासन) कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

मई दिल्ली-110001, दिनांक 8 जनवरी 1984

सं० प्र०-6/247(626)—राष्ट्रपति, निरीक्षण निर्वेशक, कलकत्ता के कार्यालय में सहायक निरीक्षण अधिकारी (अभि०) श्री के० के० बनर्जी को 7 जनवरी, 1984 के पूर्वाह्न से तदर्घ आधार पर (भारतीय निरीक्षण सेवा के ग्रेड-III ग्रुप "ए" अभियांतिकी णाखा) का निरीक्षण अधिकारी (अभियांतिकी) नियुक्त करते हैं।

श्री के० के० बनर्जी की तदर्थ नियुक्ति से उन्हें नियमित नियुक्ति का दावा करने का हक नहीं होगा तथा उनके द्वारा की गई तदर्थ सेवा उस ग्रेड में वरीयता और पदोक्सित तथा स्थायीकरण की पात्रता के लिए गिनी नहीं जायेगी।

श्री बनर्जी ने निरीक्षण निदेशक, कलकत्ता के कार्यालय में सहायक निरीक्षण अधिकारी (अभियांतिकी) के पद का कार्यभार 7 जनवरी, 1984 के पूर्वीह्न से छोड़ दिया तथा उसी दिन उसी कार्यालय में निरीक्षण श्रधिकारी (श्रभियांत्रिकी) के पद का कार्यभार सम्भाल लिया है।

दिनांक 1 फरवरी 1984

सं० ए०-17011/7/71/प्र०-6—राष्ट्रपति, सहायक निरीक्षण अधिकारी (अभि०) श्रीबी० एन० चौधरी को 7 जनवरी, 1984 के पूर्वाह्न से 6 महीने की अवधि के लिये अध्या पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, तवर्थआधार पर निरीक्षण अधिकारी (भारतीय निरीक्षण सेवा के ग्रेड-III ग्रुप ''ए'' अभियांतिकी शाखा) के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री बी० एन० बौधरी की तदर्थ नियुक्ति से उनको नियमित नियुक्ति का दावा करने का कोई हक नहीं होगा तथा उनके द्वारा तदर्थ आधार पर की गई सेवा उस ग्रेड में वरीयता, पदोन्नति तथा स्थायीकरण की पावता के लिये नहीं गिनी जायेगी।

श्री चौधरी ने दिनांक 7-1-1984 के पूर्वाह्म से कलकत्ता स्थित कलकत्ता निरीक्षण मंडल में सहायक निरीक्षण अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया है तथा उसी तारीख से उसी स्टेशन पर निरीक्षण अधिकारी के पद का कार्यभार सभावः लिया है।

विनांक 7 फरवरी 1984

सं० ए०-6/247(491)—-राष्ट्रभति, उत्तरी निरीक्षण मंडल के अधीन कानपुर के सहायक निरीक्षण अधिकारी (धात्) श्री पी० चटर्जी को दिनांक 16-1-84 के पूर्विह्न से छः मास की अवधि के लिये तदर्थ आधार पर सहायक निरोक्षण (धात्) (भारतीय निरीक्षण सेवा के ग्रेड 3 के ग्रुप 'ए' धातु शाखा) के पद पर नियुक्त करते हैं।

- 2. श्री चटर्जी को तदर्थ नियुक्ति से नियमित नियुक्ति करने का दावा करने का कोई हक नहीं होगा और उनके द्वारा की गई तदर्थ सेवा उस ग्रेड में वरिष्ठता तथा पदोक्षति की पावता एवं स्थायीकरण के लिए नहीं गिनी जायेगी।
- 3. श्री चटर्जी ने दिनांक 11-1-84 के अपराक्ष में उत्तरी निरीक्षण मंडल के अधीन कानपुर में सहायक निरीक्षण अधिकारी (धातु) के पद का कार्यभार छोड़ दिया और दिनांक 16-1-84 के पूर्वाह्म से बर्नपुर में सहायक निदेशक निरीक्षण (धातु) के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

दिनांक 8 फरवरी 1984

सं० ए०-17011/60/73-ए०-6—राष्ट्रपति, सहायक निरीक्षण अधिकारी (वस्त्र) श्री आर० एन० कौल को दिनांक 23 जनवरी, 1984 के पूर्वाह्म से छः मास की अवधि के लिये तदर्थ आधार पर निरीक्षण अधिकारी (भारतीय निरीक्षण सेवा के ग्रेड 3 के ग्रुप "ए" वस्त्र भाखा) के पद पर नियुक्त करते हैं।

- 2. श्री आर० एन० कौल को तदर्थ नियुक्ति से नियमित नियुक्ति का दावा करने का कोई अधिकार/हक नहीं होगा और उनके द्वारा की गई तदर्थ मेवा उस ग्रेड में वरिष्ठता तथा पदोन्नति की पान्नता एवं स्थायीकरण हेतु नहीं गिनी जायेगा।
- 3. श्री कौल ने दिनांक 13-1-1984 के अपराह्म में बम्बई निरीक्षण अधिकारी (वस्र) के पद का कार्यभार छोड़ दिया और दिनांक 23-1-1984 के पूर्वाह्म से उत्तरी निरीक्षण मंडल, नई दिस्ली में निरीक्षण अधिकारी (वस्त्र) के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

एस० एल० कपूर उप निदेशक (प्रशासन)

इस्पात और खान मंद्रालय (खान विभाग) भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 9 फरवरी 1984

सं० 932बी/ए०-32013(ए०ओ०)/80-19ए०--भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अधीक्षक श्री एम० एन० घटक को प्रशासनिक अधिकारी के रूप में उसी विभाग में, 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेसनमान में,

तवर्य आधार पर, 5-12-83 से 7-1-84 तक श्री एन० सी० सरकार, प्रशासनिक अधिकारी, भूभौतिकी प्रभाग, पूर्वी क्षेत्र, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, कलकत्ता की अवकाण रिक्ति के स्थान पर पदोन्नति पर नियुक्त कर रहे हैं।

अमित कुणारी निदेशक (कार्मिक) भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

भारतीय खान ब्यूरो नागपुर, दिनांक 9 फरवरी 1984

सं० ए०-19011(19)/70-स्था० ए०--श्री एस० के० दासगुप्ता, स्थायी क्षेत्रीय खान नियंत्रक, भारतीय खान न्यूरो ने, जो कि योजना आयोग में संयुक्त सलाहकार (खनिज) के पद पर प्रतिनियुक्ति पर थे, योजना आयोग में अपना पदभार दिनांक 16 जनवरी, 1984 के अपराह्म से छोड़ दिया है ग्रोर भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड में प्रतिनियुक्ति के आधार पर प्रमुख (कारपोरेट प्लान) का पदभार दिनांक 17 जनवरी, 1984 के पूर्वाह्म से ग्रहण कर दिया है।

आशाराम कश्यव वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी कृते महानियंत्रक भारतीय खान ब्युरो

भारत के महासर्वेक्षक का कार्यालय

देहरादून-248001, दिनांक, 17 जनवरी 1984

सं० सी०-6038/707---निम्नलिखित अधिकारी भारतीय सर्वेक्षण विभाग में अधिकारी सर्वेक्षक (ग्रुप "बी") के पद पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में प्रत्ये के नाम के सामने दी गई तारीख से स्थानापन्न रूप में पूर्णत्या तदर्थ अनिन्तम आधार पर नियुक्त किए जाते हैं:---

न म सं०	नाम श्रौर पदनाम	य्निट/कार्यालय	तारीख
1	2	3	4.
1.	सर्वश्री कृष्ण लाल, सर्वेक्षण सहायक सिले० ग्रेष्ठ ।	सं० 3 पार्टी (पश्मिोचत्तर सं०), अम्बाला ।	19- 8- 83 (पूर्वाह्न)
	सतीम चन्द गर्ग. सर्वेक्षक सिले० ग्रेड जसवन्त सिंह, सर्वेक्षण सहायक	मं० 39 पार्टी (स० प्र० सं०), हैदराबाद सं०16 आरेखण कार्यालय (मा० प्र० निदेशालय),	20-8-83 (पूर्वाह्म) 1-11-83
	सिले० ग्रेड	देहरादून।	(पूर्वाह्न)

1	2	3	4
	सर्वेश्वी		,
4	राजेन्द्र सिंह रावत, सर्वेक्षक सिले० ग्रेड	सं० 91 पार्टी (उ०स०), लखनऊ	19-8-83
5.	राजकुमार पुरी,	सं० 92 पार्टी (द०पू०	20-8-83
	सर्वेक्षक सिले० ग्रेड	स०), वाराणसी ।	(पूर्वाह्म)
6.	. राजेन्द्र कुमार,	सं० 54 पार्टी (द०म०	19-8 - 83
	सर्वेक्षक सिले० ग्रेड	स०), हैदराबाद	(पूर्वाह्न)
7	. राम किशन,	सं० 88 पार्टी (म०स०),	19-8-83
	सर्वेक्षक सिले० ग्रेड	रायपुर	(पूर्वाह्न)

सं० सी०-6039/707—निम्नलिखित अधिकारी भार-तीय सर्वेक्षण विभाग में अधिकारी सर्वेक्षक (ग्रुप "बी") के पद पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से स्थानापन्न रूप में पूर्णतया तदर्थ अनन्तिम आधार पर नियुक्त किए जाते हैं :--

% स नास श्रीर पदनास

यनिट/कार्यालय

तारीख

नःम सं०	गान श्रार प्रयाग	4 11 C/11 4 1814	VII KIM
1	2	3	4
,	सर्वश्री		
1.	एन० सी० सुन्दरियाल, सर्वेक्षक सिले० ग्रेड	सं० 90 पार्टी (उ० स०), देहरादून	31-10-83 (पूर्वाह्न)
2.	अमरनाथ गुप्ता, सर्वेक्षक सिले० ग्रेड	मा० अ० एवं नि० कार्यालय (मा० प्र० निदेशालय), देहरादून	24-11-83 (पूर्वाह्न)
3.	शीश राम, सर्वेक्षक सिले० ग्रेड	सं० 10 आरेखण कार्या- लय (द०पू०स०), भुवनेष्वर	19-10-83 (पूर्वाह्स)
4.	सोमनाथ चौहान, सर्वेक्षक सिले० ग्रेड	सं० 86 पार्टी (द० म० स०), विशाखापत्तनम	29-6-83 (पूर्वाह्न)
5.	हुब्ब लाल, सर्वेक्षक सिले० ग्रेड	सं० 85 पार्टी, (द० म० स०), नागपुर	30-6-83 (पूर्वाह्न)
6.	जी० बी० नीलामना- वर, सर्वेक्षक सिले० ग्रेड	सं० 8 पार्टी,(द०स०), बेंगशूर	27-9-83 (पूर्वाह्न)

जी० सी० अग्रवाल मेजर जनरल भारत के महासर्वेक्षक

राष्ट्रीय पुस्तकालय, बेलवेडियर

कलकत्ता-27, दिनांक 13 फरवरी 1984

सं० ए० डी० एम०/कॉन/एस०-1(25/2)/9104— विभागीय पदोन्तित समिति (अवर) की 25 अक्तूबर 1983 को हुई बैठक की संस्तृति पर और संस्कृति विभाग के पत्र सं० एफ० 10-28/83-लाइब दिनांक 1 दिसम्बर, 1983 में उल्लिखित ग्रादेश के ग्रनुरूप कु० माया राय (तदर्थ), ग्राधिक (तकनीकी) राष्ट्रीय पुस्तकालय, कलकत्ता की पदोन्नति सहायक पुस्तकाध्यक्ष के पद वेतनमान ६० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द०रो०-40-1200 पर तदर्थ आधार पर 2 जनवरी, 1984 (पूर्वाह्र) से अगला आदेश निकलने तफ की जाती है।

सं० ए० डी० एम०/कॉन/एस-1(25/2)/9112-विभागीय पदोन्नति समिति (अवर) की 25 अक्तूबर, 1983 को हुई बैठक की संस्तृति पर श्री एस० एन० भादुड़ी, अधीक्षक (तकनीकी) (तदर्थ), राष्ट्रीय पुस्तकालय, कलकत्ता की पदोन्नति तदर्थ आधार पर प्रशिक्षण के लिये प्रतिनिधिमंडल के रूप में ग्रेट क्रिटेन गये हुए श्री सी० डी० देववर्मा, सहायक पुस्तकाध्यक्ष की जगह स्थानापन्न के रूप में सहायक पुस्तकाध्यक्ष की जगह स्थानापन्न के रूप में सहायक पुस्तकाध्यक्ष के पव वेतनमान क० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 पर 9 जनवरी, 1984 से की जाती है।

अशीन दासगुप्त निदेशक

आकाशवाणी महानिवेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 6 फरवरी 1984

सं० 4/3/84-एस-दो—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्-हारा श्री आनन्द त्रिपाठी, हिन्दी अनुवादक, ग्राक्षाशवाणी, लखनऊ को 650-30-740-35-810-द० रो०-35-800-40-1200 स्पये के वेतनमान में 12-1-84(पूर्वाह्र) से आकाशवाणी, लखनऊ में तदर्थ आधार पर प्रति-नियुक्ति पर हिन्दी अधिकारी के पद पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 14 फरवरी 1984

सं० 6/58/63-एस-एक--श्री एस० पी० श्रीवास्तव, कार्यक्रम निष्पादक, आकाशवाणी, नजीबाबाद, का 10 दिसम्बर, 1983 को निधन हो गया।

सं० 4(41)/75-एस०-एक-—कुमारी एस० बी० मेहेंन्दले, कार्यक्रम निष्पादक, आकाशवाणी, बम्बई ने 24 दिसम्बर, 1983 से सरकारी सेवा से त्याग-पत्न दे विवा $\frac{1}{6}$ ।

> हरीश चन्द्र जयाल प्रशासन उपनिदेशक कृते महानिदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 8 फरवरी 1984

सं० ए० 19018/21/81-के० स० स्वा० यो० 1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० (कुमारी) पूर्णिमा साधु को 10 नवम्बर 1983 पूर्वाह्नसे आगामी आदेणों तक केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली में होम्योपैथिक फजीशियन के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

टी० एस० राव, उपनिदेशक प्रशासन (के०स०स्वा०यो०)

विस्तार निदेणालय

कुषि एवं सहकारिता विभाग (कृषि मंत्रालय)

नई दिल्ली, दिनांक 24 जनवरी 1984

सं० 2(6)/83-स्थापना (1)—-श्री एन० शिवरामा कृष्णन, सहायक प्रदर्णनी अधिकारी (ग्रेड-II) की सहायक प्रदर्णनी अधिकारी (ग्रेड-II) (राजपत्रित) (अलिपिकवर्णीय) (ग्रुप-बी) के पद पर रूपये 650—30—740—35—810—द० रो०—35—880—40—1000—द० रो०—40—1200 के जेसनमान में विस्तार निदेशालय, कृषि मंत्रालय, कृषि एवं सहकारिता विभाग में पूर्णतया लदर्थ आधार पर 1 नवम्बर 1983 से 29 फरवरी 1984 तक पदोन्नत किया गया।

आर० जी० बनर्जी, निदेशक प्रशासन

ग्रामीण विकस मंत्रालय विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय, फरीदाबाद, दिनांक 7 फरवरी 1984

सं० ए०-19025/1/84-प्र० III—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री सुनील कुमार को दिनाक 19-1-1984 (पूर्वाह्म) से अगले आदेश होने तक इस निदेशालय के अधीन फरीवाबाद में स्थानापन्न सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग-I) के रूप में नियुक्त किया गया है।

सं० ए०-19025/3/84-प्र०-III—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री सुभाष चन्त्र गुप्ता को दिनांक 13-1-1984 (पूर्वान्ह) से अगले आदेश होने तक इस निवेणालय के प्रधीन फरीदाबाद में स्थानापन्न सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग-I) के रूप में निय्क्त किया गया है।

दिनांक 13 फरवरी 1984

सं० ए० 19023/9/81-प्र० III—श्री एन० जे०पिल्लई, महायक विपणत अधिकारी को इस निदेशालय के अधीन गूट्र 2—486GI[83 दिनोंक 3-12-1983 (पूर्वाह्म) से 3 महीने की अवधि के लिए या जब तक पव नियमित आधार पर भरा जाता ह, दोनों में से जो भी पहले हो, पूर्णतथा तदर्थ आधार पर स्थानापन्न विपणन अधिकारी (वर्ग-1) के रूप में पदोन्नत किया गया है।

सं० ए० 19025/57/81-प्र०-III—इस निवेशालय के अधीन श्री नन्द लाल राम द्वारा सहायक विषणा अधिकारी (वर्गा) के पद से दिया गया त्याग पत्र दिनाक 24-12-1983 (अपराह्म) से स्वीकृत किया गया है।

सं० ए० 19023/3/83-प्र० III—विभागीय पुदोन्नति समिति (वर्ग 'ख') की संस्तृतियों के अनुसार श्री के० सुब्बा-रमी रेड्डी को इस निदेशालय के अधीन हैदराबाद में दिनांक 30-4-83 पूर्वान्ह से नियमित आधार पर विपणन ग्रीधकारी (वर्ग I) के रूप में पदोन्नति कियागया है।

2. विषणन अधिकारी के रूप में पदोन्नत होने के उपरान्त श्री रेड्डी ने हैदराबाद में दिनांक 29-4-83 (अपरान्ह) को सहायक विषणन अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

मं० ए०/19023/7/83-प्र०-III—इस निदेशालय के अधीन फरीदाबाद में श्री वी० के० शर्मा द्वारा विपणन विकास अधिकारी के पद से दिया गया त्यागपत्र दिनांक 18-1-84 (अराह्म) सेस्वीकृत दिया गया है।

सं० ए० 19025/2/84-प्र० III—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री किशोर चन्द को दिनांक 18-1-1984 (पूर्वाह्म) से ग्रगले आदेश होने तक इस निवेशा-लय के अधीन फरीदाबाद में स्थानापन्न सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग-I) के रूप में नियुक्त किया गया है।

> गोपाल शरण शुक्ल, कृषि विपणन सलाहकार

भाभाषरमाणुअनुसंधान केंद्र कार्मिक विभाग

संबई-400 085, विनांक 28 दिसम्बर 1983

सं० पी० ए०/81(10)/83-आर-4----निदेशक, माभा परमाणु अनुसंधान केंद्र के निम्नलिखित अधिकारियों को वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस० बी० पद पर उनके नाम के सामने कालम नं० 4 में अंकित तिथि से अग्रिम आदेशों तक स्थानापश्च रूप में इसी अनुसंधान केंद्र में नियुक्त करते हैं।

ऋमांक	नाम	वर्तमान पद	नियुक्ति तिथि
1	2	3	4
•	गंश्री ो० वी० मराठे ►	ग् स ाग्० (सीं०),	1-8-8.3 (पूर्वाह्न)
2. र्व	ा० एच० गो ख ले	एस० ए० (सी०)	(१ ग. ल) वही

1 2	3	4
सर्वश्री	**************************************	
3. एम० के० मजुस	ादार एस०ए० (सी०)	वही
4. ए. के० मुखर्जी	एस० ए० (सी०)	वही
5. पी० के० मुखोप	ाध्याय एस० ए० (सी०)	वही
	ार एस०ए०(सी०)	ब ही
7. वी० बालसंदर	राव एस०ए०(सी०)	वही
	टे॰ मन (इ)	वही
9. एन. के० चऋव	र्ती फोरमैन	वही
	ताप एस० ए० (सी०)	वहीं
	ले ए०ए० (सी०)	वही
	ा एस०ए० (सी०)	वहीं
13. पी० एस० नाग	राजा एस०ए० (सी०)	वही
14 एस० एम० बने	डिकर एस०ए० (सी०)	वही
15. कें० के० ठाक	र एस०ए०(सी०)	वही
16 एम० वी० दीन	∤ांकर एस० ए० (सी'०)	वही
	ग एस०ए० (सी०)	वही
	एस्०ए० (सी०)	वही
	धनाथन एस०ए० (सी०)	बही 3-8-83
20 वी० आर० जोक	ग्री: एस०ए०(मी०)	
		(पूर्वाह्स)
21. व्हि०एस० अय	≀र एस०ए०(सी०)	1-8-83
		(पूर्वाह्न)
22. डा० एस० के०	· - ·	_
दास	एस० ए० (सी०)	बहीं
	ने एस०ए० (सी०)	वही
2.4. पी० आर० बा		
•	एस० ए० (सी०)	वही
	फ एस०ए०सी०)	
26. पी० व्हि० जार्ज	ं एस० ए० (सी.)	
27. एस० एम० शुक्		वक्षी
28 एम० एम० शि		वही
29. टी०सी० राजन		वही
30. एस० एस० रा		वही -^
3.1. पी० के० काथ		वही - C
32. एच० सी० गांध		वहीं .
33 एम॰ टी॰ जन		वही
34. व्हिल्पी० कदम	ा एस०ए० (सी०)	वही

दिनांक 19 जनभरी 1984

सं० पी० ए०/8 1(1)/8 3-म्रार-IV: निदेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र, नाभिकीय ईधन सम्मिश्रु के अस्थायी बैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड 'एस० बी०' श्री भरथन अन्यगार को उनके नाभिकीय ईधन सम्मिश्र से स्थानांतरित हो जाने पर, विनांक 13 जुन, 1983 पूर्वाह्न मे, आगामी आदेश

होने तक, भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र में,वैज्ञानिक अधि-कारी/इंजीनियर ग्रेड 'एस० वी' पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

> बी० सी० पास, उपस्थापना अधिकारी,

परमाणु ऊर्जा विभाग नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना बुलन्दशहर दिनांक 11 फरवरी 1984

सं० न० प० वि० प० | प्रमा० | II | (6) | 83 | एस | 946— मुख्य परियोजना अभियन्सा, नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना, नरौरा स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक तथा स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी श्री एस० सी० बन्सल को, दिनांक 1-2-84 के पूर्वाह्न से अग्रिम आदेगां तक र० 650—30— 740—35—880—द० रो०—40—960 के वेतनमान में ननौरा परमाणु विद्युत परियोजना में कार्मिक अधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

आर० के० बाली प्रशासन अधिकारी-III

मद्रास परमाणु विद्युत परियोजना कलपाक्कम, दिनांक 25 नवम्बर 1983 आदेण

सं० म० प० वि० प०/31(1252)/75-आई० ई०आ(र०-2734--चूंकि मद्रास परमाणु विद्युत परियोजना के
संगठन एवं पद्मित वर्ग की ग्रीशोगिक स्थापना में कारीगर
(ए) के पद पर स्थायी रूप से ग्रीर कारीगर (सी) के पद
पर स्थानापन्न रूप से काम कर रहे श्री जी० कन्नन उन्हें
7-1-183 से 13-2-83 तक के लिए मंजूर की गई छुट्टी की
अवधि पूरी होने पर ड्यूटी पर उपस्थित नहीं हुए। इसके स्थान पर
उन्होंने 7-2-83 को एक पत्न भेज दिया, जिसमें 31-3-83
तक छट्टी मंजूर करने का अन्रोध किया गया था।

2. चूंकि इस परियोजना ने श्री कम्नन को 15-2-83 को एक तार भेजा जिसमें उन्हें तत्काल इयूटी पर उपस्थित होने को कहा गया था—श्रीर इस तार की तारीख 15-2-83 की डाक प्रति संख्या म० प० वि० प०/31(1252)/85 आई०ई०/आर० 364 रजिस्ट्री रसीदी डाक द्वारा उनके स्थायी परे एम० जी० स्ट्रीट, कालाहस्ती-517644 पर भेजी गई जिसे, डाक अधिकारियों ने इस टिप्पणी के साथ लौटा विया, "बिना कोई सूचना दिए कहीं श्रीर चले गए अतः इसे प्रेषक को लौटाया जा रहा है।"

 चूंकि 28-3-83 को व्यक्तिगत रूप से जांच की गई ग्रीर उससे पता चला कि श्री जी० कन्नन अपने मूल निवास स्थान पर भी नहीं मिले हैं और उनके निकट संबंधी भी उनके बारे में यह नहीं बता सके कि वे कहां हैं।

- 4. चूकि श्री जी० कन्नन ने 30-3-83 को कालाहस्ती से एक श्रीर पत्न भेजा जिसमें उन्होंने अनुरोध किया था कि खुट्टी की अवधि 31-5-83 तक बढ़ा दी जाए।
- 5. चूंकि इस परियोजना ने श्री जी कि कन्नन को एक श्रीर तार 4-4-83 को भेजा जिसमें उन्हें फौरन ड्यूटी पर लोटने को कहा गया था श्रीर उस तार की डाक प्रतियां एम जी कस्ट्रीट, कालाहस्ती-517644 श्रीर संख्या 15-11-37, कामराज सलायां, चिम्मलपट्टी पोस्ट, जिला मदुराई के पते पर भेजी गई जिन्हें डाक विभाग ने श्रमणः "विना कोई सूचना विए कहीं श्रीर चले गए अतः इसे प्रेषक को लौटाया जा रहा है" श्रीर "इस पते वाला कोई व्यक्ति नहीं है" टिप्पणी देकर लौटाया विया ।
- चूंकि श्री जी० कन्नन परियोजना द्वारा उक्त लिखित अनुदेशों के बावजूद इ्यटी पर उपस्थित नहीं हुए।
- 7. चूकि अनुशासन-प्राधिकारी ने श्री जी० कञ्चन के विरुद्ध केन्द्रीय सिविल रेवा (वर्गीकरण नियन्त्रण सथा अपील) नियम, 1965 के नियम 14 के अन्तर्गत जांच का प्रस्ताव रखा और तारीख 6-6-83 के कार्यालय ज्ञापन संख्या म० प० वि० प०/31(1252)/75 आई० ई० आर० 1178 के श्रंतर्गत एक आरोप-पत्र रजिस्ट्री रसीदी डाक द्वारा एम० जी० स्ट्रीट, कालाहस्ती-517644 तथा संख्या 15-11-37, कामराज सलाय, प्रिम्मलपट्टी पोस्ट, जिला मदुराई के पते पर भेजा गया लेकिन आरोप-पत्र की दोनों प्रतियाँ डाक विभाग ने वितरण के बिना इस टिप्पणी के साथ लौटा वी कि "वे बिना कोई अनुदेश छोड़े कहीं और चले गए"।
- क्षि श्री जी० कन्नन अनुपस्थित रहे भीर परियोजना तो अपने पते ठिकाने के बारे में उन्होंने कोई सूचना नहीं दी।
- कृषिक श्री जी० कन्नन सेवा को स्वेच्छयात्याग देने के दोषी हैं।
- 10. चूंकि श्री जी० कसन ने उन सभी मौकों का लाभ उठाने में पूरी लापरवाही बरती है जो उन्हें इसलिए दिए गए रे कि वे या तो ड्यटी पर उपस्थित हो या अपने विरुद्ध लगाए गए आरोपों से बचाब के लिए अभ्यावेदन दें श्रीर चूंकि उनका ता-ठिकाना इस परियोजना को विदित नहीं है।
- 11. और चूंकि श्री कन्नन ने इस परियोजना को अपना ता-ठिकाना बताए बिना अपनी सेवा का परित्याग किया है, भौर में इस बात से संतुष्ट हूं कि केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गी- हरण नियंत्रण तथा अपील) नियम 1965 के नियम 14 में उल्लिखित प्रावधान के अनुसार इस मामले की जांच करना मुचित्ररूपेण व्यावहारिक नहीं है।
- 12. अतः अब मैं कदाचार के स्वरूप को ध्यान में रेखेश .ए, केंद्रीय सिविल सेवा (अर्गीकरण नियंत्रण तथा अपील)

नियम, 1965 के नियम 19 (I) में प्रवक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त श्री जी० कन्तन पर तत्काल "सेवा से पदस्युत किए जाने" का दंड अधिरोपित करता हूं श्रौर यह निदेश भी वेता हूँ कि 14-2-1983 से लेकर सेवा से पदच्युत किए जाने की तारीख की अविध की उनकी अनुपस्थिति को "अकार्य अवधी" माना जाए।

13. श्री जी० कन्तन को तदनुसार सूचित किया जाता है।
श्री जी० कन्नन,
द्वारा श्री एस० एस० सुरली,
रंगैरूया चेट्टी बिल्डिंग के पास,
एम० जी० स्ट्रीट,
कालाहस्ती-517644
श्री जी० कन्तन,
15-11-37, कामराज सलाय,
चिन्मलपट्टी पोस्ट,

एम० हरिप्रसाद राव, परियोजना निदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 8 फरवरी 1984

सं० ए० 35014/1/80-ई० 1—महानिदेशक नागर विमानन के कार्यालय के श्री एच० एस० गोविला, लेखा अधिकारी निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने पर दिनांक 31-1-1984 अपराह्म से सरकारी सेवा से निवृत हो गए हैं।

जें० सी० गर्ग, उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 24 जनवरी 1984

स० ए० 31014/1/82-ई० सी०—महानिदेशक नागर विमानन ने निम्नलिखित अधिकारियों को विनांक 10 जनवरी, 1984 से नागर विमानन विभाग के वैमानिक संचार संगठन में सहायक संचार अधिकारी के ग्रेड में स्थायी रूप से नियुक्त किया है:—

ऋम सं०

सर्वश्री

नाम

- 1. एम० एल० चोपड़ा
- 2. के० एल० करमाकर
- 3. एस० बी० चऋवर्ती
- 4. बी० एस० गुसाई
- एस० एन० भागवत
- 6. जे० एस० ग्रगस्टम
- 8. घी० वी० पतंकर

ऋम सं० नाम्	
8. के० पी० स्वामी	
9. एम० डी० कृतीरा	
10 श्रार० एन० मोगे	
11. ए० के० बनर्जी	
12. एस० के० दास	
13. एस० वी० चोलकर	
	श्रो० पी० श्रग्नवालं,

श्रो० पी० श्रग्नवालं, सहायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 8 फरवरी 1984

सं० ए० 38015/3/80-ई० एस०—क्षेत्रीय निदेशक, दिल्ली क्षेत्र, सफदरजंग एयरपोर्ट, नई विल्ली ग्रांर क्षेत्रीय निदेशक, बम्बई क्षेत्र, बम्बई एयरपोर्ट, बम्बई के कार्यालय के क्रमण: सर्वश्री डी० देव ग्रांर वी० ग्रार० एस० नायर प्रशासनिक ग्रिधकारियों (समह "ख" पद) ने निवर्तन ग्रायु प्राप्त कर लेने पर दिनांक 31 दिसम्बर 1983 ग्रपराह्न से ग्रपने पदों का कार्यभार स्याग दिया है।

बी० भौमिक, सहायक निदेशक प्रशासन

विदेश संचार सेवा

बम्बई दिनांक

सं० 1/216/84-स्था०—विवेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्दारा स्विचन समूह, बम्बई के तकनीकी सहायक, श्री एच० एफ० सोनकुसरे को 4 जनवरी, 1984 के पूर्वाह्न से श्रागामी श्रादेशों तक उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से सहायक श्रीभयंता नियुक्त करते हैं।

दिनांक 8 फरवरी 1984

सं ० 1/7/84-स्था ० — एतद्द्वारा विदेश संचार सेवा के महा-निदेशक निम्नलिखित तकनीकी सहायकों को नियमित श्राधार पर प्रत्येक के सामने दी गई शाखा में 26 दिसम्बर 1983 के पूर्वाह्न से श्रागामी श्रादेशों तक स्थानापन्न एप में सहायक श्रिभयंता नियुक्त करते हैं:—

ऋम सं०	नाम	तैनाती की शाखा	स्थानापश्च सहा० ग्रभियंताके देखप में नियुक्ति पर तैनाती_की शाखा
1	2	3	4
1. জ	र्वश्री १० मुखोपाध्याय	कलकत्ता	प्र ार्वी
	ी० म्रार० एल० र_सिम्हन	नई दिल्ली	नई दिल्ली

1	2	3	4
3.	एस० सी० भ्रोहरी	नई दिल्ली	मई दिल्ली
4.	जतीन्दरजीत सिंह	नई दिल्ली	नई दिल्ली
5.	पी० द्यार० गुप्त	मद्रास	मद्रास
6.	बी० एस० डेविड	. वि० प्र० अ०, पुणे	ग्रावीं
7,	राजेन्द्र सिंह	नई दिल्ली	नई दिल्ली
8.	ए० के० गुप्त	नई दिल्ली	नई दिल्ली
9.	जीत सिंह	त्रम्बई	मुख्यालय, बम्बई
10.	सुभाष चन्द	नई दिल्ली	नई दिल्ली
11.	वी ०एम ०एन ०पाथुलू	स्विचन समूह,	स्विचन सम्ह,
		बम्बई	वम्बई
12.	एन० के० गुप्त	नई विल्ली	नई दिल्ली
13.	विशेषर नाथ	स्विचन समूह,	स्त्रिचन समूह,
		बम्बई	बम्बई
14.	एल० के० मुखर्जी	कलकत्ता	स्विचन सम <u>ृह</u> ,
15.	श्रार० एन० पोहार	कलकत्ता	बम्बई लच्छीवाला,
	<u>~ _*</u>	7	देहरादून ——
	जी० सुब्दैया	मद्रास∤	मद्रास
17.	म्रार० एस० मा	कलकत्ता	कलकत्ता

र० का० ठक्कर, उप निदेशक (प्रशा०), कते महानिदेशक

भारतीय वन्य प्राणी संस्थान

देहरादून, दिनांक 9 फरवरी 1984

सं० 197/84-डब्ल्यू० एल० म्राई०/3(22)ब--श्री एस० बी० प्रसाद, सेक्शन म्राफिसर (एकांउटस) ए० 1065, कार्यालय रक्षा लेखा महानियंत्रक नई दिल्ली, को । फरवरी 84 के पूर्वाह्म से भ्रागामी श्रादेशों तक भारतीय वन्य प्राणी संस्थान, देहरादून, में तवर्ष भ्राधार पर प्रतिनियुक्ति पर वित्त श्रिधकारी के पद पर नियक्त किया जाता है।

वी० बी० सहारिया, निदेशक, भारतीय बन्य प्राणी संस्थान, देहरादुन

केंद्रीय जल आयोग

नई दिल्ली 110066, दिनांक 30 जनवरी 1984

म॰ ए॰ 19012/1040/80-स्था॰ पांच---श्रध्यक्ष, केंद्रीय जल श्रायोग श्री विवेकानन्य दत्ता, पर्यवक्षक को 21-12-1983 की पूर्वाह्न से एक वर्ष की श्रवाध के लिये। प्रथम पद के नियमित ग्राधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, पूर्णतया ग्रस्थायी एवं तदर्थ ग्राधार पर रू० 650-30-740-35-810-द० रो०- 35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में ग्रितिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर (इंजीनियरी) के ग्रेड में थानापन्न क्षमता में नियुक्त करते हैं।

सं० ए० 19012/1042/83 स्था० पांच—- अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग, एतद् झारा श्री डी० के० दास, पर्यवेक्षक को स्थानापन्न रूप में पूर्णतया अस्थाई एवं तदर्थ आधार पर रू० 750-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में 24 दिसम्बर 1983 पूर्वीह्न से एक वर्ष या जब तक कि यह पद नियमित तौर पर भरा जाए, जो भी पहले हो, के अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर (इंजीनियर) के पद पर नियुक्त करते हैं।

उपरोक्त ग्रधिकारी की पदोन्नति माननीय उच्च न्यायालय, कलकत्ता में लम्बित 1980 के सिविल नियम संख्या 10823 (डब्ल्यू) के परिणाम के ग्रध्यधीन है।

> डी० कृष्णा, ग्रवर सचिव केंद्रीय जल श्रायोग

केन्द्रीय जल स्रायोग जलवैज्ञानिक प्रेक्षण एवं बाढ पूर्वानुमन (दक्षिण) वृत्त

हैदराबाद-500001, दिनांक 1 दिंसम्बर 1983

र्स० एच० ग्रो० एफ० एफ० एस०सी०/ए/20012/465/82/ प्रशा/8616-20—केंद्रीय सिविल सेवाऐं (ग्रस्थाई सेवाऐं) नियम 1965 के नियम 5(1) के ग्रन्तर्गत सेवा समाप्त करने की सूचना जारी करना।

केंद्रीय सिविल सेवाएें (ग्रस्थाई सेवाएें) नियम 1965 के उपनियम (।) के ग्रनुसार में, श्री एम० ग्रार० ग्रज़ाहम लिंकन, ग्रनुरेखना का यह नोटिस देता हू कि इस नोटिस के उनको दिएे जाने को तिथि से एक माह पूरे हो जाने की तिथि को उनकी सेवाएें समाप्त हो जायेगी

> के० के० राव, ग्रधीक्षक अभियंता ज० वै० प्रे० एवं बाढ पूर्वा० (दक्षिण),वृत

सीमा शुल्क, उत्पादन शुल्क और स्वर्ण (नियंत्रण) अपीलीय अधिकरण

अधिस्चना

नयी दिल्ली, दिनांक 16 दिसम्बर 1983

संख्या-1/सी. उ. स्व. अ. अधि./83—केन्द्रीय उत्पादन शुक्त और लवण अधिनियम 1944 की धारा 35घ की उप धारा (1) और स्वर्ण (नियंत्रण) अधिनियम 1968 (1968 का 45) की धारा 81 ख की उपधारा (1) के साथ पठित सीमा शुल्क अधिनियम 1962 (1962 का 52) की धारा 129 घ की उप धारा (6) द्वारा प्रदत्त शिक्तियों का प्रयोग करते हुए सीमा शुल्क, उत्पादम शुल्क और स्वर्ण (नियंत्रण) अपीलीय अधिकरण एतद्द्दारा दिनांक 20 नवम्बर 1982 को शासकीय राजपत्र के भाग 3 खंड़ 1 में यथा प्रकाशित, सीमा शुल्क, उत्पादन शुल्क और स्वर्ण (नियंत्रण) अपीलीय अधिकरण (प्रिक्रिया नियमावली 1982) में तत्काल प्रभाव से निम्निलिखित संशोधन करती हैं:--

नियम 6 के लिए निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा:--

- "6 अपील दाखिल करने के लिए प्रक्रिया:—अधिकरण के लिए अपील का ज्ञापन संगत प्रपत्र में होगा और यह संबंधित अधिकारों के समक्ष स्वयं अपीलाथीं अथवा किसी अभिकर्ता द्वारा पेश किया जाएगा अथवा संबंधित अधिकारों को संबंधित करके रिजस्ट्री डाक द्वारा भेजा जाएगा। परन्तु यह तब जब कि अपीलाथीं अत्यावश्यक होने की स्थिति में अथवा अन्य किसी पर्याप्त कारणवश अपील अपने सबसे समीपवतीं न्यायपीठ के संबंधित अधिकारों का भेजे यद्यपि संबंधित विषय किसी भिन्न न्यायपीठ से संबंधित हैं और ऐसी स्थित में अपील प्राप्त करने वाला अधिकारों यथाबीध्र इसे उपयुक्त न्यायपीठ के संबंधित जीधकारों को अग्रेषित करगा।
- (2) डाक द्वारा भेजा गया अपील का ज्ञापन उप-नियम 1 के अधीन संबंधित अधिकारी के समक्ष उस तिथि पर प्रस्तृत किया गया समझा जाएगा जिस दिन यहा संबधित अधिकरी के कार्यालय में प्राप्त हुआ हो।
- स्पष्टोकरण:—(1) इस नियम के प्रयोजनार्थ "प्रपन्न" से, यथास्थित, सीमा शुल्क (अपील) नियमावली 1982, अथवा केन्द्रीय उत्पादन शुलक नियमावली 1944 अथवा स्वर्ण (नियंत्रण) अपील नियमावली 1982 के अधीन अपील पंश करने के प्रयोजनार्थ विहित प्रपन्न अभिन्नोति है।
- (2) इस नियम में किसी कूंच के संबंध में संबंधित अधि-कारी से, ''रीजस्ट्रार'', ''सहायक रिजस्ट्रार'', अथवा समय-समय पर अध्यक्ष द्वारा यथा परिभाषित उस न्यायपीठ के अधि-कार क्षेत्र के अंतर्गत अपील प्राप्त करने के लिए अधिकृत कोई अन्य अधिकारी अभिषेत हैं।

एफ, एस. गिल अध्यक्ष

विद्यी, न्याय और कस्पनी कार्य मंत्रालय कम्पनी कार्य विभाग कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनी रजिस्ट्रार का कार्यालय नई दिल्लीं, दिनांक 31-1-84

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स जगाधरी स्टील लिमिटेड के विषय में

सं० एच० 7012/2291

कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह मूचना दो जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर जगाधरी स्टील लिमिटोड का नाम इसके प्रतिकाल कारण दिश्वित न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर वी जायेगी।

> एच एस शर्मा अपर रिजस्ट्रार आफ कम्पनीज, दिल्ली एवं हरियाणा

कम्पनी श्रधिनियम 1956 एवं ब्रह्मपुरी क्लब लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 25 जुन 1983

सं० 626/20430/560(5)——कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धार 560 की उपधार (5) के श्रनुसरण से एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि ब्रम्हपुरी क्लब लिमिटेड का नाम श्राज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटत हो गई है।

कम्पनी ग्रिधिनियम 1956 एवं वीनस स्टील प्रोडक्टस (इन्डिया) प्राइविट लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 14 श्रक्टूबर 1983

सं० 18417/652/560(3)—कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसान पर वीनस स्टील प्रोडक्टस (इण्डिया) प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृल कारण दिशत न किया गया हो तो रजिस्टर से काट दिया जायगा श्रौर उक्त कम्पनी विघटित कर वी जायगी ।

कम्पनी श्रिधिनियम 1956 श्रौर जे० एम० फिल्टरस प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

बम्बई, दिनांक 9-9-83

सं० 654/17115/560(3)— कम्पनी श्रिधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारण (3) के श्रन्सरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रव-सान पर जे० एम० फिल्टरस प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रति• कूल कारण दिशित न किया गया हो तो रिजस्टर से काट दिया जायगा श्रीर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

कम्पनी श्रिधिनियम 1956 एवं गोयल सिने प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

बम्बई, दिनांक 4 फरवरी 1984

सं० 646/16864/560(5)—कम्पनी श्रधिनिम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि गोयल सिने प्राइवेट लिमिटे म श्राज रिजस्टर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है ।

कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 एवं रेकान ईनमेल्ड बायर्स प्राईबेट लिमिटेड के विषय मे

बम्बई, दिनांक 2 नवम्बर 1983

सं० 17987/649/560(3)—कम्पनी श्रिधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतवृद्धारा यह सूचना वी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर रेकान ईनामेल्ड वायर्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण विश्वत न किया गया हो तो रजिस्टर से काट दिया जायगा श्रीर उक्त कम्पनी विषटित कर दी जायगी।

स्रो० पी० जैन, कम्पनियों का श्रतिरिक्त रजिस्ट्रार, महाराष्ट्र, बम्बई,

कम्पनी अधिनियम 1956 श्रीर श्ररिसण चिटस एण्ड ट्रेडिस प्राईवेट लिमिटेड । के विषय में

कोचीन, दिनांक 10 फरवरी 1984

र्स० 2320(लिक्ब/560(5)/1457/83——कम्पनी भ्रधि-नियम 1956 की धारा 560 की उप धारा (5) के अनुसरण में तद द्वारा सूचना दी जाती है कि श्ररिसण चिटस एण्ड ट्रेंडिंग प्राईबेट लिमिटेड का नाम श्राज रजिस्टर से काट दिया गया है भौर उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

> के० प्रचापकेशन, कम्पनियों का रजिस्ट्रार, केरल

प्रस्प बाई.टी.एन.एस.-----

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2**69-ध (1) के अ**धीन सुधना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 16 नवम्बर 1983

निर्देश सं० ए-205/83-84/एम० जी० डी०/678-79—— अतः मुझे, ई० जे० मावलींग,

मायकर प्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जन्त प्रिवित्यम' नहा नया है), की धारा 269-च के भग्नीन मधाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- ४० से अधिक हैं

और जिसकी सं० 2226, 1883 के खाता 1 में और दाग, पट्टा संख्या है प्रान्ट संख्या 358-620/एन० एल० आर०, प्रान्ट संख्या 59/36, एफ० एस०, प्रान्ट संख्या 95/6 एफ० एस०, स्पेशल पेरिओडिक खिराज पट्टा संख्या 1 और पी० के० पी० संख्या 1 ए० के० पी०-30 (नया) है तथा जो मंगलदेई सब-डिबीजन, दरंग असम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूर्वा में और पूर्ण रूप में बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मंगलदेई में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 16-6-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए भ्रम्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से ग्रधि ह है और मन्तरिक (प्रन्तरकों) और अन्तरिता (भ्रम्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में बास्तविक स्व में कथिन नहीं किए गरा है .--

- (क) धन्तरण से हुई किसो धाय की बाबत, उना प्रजिन नियन के धिधीन कर देने के प्रश्नरक के दायित्व मे कमी करन या उपाचकन में मुविका के लिए ग्रीर/या
 - (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिक्श के लिए:

अतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग को जनुसरण में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) को अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् (1) मसर्व जरिबना हेन इरसन लिमिटेड,4, क्लाईच रोग,कलकत्ता-700001

(अन्तरक)

(2) मैंसर्ग रिदक सिण्डीकेट,4, क्लाईव रोड,कलकत्ता-700001

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के किए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस् सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पव्यक्तिकरणः—- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वही अर्थहोगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सची

कोपली टी स्टेट जिसका माप 615.86 हेक्टेयर्स, असम राज्य में दरंग जिले के मंगलदेई सब-डिमियन में स्थित है।

> ई० जे० माव**लींग** सक्षम प्राधिकारी सहत्यक अत्यकर आयुक्त (जिस्क्षण) अर्जन रेंज, शिलांग

तारीख: 16-11-1983

अरूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 27 सितम्बर 1983

निर्देश मं० ए० मी०-31/अर्जन रेंज-11/कलकता/1983-84--यतः मुझे, एस० के० चीपुरि,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समिति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो मौजा सैयदपुर, थाना बेहाला में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णस्प से बॉणत है), रजिस्ट्रीकरण अधिनारों के कार्यालय एस० आर० अलीपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख 8-6-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उच्चित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसं दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्शरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिधित उद्दृश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक क्प से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हां भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 19(7 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के. अनुसरण मों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा कि के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :— (1) श्री विश्वनाथ दास

(अन्तरक)

(2) श्री प्रताप कुमार गंगोपाध्याय

(अन्तरिती)

को यह सूच्ना जारी जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कीए भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकोंगें।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

जमीत 14 कठा सालि जमीन मौजा सैयदपुर में अघ-स्थित। दलील संख्या 1083 का 3170।

> एस० के० चौधुरि सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर अयुक्त (निर्रःक्षण) अर्जन रेंः-ग्र., कलकत्ता

तारीख: 27-9-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

नायकर किभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यामय, सहायक भायकर मायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेज, एरणाकुलम

कोण्चिन-16, दिनांक 21 जनवरी 1984 निर्देश मं एल० मी०-677/83-84---यतः मुझे. पी० जे० तोमसकुट्टि,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है की भार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं अनुसूची के अनुसार है, जो श्रीकृष्णपुरम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय चेर्पुलगेरी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 15-6-1983

को प्योंक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, अक्त जिथितियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के वायित्य में कामी करने या उससे वचने में स्विधा के सिए; व्यरि/वा
- (ण) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हाँ भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रोधनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा था या किया जाना चाहिए हा, छिपाने में कृतिशा के सिए;

कतः लवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरक मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीक, जिम्मलिखित व्यक्तियों, वर्धात् :---- 3—486GI[83 (1) श्री पी० ए० उम्मर

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सरोजिनी अम्मा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशिक्ष्यां करता हो ।

उक्त रूप्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कीई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिख्ति में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

उपरिजस्ट्रीं कार्यालय, चेर्पुलशेरी के दस्तावेज सं० 1686/83 में मंलग्न अनुसूची के अनुसार श्रीकृष्णपुरम विनेज में सर्वे सं० 222 में 46.50 सेन्ट भूमि के साथ एक मकान।

> पी० जे० तोमसकृद्धि पक्षम प्राधिदारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, एरणाकृलम ।

नारीख: 21-1-1984

प्ररूप आर्ह. टी. एन. एस.-------(1) श्री जोसफ मार्टिन

(अन्तरक)

(2) श्री पी० ए० फान्सिस

(अन्त**रित**ी)

मायबार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

र्अं न रेंज, एरणाकुलम

एरणाकुलम, दिनांक 21 जनवरी 1984

निर्देश सं० एल० सी०-674/83-84---यतः मुझे, पी० जे० सोमसकुद्धि,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्क्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिस्वास करने का **कारण है कि स्थाय**र सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक **है**

और जिसकी संव अनुसूची के अनुसार है, जो एरणाकुलम में स्थित है (और इसने उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीवर्ता अधिवारी के कार्यालय एरणाकूलम में रजिस्द्रीकरण अधि नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 17-6-1983 को को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान व्यक्तिफल को लिए अन्तरित की गर्द है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापवेदित सम्पत्ति को उचित बाजार मल्य उसवे धरयमान प्रतिफल सं, एसं दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकॉ) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एेसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर धेने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स्र) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के पयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. क्टिपाने में समिधा केलिए।

को यह सूचना जारी करके पूर्योक्त सम्पत्ति को अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोड भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त ध्यवितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स्) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

उपरजिस्ट्री कार्यालय, एरगाकुलम के दस्तावेज संख्या 2220/83 में संलग्न अनुसूची के अनुसार एरणाकुलम विलेज में सर्वे सं॰ 213/2, 3 में 20 सेन्ट भूमि।

> पी० जे० तोमसकुट्टि सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, एरणाकुलम

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) 🏲 अधीन, निम्नलिखित व्य⁰नतर्यो, अर्थात् :—

तारीख: 21-1-1984

प्रकृष बाह^र. ठी. हुन_ः एकः----

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

भारत व्रकार

कार्यांक्य, सहाय्क भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

एरणाकुलम, धिनांक 21 जनवरी 1984

निर्देश सं० एल० सी०-675/83-84---यतः मुझे, पी० जे० तोमसकुट्टि,

नायकर निधानयन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त् निधानयम' कहा गया ही, की भारा 269-च के नधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थानर संपत्ति जिसका उचित नाचार मृज्य 25,000/- रा. से अधिक ही

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो एरणाकुलम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एरणाकुलम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तार्राख 2-6-1983 को पूर्वोक्त संपर्तित के उचित बाजार मृल्य से कम के रूपमान प्रांतफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृष्वेक्त सम्परित का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत न निम्नीलिखत उद्देश्य से उक्त कन्दरण जिखित में बास्त- कि स्थ से कथित नहीं किया का है।--

- (क) मन्त्रप्त वे हुई किसी नान की नानत उपने नीथ-तियम के नधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्य में कर्मी करने वा उसके दुवने में दुविधा के जिने; और/या
- (वा) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिम्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 26९ न के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-में का उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्थात्:— (1) श्री जोसफ मर्टिंगन

(अन्तरक)

(2) श्रीमती एट्टि फान्सिस

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हंू।

जनत सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप हन्न

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूबोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी ।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दां और पदों का जो उसस अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सूची

उपरजिस्ट्री कार्यालय, एरणाकुलम के दस्तावेज सं० 2220/83 में संलग्न अनुसूची के अनुसार एरणाकुलम विलेज में सर्वे सं० 213/2, 3 में 20 सेन्ट भूमि।

> पी० जे० तोमसकुट्टि सञ्जम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख: 21-1-1984

अरूप आर्ड.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

. कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

एरणाकूलम, दिनांक 21 जनवरी 1984

निदश सं० आई०-676-83-84--अतः मुझे, पी० जे० तोमसकृद्रि,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'जकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर समंत्रि, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० श्रनुसूची के अनुसार है, जो श्रञ्चामडा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नागरकोविल में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 21-6-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उच्चि बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत गहीं किया गया है: ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्क्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 19(7 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अबः, जक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, जक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री पी० शारंगाधर गोरगोंन जी० श्रमोडा

(भ्रन्सरक)

(2) श्रीमती मात्य् ए० तोमस, जोण, जोर्ज, तोमस मूत्यूट ग्रौर जानम्मा तोमस

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राष्प्रत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृषेकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रय्क्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जे उस अध्याय में दिया गवा है।

मनुसूची

उपरिजस्ट्री कार्यालय, नागरकोविल के दस्सावेज सं० 1249/83 में संलग्न अनुसूची के अनुसार अञ्चामड़ा विलेज में सर्वे सं० 780/1 में 34.682 सेन्ट भूमि के साथ एक मकान।

> पी० जे० तोमसकुट्टि सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज, एरणाकुलम

तारीख: 21-1-1984

महिर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस. - - --

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक गायकर गायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर दिनांक 13 जनवरी 1984

निदेश सं० कें०-331/83-84/कानपुर—श्रतः मुझे, पी० एन० पाठकः,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

धौर जिसकी सं० 13920 है तथा जो रजबी रोड, कानपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कानपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 20-6-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बानत, उअस अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने मं सविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः:— (1) श्री हाफिज श्रब्दुल मोमिन कानपुर ।

(म्रन्तरक)

(2) श्री मुस्तफा ग्रली खान44/387, नई सडक,कानपुर।

(धन्तरिती)

(3) ग्रन्तरिती

(यह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पक्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यगाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त म्मिक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अधीन अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्री

मकान नं० 93/45, हाटा हसन खां, रजबी रोड, कानपुर।

पी० एन० पाठक सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रैंज, कानपुर

तारीखा: 13-1-1984

महिरः

प्रकृप काइ. टी. एन. एस.-----

भारत अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के मुधीन सूच्ना

भारत युरकार

कारांबधः 🚕 म भागकर मामृक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 12 जनवरी 1984

निदेश सं० के-329/कानपुर/83-84/561-1---श्रतः मुझे, पी० एन० पाठक,

हायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उकत् अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 117-एल/236 पान्डुनगर है तथा जो कानपुर में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भ्रनूसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख 15-4-1983

को पूर्वोक्त संपरित को उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफान के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह जिश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मिति का उचित बाजार मूल्य उसके द्रायमान प्रतिफान से, एसे द्रायमान प्रतिफान का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफान, निम्निनिष्त उद्विषय से उक्त मृन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे वचने में सृदिधा के बिए; बार्ट वा
- (क) ऐसी किसी बाब या किसी धन या अन्य बास्तियों का, जिन्ह भारतीय वाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ब्तः सर, उन्त निधिनियम की धारा 269-म के मनुस्रण मों, मों, उन्त अधिनियम की वारा 260-म की उपधारा (1) की अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अधीत् :--- (1) श्री वर्शन सिंह पुत्र हरनाथ सिंह बी-2, श्राफीसर्स फ्लैट, बेनाझाबर, कानपुर

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मर्जुन धास भाटिया 117 एल/236 नवीन नगर कानपुर

(ग्रन्तरिती)

(3) श्री दर्णन सिंह (वह व्यक्ति, जिसके ग्रीधिभोग में सम्पत्ति है)

का यह सूचना चारी करके पृत्रोंक्त संपरित के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा न्भोहस्ताक्षरी में पास निवित्त में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हूँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हूँ।

वनुसूची

117/एच-2/137 पांड नगर कानपुर। एरिया 345.57 वर्ग गज।

पी० एन० पाठक सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, कानपूर

तारीख: 12-1-1984

प्ररूप आहाँ. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अभीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 28 जनवरी 1984

निवेश सं० के-334/कानपुर/83-84/56/627—मत: मुझे, पी० एन० पाठक,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 2/69-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

त्रौर जिसकी सं० 2ए/210 है तथा जो ग्राजाद नगर में स्थित है (धीर इससे उपाध्य ग्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 25-6-1983

की पूर्वीक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्स सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिस्त अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्देशों से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के उपातनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा की लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :—— (1) श्रीमती इन्दु कपूर पत्नी दलीप कपूर
 113/36 स्वकप नगर, कानपुर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती सुषमा विश्नोई पत्नी एस० एस० विश्नोई 7/51, तिलक नगर, कानपुर।

(भ्रन्तरिती)

(3) श्रीमती इन्दु कपूर (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित को अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति रा
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

म० नं० 2ए/210 श्राजाद नगर कानपुर, एरिया 684 वर्ग गज ।

पी० एन० पाठक सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपूर

तारीख: 28-1-1984

प्रकृष बाई. टी. एन. एस. ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत स्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 2 फरवरी, 1984

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 15650 है तथा जो जनरल गंज कानपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रन्सूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 20-7-1983

को प्राॅक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्बेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुर्द किसी आय की बाबत, उक्त जिथिनियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ह) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितौ ज्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

बतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ए के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :---

- (1) श्री ईश्वरलाल मेहता सुपुत्र गंगादास 55/131, जनरलगंज, कानपुर (ग्रन्तरक)
- (2) श्री मन्नू भाई पी० शाह सुपुत्र प्रशोक्तम दास एवं अन्य 26/46ए बिरहाना रोड, कानपुर।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोगमें सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस भूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्यव्हीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों आर् पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 55/131, जनरल गंज कानपुर।

पो० एन० पाठक सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपूर

तारीख: 2-2-198**4**

मोहार 🖫

प्ररूप आईं.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्*व*त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 2 फरवरी 1984

निदेण सं० के-345/83-84--अतः मुझे पी० एन० पाठक,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000/- 九. से अधिक है

और जिसकी सं० 307 है तथा जो किदबई नगर कानपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 14-7-1983

को प्रवेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से क्रम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्दृह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िक सी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिथा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——
4—486GI|83

(1) श्री नरेन्द्र कुमार रस्तोगी5/95 नील बाली गली,कानपुर

(अन्तरक),

(2) श्रीमती अविनाथ रानी पत्नी फकीर चन्द 105/611, डिप्टी का पड़ाब, कानपुर।

(अन्तरिती)

(3) ट्रान्सफरी

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों कर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उसस अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 291-ए, किदबई नगर, कानपुर।

पो० एन० पाठक सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर।

तारीख: 2-2-1984

प्रकृष कार्ष्: ती. एन. एस. ------

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सुचना

भारत संदुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपूर

कानपुर, दिनांक 2 फरवरी 1984

निदेश सं० के-347/कानपुर/83-84/632——अतः मुझे, पी० एन० पाठक

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 15199 है तथा जो किदवई नगर, कानपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 3-7-1983

को प्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल का निम्नलिसित उदयंश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में अस्तिवद स्प से कथित नहीं किया गया है ह—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य असित्यों को, जिन्हों भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए;

अतः अय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों., मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मिसित व्यक्तियों, अर्थात हु--

(1) श्री बह्या दल मिश्रा, पुत
 श्री देव दत्त मिश्रा,
 निवासी 65/244, मोतीमोहाल,
 कानपुर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती बसन्ती पान्डे, पत्नी श्री रमेश नारायण पान्डे, निवासी 107/210, नेहरू नगर, कापुर

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में ऋदे भी वाक्षेप:--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिए की अविधि, जो भी अविधि साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बंद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्कित में किए जा सकेंगे।

स्पध्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

म० नं० 128/487, के-ज्लाक, किदवई नगर, कानपुर

ृंपी० एन० पाठक सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 2-2-1984

मोहार 🗉

प्रकम् आर्चे डी., यन्, एत.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुधना

भारत सरकार

कार्यालय, सम्गायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, लखनक लखनक, दिनांक 31 दिसम्बर 1983

निदेश सं०जी० आई० आर० एन-73/अर्जन—अतः मुझे,

ए० प्रसाद

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाव्र सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रूठ. से अधिक है

और जिसकी सं० आराजियात खसरा नं० 141/6 और 142 है तथा जो मौजा जिया मऊ, थाना हजरत गंज, लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 17-6-1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूक्य से कम के इत्यमान प्रितिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूक्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जायूकी बावत, उच्छ जिपिनियम के अभीत् कर दोने के अन्तुरक के दासित्व में कमी कुटने या उत्तस्ये ब्ल्ने में विविधा के बि्ध; आर्डि/बा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अभिनियम की भारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1)श्री सरजू

(अन्तरक)

(2) णूर सहकारी गृह निर्माण समिति लि०, लखनऊ हारा अतिरिक्त सचित्र, श्री मो० हनीफ खान

(अन्तरिती)

(3) उपरोक्त विकेता (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति कें वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति को गर्जन को सम्बन्ध में कोई भी गाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजभन्न में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जनिभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों क्व व्यक्तियों में से किती व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उत्कत स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

अनुसूची

आराजियात भूमिधरी खसरा नं० 141/6 और 142 पैमाईसी टोटल 11 बिस्वा स्थित मौजा जियामक थाना हजरतगंज, लखनऊ और सम्पत्ति जिसका सम्पूर्ण विवरण सेलडोड व फार्म 37-जी संख्या 7588 में विणित है जिसका पंजीकरण सब-रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 17-6-1983 को किया जा चुका है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 31-12-1983

मोहर 🗄

प्रक्य आई.टी.एन.एस.------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) की अधीन सूचना

भारत् सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनट, दिनांक 31 दिसम्बर 1983

निदेश सं० जी० आई० आर एन-72/अर्जन—अतः मुझे,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मृल्य 25,000/- रहे. से अधिक है

और जिसकी सं० आराजियात खसरा नं० 141/5, 143, जिया मऊ, थाना 147 148 हजरतगंज, लखनऊ में स्थित है (और इससे अनुसूचो में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्दीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 17-6-1983 को पूर्वोक्त संपृत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित आचार मूल्य, उत्सक दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उत्देषस्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप ते कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण् से हुइ किसी बाय की वाबत, उक्त अधिनियम् के ब्रुधीन कर दोने के व्यारक के बाबिरव में कनी करने या उसते ब्रुवने में सुविधा के लिए; और/वा
- (च) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों करों, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-फर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के विष्;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्री बिहारीलाल

(अन्तरक)

(2) नूर सहकारी गृह निर्माण समिति लि०, लखनऊ द्वारा अतिरिक्त सचिव श्री मो० हनीफ खान

(अन्तरिती)

(3) उपरोक्त विकेता

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उत्कल संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में हो कि सी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास सिखित में किए आ सकीये।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुस्ची

आराजियात भूमि खसरा नं० 141/5, 143, 147 और 148 पैमाईसी टोटल 11 बिस्वा स्थित मौजा जिया-मऊ थाना हजरतगंज लखनऊ और सम्पत्ति जिसका सम्पूर्ण विवरण सेलंडीड व फार्म 37-जी संख्या 7589 में विजिल है जिसका पंजीकरण सब-रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 17-6-1983 को किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीखा: 31-12-1983

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 31 दिसम्बर 1983

निदेश सं० जी० आई० आर० सं० एत-71/अर्जन---अतः मुझे ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आराजी भूमिधरी, खसरा नं० 141/4 है तथा जो जिया मऊ, थाना हजरतगंज, लखनऊ में स्थित है (ओर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रिजर्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 17-6-198 3

को पूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने मे सृथिधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अभ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिस्तित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री कल्ल्

(अन्तरक)

(2) नूर सहकारी गह निर्माण समिति लि०, लखनऊ द्वारा अतिरिक्त सचिव, श्री मोहम्मद हनीफ खान

(अन्तरिती)

(3) उपरोक्त विक्रेता (बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मुचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वार;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतार उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्होकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आराजी भूमिधरी खसरा नं 141/4, पैमाईसी 11 बिस्वा स्थित मौजा जियामऊ थाना हजरतगंज, लखनऊ और सम्पत्ति जिसका सम्पूर्ण विवरण सेलडोड व फार्म 37-जी संख्या 7590 में विणित है जिसका पंजीकरण सब-रिजस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में विनांक 17-6-1983 को किया जा बुका है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

तारीख: 31-12-1983

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-च (1) के अधीन सुणना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनक, दिनांक 31 अक्तूबर, 1983

निदेश सं० जी० आई० ग्रार० संख्या यू-65/अर्जन--अतः मुझे ए० प्रसाद

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आराजी नं० 172 है तथा जो मौजा शिवपुरवा, परगका देहात अमानल, बाराणसी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 23-6-1983

को प्वींक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वींक्त संपित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर आधानयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

कतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (†) के अधीन, जिस्कीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री भानु प्रसाद

(अन्तरक)

(2) दि वाराणसी उपनिवेशन आवास एवं निर्माण सहकारी समिति लि०, डी-63/6-बी-100 शिवाजी नगर कालोनी महमूर गंज, वाराणसी द्वारा सचिव

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

आराजी नं० 172, स्थित मीजा शिवपुरवा परगना देहात अमानत वाराणसी और सम्पत्ति जिसका संपूर्ण विवरण सेलडीड व फार्म 37-जी, संख्या 5645 में वर्णित है जिसका पंजीकरण सब-रजिस्ट्रार वाराणसी के कार्यालय में दिनांक 23-6-1983 को किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 31-10-1983

मोहर 🛭

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अंगलूर

अंगल्र, विनांक 28 जनवरी 1984

नोटिस नं० 681/83-84—यतः, मुझे, मंजु माधवन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सी० टी० एस० 737 (बिल्डिंग) है, तथा जो एस० एस० रोड, बीजापुर में स्थित है (और इससे उपावज्ञ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बीजापुर में रिजस्ट्रीकण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिरित की गिई है और मूक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तिरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्घेष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्चने में सृषिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

जतः अब, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उनत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन. निम्निजिस व्यक्तियों, अधीत :——

- (1) 1. श्री वीरान्गोन्डा बन्नागोन्डा पाटिल,
 - श्री बसावाराज वीरान्गोन्डा पाटिल, रैसिडेन्ट आफ कानामाडि विलेज, बीजापुर डिस्ट्रिक्ट।

(अन्तरक)

(2) श्रीधामजी मलणी शा, सी० टी० एस० 737, वार्ड नं० III, एस० एस० रोड, बीजापूर।

(अन्तरिती)

का वह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्परित के अर्जन के लिए काम्बाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विस्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 601/83-84 तारीख 1-6-83) बिल्डिंग सी० टी० एस० 737, वार्ड नं० III, जो एस० एस० रोड, बीजापुर में स्थित है।

मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 28-1-1984

मोहर 🚁

प्रकथ् आर्थः, टी., एन., एस......

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीन सूचना

मारत चरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगल्र

बंगलूर, दिनांक 28 जनवरी 1984

नोटिस नं० 682/83-84—यतः, मुझे, मंजु माधवन,, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० सर्वे नं० 82 (भूमि) है, तथा जो ईला विलेज, सब डिस्ट्रिक्ट आफ इल्हास, टिसवाडि तालुक, गोवा डिस्ट्रिक्ट में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इल्हास में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 16-6-1983

को पूर्वे कित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह यिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वे क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की वाबत, उक्त विधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; वाँड/वा
- (क) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितौ व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीय, निम्निसित्त व्यक्तियों, अधीत निम्निसित्त व्यक्तियों, (1) 1. श्रीमती ओडिलिया सक्वैरा लियास श्रीमती जोअयाना मरैया श्रोडिलिया रोसारियो स्कावियर फरनानडेस 2. श्री चारलेस जोसफ सक्वैरा बोथ रेजीडेन्ट्स श्राफ पनाजि, गोवा।

(भ्रन्तरक)

(2) मैसर्स लंडन स्टार छैमन्ड कंपनी इंडिया प्राईवेट लिमिटेड, एच० ओ० एट बम्बई और एक फैक्टरी एट इंडस्ट्रियल ऐस्टेट, गोवा । (अन्तरिती)

को यह सूचना धारी करके पृत्रों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अगिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकर्गे

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याद 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 376/83-84 तारीख 16-6-83) सब सम्पत्ति है जिसका नाम 'सवो नजारो" या ''इलक्यी कोपो'' है जो ईला विलेज सब डिस्ट्रिक्ट आफ इल्हास, टिसवाडि तालुक, गोवा डिस्ट्रिक्ट, में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगल्र

तारीख: 28-1-1984

25,000 / - फा. से अधिक ह³

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र कायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 28 मनवरी 1984 नोटिस नं 683/83-84-यतः, मुझे, संजु माधवन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् जिस्त अधिनियम' कहा गया है कि धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मुल्य

और जिसकी मं० 69/1 से 6-26, 2-57 अमांग 3-13 है, तथा जो हन्वार विलेज, गंगावित तालुक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गंगावित में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 22-6-83 को

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से, एसे दश्यमान प्रतिफाल से पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी बाय या किसी भून या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय अयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 5---486GI[83

(1) श्री अमरेगौडा, पृष्ठ गंडेगौडा श्रीमती शिवागंगम्भा, पत्नी नागस्द्रा गौडा, रेसिडेस्ट आफ ह्रन्वाल विलेज, गंगावति तालुक, रायकूर डिस्ट्रिक्ट।

(प्रसारक)

(2) श्री अमरेणप्पा, पुत्र पंपन्ना रेसिडेंट आफ होसकेरि विलेज, गंगावति तालुक, रायचूर डिस्ट्रिकट।

(अग्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बस्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होरों, जो उस अध्याय में दिया गया है।

भनृसुची

(धस्तावेज सं० 575/83-84 तारीख 22-6-83) भूमि है जिसका सं० 69/1 से 6-26, 2-57 अमांग 3.13 जो हन्वाल विलेज, गंगावित सासुक में स्थित है।

मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगकूर

तारीख: 28-1-1984

माहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - -

भायकर अभिनियभ, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 घ(1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 28 जनवरी 1984 नोटिस नं० 684/83-84—यतः, मुझे, मंजु माधवन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

जौर जिसकी मं० 69/1, 6-26, 2-57 अमांग 3-13 है, तथा जो हन्वाल विलेज, गंगावित तालुक में स्थित है (और इसते उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गंगावित में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख 22-6-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार सूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंसह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी झाय या किसी झन या अन्य झास्तियों की, जिन्हें भारतीय सायकर सिंधनिक्स, 1922 (1922 का 11) या उक्त सिंधिनियम, या झन-कर सिंधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्क सन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृबिधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) श्री अमरेगोडा पुक्ष गन्डें गौडा, श्रीमती शिवागंगम्मा पत्नी नागरुद्रा गौडा, रेसिडेंन्ट आफ हन्वाल विलेज, गंगावित तालुक, रायसूर डिस्ट्रिक्ट।

(अन्तरक)

(2) श्री गिरियप्पा, सुपृत्न पंपान्ना, होसाकेरि विलेज, गंगावति तालुक, रायचुर डिस्ट्रिक्ट।

(अनरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए आर्यवाहियां करता हों।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण : -- इसमें प्रगुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसची

(दस्तावेज सं॰ 576/83-84 तारीख 22-6-83) कृषि भूमि है जिसका सं॰ 69/1, 6-26, 2-57 अमांग 3.13 है जो हन्याल विलेज, गंगावित तालुक में स्थित है।

मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलुर

तारीख: 28-1-1984

मोहर 🖫

प्रस्थ मार्च, टी. एन. एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर बंगलूर, दिनांक 28 जनवरी 1984

नोटिस नं० 685/83-84--यतः, मुझें,

मंजु माधवन,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इमके प्रधात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 289/1, 10-15, 11-13 अमांग 2-20 है, तथा जो यरदानि विलेज, गंगावती तालुक, रायधूर डिस्ट्रिक्ट में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गंगावती में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 23-6-83

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य स कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किमनिलिखत उब्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को., जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिकिस व्यक्तिसारें, अधीन, निम्निलिकिस व्यक्तिसारें, अधीन,

(1) कालेसनगौडा, पुत्त रेवनगौडा, रेसिडेन्ट आफ यरदानि विलेज गंगावती तालुक रायचूर डिस्ट्रिक्ट।

(अन्तरका)

(2) येकानंद स्वामी, पुन्न वीरा भद्रेय्या, रेसिडेन्ट आफ, कराडगि, गंगावती तालुक, रायचूर डिस्ट्रिक्ट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के गजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास निषित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

अन्स्को

(दस्तावज स० 590/83-84 ता० 23-6-83)

कृषि भूमि है जिसकी सं० 289/1, 10-15, 11-13 अमांग 2-20 जो यारदानि विलेज, गंगावती तलुक, रायचूर डिस्ट्रिक्ट में स्थित है।

मजु माध**वन** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगसूर

तारीख: 28-1-84

मोझ ग

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 28 जनवरी 1984

नोटिस नं० 686/83-84---अत: मुझे, मंजु माधवन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-च के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 289/1, 10-15, 11-13 अमांग 2-35 है, तथा जो यरदानि विलेज, गंगावती तालुक रायचूर डिस्ट्रिक्ट में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबज्ज अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गंगावती में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 23-6-83

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पत्प्रह प्रतिकास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त्रीवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अपिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुनिधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अक्षः अस उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन ह न्मिनिलिखत व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) कालेसनगौडा, पुत्न रेवनगौडा, रेसिडेन्ट आफ यरदानि विलेज गंगावती तालुक, रायचूर डिस्ट्रिक्ट।

(अन्तरक)

(2) शरानाय्या, पुत्न वीरा भद्रेय्या, रेसिडेन्ट आफ यरदानि विलेज गंगावती तालुक, रायचुर डिस्ट्रिक्ट ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बनिथ, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्बों और पदो का, जो उक्त् अधिनियम को अध्याय 20-क में प्रिशाधित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 592/83-84 तारीख 23-6-83) कृषि भूमि है जिसका सं० 289/1, 10-15, 11-13 अमांग 2.35 जो यरदानि विलेज, गंगावती ताल्लुक, रायचूर डिस्ट्रिक्ट में स्थित है।

मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

तारी**ख**: 28—1—1984

प्रकृप आई. टी. एन. एन.-----

श्वावकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुंक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलुर, दिनांक 28 जनवरी 1984

नोटिस नं० 687/83-84---यतः, मुझे, मंजु माधवन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने जा कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या 289/1, 10-15, 11-13 अमांग 2. 20 है तथा जो कृषि भूमि, यारदानि विलेज, गंगावती तालुक, रायचूर डिस्ट्रिक्ट में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप मे विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गंगावती में रिस्ट्रीकरण अधिमियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23-6-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम वृध्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्तिति की गई है और मुझे यह किरवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्प्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्श्य से उक्त प्रन्तरण निश्वेज में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (स) एमें किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हां भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-क्तर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गर गया था या किया जाना था, छिपाने में स्विधा के लिए; और/या

भतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थात :—

 श्रो कालासनगौडा, पिता रेवनागौडा, रेसिडेंट्स आफ यारदानि विलेज, गंगावती तालुक, रायचूर डिस्ट्रिक्ट।

(अन्तरक)

2. श्री रघुनाथस्वामि, पिता वीरभद्रेय्या, रेसीडेंट्स आफ यारदानि प्विलेज, गंगावती तालुक, रायचूर डिस्ट्रिक्ट ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की कविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 589/83-84 तारीख 23-6-83)

कृषि भूमि है जिसका सं० 289/1, 10-15, 11-13 अमांग 2.20 जो यारदानि विलेज, गंगावती नालुक, रायचूर **डि**स्ट्रिक्ट में स्थित है।

मंजु माधवन सक्षम प्राधिणारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगसूर

नांरीख 28-1-1984 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 28 जनवरी 1984

नोटिस नं० 688/83-84--यतः, मुझे, मंजु माधवन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी संख्या 289/1, 10-15, 11-13 अमांग 2.20 है तथा जो कृषि भूमि, यरदानि विलेज, गंगावती तालुक, रायचूर डिस्ट्रिक्ट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गंगावती में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 23-6-83

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने, का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्त-िषक मूण से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की धाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अबः, उक्त अधिनयम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री फलासनगांडा, पिता रेवनगांडा, यरदानि विलेज, गंगावती तालुक, रायचूर डिस्ट्रिक्ट।

(अन्तरक)

श्री नर पति राजु, पिता वीरभद्रेय्या,
 रेसिडेंट्स आफ करडिंग विलेज, गंगावती तालुक,
 रायपुर डिस्ट्रिक्ट ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हंू।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध् में कोई भी बाक्षेष् :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखि में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसुची

(दस्तावे**ज** सं० 591/83-84 तारीख 23-6-83)

कृषि भूमि है जिसका सं० 289/1, 10-15, 11-13 अमांग 2 20 जो करङगि विलेज, गंगावती तालुक, रायचूर डिस्ट्रिक्ट में स्थित है।

मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज, बंगलूर

ंदिनीकः 28--1--1984 मो**हर**ःः प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्**चना**

भारत ब्रकाड

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगल्य

बंगलूर, दिनांक 28 जनवरी 1984

निर्देश मं नोटिय नं 689/83-84---अतः मुझे, मंजु माध्यन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्ब 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 18/1, है, तथा जो गन्छलिम विलेज, पुराना गोवा रोड, कुम्बरजुवा, दिसवाडि तालुक सब डिस्ट्रिक्ट इल्हास, गोवा डिस्ट्रिक्ट में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्णम्प से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ना अधिकारों के कार्यालय, इल्हास में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 21-6-83

को पूर्वित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उपके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए चा, खिपाने में मुनिभा के हिसए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात्:—

 लक्षमि पंडलिका उमकायकर,
 अलियास लिक्षिमिम नयक्या, आलसो नोन एस,
 बैयुला नयक्या, घर नं० 38, कुम्बरजुवा,
 टिसवाडि, गोवा
 कलैन। नाटक्य अलियास; कल्याण कृष्ण बैनगानकर,

- 3. शिवा कृष्ण, वैनगानकर अलियास विसवा, कृष्ण वैनगानकर,
- णाकुन्तला णिवा वैनगानकर, अलियास, णकुन्तला हीरो नायक, घर सं० 26, कुरका, गोवा वेल्हा पोस्ट, टिसवाडि, गोवा.
- अरून्कुद्या नाटकु, अलियास, अनुन्सेम नाटकु, आलसो नोन एस, प्रेमाभाई.
- 6. विनानामा नयाटकु योदनकर, अलियास, दिनानात कृष्ण योदनकर, घर मं० 28. दुलर, मापुसा, बरहेंज, गोवा,
- त. क्सेयन्तु, अलियास, क्सेयन्सु सिरोडकर आलसो नोन एस, डिटकु वासुदेवा सिरोडकर,
- 8. वामोवर वासुदेवा सिरोडकर, अलियास, दामोदर वासुदेवा भिरोडकर,
- 9. शांति मिरोडकर, अलियास, शांति वासुदेव शिरोडकर, घर नं० 55, फान्दुवेम, रिबनक्रर, टिसवाडि-गोवा.

(अन्तरक)

(2) रियल बाटलइंग फैक्टरी प्रा० लि०, तिसरा फ्लोर, मासकारेन्हास बिस्डिंग, पनाजि-गोवा. (अन्तरिती)

साँ यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्मित्त के नर्वन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति इनारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसिस में किए जा सकोंगे।

स्वक्षतिकरण:---इतमें प्रयुक्त कब्दों और वदों का, को उनक अभिनियम, के अध्याम 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याम में दिया वता है।

अनुसूचा

(दस्तावेज सं० 379/83-84 ता० 21-6-83) सब भूमि सम्पत्ति हैं "अफरामेन्टो" उसका नापना 53,000 स्क्वेयर मीटर्म जो गंडनलिम विलेज, पुराना गोवा गोंड, गंडनलिम, कुम्बरजुवा, टिसवाडि तालुक, सम डिस्ट्रिक्ट आफ इल्हास-डिस्ट्रिक्ट गोव में स्थित हैं।

> मंजु माधवन सक्षम <mark>प्राधिकारी</mark> सहायक आयकर आ<mark>युक्त (निरीक्षण)</mark> अर्जन रेंज, बंगलूर.

तारीखा: 28/1/84.

मोहर 🖫

प्ररूप आहरें. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर बंगलूर, विनांक 19 जनवरी 1984 निर्देश सं० मी० आर० 62/39062/83-84—अत: मुझे, मंजु माधवन

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० 3149 त्यु नं० एल-1 है, तथा जो दव्दान स्ट्रीट लगकर मीहल्ल मैसूर में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्णक्ष्प से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैसूर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 21/6/83.

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भृष्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिषात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से किशा गया :---

- (ब) बन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तिरती प्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जस, उक्त अधिनियम की धारा 269-त को अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-त की उपधारा (1) के अधीन निम्नतिचित व्यक्तियों∡ अर्थात् ः— अब्बुल रणीय,
 2मरा कास,
 गांधी नगर,
 मंडया टाऊन,

(अन्तरक)

(2) हालिजुर रहमान, सन/आफ, मोहम्मद युसुफ साहिब, डी॰ नं॰ 1402, बिहाइन्ड, जनता बाजार, नेशकर मोहल्ला, मैसूर सिटी.

(अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पव्योकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्तत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, नहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गवा ही।

अनुसूची

(वस्तावेज सं० 1243/83-84 ता० 21/6/83) सम्पत्ति है जिसका सं० 3149 न्यू नं० एल-1 है जो दाबुदखान स्ट्रीट, लणहर मोहत्त्वा, मैसूर, में स्थित है।

> मंजु माधवन, सन्नम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर,

तारीख . 19/1/84 मोहर : प्ररूप बार्ष. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कायां लय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगसूर दिनांक 17 जनवरी 1984

निर्देण मं० सी० आर० 62/38**7**64/83-84---अत: मुझो, मंज् मायवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उन्तर अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी मं० 591 है, तथा जो बिन्नामंगला I स्टेज एक्सटेंणन बंगलूर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णक्ष में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, शिवाजीनगर, में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ना० 24/6/83

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से अक्त अन्तरण लिखित में वाम्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी बाय की बाबत, अकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में भुविधा के सिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, दिश्पाने में मित्रिया के लिए;

अन: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुमरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---6---486GI|83 (1) एन० टी०, बिनोद आकीब, नं० 144, एच० ए० एन० H स्टेज, इंदिरानगर, बंगलूर I

(अन्तरक)

- (2) श्रीमती स्वर्णनता राजगोपालन.
 - 2. मिस करूणा राजगोपालन,
 - 3. मिस गीता राजगोपालन,
 नं० 209,
 [डिफोंस कालोनी,
 इंदिरा नगर,
 बंगलुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायार संपत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरण ्समें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अम्सची

(दस्तावेज सं० 791/83-84 ता० 24/6/83) सम्पत्ति है जिसकी सं० 591 है जो विद्यामंगला स्टेज एक्सटेंगन, बंगलूप में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

नारीख: 17-1-84

मोहर 🖫

प्ररूप आई.टी.एन.एस .-----

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर बंगलूर, दिनांक 19 जनवरी 1984

िर्देंग सं० मी० अ.र० 62/38770/83-84—अत:

मुझे, मंजुमाधवन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 52 है, तथा जो कोलस रोड, सिविल स्टेंजन वंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में ओर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रोंज़र्ता अधिकारी के कार्यालय, जिमाजानगर में रिजस्ट्राक्षरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सा० 24/6/83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है ——

- (का) अतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मृतिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (।) के अधीन. निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात:——

(1) ए० पदमानाभा नायडु, नं० 36, स्टिफन्य रोड, बंगतूर-5.

(अन्तरक)

(2) पी० एम० भगतन,
2. श्रीमती एन० के० पदमा भगतन,
न० 52,
द्वारका,
कोल्म रोड,
बंगलूर-5.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ंगया है।

बन्सूची

(दस्तावेज सं० 821/83-84 ता० 24/6/83) सब सम्मत्ति है जिपको सं० 52 है जो कोलस रोड मिविल स्टेशन वेंगलूर में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

नारी**ख**: 19/1/1984.

प्ररूप भाइ . टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की **धारा 269-ष (1) के अधीन स्**चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 19 जनवरी 1984

निर्देश सं० से \circ आर० 62/38865/83-84---अतः, मुझे, संजु माध्वन,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी मं० 11/ए, प्रामेंट म्युनिसियल नं० 46/1 है, तथा जो तीसरा काम रोड, वास्त नगर, बंगलूर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूचा में और पूर्णक्य में विणत है), रिजस्ट्रोहार्ता अधिकारों के हार्यालय, गांधीनगर रें रिजस्ट्रोहार्का अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० जुन 83

को पूर्वास्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में भास्तिवक रूप से किथा गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की माबत उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया को, जिन्हें भारतीय वाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मृविधा के लिए:

अंत:, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियभ की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों. सर्भात :--- (1) वीव आपव विकटाक्षण, नेव 46/1, तीसरा कास, वसन्तनगर, वंगलूर ।

(अन्तरका)

(2) श्रीमती बीठ पी० सूर्याकुमारी, नं० 20, बेंकटास्वामी नायडु रीड, शिवाजी नगर, बंगलुर-1 ।

(अन्त(रतः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्मं प्रकाशन की तारी हा से 45 दिन की अविधिया तत्मम्बन्धी त्र्यावतया पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में हमाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मी प्रकाशन की तारीस म 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मी हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित मी किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 951/83-84 ता० जून. 83) सम्पत्ति है जिसकी सं० $11/\sigma$, प्रासेंट म्युनिस्पिल तं० 46/1, जी तीसरा कास रोड, वसन्त नगर वंगलूर में स्थित है।

मंजु माधदन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलुर

नारीख : 19/1/1984.

प्ररूप आध्र टी. एन्. एस. ----

नायकर निभ्नियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) की सभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 17 जनवरी 1984

निर्देश सं० सी० आर० 62/38766/83-84—अतः मुक्ते, मंजु माधवन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- एउ. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 20 है, तथा जो लावेले रोड, बंगलूर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण-रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजीनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 25/6/83

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्रयमान प्रतिफल से, एसे स्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीम कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ अर्थात् ६--- श्री लेस्लै डिसिल्बा,
एक्सिकूटर टु वी,
एस्टेट आफ दी,
लेट० मैसर्स लिलि डिसिल्बा,
नं० 20,
लावेले रोड,
बंगलूर।

(अन्तरक)

(2) अल्लान रोड्रिजियस,
 2. ऐवर रोड्रिजियस,
 नं० 20/2,
 लावेले रोड,
 बंगलूर,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इत सूचना के राज्यम में प्रकाशन को तारीश से 45 दिन की अविध या तत्सम्थन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ज) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- व्यूध किसी अन्य व्यक्ति व्यूपः अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 29-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज मं० 793/83-84 ता० 25/6/83) सम्पत्ति है जिसकी सं० 20 है जो लावेले रोड, बंगलूर में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

नारीय: 17/1/34.

मोहरः⊪

प्ररूप बाइ . टी. एत. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 19 जनवरी 1984

निर्वेण सं० नोटिस न० 38761/83-84—-अतः मुझे, मंजु माधवन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 1017 है, जो एव० ए० एल० II स्टेज इन्दिरानगर बंगलूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्णस्प में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजीनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 20/6/83

को प्वांक्त संपत्ति के उचित् बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गईं है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाशा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी शाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में तृष्धा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी भाग या किसी धन या जन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

कतः अत्र उकत् अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण भाँ, भाँ, अकत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :--- (1) मेजर पी० मुसुक्रव्णन्न, केर/आफ,
श्री एम० आर० ऊक्षिकृष्णन्न, नमबीसन,
2995,
एच० ए० एल० ॥ स्टेज, इंदिरानगर, अंगलूर-38।

(अन्तरक)

(2) मेरी एंसाक,
 बाइफ आफ,
 एम० बी० एसाक,
 785-डी-1,
 बी० डी० ए० फ्लैंटस्,
 आसटिन टाऊन,
 बंगलर-47 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पाद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का अभे उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कुर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुवा हैं।

जनसंजी

(दस्तायेज सं० 746/83-84 ता० 20/6/83) खाली जगह सं० 1017 है जो एच० ए० एल० II स्टेज, इंदिरानगर, बंगलूर में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलुर

तारीख: 19/1/1984

मोहर ह

श्रक्य आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर बंगलूर, दिनांक 19 जनवरी 1984

निर्देश सं० नोटिस नं० 38919/83-84—अतः मुझै, मंजु माधवन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें 4सके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 2614 है, तथा जो 17वां स्ट्रीट शिवाजी नगर डिवीजन नं० 58 बंगलूर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्णक्ष से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजीनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 21/7/83 को पूर्णेक्स संपत्सि के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकक्ष के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उव्ववेश्य से उक्त अन्तरण तिश्वित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के निए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिर्ती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपने में सुविधा के लिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अधीत् :—

 एन० श्रीरामुलू, नं० 4/26, 'ए' स्ट्रीट, शिवाजीनगर, सिविल स्टेशन, बंगलूर ।

(अन्तरक)

(2) एस० ए० वासित,
 नं० 20/3,
 अगा अम्बास अली रोड,
 अलसूर,
 बंगलूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तिस्यों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस् अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1033/83-84 ता० 31/7/83) सब सम्पत्ति है जिसकी सं० 26, पुराना सं० 4 है जो 17वां स्ट्रीट शिवाजीनगर में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर.

तारीखा: 19/1/1984.

प्ररूप आहर्य, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 19 जनवरी 1984

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित दाजार मृल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

ष्ट्रीर जिसकी सं० 23, 24 श्रीर 25 है तथा जो मिल्कमन स्ट्रीट II क्रांस कारपोरेशन डिविजन नं० 60, बंगलूर में स्थित है (श्रीर इसमें उपावड अनुसूची में श्रीर पूर्णक्प से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजी नगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 14/7/83

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दूरयमाग प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझं यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी थन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रश्लेजनार्थ अंतरिली द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूतिधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलियन व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्री थी० गोविन्दा राव, नं० 17, फूट स्ट्रीट, सिविल स्टेशन, बंगलूर,

(अन्तरक)

(2) कुमारी टी० कमारूत्रीसा,
 2. मिस के० नसरीन ताज,
 नं० 2.
 पेरिमासी पेरियन्ना लेन,
 बंगलुर,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स्र) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरी।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज म० 944/83-84 ता० 14-7-83) मब सम्पत्ति है जिसकी सं० 23, 24 श्रौर 25 है जो मिल्कमन स्ट्रीट II काम कारपोरेणन डिविजन 60 बंगलूर में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

नारीख: 19-1-1984

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस.-----

बायकर विधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत् सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 17 जनवरी 1984

निर्देश मं० नोटिस नं० 38393/83-84--अतः, मुझे, मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी मं० 275/31 है, तथा जो 17 क्रास अप्पर प्यत्नेस आरचर्डर बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अमृसूची में और पूर्णरूप में विजत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 1-1-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार भूस्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके रूथमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पेन्ब्रह प्रतिक्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप में किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्य में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए;
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी भन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर जिथिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रक≥ नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था जियाने में सुविधा के सिए;

जतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिश्वित व्यक्तियों, अर्थातः— (1) श्री के० श्रीनिवासन,
ग्रुष्ण कृपा,
275/31,
17 कास रोड,
अप्पर प्यलेस,
आरचर्डस,
गदाणिय नगर,

वंगलूर-560080 **।**

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पदमा राजन,
और मास्टर,
आशिण राजन,
(गाडियन श्री के० एन० राजन)
नं० 115,
भेन रोड,
राजमहल निलास एक्सटेंगन,
बंगलूर-560080 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

चक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप इ----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामीस से 30 दिन की अविधि, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रावित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (च) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी मन्य स्थावत व्यारा, मधाहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा स्केंगे।

र्ज्याकर्णः — इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, को अचल अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं वृष्टी होगा जो उस मध्याय में दिया वृक्ष ही।

नन्स्ची

(दस्तावेज सं० 724/83-84 ता० 15-6-83) सब सम्पत्ति है जिसकी सं० 275/31 है जो 17 कास रोड पर अप्पर प्यलेस आग्चर्डस , बंगलूर-80 में स्थित है।

मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 17-1-1984

प्रारूप बाई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर दिनांक 19 जनवरी 1984

निर्देश सं० सी० आर० 62/38373/83-84——अतः, मुक्ते, मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परपात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० 302 है, तथा जो बेस्ट आफ सरस्वती-पुरम चामराज मोहल्ला, मैसूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णच्या से बर्णित है), रजिस्ट्री-क्ता अधिकारी के कार्यालय मैसूर सिटी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 15/6/83 को

पृथेंकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड हैं और मूके यह विक्रास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मंपित्त का उचित बाजार मूल्य उसके इक्यमान प्रतिफल से, एसे इक्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उसमे बचने मो स्विधा के लिए; और/या
- (म) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के, अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 69-घ की उपभात (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 7---486GI[83

 (1) श्री एम० वी० नागराजू, सन/आफ, वेंकटप्पा, नं० 302, सरस्वतीपुरम, मैसूर ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती अन्नापूरना. वाइफ आफ, बी० एन० हनुमंन्तेय्या, डी० नं० 595, आइल मिल स्ट्रीट, बिहाइन्ड णांतला थियेटर, के० आर० मोहल्ला.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकरेंगे।

स्यष्टोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों शौर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिष्ठ है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज मं० 1169/83-84 ता० 15/6/83) सब सम्पत्ति है जिसकी र्सं० 302 है जो वेस्ट आफ सरस्वतीपुरम जामराज मोहल्ला, मैसूर में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन, रेंज बंगल्र

शारीख: 19/1¹1**98**4∙

.हिर् ्

श्रुकण् आंद्र . टी . एन् . एस . ------

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के मुभीन सूचना

धारत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलुर

बंगलूर, दिनांक 19 जनवरी 1984

निर्देश सं० सी० आर० 62/38827/83-84—अतः, मुक्को, मंजु माधवन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 144 है, तथा जो 9 ब्लाक, जयानगर बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयानगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन सा० 6/6/1983.

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके श्रयमान प्रतिफल से एसे श्रयमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उध्यदेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मुविधा के लिए;

अन्तः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) बी० के० सत्यानारायण
नं० 129
3 कास,
 बेलाक,
जयानगर,
 बंगलूर-11।

(अन्तरक)

(2) डाक्टर श्री टी० एन० वेंकटेश, रेप्रेमेन्टेड बँ०, श्री टी० सी० अनंतामूर्ति, नैं० 346,
2 काम,
I ब्लाक, जयानगर,

बंगलूर-11 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिय[ं] करता हू।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप:---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है। वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 836/83-84 ना० 6-6-83) सम्पत्ति है जिसकी सं० 144 है जो 9 ब्लाक जयानगर, बंगल्र में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

तारी**खा**: 19-1-1984

मोहर 🖫

प्ररूप. आर्ड. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-म (1) के अधीन स्थ्ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 19 जनवरी 1984

निर्देश सं० नोटिस नं० 39061/83-84—-अतः, मुझे, मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी र्म० 12 है, तथा जो 2 मेन परमहंसा रोड, मैसूर में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से विणिन है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैसूर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 9-6-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्मे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिस्ति उद्योश्य से उक्त अंतरण लिसित मे बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा केलिए; और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रश्ंजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अत: अब, उच्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मौं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के उधीन शिम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :— श्रीमती एल० शारदा, बाइफ/आफ, एच० नारायपा नक्षत्रा फार्म हिन्काल, मैसूर तालूक।

(अन्तरक)

(2) वी० पी० उदयाशंकर,
 नं० 15,
 टेम्पल रोड,
 जयलक्ष्मीपुरम,
 मैसूर-2 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना कारी करके पूर्वोक्त संस्पत्ति के अर्बन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस स्थाय में दिया गया है।

अमुसची

(दस्तावेज सं० 1348/83-84 तां० 9-6-83) सम्पत्ति है जिसकी सं० 12 है जो 2 मेन रोड, परमहंसा रोड, मैसूर में स्थित है।

> मंजु माधवत सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलु२

प्तारी**ख**: 19-1-1984

मोहर ः

प्ररूप माई० टी • एन • ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1861 का 43) की धारा 269-व (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगसूर

बंगलूर, दिनांक 19 जनवरी 1984

निर्देश सं० सी० आर० 62/38757/83-84—अतः, मुझे, मंजु माधवन,

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

कौर जिसकी र्स० 565 है, तथा जो बिन्नामंगाला 2 स्टेंज इंदिरा नगर, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजी नगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 14-6-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तृह प्रतिष्ठत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय णगा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित को वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की आअत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे अखने में सूविधा के लिए; और/वा
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्वी लक्ष्माम्मा,
र्न० 29,

 मेन रोड,
संपगिराम नगर,
 भंगलूर-27 ।

(अन्तरक)

(2) ए० भूपति,
र्न० 14,
प्रोमनाडे रोड;
बंगलुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पस्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपालन में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकेंगे।

स्पट्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(बस्तावेज र्स० 683/83-84 ता० 14-6-83) सम्पत्ति है जिसकी सं० 565 है जो बिक्षामंगला 2 स्टेंज, इंदिरानगर, बंगलूर में स्थित है।

> मजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलुर

तारीख: 19-1-1984

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-अ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

बगलूर, दिनांक 19 जनवरी 1984

निर्देश सं० नोटिस नं० 38767/83-84--अत: मुझे, मंजू माधवन

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी र्सं० 2 है, तथा जो 6 कास हुचिन्स रोड सेंट टामस टाऊन, बंगलूर में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णश्य से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, णिवाजीनगर में रिजम्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 27/6/83 को पूर्वेषित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की रई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेष्कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से एसे रहयमान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और उन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैसर्स भेनडोन्सा इनवेस्टमेंट्स, प्राइवेट लिमिटेड,
 नं० 25,
 कुके पेरेड,
 कोलाबा,
 संबई-85,

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मादिलदा कारवालहो,
र्न० 20,

 कास,
 हुचिन्स रोड,
 सेंट टामस टाऊन,
 बंगलूर 84.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीखंसे 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्तीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज र्स० 808/83-84 ला० 27/6/83) सम्पत्ति है जिसकी र्स० 2 है जो 6 कास हुचिन्स रोड सेंट टामस टाऊन बंगलूर-84 में स्थित है।

> मंजू माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 19/1/1984

मोहर ः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1861 का 43) की भारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

दंगल्र, दिनांक 19 जनवरी 1984

निर्देश सं० सी० आर० 62/38913/83-84---अतः सुप्तो. मंजु माधवन

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुठ. से अधिक है

25,000/ तर. स आधक हुं
और जिसकी सं० 583/ए, है तथा जो विश्वामंगला 1
स्टेंज, इंदिरानगर बंगलूर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध
अनुमूची में और पूर्णक्र में विणित हैं). रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी
के कार्यात्रय, शिक्राजीनगर में रजिस्ट्रोकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 16/6/83
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास
करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का
गन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक
रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्तः अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः :--- (1) श्री हनुमंतारायप्पा, नं० 25, वेल्लिगटन स्ट्रीट, स्यमंड टाऊन, बंगलूर रेप्रेसेन्टेड बैं०, श्री अयुक्षे जे० वटलर

(अन्तरक)

(2) श्री रोमील्ड जाकुब डिसिल्या, पर्लंट ने० 13, नजारत अवार्टमेंट 444, पितांबर लेन, महिंस, बंबई-16, रेप्रेसेन्टेड ,बै
 श्री स्टानले लजाईस,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :~-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

मन्स्ची

(दस्तिवेज मं० 1108/83-84 ता० 16/6/83) सम्पत्ति है जिसकी मं० 583/ए है, जो विश्वमंगला 1 स्टेज इंदिरानगर, बंगलूर में स्थित है।

मंजु माधयन सक्षम प्रक्षिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलुर

तारीख: 19/1/1984.

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अ<mark>धी</mark>न सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर बंगलूर, दिनांक 19 जनवरी 1984 निर्देश में० सी० आर० 62/38193/83-84--यतः मुझे, मंज माध्यन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपयं से अधिक हैं

और जिसकी सं० 76, सर्वे नं० 94/3 बी है, तथ जो बडागबेट्टु विलेज, बैलूर वार्ड उडुपि तालुक से स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्मा अधि-कारी के कार्यालय, उडुपि में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 3 जुन 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत में अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निगन्ति में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :~~

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अल्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आगकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा

(1) श्री बी० रमेशछचार,
नं० 1907, सौत एंड सी० रोड,
9 ब्लाक, जयानगर,
बंगलूर-2

(अन्तरक)

(2) सैरिल जाकुब एलिमैन्ट पेरैरा. नियर फरनल यर्थ, पिलार विलेज, उडुपि तालुक, बै० हिस जनारल एजेंट ---मौरेस फेराओ, रिटायर्ड आफिसर, अमबलापाडि, उडुपि टौन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हुए।

जकत संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (ख) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, ओ भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज मं० 19/83-84 ता० 3-6-1983) सम्पत्ति है जिसका सं 76 सर्वे नं० 94/3 बी जो बडगबेट्ट विलेज बैलूर वार्ड, उद्दीप तालुक, में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्ज रेंज, बंगलूर

दिनांक: 19-1-1984

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

प्रकप आइ टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर बंगलुर, दिनांक 19 जनवरी 1984

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्यात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विख्याम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित भाजार मृत्य 25,000/- रा से अधिक हैं

और जिसकी र्सं० 4 है, तथा जो हास्पिटल रोड, 15 डिविजन बंगलूर में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजत है), रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय. गांधीनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 19 जनवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनीयस, 1957 (1957 का 27) के के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अस, उथन अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री मुनियाप्पा और कुछ लोग, नं० 3, अन्नाय्याप्पा ब्लाक. कुमारा पार्क, बंगलुर !

(अन्तरक)

(2) श्री एम० मोहनराज और एम० बलराज, नं० 2, 20 कास रोड, रंगास्वामी टेंपल स्ट्रीट, बंगलुर।

(अन्तरिती)

को ग्राप्त सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध मों कोई आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगें।

स्पष्टोकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा. जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्**त्**ची

(दस्तावेज सं० 832/83-84 ता० जुलाई, 1983) सब सम्पत्ति है जिसका सं० 4, जो हास्पिटल रोड, 15 डिविजन, बंगलूर में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिका**री** सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक: 19-1-1984

मोहर 🕃

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 🗯 दिसम्बर 1983

निर्देश सं० आई० ए० सो० एक्बी० 24/12/83-84--यतः मुझे, एम० सी० जोशी,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रापये से अधिक हैं

और जिसकी संब्दलाट मंब 3 बटी लेआ उट है तथा जो बार्ड नं० 70 धरमपेट नागपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्सा अधि-कारी के कार्यालय नागपुर (डाकुमेंट सं० 5336/83(पी) में रजिस्ट्रोक्ररण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 27 जून 1983।

को पर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके इरयमान प्रतिफल से, एसे इरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से कथित नहीं िकया गया है :→-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, धन-कर अधिनियम, 1957 (1957) का 27) के प्रकाजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया ा या । अप आहा चाहिए था, छिपाने में सुविधा को लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में , मैं , उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(।) श्रोमती पदभावती बुरी, नागपूर

(अन्तरक)

(2) मैसर्स कांचन को० आपरेटिय हाऊसिंग सोसायटी लि० धरमपेठ नागपुर, प्लाट नं० 3. ब्रा लेआ उट धरमपेठ, नागपूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधियातत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरेंगे।

स्पच्छीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनस्ची

प्लाट नं० 3, बुरी लेआउट मं० नं० 20 वार्ड नं० 70 धरमपेठ नागपुर जिस्का एरीया: 11670 स्क्वे॰ फीट (110 5 स्क्वे॰ मीटर) है। जिसका म० तंबर 59 है और बिल्ट अप एरीया प्लाट के मुताबिक है।

> एम० सी० जोशी सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, नागपूर

विनांक: 3-10-1983

मोहर 🖫

8-486GI|83

प्ररूप आई. टी. एन. एस.------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

. कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, नागपुर नागपुर, दिनांक 29 दिसम्बर 1983

निर्देश सं ० आई० ए० सी ० एक्टी ० 25/12/83-84--अतः मझे एम० सी ० जोशी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं विक्रिंग जोकि मुर्तीजापुर जिं० अकोला सें स्थित है और जिसका प्लाट तं० 71 घीट तं० 5 डी, म० तं० 18/4 है (और उसके उपासद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित ई), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अकोला (डाकुमेंट सं० 1362/83 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908, (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 17 जुन 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरफ के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुशरा प्रकट नहीं किया गरा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) सरदार करतार सिंह मानु सिंह गांधी, रा० मृतीजापुर, जि० अकोला

(अन्तरक)

(2) श्रामता गोदावरीबाई नारायणराव. घाटे रा० मुर्तीजापुर, सेशन एरीया, जि० अकोला,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्हीकरणः ---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बिल्डिंग जो कि मुर्तीजापुर जि० अकोला में स्थित है। और जिसका प्लाट नंमें 71, णीट नं० 5÷डी मि० नं० 18/4 है और एरीया 7875 स्क्वे० मी० है।

> एम० सी० जोशी मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन ^{कें}ज, नागपूर

दिनांक: 29-12-1983

प्ररूप आई . टी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीत सुवना

भारत सरकार

कार्याक्षयः, सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 30 दिसम्बर 1983

निर्देग सं० श्राई० ए० सी० एउवी० 26/12/83-84---यतः मुझे, एम० सी० जोशी,

नायकर किंपिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्षात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-स के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 18 है, तथा जो ख० नं० 21, हिवरी लेश्राउट नागपुर में स्थित है (भ्रौर उसके उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय नागपुर (डाकुमेंट सं० 3916/83-84) में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, दिनांक, 29 जून 1983

को पृथेंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गहाँ हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए हथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखिता में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) मन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (खं) एसी किसी आयं या किसी धन या उन्यं आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोधनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गमा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

क्रारः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) 1. श्री बापूराव पिता रामजी थावले,
 - 2. श्रीमती कुसुमबाई बापूराव जी थावले,
 - श्री श्रशोक बापूरावजी थावले, हिवरी लेखाउट, नागपुर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री राजमठ रतनलाल बलाल, पचेरीवाला बिल्डिंग, टेकड़ी रोड़, बर्डी, नागपुर

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हों।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाधन की तारी करें 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एन० आई० टी० सी० ए० स्कीम प्लाट नं० 18 वार्ड नं० 29, हियरी लेआउट, 5028 स्के० फुट लीज डोल्डा और बिल्डिंग म्यु० नं० 2/3/18 वार्ड नं०-29 जो नागपुर में स्थित है।

एम० सी० जोशी, सक्षम अधिकारी, सहायक आयक्षर आयुक्त (तिरीक्षण), स्रर्जन रेंज, नागपुर

विनांक: 30-12-1983

प्ररूप आई. टो. एन्. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज 1, मद्राप

मद्रास, दिनांक 23 जनवरी 1984

निर्वेष सं० 23/जून/83--यतः मुझे, श्रार० पी० पिल्ले,

जायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृख्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० एस० सं० 315/9 है तथा जो सुलगिरी, होसूर तालुका में स्थित है (श्रॉर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सुलगिरी दस्तावेज सं० 616 श्रौर 617/83 रिज-स्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जून 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस उक्स अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य नें कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (था) एसी किसी आय या किसी भन् या अन्य अस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या या किया जाना आहिए था, स्थिपाने अस्तिमा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिश्वत व्यक्तियों, अर्थात् ः—

(1) श्री एस० एस० राधेश्याम श्रौर श्रन्य,

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एम० जी० नरसिम्हा मूर्ति श्रीर श्रन्य (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पृत्रोंकत सम्वक्ति को जर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हूं।

जन्य सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई नाक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इ.स. स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकेंगे।

स्पद्धीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुधी

व्यावसायिक भूमि एस० सं० 315/9, सुनिगिरी, होसूर तालुका दास्तावेज सं० 616 भौर 617/83) ।

ग्रार० पी० पिल्ले, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1, मद्रास

दिनांक: 23-1-1984 .

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम., 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज 1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 जनवरी 1984

निर्देश सं० 2/जून/1983—यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी कां, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० 15 है, तथा जो पेच्चियम्मन पडितुरैं, रोड मदुरैं में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा ग्रिधकारी के कार्यालय पुधुमंडपम दस्तावेज मं० 1460/83 में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक जून 1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उत्तत अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुर्द्ध किसी आय की बाधत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्रीटी० वी० वेंकटेशन

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एन० तिरूप्रलगुनाथन

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हवारा;
- (स) इस सूचना कं राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का आरे उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा. जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण सं० 15, पेच्चियम्मन पडितुरै रोड़, मसूरे ।

(दस्तावेज मं० 1460/83) I

श्चार० पी० पिल्लै, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (जिरीक्षण) श्चर्जन रेंज 1, मद्रास

जतः अभ उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिसों, अधीत अ

दिनांक: 6-1-1984

मोहर 🖫

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज 1, मद्रास मद्रास, दिनांक 6 जनवरी 1984

निर्देश सं० 9/जून/1983—यतः मुझे, भ्रार० पी० पिल्ले, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं एस० सं० 18/2, है तथा जो श्रतियूर गांव, येकार्ड तालुका, मेलम जिला में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रकर्चा श्रधिकारी के कार्यालय, येकार्ड दस्तावेज सं० 108/83 में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जून 1983।

को पूर्वेक्ति सम्परित से उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तृह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्वविक रूप से क्रियत नहीं किया गवा है —

- (क) अन्तरभ ते हुई किसी बाय की बाबत उक्त अभि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
 - (ख) एर तिकिसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों करों, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया धाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

(1) श्रीमती एम० सिवबाक्कियम,

(श्रन्तरक)

(2) श्री एस० ग्रार० ग्रासैतम्बी

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्यारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बव्ध किसो अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उनत विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

वन्त्वी

भूमि और निर्माण एस० सं० 18/2, भातियर गांव, येकिंडु तालका, सेलम जिला।

(दस्तावेज सं० 108/83)

श्चार० पी० पिल्ले, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :---

दिनांक: 6-1-1984

प्ररूप गाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज 1, मद्रास

मब्रास, दिनांक 6 जनवरी 1984

निर्देश सं० 42/जून/1983—यतः मुझे, झार० पी० पिरुलै, आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.२००/- रह. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० प्लाट सं० 7 है तथा जो कोडैकानल टाऊन में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधकारी के कार्यालय, कोडैकानल (दस्तावेज सं० 247, 248/83) में रजिस्ट्रीकरण श्रधिकरण नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनाक जुन 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्रित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरिय से उन्क्स अंतरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किर्ता आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (भ) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

असः असः, अक्त अधिनियम की धारा 269-ण को अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिश्चित व्यक्तियों, अर्थात् ॥——

- (1) मधुरा सोल इंडिया कार्पोरेशन प्राइवेट लिमिटेड (प्रन्तरक)
- (2) मैसर्स पाऊंड्स (इंडिया) लिमिटेड

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु ।

नक्स सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा से 45 दिन की अवधि या तरमध्वनधी व्यक्तियों पर सूचन। की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

भगसची

भूमि ग्रौर निर्माण प्लाट सं० 7, 5, कोडैकानल टाऊन, दस्तावेज सं० 247, 248/83 ।

श्चार० पी० पिल्लै, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निर्क्षिण), ग्रर्जन रेंज 1, मद्रास

दिनांक: 6-1-1984

मोहर 🕄

प्ररूप आई. टी. एन, एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज 1, मद्रास मद्रास, दिांक 6 जनवरी 1984

निर्देश सं० 44/जून/43—यत: मुझे, ग्रार० पी० पिल्ले , आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० घ्लाट सं० 442 है तथा जो तल्लाकुलम गांव में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबढ़ श्रनुसूची धौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रीधकारी के णार्यालय, तल्लाकुलम (दस्तावेज सं० 2462, 2513, 2534/83) में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, दिनांक जन 1983।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम की अधीन कर दोनें को अन्तरक को दायित्व मों कमी करने या उक्षये वचने मों सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हाँ भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया भाषा किया जाना चाहिए था छिपान मे स्विधा के लिए:

श्रतः सम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नेलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:---- (1) श्री एम० कामाश्री

(श्रन्तरक)

(2) श्री ए० ग्रार० मृत्तय्या चेट्टियार ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होते होते, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 4 5 दिन के भीतर उत्कत स्थावर सम्परित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरें।

स्पब्दोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसुची

भूमि प्लाट सं० 442, तल्लाकुलम गांव, (दस्तावेज सं० 2462, 2513, 2534/3) ।

ग्रार० पी० पिल्ले, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज 1, मद्रास

दिनांक: 6-1-1981

मांहर:

प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आय्वत (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज 1. मद्रास

मद्रास, विनांक 6 जनवरी 1984

निर्देश मं० 45/जून/1983—यतः मुझे, श्रार० पी० पिल्ले, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (णिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुः. में अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट सं० 282, 272, 283 है तथा जो के० के० नगर, उत्तर मदुरै तालुल्का में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध-श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, तल्लाकुलम दस्तावेज सं० 2776/83 में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक जुन 1983

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफान के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से ऐसे स्थमान प्रतिफाल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सय पाया ग्या प्रतिफाल, निम्मलिखित उच्च श्य से उक्त अन्तरण किखिल में वास्तियक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—
>—486G[83 (1) श्रीमली एम० नागरत्निनम

(ग्रम्तरक)

(2) श्री एन० के० ग्रार० ग्रहनाचलम चेट्टियार,

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यग्राहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिसित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

भूमि भौर निर्माण प्लाट सं० 282, 272 श्रौर 283, के० के० नगर, उत्तर मदुरै तालुका (दस्तावेज सं० 2776/83) ।

श्चार० पी० पिल्लै, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज 1, मद्राम

दिनांक: 6-1-1984

मोहर 🕃

प्ररूप अ(इ. टी. एन. एस.-----

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज 1, मद्रास
मद्रास. दिनांक 6 जनवरी 1984

निर्देश सं० 70/जून/1983—यतः मुझे, स्रार० पी० पिल्ने, बायकर अभिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- राभये से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० 424 है तथा जो तिरूबोट्टियूर हाई रोड़, मद्रास में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, रायपुरम, मद्रास (दस्तावेज सं० 1057/83) में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनाक जून 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विद्वारा करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसं अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने सं सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तियों ह्वारा प्रकट मही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मो सिविधा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री के० पी० दामोदर चेट्टी ग्रीर म्रत्यों।

(अन्तरक)

(2) श्री एम० ए० गुनर्सकरत ग्रीर एस० ए० सामी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुना।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बस्थ किसी अन्य व्यक्ति स्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पेट्डीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि ग्रौर निर्माण सं० 424, तिरुवोद्वियूर हाई रोड, मद्राम (दस्तावेज सं० 1057/83)।

श्चार० पी० पिल्लै, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज 1, मद्रास

दिनांक: 6-1-1984

मोहर 🗼

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. - - - -

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन स्वना

भारत सङ्ख्यार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्राम

मद्रास, दिनांक 6 जनवरी 194

निर्देश सं० 74/जून—यतः मुझे, ग्रार० पी० पिल्ले, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० एन० एम० सी० 10-6/75, एन० एम० सी० 10-3/20, पुतेन बंगला रोड़ है तथा जो स्रोत कार स्ट्रीट, नागर नागरकोयिल में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बाँणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, नागरकोयल-1 दस्तावेज सं० 1099/3 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक जून 1983।

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उब्देश्य से उक्त अन्तरण विखित में बास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के स्नारक के धायित्व में कमी करने या उससे वक्षे जें सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं,, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)

के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् ः---

(1) श्री एस० गणेश श्रय्यर

(प्रन्तरक)

(2) श्री पी० राधाकृष्णन

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण सं० एन० एम० सी० 10-6/75, एन० एम० सी० 10-3/20, पुतन बंगला रोड़, स्रोत कार स्ट्रीट नागरकोयिल (दस्तावेज सं० 1099/83) ।

श्रार० पी० पिल्लै, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज 1. सद्रास

दिनांक: 6-1-1984

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 (1) के स्थीन स्चना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्क्षिण)

ग्नर्जन रेंज 1, मद्रास मद्रास, दिनांक 6 जनवरी 1984

निर्वेश सं० 78/जून/1983—यतः मुझे, श्रार० पी० पिल्सू, भायकर भिर्मित्रम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिस्का उष्टित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० एन० एम० सी०, 15/5, 87/2 है तथा जो वडसेरी गांव श्रगस्तीस्वरम तालुल्का कत्याकुमारी जिला में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौ पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, वडसेरी (दस्तावेज सं० 639/83) में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जून 1983।

को पूर्वोक्त सम्पर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्निसित स्वदृश्य से उक्त अन्तरण शिवित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिन्यिम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धारित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एर्स किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हुं भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए;

चतः जन, उक्त अधिनियम, कौ भारा 269-ए के बनुसरक को, की, उक्त अधिनियम की भारा 269-क की उप्थारा (1) ऐ अधीन्ः निस्निविचित स्पन्तियों, अर्थाष्ठ ८(1) वल्लुवर हैंडलूम टैक्सटाइल

(भ्रन्तरक)

(2) वडसेरी यार्न कार्पोरेणन

(ग्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षोप :--

- (क) इस स्वना के राजधन में प्रकाशन की हारीस में 45 बिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीवर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतार;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस , 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किती जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए चा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

मन्सूची

भूमि ऋौर निर्माण सं० एन० एम० सी० 15/5, 87/2, वडसेरी गांव, श्रगवस्तीस्वरम तालुका, कन्याकुमारी जिला (दस्ता-वेज सं० 639/83) ।

> श्रार० पी० पिरुलै, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज 1, मद्रास

विनाक: 6-1-1984

मोहार 🗓

प्ररूप आए. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 जनवर्ग 1984

निर्देश सं० 87/जून/83-यत. मुझे, ग्रार० पी० पिल्लं, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रहे. से अधिक है

भौर जिसकी नयी सं० 75 है तथा जो नयिनियप्पन स्ट्रीट, महास-1 में स्थित है (ग्रीर इसरो उपाबद्ध प्रन्यूची मे ग्रीर पूर्ण रूप मे विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रीधकारी के कार्यालय, उत्तर मद्रास-1 (दस्तावेज सं० 2241/83) में रिज-स्ट्र करण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक जून, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्रयमान प्रतिफल से, एसे स्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आयुकी बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंसरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए: और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्ह आरतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री ए० राधाकृष्णन ग्रीर ग्रन्य

(भ्रन्तरक

(2) श्रीमती टी० एम० एस० शरीफा बीबी श्रौर श्रन्य (अन्तरिती)

को यह स्पना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप : --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सैं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम जिल्लान में जन्य किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसुधी

भूमि श्रीर निर्माण नयी सं० 75, निर्मानयप्पन स्ट्रीट, मद्रास-1 (दस्तावेज मं० 2241/83)

श्चार० पी० पिल्लै, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजन रेंग 🏿 मद्रास

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, अकत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:—

दिनांक: 6-1-1984

प्रफ्रप आई टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मदास

मद्रास, दिनांक 6 जनवरी 1984

निर्देण सं० 88/6/83—यतः मुझे, श्रार० पी० पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाम् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी नयी सं० 25 है तथा जो रितनसभापती मुदिलयार रोड़ मद्रास-600021 में स्थित है (श्रौर इस उपाबद्ध श्रनु सूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, उत्तर मद्रास-1 (दस्तावेज सं० 2158/83) में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक जुन 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्ता अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अक्षः अबे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रीमती जुलियट ग्रशोकराजा

(अन्तरक)

(2) श्री बी० एन० रविवर्मा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में को हैं भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निचित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया यया है।

अवसूची

भूमि श्रौर निर्माण नयी} सं० 25, रत्तिनसभापती मुदलियार रोड, मद्रास-600 021 (दस्तावेज सं० 2158/83)

> श्रार० पी० पिरुलै, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर स्नायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज 🗓, मद्रास

दिनांक: 6-1-1984

महिर 🕄

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. *****

अ।यकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुप्रगा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयृक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 जनवरी 1984

निर्देश मं० 90/6/83—यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'अकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का उत्तरा है कि स्थादर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं 802 से 804 तक है तथा जो तिरुवोद्दियूर हाई रोड मद्रास-19 में स्थित है (श्रीर इस उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, उत्तर मद्रास-1 (स्तावे सं० 2157/83) में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक जुन 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके रूपमान प्रतिफल से एसे रूपमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के लिए;

अतः । मज, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिसों, अर्थातः :— (1) श्रीमती कनगवल्लि ग्रम्माल भ्रौर प्रन्य

(ग्रन्तरक)

(2) श्री बी० ग्रार० जय सिंह ग्रीर ग्रन्य

(ग्रन्तरितीय)

को यह सूचना जारी करके पूत्रोंक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति खुवारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुधी

भूमि श्रीर निर्माण सं० 802 से 804 तक, तिरुवोट्टियूर हाई रोड मद्रास-19 (दस्तावेज सं० 2157/83)

ग्रार० पी० पिल्लैं सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज री, मद्रास

दिनांक : 6-1-198

मोहरु :

प्ररूप आहु". जी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1861 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्**भ**ना

भारत सरकार

कायिं \mathbf{u} , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज \mathbf{I} , मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 जनवरी 1984

निर्देश सं० 91/जून/1983—यतः मुझें, ग्रार० पी० पिल्सू, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्षात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 751, है तथा जो टी० एच० रोड, मद्रास-1 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्सा श्रिश्वकारी के कार्यालय, उत्तर मद्रास-2 (दस्तावेज सं० 1757/83) में राजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जून

कों पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विष्यास करने का कारण है कि यथापुर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उमके इच्यमान प्रतिफल से ऐसे इच्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप में किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत उक्त अधि-निवम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में मृतिभा के लिये; और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हुं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए;

(1) श्री ग्रार० साम्त्रशिव राव ग्रौर ग्रन्य

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ग्रार० वी० मुख्या राव ग्रीर ग्रन्य

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्योंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखन में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

करस सी

ं भूमि श्रौर निर्माण सं० 751, टी० एख० रोड, मद्रास-81 (दस्नावेण सं० 1757/83)।

> ग्रार० पी० पिल्लै, सक्षम प्राधिकारी, महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज , मद्रास

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

दिनांक: 6-1-1984

प्ररूप आहे. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज , मद्रास मद्रास, दिनांक 6 जनवरी 1984

निर्देश सं० 92/जून/1983—यतः मुझे, श्रार० पी० पिल्लै, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कूहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं।

ग्रौर जिसकी सं० 18, है तथा जो सेन्ट सेवियर स्ट्रीट, मद्रास~1 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रानुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकता अधिकारी के कार्यालय, उत्तर मद्रास—2 (दस्तावेज सं० 2221 ग्रौर 2222/83) में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक जून 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से विधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफला, निम्निसित उद्देश्य से उक्त बंतरण सिचित में वास्तिक इस से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सविधा के निए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में,, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 10—486G][83 (1) श्रीमती ग्राई० वी० रानी ग्रीर ग्रन्य

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती महबूब उन्निमा ग्रौर ग्रन्य

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को वर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्सि व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यन्हीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हु⁵, वही अर्थ होगा ओ उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

भूमि श्रौर निर्माण सं० 18, सेन्ट सेवियर स्ट्रीट, जार्ज टाऊन, मद्रास-1 दस्तावेज सं० 2221 श्रौर 2222/83

> श्चार० पी० पिल्लें, सक्षम प्राधिकारी, र सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज री, मद्रास

िनांक €-1~1984

मोहर 🛭

प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज- I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 जनवरी 1984

निर्देश सं० 96/जून/1983—यतः मुझे, आर० पी० पिलै, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (िनसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का करण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृष्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंग स्टाफ स्ट्रीट सं 22 है तथा जो पलेंग स्ट्रीट रायपुरम मद्रास-13 में स्थित है (और इससे उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजम्ट्रीकर्त्ता अधिकारों के कार्यालय, रायपुरम, मद्रास दस्तावेज सं० 954/83 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जून 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कन, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (का) जन्तरण भे हुई किसी अाय की बादत उक्त जिथ-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिये; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अपिन्यां को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

(उश्रो मन्ता चिन्नैय्या और अन्यों

(अन्त रक)

(2) श्रीमती शिवगामी

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संप्रित के अर्थन के जिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अन<u>ु</u>स्**ची**

भूमि और निर्माण सं० 22, फ्लैंग स्टाफ़ स्ट्रीट, रायपुरम, मद्रास-13 (दस्तावेज सं० 954/83)

> आर० पी० पिल्ले, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण भर्जन रेंज-I, मद्रास

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग क्रे, अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखन व्यक्तियाँ, अर्थातः——

दिनांक: 6-1-1984

प्रकप् बार् .टी.एन्.एस..-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेजा-I, मद्रास मद्रास, दिनांक 6 जनवरी 1984

निर्देश सं० 99/जून/83-यतः मुझे, आर० पी० पिल्ले, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहे. से अधिक है

और जिसकी सं ० अंदि एस० सं० 613 है तथा जो अं। न्डियप्प प्रमीणी स्ट्रोट, रायपुरम मद्रास—13 में स्थित है (और इससे उपाब अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीव त्ती अधिकारी के कार्यालय, रायपुम दस्तावेज सं० 926/83 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जून 193।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कर के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के सिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्दर्थ से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरण से हुई किसी भाग की वावस, उक्स जभिनियम के जभीन कर दोने के जस्तरक के बाविस्य में कमी करने वा उससे व्यने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कड अधिनियम, या धन-कड अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया जवा था या किया जाना आहिए था, खिपाने में स्विभा के तिए?

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात् ः— (1) श्रीएत० गजनती नायड्

(अन्तरक)

(2) श्रीमती बी० चन्द्रा

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पृत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पृत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी **स** से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी स्पन्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्पृतितारों में से किसी स्पनित दुधारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पास लिहिकत में किए जा सकोंगे।

स्युव्दिकिरणः -- इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, वो अवस्य अभिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित, हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

बन्स्ची

भूमि और निर्माण म्रार० एस० सं० 63, आन्डियण ग्रामणी स्ट्रोट, रायपुरम, मद्रास-13 (दस्तावेज सं० 926/83)

> आर॰ पी॰ पिस्ले सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण), अर्जन रेंज 1, मद्रास

दिनांक: 6-1-1984

मोहर 🧓

प्ररूप आहें दी एन एस .-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज १, मद्रास

मद्राम, दिनांक 6 जनवरी 1984

निर्देश सं० 102/ज्न/1983—यतः मुझें, आर० पी० पिल्ले आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्तृ अधिनियम' कहा गया है), की धारा' 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० नयी मं० 121, है तथा जो वरदमुत्तियण्यन स्ट्रीट, मद्रास-1 में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, मौ शरपेट मद्राम दस्तावेज सं० 291/83 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जून 1983

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नुलिखित उव्योश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उत्कत अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अधीतः——

(1) श्री के० संवैध्य चेट्टि और अन्यों

(अन्तरक)

(2) श्रो के० श्रोराम सागर

(अन्तरिती)

को यह सुमना जारी कारके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई अन्य आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकींगे।

स्पष्टोकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम की अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन<u>ु</u>स्ची

भूमि और निर्माणनयी सं० 121, वरदमुत्तियप्पन स्ट्रोट, मद्रास-1 (दस्तावेज सं० 291/83)।

> आर० पी० पिल्लै, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज 1, मद्रास

विनांक: 6-1-1984

मोहर ः

प्रकप् आहें . ट्री. एत् . एस . -------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरुकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निर्धामण)

अर्जन रेंज 1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 जनवरी 1984

निर्देश सं० 103/जून/1983—यत: मुझे, आर० गी० पित्लै, बायकर बाधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाए 'उन्त अधिनियम' कहा ग्या है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं ० नयी सं ० 65, है तथा जो लैंडस रोड़, कीलपाक, मद्रास-10 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकक्ती अधिकारी के कार्यालय, पेटियमेट मद्रास दस्तावेज सं ० 616/83 में भारतीय रिजस्ट्रीकक्रण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जन 1983

का पृथा कत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह निक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिथक कप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त विभिनियम के ज्योन कर देने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री एस० सम्पत कुमार

(अन्तरक)

(2) श्रीचन्द्रतन जाज्

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं का से 45 विन की अविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
 - (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्ता में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गयाः हैं।

जनसर्ची

भूमि और निर्माण सं० 65, लैंडस रोड़, कीलपाक, मद्रास-10 (दस्तावेज सं० 616/83) ।

> आ० पी० पिल्लै, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, मद्रास

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसत व्यक्तियों, अधीत् ः—

दिनांक: 6-1-1984

मोहर 🕄

प्रस्प आहे, टी. एन. एस. ----

आयुक्र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज 1, मद्रास मद्रास, दिनांक 6 जनरी 1984

निर्देश मं० 107/ज्न/1983—यत मुझे, आर० पी० पिल्ले, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- हर से अधिक हैं और जिमकी सं० 7, पोत्नुस्वामी पिल्ले स्ट्रीट, अनावरम हैं तथा जो मद्रास—23 में स्थित हैं (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप स वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के का पालय, सेंबियम (दस्तावेज मं० 3193/83) में रजिस्ट्री-करण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनां जन 1983

को पूर्विक्स संम्पास्त के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान भितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का पंज्य प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतो कियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, नि. किया उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक क्ष्य में कथिर नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुः कै किसी आय की बार्स्त, उन्हें अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासिस्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण सें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग्र की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रीमती आर० एस० कि इसी

(अन्तरक)

(2) डाक्टर नीलाम्बाल विकटर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी ऋरकें पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :----

- (क) इस स्चना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

समस्यो

भूमि और निर्माण सं० 7, पोन्नुस्वामी पिल्लै स्ट्रीट, अयनावरम, मद्रास-23 (दस्तावेज सं 3193/83)

> ,आर० पी० पिरूलै सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण), अर्जन रेंज-I, मद्वास

दिनांक : 6-1-1984

मोहर ः

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ---- ---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-ा, मब्रास

मद्रास, दिनांक 6 जनवरी, 1984

निवेश सं० 108/जून/83—यत: मुझे, आर० पी० पिल्लै, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त् अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 60, है, जो ई० वग० के० सम्पत्त रोब, वेपेटी मग्रास-7 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पेरियमेट, मग्रास दस्तावेज सं० 639/83 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक जून, 1983,

को पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाम गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण किस्तित में वास्तविक रूप से किथा गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की शावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को वायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के तिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की, अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री दिलीप डी० महर और अन्य

(अन्तरक)

(2) श्री परस्माल गीती (एच० यू० एफ०)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगी।

स्पष्टीकरणः--इसमों प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पिरिशाधितं ह³, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि मं० 60, ई० बी० के० सम्पत रोड, वेपेटी, मद्रास-7 (दस्तावेज सं० 639/83)

> आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जननरेंज-I, मद्रास

दिनांक : 6--1-1984

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस.------

(1) श्रोमती कमला राज

(अन्तरक)

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन सुपना

(2) श्रीमती मोहना एस० नायर

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-I, मद्रास मद्रास, दिनांक 6 जनवरी, 1984

निवेश मं० 110/जून/83---यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै,

सायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट सं० 28/4, है, जो एग्मोर गांव, मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, पेरियमेटपेट, मद्रास दस्तावेज सं० 653/83 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधोन, विनोक जून, 1983,

का' प्वॉक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दर्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का जाचित बाजार मृस्य, उसके दर्यमान प्रतिफल से, ऐसे दर्यमान प्रतिफल का धन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आयुक्ती बाबत्, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोनें के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; आर्रि/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:--- को यह स्थाना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उंक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में दिये जा सकरें।

स्पव्यक्तिस्ण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही अर्थ द्वोगा, जो उस अध्याय में दिया गुया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण प्लाट नं० 28/4, एग्मीर गांव, मद्रास (दस्तावेज सं० 653/83)

आर० पी० पिरूलें सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, भद्रास

दिनांक : 1-1-1984

प्रक्ष बाइ .टी. एन. एस. ------

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकर (निहासण)

अर्जन रेंज-I, इत्रास

मद्रास, दिनांक 6 जनवरी, 1984

निवेण मं० 114/6/83--यत: मुझे, आर० पी० पिल्लै, नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा

269- ब के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, विश्वका उचित वाबार मुख्य

25,000/- रतः से **अधिक है**

और जिसकी सं० प्लाट सं० 316, है, जो विल्लियाक्कम गांव अन्ता नगर, मब्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रिजस्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अन्ता नगर, मद्रास दस्तावेज सं ० 1807/83 में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक ज्ञन, 1983,

को पूर्वे कित सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गद्दं है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके क्यमान प्रतिकृत से, एसे व्ययमान प्रतिकृत का पन्मह प्रतिशत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के अगए तब पाया नया प्रतिफल, निम्नसिसित उनुब्देश्य से उन्त नंतरन लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण ते हुई किसी बाव की बाब्त, उबत् शीधीनवन के लधीन कर दोने के बनारक के दायित्व में कमी करने या असबो बचने में सुविधा के जिए; मरि/रा
- (च) एसी किसी अप्याया किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या **धनकर विभिनियम, 1957 (1957 का 27)** के प्रयोजनार्थ अंतरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विभाने सिए,

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अभीन, निम्मुलिचित व्यक्तियों, वर्धात् :---11-486GI|83

(1) श्री वी रामचन्द्रन

(अन्स्पन्ह)

(2) श्री एस० रामकृष्ण पिल्लै और अन्य

(अन्सरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अमिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वा कर म्पन्तियाँ मा से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (बा) इस स्चाना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वक्टोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विध-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ दोगा जो उस अध्याय में विद्या स्वा 📽 ।

अनुसूची

भ्मि और निर्माण मं० प्लाट 316, विल्लिबाक्कम गांव. अन्ना नगर, मद्राम - दस्तावेज सं० 1807/83 ।

> आर० पी० पिल्ली मक्षम प्राधिकारी सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज⊸, मद्राप

दिनांक : 6-1-1984

मोहर अ

प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस. ------(1) डा० ए० सुभद्रा

(अन्तरक)

(2) श्रो ए० कुमार स्वामी चेट्टियार

(अन्तरिती)

अायकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-ा, मद्रास मद्रास, दिनांक 6 जनवरी 1984

निदेण मं० 121/जून/83---यतः मुझे, आर० पीः० पिल्लैं, बायकर गिधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पञ्चात 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण ho^{3} िक स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी संबद्धलाक संव 36, टी ब एसव संव 1, है, जो एसव मं० 154/1, में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध में और पूर्णरूप में वर्णित है), रजिस्ट्राकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अन्ता नगर. मद्रास दस्तावेज सं० 1946/83 में भारतीय रजिस्ट्रोक्तरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन, दिनांक जून, 1983, का पूर्वोकत संपरित के उचित बाजार मूल्य में कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की ग**र्इ है और मु**भ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिभात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकरें) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित **उद्दो**श्य से उक्**त अन्तरण सिक्ति** में नास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :~~

- (क) अन्तरण से हुई किसी अगब की वाबत , अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे वजने में सृविधाके लिए; नौर/या
- (स्व) ऐसी किसी नाय या किसी धन या बच्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अ<mark>धिनियम</mark>, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, हिल्लाने से स्विधाके लिए;

अत: अब, उक्त बिधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में,, उक्ल अधिनियम कर्ने धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन किम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायवाहिया करता 👸 ।

उक्त सम्पत्ति को अजन को सम्बन्ध मो कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस स्वाना के राजपन में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधिया तत्संबधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवस्थि जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त न्यक्तियों में संकिसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचनाके राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीन से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पर्वक्रीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, अभिनियम के अभ्याय 20-क में परिभाषित है, वही मर्थ होगा औ उस अध्याय में दिया गमा है।

वन्त्रवी

भूमि और निर्माण ब्लाक सं० 36, टी० एस० सं० 1, एस० सं० 154/1, (दस्तावेज सं० 1946/83)

> आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

दिनांक : 6-1-1984

प्रक्रम बार्ड, टी. एन. एस. ------

भायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अभीन स्थना

भारतं सरकार

कार्यालय, सहायक गायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 जनवरी, 1984

निदेश तं । 122/जून/83-यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै

बायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें दसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-श्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 15,000/- रा. से अधिक है

और जिसको सं० प्लाट यं० 4468 है, जो मुल्लम गांव अन्ता नगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है). रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारों के कार्यालय, अन्ता नगर, मद्रास दस्तावेज यं० 1975/83 में भारतीय रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधोन, दिनांक जून, 1983.

को पूर्वोक्स सम्परित के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत सं अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकार्) और अन्तरिती (अन्तरितियार्) के बीच एसं अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्यार् से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण सं हुई किसी बाब की बाबत, उक्स अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृष्टिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिमों को जिन्हें भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उनता निधिनयम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रवोचनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के सिए।

नतः नव, उन्त निर्मियम की भारा 269-ग के ननुसरण में, में, उन्त निर्मियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के नभीन, निर्मितिकत स्थितियों, नभीत

(1) श्री सी० वीनवयाल

(अन्तरक)

(2) श्रीमती एस० मुत्तुकरूपी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों कत संपर्तित के अर्जन के सिए कार्यवाहियां क उता हैं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि,, जो भी अवधि बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पृवांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में एरिभाषित ह³, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

भूमि प्लाट सं ० 4468, मुल्लम गांव (दस्तावेज सं ० 1975/83) ।

आर० पी० पिल्लं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरोज-1,मद्राग

दिनांक: 6-1-1984

मोहर 🗄

शक्य वार्^क.टी.एन्.एक_.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

ारा १५८५ छ। (1) का अ<mark>धीन सुचना</mark>

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रज-ा. मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 जनवरी । 1984

निदेण सं 124/जून/83—यतः मुझे, आर० पा० पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इसके पदनात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसवा उचित कारा मृस्स 25,000/ रु. से अधिक है

अौर जिसकी नयी सं० ए० 56 है जो अन्ना नगर, मद्रास—
102 में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजन है), रिजस्ट्रीकर्ना अधिकारों के कार्यालय, अन्ना नगर, मद्रास (दस्नावेज सं० 2116/83) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जून, 1983
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई ही और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रममान प्रतिफल से, एसे ध्रममान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिक्त रो अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण रिरिखत में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दासित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी नाय था किसी धन या जन्य जास्तिबों को जिन्हों भगरतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

कतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मां, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन धिम्नीलियन व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री अस्वी चेट्टी

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कमला सुक्रमन्यन और अन्य

(अन्तरिती)

को बहु सूचना चारी करके प्रानित सम्प्रित को कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हंू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन हे सम्बन्ध में कोई भी आक्षीप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर मम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगं।

स्वव्यक्तिरण:--इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ara di

भूमि श्रीर निर्माण नयी सं० 56, अन्तानगर, भद्रास---102, (वस्तावेज सं० 2116/83)

> आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, मद्रास

विनाक : 6-1-1984

पुरूपः बाह्रः टी. एन. एस्. - - - -

आंयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मन्नास

मद्रास, दिनांक 6 जनवरी 1984

निदेश सं० 126/जून/83—यतः मुझे आर० पी० पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), ंडी धारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

अौर जिसकी प्लाट सं० 1226, है, जो अरिग्नर अन्ता नगर, मद्रास—40 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यासय अन्ता नगर मद्रास (दस्तावेज सं० 2191/83) में रिजस्ट्रीकरण अधिन्त्रमम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जून, 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूप्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे रूप्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वर्षय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया जवा या वा किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुकिआ के लिए;

मतः सन, उक्त सिंभिनयम की भारा 269-ग के बनुसरण में, मैं, उक्त सिंभिनयम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः—— (1) श्रीमती टी० एन० पध्मम्मा

(अन्तरक)

(2) श्री आर० जी० एतुमलै

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पड़ स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम. के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

शनसची

भूमि और निर्माण प्लाट सं० 1226, अरिग्नर अन्ता नगर, महास-40 (दस्ताबेज सं० 2191/83) ।

आर० पी० पिरुलै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज्⊷, मद्रास

विनोक : 6-1-1984

प्ररूपं बाइं. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म् (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज⊶1, महास

मद्रास, विनांक 6 जनवरी 1984

निदेश सं० 128/जून/83—यतः मुझे, आर०पी० पिल्लै, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन स्थम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्थ्मित, जिसका उचित बाजार ग्ल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं ० 12 है, जत मोहभदन स्ट्रीट, मदास-12 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिज-स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेम्बियम दस्तावेज सं ० 2423 और 2424/83 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनोक जुन, 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रियमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में नास्तिवक कप से कांधित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अंतरण से हुई किसी नाय की नावतः, उक्त अधिनियम् के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के निष्; और/या
- (ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, फिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए:

. (1) श्रो सैयद रमूल और अन्य

(अन्तरक)

(2) श्रीमती साथकू फातिमा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में राजाण होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (स) इस मूचना के राजपत्र में पकारात की तार्रास से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर रुप्पत्ति में हिंह-बद्ध किसी अन्य व्यक्तित बदारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटिकरण:—इसमा प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के लब्दाय 20 के में परिभाषित है, वहीं कई दुन्ति, की उस लब्दाय में दिया गया है।

नन्स्ची

भूमि और निर्माण सं० 17, मोहमदन स्ट्रीट, पेरम्बूर, मद्रास-12 (दस्तावेज सं० 2423 और 2424/83)

आर० पी० पिरूलै सक्षम प्राधिकारी गहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-, मद्रोस

अत:, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (।) के अधीन, निक्निसिश्चित व्यक्तियों, अधीन:~~

दिनांक : 6-1-1984

प्ररूप आहुर, टी. एन. एस.-----

(1-) श्रीमती आर० सावित्री

(अन्तर्क)

आयफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन स्चना (2) श्री ऐ० सिवसुत्रमनियन

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्पालय संज्ञायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-ा, मद्राम

मद्रास, दिनांक ६ जनधरी 1984

निषेश सं० 131/जून/83--यतः मुझे. आर० पी० पिल्लै, सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० नयी सं० 9 है, जो तनिकाचल मुक्ती स्ट्रीट, मेम्बियम, मद्रास-600011 में स्थित है (और इससे उपाबड़ अनुमूची में और पूर्णस्प से विणित है), रिजर्टीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेम्बियम दस्तावेज सं० 2475 और 2625/83 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जून, 1983.

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तिरत की गर्व है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल में, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निखित उद्देष्य से उसत अन्तरण लिखित में वास्तिषक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाधत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे अचने यें स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना वर्ष हाए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुमरण मो, मी, जक्त अधिनियम की धारा 269-घ की जपधार (1) के अधीन, निम्नलिमित व्यक्तियों, अर्थात् :--- को यह सूचना जारी करके पूर्तीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी लाक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वता की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना की राजपत्र मी पकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष्म किसी अन्य व्यक्ति व्वारा सभोहस्ताक्षरी के वास सिवित में किए जा सकोंने।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्थी

भूषि और निर्माण नयी सं० 9, तनिकाचल मुदली स्ट्रीट, मेम्बियम, मद्राम-600 011 दास्तावेज सं० 2475 और 2625/ 83) ।

> आर० पी० पिल्लै, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–1, मद्रास

दिनांक : 6-1-1984

मोहर 🖫

प्रकप् नाइ. टी. एन. एस. ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मृ (1) के मुभीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक सायकार सायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, महास

मद्रास, विनांक 6 जनवरी 1984

निदेश सं० 132/जून/1983—-यतः मुझे, आर० पी० पिस्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियन' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्मति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी नयी सं० 12 है, जो पलयप्पन स्ट्रीट मद्रास-1 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध है और भ्रमुसूचि में पूर्णरूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उत्तर मद्रास-2 दस्तावेज सं० 2010/83 में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जून, 1983

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के खरमान प्रतिकत्त के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके ख्यमान प्रतिफल से, एसे ख्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उव्ववेष्यों से उक्त अन्तरण लिचित में बास्तिविक रूप से किथा गया है :---

- (क) अस्तरण से हुई किसी जाय की वावत, उपत अधिनिय्म के अधीन कर वंने के अन्तरक के दासित्य में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कार जिन्हों भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के सिए;

अतः अव उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) की अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत :---

(1) श्रीमती मी० मुलीचना और अन्य

(अन्तरका)

(2) श्री के० एम० ए० इड्डिस और अन्यों

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबवृध किसी बन्य ज्यक्ति व्वास अधोहस्ताक्षरी के पास विवित में किए जा सर्केंगे।

स्वधानिकरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण नयी सं० 12, पलयप्पन स्ट्रीट, मद्रास-1 (दस्तावेज सं० 2010/83) ।

आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त (मिरीक्षण) अजैन रेज-1, मद्रास

दिनांक : 6-1-1984

प्रकृष आहें. टी. एन. एस. -----

भागकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की भारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

अर्थालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज्—ा. मद्रास

मद्रास, दिनांक ६ जनवरी 1984

निदेश सं 144/जून/83—यतः मुझे, आरं पी० पिल्लै. आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह जिल्लास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुट. से अधिक है

और जिसकी मं० 106. कोयम्बेडु गांव है, जो में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्णक्य में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अन्ता नगर, मद्राम दस्तावेज मं० 1908/83 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का का 16 के अधीन, दिनांक जन, 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि गथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उथके दृश्यमान प्रतिफल में, एमें दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशक्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में भारतिक रूप से कथित गहीं किया गया है :——

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमीं अरुकेश्या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

का, जिन्हों भारतीय अधि-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः, अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-12—486GI|83

(1) श्री के० एम० राम्लिंगम नायकर

(अन्तरक)

(2) श्री आर० पन्नीरसेलयम

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के निध कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी माक्षप :--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 विन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति व्यक्तिस्
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताझरी के पास लिखित में किए जा सकर्गे।

स्पत्तीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं बर्ध होगा जो उस अध्याय में

अन्सूची

भूमि सं० 106, कोयम्बेहु गांव, (दस्तावें मं० 1908/83)

आर० पी० पिलै मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज⊶ा, मद्रास

दिनांक: 6-1-1984

मोहर 🖫

प्ररूप आहर् . टी . एन . एस . -----

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

(1) श्री के० एम० रामलिंगम नायकर

(अन्तरक)

(2) श्री आर० पत्नीरसेलवस

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I. मद्रास

मद्रास, दिनोंग 6 जनवरी 1984

निदेश सं० 144 ए०/जून/ 83--यत: मुझे, आर० पी० पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट सं० 17, है, जो कोयम्बेड्गांव में स्थित है और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अन्ना नगर, मद्रास दस्तावेज सं० 2164/83 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जून, 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापुर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, ऐसे रूपमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एेसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कत निकासित उपवेषय से उपत बन्तरण सिवित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया नवा है है---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त लिभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के किए; बौद्र/मा
- (स) ऐती किसी जाय या किसी भन या जन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय गाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 2**7**) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना आहिए था, क्रिपाने में स्विधा के लिए,

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में. गैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

को बहु भूजना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्तित के बर्जन के बिहु कार्यवाहियां करता हूं।

जनत् सम्पृतित को वर्जन को सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपुत्र में प्रकाशत की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ प्र स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सुचनाके राजयत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पर्काकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों औ<u>र</u> पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं नर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सूची

भूमि प्लाट सं० 17, कोयम्बेडु गांव (दस्ताबेज सं० 2164/ 83) 1

> आर० पी० पिल्नै सक्षन प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज~I. मद्रास

विनोब : 6-1-1984

मोहर ∄

प्ररूप आहे, टी. एन. एस. -----

(1) श्री के० एम० रार्मालगम नायकर

(अन्तरका)

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

(2) श्री एस० बी० रानवेलु चेहियार

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्धाक्षण) अर्जन रॉज-I, महास

मद्रास, विनांक 6 जनवरी 1984

निदेश सं० 145/जून/83—यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एस० सं० 140 है, जो कोयम्बेड गांव में स्थित है, (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अन्ना नगर, महास (दस्सावेज सं० 1973/83 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जन, 1983,

को पूर्वोक्स संपृत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह जिश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित के बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्बारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में सृषिभा के सिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्धों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हों, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हो।

अगसधी

भूमि एस० सं० 140, कोयम्बेडु गांव, वस्तावेज सं० 1973/ 83) ।

> आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज्—I, मद्रास

अतः अस, उक्त सिंधिन्यम् की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अपिनियम् की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित स्युक्तियों, अधीत् ि——

विनांस : 6-1-1984

माहरु 🖫

प्ररूप आइ⁴. टी. एन. एस. - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-1, मद्राम

मद्रास, दिनांक ६ जनवरी, 1984

निर्देण सं० 148/जून/83—यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन मक्षम प्राधिकारी कां, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं ० एस० सं. 140 है, जो कोयम्बे हु गांव में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण क्य से वर्णित है), रिजिस्टीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अन्ता नगर, भद्रास दस्तावेज सं ० 2160/83 में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण अधिनियण, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुन, 1983.

करे पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वंश्य मे उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे ब्लाने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुरूरण भौ, भौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (।) को अधीन, निम्नक्किकित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री के० एम० रामलिंगम नायकर

(अन्तरक)

(2) श्री एस० सुक्रमन्यम और एम० रबी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूर्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हौं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया ग्या है।

अमुसूची

भूभि प्लाट सं० 16, एस० सं० 140, कोयम्बेडु गांव (दस्ता-वेज सं० 2160/83) ।

> आर० पी० पिल्लै स**क्षम प्र⊺धिकारी** सहायक आयकर आयुक्त (निरी**क्षण**) अर्जन रेंज—^I, **मद्रास**

दिनांक : 6-1-198**4**

मोहर ः

प्ररूप .. बाइ . टी. एन . एस . -----

144 ... Mig . Ci. Q1 .. Q4 . -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1,-मद्राम

मद्रास, दिनांक ६ जनवरा, 1984

निदेश सं 149/जून/83----यतः मुझे. आरं पी पद्धलै, सायकर अभिनियमः, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 1314 हं, जो विक्लियाक्कम गांव ए० ए० नगर में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णस्प मे बिणत है), रिजम्हीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अन्ना नगर, मद्रास दस्तिवेज सं० 2192/83 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुन, 1983.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और मंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिशित उद्वश्य से उक्त अंतरण लिश्वित् में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उवत अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं िकया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री आर० राजन

(अ•तरक)

(2) श्री सी० डेविड

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र मो प्रकाशन की सारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्यान 20 के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि प्लाट सं० 1314, विल्लिबाक्कम गांव, अरिग्नर अन्ता नगर (दस्तावेज सं० 2192/83)

आर० पी० पिल्लैं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज--I, मब्रास

जा: जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीग, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :---

दिनांक : 6-1-1984

प्ररूप आही. टी. एन. एस्.-----

भागकर मृथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास मद्रास, दिनांक 6 जनवरी 1984

निदेश सं ० 159/जून/83—स्यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदधात् 'अक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- एउ. से अधिक है

और जिसकी सं० 39, बालु मुदली स्ट्रीट है, जो ओल्ड वाषरमेनब पेट, मद्रास-21 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णकृप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपुरम दस्तावेज सं० 875/83 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जून, 1983

क्षो पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान । तिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्तर प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) जोड़ अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वदेश से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किश्त नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तससे बचने में सृविधा के लिए, आहु/या
- (क) ऐसी किसी जाय ग हैंक्सी धन वा जन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय अधिकर जिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के हिए;

शतः स्रथः, उत्तर अधिनियम की धारा 269-ग के अमृसरण में, मैं, उत्तर अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६—— (1) श्रीमती कें । मल्लीस्वरी

(अन्तरक)

(2) श्री वी० ए० गुनसीलन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के मुर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारी हु से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- वद्ध किसी अन्य अपनित व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

मन्सूची

भूमि सं० 39, बालु मुदली स्ट्रीट, ओल्ड वाषरमनपेट, मद्रास--21 (दस्तावेज सं० 875/83)

> आर० पी० पिल्लै, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनांक : 6-1-1984

मोहर 🕄

प्ररूप _ आर्ष _ टी _ एन _ एस _ - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भास 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-ा, अब्रास

मदास. दिनांक 6 जनवरी 1984

निवेश सं० 164/जून/83-अयतः मुझे आर० पी० पिरुलै. मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट एस० डब्ल्यू०-437 डब्ल्यू-438 डब्स्य०-436 डब्स्य०-424 है जो विलिबोक्कम गांव चेन्गलपेट जिला में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मद्रास-11 दस्तावेज सं० 2200/83 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जन, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापबोंक्त संपत्ति का उचित बाजार म्ल्य, उसके रायमान प्रतिफल से, एसे रायमान प्रतिफल का वन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अस-रिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुइं किसी बाय की बाबत, बिभिनियम के बभीन कर दोने के बन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बाँड/वा
- (ख) ऐसी मिसी बार या जिली धन या मध्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयफर अधिनियम. 1922 (1922 का 11) या समिनियम, उपत या घन-कर पश्चिमियम, 1957 (1957 का 27) प्रयोजनार्थ बन्तरिती बारा कियागमा वा या किया जातः। चाडिए था, ष्टिपाने में सुविधा के लिए;

बत: सब,, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधार्य (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह---

(1) एम० एल० क्रुरियन

(अन्तरक)

(2) श्री डी॰ आल्बेर्ट

(अन्सरिती)

को यह सुबना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी अयिक्तयों पर स्चनाकी तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त न्यन्तियों में से दिक्त की न्यन्ति बुवारा:
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी जन्म व्यक्ति बुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकरी।

स्मध्यीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

भूमि और निर्माण प्लाट मं० डब्ल्यू०-437, 436, 438 और 424 विलिवानकम गांव, वेन्गलपेट जिला (दस्तावेज सं॰ 2200/83)

> आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I मद्रास

विनोक : 6-1-1984

मोहुदुः 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

والخالية المناوضة ويها والرواء والمائي مراو ويهيد معي إلي والمعتار

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज⊸J, मद्राम

मद्रास, दिनांक 6 जनवरी 1984

निदेण सं2 166/ज्न/83---थतः मुझे, आर० पी० पिबलै, अस्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० ब्लाक सं० 27, मेट्ट स्ट्रीट, प्रयनावरम, जो मद्रास-23 में स्थित है (और इससे उपाबड़ में और पूर्णक्ष्य से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, अन्ना नगर, मद्रास दस्तावेज मं० 2137/83 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जून, 1983, को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के यीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिक्ति उद्देष्य में उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुईं किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एमे किमी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशांजनार्थ अंतरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था. छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उनत अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उनत अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलियत व्यक्तियों, अधीत:—

(1) श्री के० बी० नान्डक्क्रणन

(अन्तरक)

(2) दक्षिण नाडार संगम

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मीं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मीं समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों मो से किसी व्यक्ति खुवारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहम्ताक्षरी के पास निस्ति में कियं जा सकरों।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अन्सुची

भूमि ब्लाक सं० 27, अयनावरम गांव, मेट्टुस्ट्रीट, अयनावरम, मब्रास-23, (दस्तावेज सं० 2137/83) ।

> आर० पी० पिल्लैं सक्षम प्राधिकारीं महायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन र्रेज—I, मद्रास

दिनांक : 6-1-1984

प्ररूप नाई. टी. एन्. एस.-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन स्चना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, मद्रास मद्रास, दिनांक 6 जनवरी, 1984

निवेश सं० 67/जून/1983— यतः मुझे, आर०पी० पिल्लै, जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 66, वार्ड सं० 13, सबहवां स्ट्रीट, गांधी रोड़, तंजाबूर स्ट्रीट है, जो सेंकोट्टा गांव में स्थित है (और इससे उपाबत श्रनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, सेंकोट्टा वस्तावेज सं० 860/83 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनोक जून, 1983,

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सांपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के धायित्य में कमी करने या उसमे वचने में भृविभा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपानं में स्विधा की लिए।

(1) श्री पी० टी० मोहिदीम पिन्धी

(अन्तरक)

(2) श्री डी० णाहल हमीव और अन्य

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की रारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पर्वाकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अन्सूची

भृमि और निर्वाण बार्ड मे॰ 13, प्रबह्वां स्ट्रीट, गांधी रोड़, सजावुर स्ट्रीट, सेंकोट्टा गांव, सेंकोट्टा ।

> आर० पी० पिल्लैं सभम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-, मद्रास

दिनांक: 6-1-1984

धक्य बाद्दे हो एम एस

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, विनांक 6 जनवरी 1984

निषेश सं० 125/जून/83—यत: मुझे, आरे० पी० पिल्ले, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें एसके पश्चाद 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की आरा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह जिस्तास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट सं० 4015, है, जो मुल्लम गांव म स्थित है (और इसमे उपाबद्ध में और पूर्णक्ष्य से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अन्ता नगर, मद्रास दस्तावेज सं०2183/83 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम. 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जून, 1983.

को पूर्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य. उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का एन्सूह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल फल निम्नलिखित उद्योदय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक क्य से कथित नहीं किया गया है:--

- (का) अस्तरण सं अूर्घ किसी ब्राप्त की बाबल, उल्ला क्रियित्म के अधीत कर दीने के अन्तरक के शायित्व में क्रियी करने या तससे अभने में सृतिका के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अल्प आस्तियों की लिड्ड् भारतीत आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रधीजनाथ लन्दिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या फिल्म जाना साहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अतः, उत्थत अधिनियम की धारा 269- के अनुसरण मो. मौ. उत्थत अधिरियम की धारा 269-**ण की उपधारा (1)** के अधीन, निकासिकित त्यांतिसमां अधीत :--- (1) आषटर सी० मृत्दरराज्

(भन्तरक)

(2) श्रीपी० जी० मेनन

(अन्सरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वांक्त सम्पित्त के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि नाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (श) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45.दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकों थे।

स्यष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वोक्ता, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण प्लाट सं० 4015, मुल्लम गांव दस्तावेज सं० 2183/83)

आर० पी० पिरुलै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेजि— र्रंज— र्रंज में, मद्रास

दिनांक : 6-1-1984

मोहर् 🛭

प्रकप बाधै . टी . एन . एत . ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत बरकार

कार्यालय, सहायक नायकारु नायुक्त (निर्दाक्षण)

मर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, विनांक 6 जनवरी, 1984

निदेश सं० 64/जून/83—यतः मुझे, श्रार० पी० पिल्लैश बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भ्रोर जिसकी सं० टी० एस० सं० 730/8, है, जो नन्दवनम रीड, दिन्दुकल में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्धश्रनुसूची में श्रीर पूर्ण-रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, दिनाकल-II दस्तावेज सं० 98/83 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जून, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान । तिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्स का उचित बाजार मूल्य, उसके धृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) भार अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में बास्तिक रूप से किथात नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की आयत, उक्त जिथितियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के लिए:

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निखितिक व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती बालम्माल श्रीर श्रन्यों

भ्रन्तरक)

(2) श्री ग्रार० धुरैराज चेटियार

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना कारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्धन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

चनत संपत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की नर्वीं या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पृवांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उचत स्थावर सपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिधित में किए जा सकंग।

स्पर्कीकरणः -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्स अधिनियम, कं अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्ष होता यो उस मध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि सं० टी॰ एस॰ सं० 730/8, नन्दवनम रोड, दिन्डुक्कल (दस्तावेज सं० 98/83)

म्नार० पी० पिरूपै सक्षम प्राधिकारी ृसहायक भ्रायर म्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज—I, मद्रास

दिनांक : 6-1-1984

भोहर :

प्रकृष आहे . टी . एम . एस . ------

भायकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुमना

बारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण) कार्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 जनवरी, 1984

निदेश सं० 106/जून/83—यतः मुझे, श्रार० पी० पिल्लै, शायकर श्रीभनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उस्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/~ रा. से अधिक है

मौर जिसकी सं० 60, रनालस रोड, ई० वी० के० सम्पत रोड, है, जो वेपेटी, मद्रास-7 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद धनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय पेरियमेट, मद्रास वस्तावेज सं० 637/83 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16 के श्रधीन, दिनांक जून, 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्वात से अधिक उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि लिए तम पामा गया प्रतिक कम निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के सभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए चा, कियाने में सुविधा के लिए;

बत: बब, उपत अधिनियम की भारा 269-म के जन्तरण मों, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थात्:——

- (1) श्री विलीप डी॰ महर भौर भन्यों
- (ग्रम्सरक)
- 2) श्री विकास लालचन्द जी मुनोत ।

(भन्तरिती)

कार्यम् सूचना भारी करके पृत्राँक्त सम्पृत्ति को अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धिकरणः — इसमें प्रयुक्त शुक्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में तथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि सं० 60, रून्डलस रोड, ई० वी० के० सम्पत रोड, वेपेटी, मब्रास-7 (दस्तावेण सं० 637/83)

म्रार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज–I, मद्रास

दिनोक : 6-1-1984

प्ररूप माई० टी० एन० एस०---

आसफर अभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुवना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) π र्जन रेंज $-{f I}$, मद्रास

मद्रास, दिनांक ७ जनवरी 1984

निर्देश सं० 107/जून/1983—यतः मुझे, श्रार० पी० पिल्लै, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/-रा. से अधिक है

मौर जिसकी सं० 60, रंडल्स रोड़ र तथा जो वेपेरी मद्रास-7 में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्सा ग्रधिकारी के कार्यालय, पेरियमेट मद्रास दस्तावेज सं० 638/83 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जुन, 1983,

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्क मिन्नितिष्त उद्देश्य से स्वत् कृतरण निम्नित में बास्तिक क्य से किया नहीं किया व्या है है—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वायत उक्त विभ-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी कड़ने वा उच्चे वच्ने के सुविभा के लिए; वीर/वा
- (व) ऐसी किसी अथ या किसी भन या बन्य जास्तियों की, जिन्हें भारतीय नायकर जभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जभिनियम या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोखनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री विलीप डी० महर ग्रीर ग्रन्य

(प्रन्तरंक)

(2) श्री मनकचन्द कोतारी ग्रीर ग्रन्य

(भ्रन्तरिती)

को यह सृचना चारी करके पृशांधित सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खसे 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की सविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगं।

अन्स्ची

भूमि सं० 60, रन्डलस रोड, ई० वी० के० सम्पत रोड, वेपेटी, मद्रास-7 (वस्तावेज सं० 638/83)

> श्रार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंजर्⊷, मद्रास

विमान : 6-1-1984 मोहर :

प्रकप माइ. दी. एन्. एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्तः (निरीक्ष्ण) अर्जन रेज-।, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 जनवरी, 194

निदेश सं० 10/जून/83—यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० 60, है, जो रन्डलस रोड, वेपेरी मद्रास-7 में स्थित है (भौर इस उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, पेरियमेट मद्रास दस्तावेज सं० 640/83 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुन, 1983,

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्इ है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे रूश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तारित्यां) के बीच एसे अन्तरण क लिए तम पाया गया प्रति-फल, निम्नलिशित उद्योष्य से उक्त अन्तरण लिशित में बास्तिशक रूप से कथित नहीं किया गया है ग्र--

- (क) जन्तरण वे हुई किसी जाय भी बाबत, उक्त जभिनियम के अभीन कार दोने के बस्तरक के बमीयरण में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; और/या
- (च) देसी किसी जाय या किसी भन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 1।) या उकत अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या जिल्या जाना काहिए था, स्थिनने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भा, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिल व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री विलीप डी० महर ग्रौर ग्रन्यों

(भ्रन्तरक)

(2) श्री इन्द्रवदन ताकर

(ग्रन्तरिती)

- (3) (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) (वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के कर्वन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की मामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (था) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मिरित में हितब्य्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाल सिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्त्रीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसर्ची

भूमि सं० 60, रंडलस रोड, वेपेरी, मद्रास-7 (दस्तावेज-सं० 640/83)

भार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंजें–।, मद्रास

विमोक : 01-1984

मोष्टर 🤌

प्ररूप नाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-।, महास

मद्रास, दिनांक 1 फरवरी, 1984

निदेश सं० 18982— यतः मुझे, ग्रार० पी० पिल्लै, जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाद् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० सर्वे 92/2ए /1 ए, है, जो निलमकर में स्थित है स्रौर इससे उपाबद्ध में स्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, स्रठ्यार (डाक्यूमेंट 1844/83) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16 के स्रधीन, दिनोंक जुन, 1983,

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापवेंक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पंत्रह 'ितजत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तर्ग (तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में पास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किमी आय की आयम उकत अधि-नियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दासिश्व में सभी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में मुविधा के लिए:

अत. अा, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, अवस अधिनियम की भारा 269-ज की उपभारा (1) को अधीन, निम्निलिखिस व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री एम० ए० सोहरा

(ग्रन्तरक)

(2) श्री के० लक्ष्मीनारायन राव

(श्रन्सरिती)

- (3) (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) (वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वुधारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा जधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकोंगे।

स्यष्टिकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो इन्द्र अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

न्त्रूपी

भूमि सर्वे 92/2 ए०/1 ए०, निलनकरैं (डाक्यूमेंट 1844/83) ।

भ्रार० पी० पिल्लैं मक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज दो मद्राम

दिनांक : 18-2-1984

मोहरु 🛢

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-।, महास

मद्रास, दिनांक 31 जनवरी, 1984

निदेश सं० 13068— यतः मुझे, आर० पी० पिस्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 129, 128/1, 139/2, 131/2 है, जो धनपिस पालयम में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध में अनुसूची भ्रौर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तिरुप्यूर (डाक्यूमेंट 1173/83) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जून, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथिन नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण मं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें अचने में मृविधा के लिए; और/या
- (त) एंगी किसी शाय या किसी धन या अन्य अस्मियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्क अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या पिया जाना चाहिए था. कियाने के स्थिश के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण भे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचित व्यक्तियों, अर्थात् क्र--- (1) श्री मृत् वैंकटाचलम

(अन्तरक)

(2) श्री पी० बालमुब्रमनियम

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकर्महर्या करता हूं।

उक्स सम्परित के अर्जन के सभ्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हुँ।

जन्मू ची

भूमि-सर्वे 129, 128/1, 139/2, 131/2, घनपतिपालयम, पल्लठम तालुक (डाक्यमेंट 1173/83)

> आर० पी० पिरुलै सक्षम प्राधिकारी सहायक आग्रकर आग्रक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज If मद्रास

दिनांक: 31-1-1984

प्ररूप बाह्र .टी . एन . एस . ------

नायकर म्भिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यात्तय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मन्नास

मद्रास, दिनांक 31 जनवरी 1984

निदेश सं० 13064—यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

घौर जिसकी सं० सर्वे नं० 695, 708/2, 696 है, जो तेक्कमपट्टी मेट्टुपालयम में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेट्टपालयम (डाक्यूमेंट 11/3) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जून, 1983

को पूर्वों कत सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृह्य उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे द्वयमान प्रतिफल का यन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बाच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथात नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक क दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) के० घुरुताचलम

(अन्तरक)

(2) श्री के० घांदाराज

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास स्टिसित में किए जा सकरें।

स्वच्छीकरणः -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया इसा है।

मन्त्र्यो

भूमि सर्वे 695, 697, 708/2, तेक्कमपट्टी, मेट्टुपालयम (डाक्युमेंट 1190/83)

> आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) अर्जन रज , मद्रास

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---1 4---486G[83

वनांक : 31-1-1984

प्रसम् कार्च. टी. एन. एस. -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म् (1) के स्थीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, मद्राञ्च

मद्रास, दिनांक 31 जनवरी, 1984

निवेश सं० 13030—यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का आरण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० 135, है, जो मेट्टूर रोड में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद में श्रौर पूर्णक्य से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ईरोड (डाक्यूमेंट 1979/83) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 1908 का 16) के अधीन, विनांक जून, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रात्तकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल, निम्निसित उद्वर्थ से उक्त मन्तरण निस्ति में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त बीधनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उवत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था ख्रियानी में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, भैं, अक्त अधिनियमं की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, क्यांत् ह्र— (1) श्री राम नारायन शेनाय

(अन्तरक)

(2) श्री के० अययावु ग्रौर शान्तकुमारी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

वनुस्ची

भूमि स्रौर निर्माण---135, मेट्टूर रोड, ईरोड । (डाक्यूमेंट 1979/83)

> आर० पी० पिस्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मद्रास

विनांक : 31-1-1984

मोहर 🛭

प्रारुप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुवत (निरीक्षण) अर्जन रेज.--II. मद्रास

मद्रास, दिनांक 25 जनवरी, 1984

निदेश सं० 18690-यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 10 रामस्वामी, स्ट्रीट जो मद्रास-17 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर (डाक्स्मेंट 646/83) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जून, 1983,

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्स्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- '(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा केलिए; और/बा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, या धन-(1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) भी राम श्रीनिवासन

(अन्तरक)

(2) पुष्पा श्रीर उमा

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि₂ 10 /रामस्वामी स्ट्रीट, मद्रास—17 (डाक्मेंट सं० 646/83)

> आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, वो, मद्रास

दिनांक : 25-1-1984

मोहर 🖺

प्रस्य नाहाँ, टौ. एस. एस.------

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत शरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

मब्रास, दिनांक 25 जनवरी 1984

निवेश सं० 18689—यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25 000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 20, है, जो रारेण्वरम रोड मद्रास-17 में स्थित है, (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याक्षय टी० नगर डाक्मेंट 6 50/83) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जून, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूमें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई कि.सी नाय की बाबत, उक्त अभिनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में क्यी करने या उत्तसे वचने में सुविभा के लिए; जॉर/या
- (स) एोसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन निम्नतिचित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री रास कन्नं

(अन्तरक)

(2) श्री सी० मुरली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाही करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- क्ष्म किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि धौर निर्माण-20, रामेश्वरम रोड, मब्रास-17 (डाक्मेंट 650/3)

आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 25-11984

प्रकथ नाई. टी. एन. एस.----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायृक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-दो, मद्रास

मद्रास, दिनांक 25 जनवरी 1984

निदेश सं० 18/692—-प्रतः मुझे, आर० पी० पित् लै, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 32/2, है, जो राजाबादर स्ट्रीट महास 17 में स्थित है श्रीर इससे उपायद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर (डाक्सेंट 674/83) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन, दिनांक जून, 1983,

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, ऐसे रूपमान प्रतिफल के पन्तर प्रतिफल से पन्तर प्रतिफल से पन्तर प्रतिफल से पन्तर प्रतिफल से पन्तर प्रतिकात से अधिक है और अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ब्लारण से हुई किसी आय की बाबत अक्त लिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी कारने या उससे अधने में सूविधा के लिए; आर्ट भा
- (व) एसी किसी जाय या किसी भन या जन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री रास रान सी मृन्दरराज

(अन्तरक)

(2) श्री पी० मुनियम्माल

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपृत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति को वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की बामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक वें 45 जिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित वही पर्य होगा जो उप ग्रध्याय में दिया मुद्या है।

ग्रनुसूची

भूमि और निर्माण-32/2, राजाबावर स्ट्रीट, मद्रास-17 (डाक्मेंट 674/83)

श्रार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज--II, मद्रास

दिनांक : 25-1-1984

प्ररूप भाइ^र.टी.एन.एसं. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-!!, मद्राक्ष

मद्रास, दिनांक 17 जनवरी 1984

निदेश मं 18660—यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै, सायकर अधिनियम., 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी मं० 75 है, तथा जो विडिवेल मुदली स्ट्रीट, मद्रास-17 में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची और पूर्णस्य से विणित है) रिजर्स्ट्राकर्ता अधिकारी के बार्यालय, पुरसवाद्यम (डाक्यूमेंट 236/83) में रिजर्स्ट्रावाण अधितियम, 1908 (1908 का 16 के अवीन, दिनांक जून, 1983,

कां पूर्वीवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (स) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, जक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एगी फिसी आध या किसी धन या अन्य आस्तियों कार जिल्हा का ने एक अग एक उन्हें किया । 1927 (1947) राज्य का भारत का प्रकार का प्राप्त का भारत अधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोध-नार्थ अस्तियों देवारा अस्ट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उक्तारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, जभीत :—

(1) श्री एम 0 अरि गोपाल और अदर्स

(अन्तरक)

(2) श्रीमती एम 0 उमापती

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध विस्ती अन्य व्यक्ति द्वारा अवाहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण--75 विठिवेल मुदली स्ट्रीट, मद्रास-17 (डाक्यूमेंट सं0 236/83)

आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रोंज 11, मद्रास

दिनांकः : 17-1-1984

मोहर ः

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. - - - -

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-दो, मद्रास

मद्रास, दिनांक 25 जनवरी 1984

निदेश मं० 18711—यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै, लायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का करण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 65, है तथा जा VII एवेन्यू है, मद्रास-83 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्णच्य से बणितहै), रजिस्द्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय कोडमबाद म (डाक्यूमेंट 1650/83) में रजिस्द्वीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जून, 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल मे, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में सास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उन्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अम्तरिती ह्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जम्त जाहिए था. कियार में मुनिधा के लिए;

अतः अधः, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्तः अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः:—— (1) थां वी० एस० चीधरी

(अन्तरक)

(2) श्री बी० एस० मुज्जमूर्ति

(अन्तरक)

भो यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में क्रियान की तारीस से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताधरी के पास लिसित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रश्वत गब्दों और यदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्थी

भूमि और निर्माण---65, VII एवेल्यू मद्रास-83 डाक्यूमेंट मं० 1650/83)

> आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक अध्यकर आधुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज—II, मद्रास

दिनांक : 25-1-1984

प्रारुप आई. टी: एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारत सरकार

भारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-11, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 जनवरी 1984

निदेश सं० 18519——यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी सं० 32 हैं, जो तथा बसुस्ला रोड, मद्रास—17 में स्थित

और जिसकी सं 32 है, जो तथा बसुल्ला राज, मद्रास-17 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय टी० नगर (डाक्यूमेंट 573/

83) म रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का

16) के अधीन, दिनांक जून, 1983

को पूर्वोक्त संप्रत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनिधम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री रामकृष्णा भिशन

(अन्तरक)

(2) श्री पी० एम० सी० किशन और अदर्स

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जकत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीरार पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण--32, बसुल्ला रोड, मद्रास-17 (डाक्युमेंट सं० 573/83)

> आर० पी० पिल्लें सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-II मद्रास

विनांक : 16-1-³

प्रकप बाइं.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

मद्रास दिनांक 23 जनवरी 1984

निदेश सं० 18512—अत: मुझे, आर० पी० पिल्लै आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पञ्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- से अधिक है

और जिसकी सं० 24, 25, है जो तांठवरायन स्ट्रीट मद्रास 14 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण-रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तौसंटलैंटस (डाक्सेंट 510/83) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिथानियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री कविता बिहारीलाल सकानी, और अंदरस,

(अन्तरक)

(2) वी० वो० जान और, अम्मनी अम्माल,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के बिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकरें।

स्यष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह^{र्}, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ह^र।

अनुसूची

भूमि-24, 25 तांठवरायन स्ट्रीट, मद्रास-14 (डाक्मेंट 510/83)

आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 मद्रास

अत., अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख: 23/1/84.

मोहर 🗓

प्रकृष हार्ड ती.क्ष.एड.......

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत शरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्धिकण) अर्जन रेंज, मन्नास

मद्रास विनांक 24 जनवरी 84

निदेश सं० 13072—अत: मुझे, आर० पी० पिल्ले बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-म के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 2/7 प्लाट 452 है जो कहनानिदी नगर के० सातनूर, दिल्लो में स्थित है (और इससे उपाबब अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली (डाक्सेंट 6325/83) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून 83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की नद्दें हैं और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि नम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के ज्ञारण को बाबिस्य में क्सी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उदल अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विना के किया

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, दक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नकिषक व्यक्तियों, अधीति — (1) हहानिया पठमनाबन

(अन्तरक)

(2) राम सेतुरामन

(अन्तरिती)

क्यं यह सूचना चारी करके पूर्वांकत सम्पृतित के अर्वन के लिए कार्यवाहिमां करता हूं।

जनत् सम्पृतित् के वृजन् के सम्बन्ध् में कोई भी बाक्षप हन्न

- (क) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबक्ष सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि याव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (व) इस स्वाल को राजपन में प्रकासन की तारीब से 45 दिन को भीतर उन्कत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोइस्ताक्षरी को पाब लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरणः -- इसमें प्रयुक्त अव्यों और पर्यों का, को जक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसुची

भूमि और निर्माण-452, करुणानिधिनगर सर्वे नं० 2/7, के० सातनूर, ट्रिजो (झाकूमेंट 6325/83)

आर० पी० पिरुसै सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 मद्रास

नारीख: 24/1/1984

प्ररूप आहूर. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास मद्राप, दिनांच 31 जनवरी 1984

निदेश सं० 13031---यत: मुझे, आर० पी० पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिप्तको सं० 25, 26 है जो टी॰एस॰ आर॰ परिय स्ट्रीट, कुमबकोनभ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कुमबकोनम (डाक्में 2 1337/83) में रिजर्स्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनौंक 16 जून 83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तसे अभने में स्वैवधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

(1) शांती देवी,

(अन्तरक)

(2) श्री रवी कुभार, विल ट्र्यूस्ट,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सपिस के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करों पर 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि., जो भी अवाध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्र) इ.स. मूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब के किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक्तेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

बन्स्यी

भूमि और निर्माण 25, 26, टी॰एस॰आर॰ बिरा स्ट्रीट, कुभबकोनम (डाक् मेंट 1337/83)

आर० पी० पिल्लैं सक्षम प्राधिकारी महायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपशारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

तारीख: 31/1/84,

भोहर 🖫

प्ररूप आहें.टी.एन.एस. -----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I^I, मद्रास

मद्राक्ष, दिनांक 31 जनवरी 1984

निर्देश सं 13130—अन: मुझे, आर० पी० पिल्लें बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० टोरास नं० 170 है, जो ट्रिची में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णकृप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ट्रिची (डाक्सेंट 1246/83) में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून 83

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रथमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्यने में सुविधा के सिए; जौर/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिवाने में सुविधा के लिए;

(1) के॰ सचिदानंदम, और अदरस,

(अस्तरक)

(2) जे० मुनियम्माल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सें 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्मर्च्छोक रणः -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह¹, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ह¹।

अनसर्घी

भूमि और निर्माण-टीरास 170, द्रिची (डाक्मेंट 1246/83)

> आर० पी० पिस्लैं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2; मद्रास

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के वधीन, निम्निसिस स्पृतितयों, अर्थात् :---

तारी**ख**: 31/1/84

प्ररूप आर्ह्ुटी, एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अधीन सूचना

भारत सुरकारु

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 फरवरी 1984

निदंश सं० 18665—अत: मुझे, आरण पी० पिल्लै आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/न्हा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट 4 है, जो पिल्लयार कोयिल स्ट्री के मब्रास 26 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विस्तमश्राखम (डाकूमेंट 1747/83) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जून 83

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्राह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आयु की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) आर० पंठरी बांच,

(अन्तरक)

(2) विलीप के० श्रीनिवासन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 पिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा ओ उस अध्याय में दिया गया है।

मनुष्यी

भूमि और निर्माण-प्लैट 4, 54, पिल्लयार कोयिल स्ट्रीट, मद्रास-26 (डाकूमेंट 1787/83)

> आर० पी० पिल्लै मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज-2, मब्रास

तारीख: 1-2-1984

मोहर ा

प्ररूप आर्द. टी, एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना अर्जन रेंज- , मद्रास-दो

मद्रास, दिनांक 1 फरवरी, 1984

निदेश सं० 18667— यत: मुझे, आर० पी० पिस्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्कत अधिनियम' कहा गया है)., की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं मद्रास है, जो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में ग्रीर पूण रूप से विंगत है) रिजस्द्रीकतां अधिकारी के कायिलय विवग्मवाख्यम (डाक्क्मेंट 1748/83) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिदियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिमांक जून, 1983,

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गीई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्घेश्य से उक्त अन्तरण लिखित लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; जार/या
- (क) एसी किसी भाग या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः —— (1) श्री सबापती

(अन्तरक)

(2) श्री पी० सेतुरामन

(अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यारा;
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिबित में किए वा सकोंगे।

स्पब्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो छक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, सही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुस्ची

प्रापरटी—-मद्रास (डाक्क्मेंट--- 1748/83)

> आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, दो, मद्रास

दिनांक : 1-2-1984

मोहर 🤢

प्ररूप् आहै. टी. एन. एस. - - - ----

आवकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रासः, दिनांकः 1 फरवरी, 1984

निदेश सं० 18691—यत: मुझे, आर० पी पिर०लै, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिल्लिकी सं० 6, है, जो दीनवयालु स्ट्रीट मद्रास——17 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से लिंगित रिजस्ट्राकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर (डाक्मेंट 647/83) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के अधीन, दिनांक जून, 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ख्यमान प्रतिफल् के लिए अन्तरित की गई है और मृफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे ख्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वाजत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसे किसी आय था किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिये;

(1) श्रो मैयद हाशिम और अन्य

(अन्तरक)

(2) श्राके० ये नरमी महत्सु और अदर्स

(अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त् सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयासत् शब्दों आरि पर्वों का, जो उथता अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण—-6, दोनदयालु स्ट्रीट, मद्रास—-17 (डाकूमेंट सं० 647/83)

> आर० पी० पिल्सं सक्षम प्राधिकारी (सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज-11 मद्रास

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख 1-2-84

(1) श्रय जे० यी० स्ट.ल प्ररूप आहा. टी. एन. एस. -----

(अन्तरक)

[•](2) श्रीमिती लक्षा **अ**ं० मे∂ठी

(अन्तरितो)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) को अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज. 2 मद्रास

महात, दिनांक । फरवरी 84

निदेश पं 18894--यतः, मुझे, आए पी दिलै आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-इब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह यिज्याम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रत. से अधिक हैं।

और जिल्लो सं० प्लाट रा 8, है, जो 3, अविरूप मृत्ली स्ट्राः, मदात -84 में स्थित है (और इताउपबद्ध अनुसूची में और पूर्ग रूप से वर्णित है), रजिस्ट्राहर्ता अधिकार र के कार्ताता, महात नाटा ढाहूबेंट 2143/83) में रजिस्टू.-करण अधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के अर्धन दि;ांक 16 जून 1983

का पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास कारने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपरित का उपित बाजार मूल्य उसके रूपयमान प्रतिफर्ल से, एसे रूपयमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिवात से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उददोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की क्षायित्व में कामी कारने या उससे समाने में सुनिधा के लिए: और/या
- (स) एोसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उत्कत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुत्रिधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क्षे अधीन : निम्नलिखित क्यक्तियों, अर्थात:---

को यह सच्चना जारी करको पर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्स सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :~-

- (क) इस स्चना के राजपत्र भो प्रकाशन की तारीस 4.5 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचनाकी तामील से 30 दिन की अधिध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बबुध कि.मी अन्य व्यक्ति बुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पन्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में गीरभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया 🗗 ।

भनसूची

भ भि –और-भिर्माण –रा ८, ३, अ।दिवष्प मुदली स्ट्रीट मब्रात -84 डाक्मेंट 2148/83)

> अ र० पी० पिल्नै, सार प्राधिकरो महायक आधार अध्युष्त (तिर क्षण) अर्जन रेंज II मद्रास

तारीका :- 1-2-84

मोहर :

16-486GU83

प्रकप बाइं.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयका (निरीक्षण) अर्जन रेंज-दो, मद्रास

मद्राप्त, दिनांक । फरदरी 84

निदेश सं० 13071 — पाः मुझे, आर० पे ० पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात (उक्त अधिनियम) कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुठ. से अधिक है और जिसका से प्राप्ति के 144 है, जो का गारा गार पेका है में स्था है (और इसे उप बड़

कुतानात्तन पेकाइरै में स्थित है (और इतमे उपायब अतुर्देश में और पूर्व कर ने वितान है), रिनस्ट्रोलित अधि सरी के अतिता कनुहनो (खाहर्नेट 468/83) में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसंह 16 जून 1983

को पर्वोक्स संपरित के उचित बाजार मत्या से कम के रण्यान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रण्यान प्रतिफल से, एमे रण्यान प्रतिफल का पन्ताह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती

(अंतारेतियाँ) के बीच एेसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-

कल, निम्नतिकित उदवेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

> (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्याने में सृविधा के लिए; बॉर/वा

> (च) एँमी किमी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवाका प्रवह नहीं किया गया था या किया ज़ाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) श्रो मृतुत्रशमी और अदर्स

(अन्तरक)

(2) श्री उदय कुमार

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिल्ला कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप र---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस म 45 दिन के भीतर उकत स्थावर मम्मित में हिन्दतभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसुची

मिप−तर्वे 157/2, 143, 116, 144, 157/2, ` कु ामगलबम, पेरुनदुरै (डाक्मेंट 468/83)

> आर० पो० पिल्लै सहायक आयकर अगुक्त (निरक्षण) अर्जन र्रेज-बो. मद्रास

कता कथा, उक्त किथिनियम की धारा 269-ग के जनसर्थ को. मी. खाक्त किथिनियम की धारा 269-थ की उपधरण (1) को अधीन, प्रभन्निसिंहत व्यक्तियों, अर्थात् :---

तार**ेख**: 1-2-84

मोहर 🗵

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-दो, मद्रास

मद्राप्त, दिनांक 1 फरवरी 1984

निदेश सं० 18513—यतः मुझे, आर पी० पिल्लै शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख क अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अिंग है

और जिन्नि सं० 81, नुगमबाखम है रोड है, जो मद्राप्त 34 में स्थित है (और इ.न उपाबड अनुसूचि में पूर्ण एप से विणित है), रिजस्ट्र यार्ता अधिधार, के बायिलय तौननटलटम डाकूमेंट 522/83 में रिजस्ट्र करण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधान दिनांक 16 जुन 1983

को प्याक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विद्यास करन का कारण है कि यथाप्याक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एस दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दृश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त आभिनियम के जधीन कर दने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे वचने में सूविधा कोलए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्रा ठागमर हालिबरन

(अन्तरक)

(2) अपुनत अनतीया रेजिना रामहाम

(अन्तरिती)

को यह स्वना चारी करके पूर्वीक्त सम्पृत्ति के अर्थन के तिए कायवाहिया करता हु ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में लगाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अम्स्ची

भूमि और निर्माण -81, नुगमबाखम है रोड, मद्रास -34

(डाक्मेंट 522/83)

आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरिक्षण) अर्जन रेंज-दो, मद्रास

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

नार**ेख** : 1-2-84

माहर 🤌

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालग, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-II मत्रास

मब्रास, दिनांक 1 फरवरी 1984

निदेश सठ० 13008 — यतः मुझे भ्रार० पी० पिल्लें आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वेशत् 'उचत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिस्सास करने का कारण है कि स्थावर सपिता, जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 9/1, 10, पुत्रजैकोल निल्ली है, जो इरोड़ में स्थित है (ग्रौर इत्तर्भ उनावद्व श्रनुत्र्चो में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कोडुमुडु (डाक्सेंट 638/83) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 16 जून 1983

को पृत्रोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंकत संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वष्य से उचत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व में कभी करने या उससे अभने में सुविधा के लिए; और/सा
- (क) शिसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री के० एस० मृतुस्वामी घौडंर

(मन्तरक)

(2) श्री पी० एस० किट्टप्पा घौडंर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन की अविध या तत्संवधी ध्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुतारा;
- (ख) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः--इसमे प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उत्कर्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित र्दं, वही अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

भूमि सर्वे नं० 9/1, 10, पुनजै कोलानल्ली, ईरोड़ (डाक्सेंट 638/83)

> श्रार० पी० पिल्लै समझ प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, दो मद्रास

तारीख : 1-2-84

महिर 🖫

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, II मद्रास

मन्नास, दिांनक 13 जनवरी 1984

निदेश सं० 18517 — यतः मुझे श्रार० पी० पिल्लै आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० टी० रास 7565, है, जो रा ट्रीट मद्रास -17 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूचि में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्सा ग्रिधिकारी के कार्याजय, टी० नगर डाक्ट्रमेंट 547-5489/83 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक 16 जून 1983

का पूर्वोक्त संपति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान शितफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसं अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रातक्क कि निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विखित में बास्तिक क्य में किथत नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण त' हुई किसी भाग की घायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए; और/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवाजनाथ अन्तरिती द्यार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनमरण में, मैं,, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रोमती रास जयतभ्मी

(ग्रस्तरक)

(2) श्री रा० सदाकृष्णा

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त संपरित के वर्जन के खिड़ एनद्द्वारा कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसद्वभ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कने।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जेर उस अध्याय में विया गया है।

अनुसुची

भृमि टी रास 7565, राजा स्ट्रीट, मद्रास -17, (डाकूमेंट 547-549/83)

श्र[ा]र०पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक ब्रायकर भ्रायुक्त (निगेक्षण) ग्रर्जन रेंज, --^{JI} मद्रास)

नारी**ख** :- 13-1-84

पर्श आहें.टी.एन.एस.-----

भारा कि प्रतियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 मा (1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज,—II मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 जनवरी 1984

निदेश सं० 18071—यतः मुझे ग्रार० पी० पिल्लै शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स कं अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मृत्य 25,000/-रा. संबधिक है

श्रौर जिसकी सं० 12, 11 कास, पूनाईटेड इण्डिया कालोनी है, जो मद्रास 24 में स्थित है, श्रौर इससे उपाबढ़ अनुसूचि में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कोठमबाखम डाकूमेंट 1767/83) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 16 जून 1983

का पृत्रों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृश्न यह विष्वास करन का कारण है कि यथापृत्रों कत सर्पात्त का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पदह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तिबक रूप स किथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के द्यायित्व में कमी करने मा उससे बचने में सुविधा के लिए; और्/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य बास्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तारती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में स्विधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर, निम्नलिखित व्यक्तियां, अधीत् :--- (1) श्री मादवी नारायन

(ग्रन्तरक)

(2) श्री रास बी० कलविक्कू ग्ररमी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पर्तिः के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी शाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राज्यव में प्रकाशन की तारी इसे 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वा की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अर्वाध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधःहस्ताक्षरी के पास निर्वासत में किए जा सकेगे।

स्पट्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, अं अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, अही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

भूमि श्रीर निर्माण ~12 II कास यूनाइटेड इण्डिया कालोनो. मद्रास-24

(डाकूमेंट 1767/83)

आर०गी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रापुक्त (निरोज्ञण) ग्रजैन रेंज, —II मद्रास

तारीख :~ 13-1-84 मोहर: प्ररूप आई. दी. एन. एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज, II महास

मद्रास, दिनांक 13 जनवरी 1984

निदंश सं० 18597—यतः मुप्ते , श्रार० पी० पिल्ले बायकर किथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी कां, यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रू. से अधिक है:

श्रौर जितको सं० 24, है, जो मीरान साहिब स्ट्रीट मद्राप-2 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मद्रास नारथ (डाक्मेट 2254/83 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम , 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 16 जुन 1983

को प्रवाक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफस के लिए अन्तरित की गई है, और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्योक्त संपत्ति का उचित आजार मृत्य, उसके स्वमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पंदह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) की बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देषय से उक्त अन्तरण निवित्त में बास्तविक रूप से अधित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किमी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कामी करने या उससे बचने में सृत्रिधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य ब्रास्तियों की, जिन्ही भारतीय बार्य-कर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियमः, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) फें अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) श्रीमती रास नदनसवाबती मनोहर

(भ्रन्तरक)

(2) श्री राम अबदूल रहीम

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हा।

उयत सम्पत्ति के अर्जन के सम्यन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों करा व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरेंगे।

म्बष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं., वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

बन्सूची

भूमि क्रांर निर्माण -24, भीरान साहिब, स्ट्रीट मीर रोङ्, मदास -2

(डाक्सेंट -2254/83)

श्रार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज —II मद्रास

तारीख : 13-1-84

मोहर 🖫

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज मद्रास-

मद्रास, दिनांक 13 जनवरी 84

निदेश सं 18603 --यतः मुझे ग्रार० पी० पिल्लै भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वांस करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है श्रीर जिपकी सं० पतेट 23, है, जो बैक ग्राफ बडोदा कालोनी के के ० नगर, मद्रास-78 में स्थित है (श्रीर इपने उपाबद्ध अनुमारे में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीक्रत्री श्रधिकारी के कार्यालय, मद्रास नारा (डाक् टि 2022/83) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम -1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 16 जुन 1893 को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, उरु के दृश्यमान प्रतिफल से एोसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिशों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्वदेश से उक्त अन्तरण लिखिल में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अवत अधिनियम के अधीन कर बंने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों कारे, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्थल अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिखित व्यक्तियों, अर्थातः — (1) मै॰ दी॰ बैंक श्राफ बडोदा, मन्नास स्टाफ कौ ग्रापरेटिव हौम कनस्ट्रकगन सोतायटो ,

(बन्तरक)

(2) श्री वी० सामबमूर्ती

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ययाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पाम लिखन में किए जा सकेगं।

स्पष्टीकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया भया है।

अनुसुधी

फ्लेट -23, बैंक म्राफ बडोदा, कालोनी के० के० नगर् मद्रास 78

श्रार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज,–II, मब्रास

नारीख : 13-1-84

प्ररूप आहूं. टी. एन. एस . ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत नहसार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, -II मसद्रा

मद्रास, दिनांक 13 जनवरी 1984

निदेश सं. 18603 — यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० फ्लैंट 22, बैंक आफ बडोबा कालोनी है, जो कें० कें० नगर , मद्रास 78 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची पूर्ण रूप, ने विणित है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास नारत (डाक्सेंट 2072/ 83) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 16 जून 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृष्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय शाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्ला में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ कों, जिल्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, दा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्त्रिपाने में सीनभा को लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) धी बैंक आफ बडोदा मद्रास , स्टाफ को० आपरेटिय कॉर्स कनस्ट्रक्णन सोसायटी

(अन्तरक)

(2) जै राम मुनदरम्

(अन्तरिती)

का यह स्वना चारी करके प्वॉक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें में प्रकाशन की तारी करें पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वव्यक्तिरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

फ्लैट -22, बैंक आफ बडोदा, कालोनी के०के० नगर मद्रास -78

(डाक्मेंट -2072/83)

आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज **II** मद्रास

तारीख :- 13-1--84 मोहर्: प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-11 मद्रास

मद्राम, दिनांक 13 जनवरी 1984

निदेश सं० 18598 — यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह दिश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भ्रौर जिसकी सं० 85 रा, है, जो तिरूबोद्रियूर है रोड़ तिरुबीद्रियूर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मद्रास नारत (डाक्सेंट 2288/83) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसांक 16 जुन 83

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थामान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एोने रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के जिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिकित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दाधित्य मा कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (व) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना वाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा १६०-च की उपभारा (१) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हि— (1) श्री पी० रामन कुट्टी मेनं

(अन्तरकः)

(2) श्री पी० बालकृष्णन मेन्न

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति क्वारा, अभाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं., वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसुची

भूमि और निर्माण -85 रा तिरुवोद्रियूर है रोड़, मद्रास -19 (डाकूमेंट 2288/83)

आर० पी० पिल्लैं मक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, II मद्रास

तारीख : 13-1-84

प्ररूप आहा. टी. एस. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-11, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 जनवरी 1984

च्दिंग सं० 18673 ---यत: मझे, आर० पी० पिल्लै, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मल्य ?5,000 ∕- रु. से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं० सेवें नं० 1583 /1, है, जो श्रीमान श्रीनिवासन रोड़ , मश्रास, ~18 में स्थित है (श्रीर इससे उपा-बद्ध अनसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तौसनटलैंटस (डाक्मेंट 557/83 रजिस्टीकरण अधिनियम, 1908 (1908 16 के अधीन 16 जुन 83

को पुर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह भिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल सं, एसे दश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो (अन्तरितियों) को बीच एसे अन्तरण को लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:--

- (क) अन्तरण ते **हुई** किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या जससे बचने में सुविधा के लिए; आर्थिया
- (ख) एसी किसी अगय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, याधन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा केलिए:

अत: अब, उः त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री अटचयत श्रीर असोशियेटस

(अन्तरक)

(2) श्री टी॰ सेणाचलम

(अन्तरिती)

को यह सुभना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, ओ भी अविधि बाद में समाप्त होती हो. के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवाराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विषा गया है।

मन्स्यी

भूमि - सर्वे 1583/1, श्रीमान श्रीनिवासन रोड्, मद्रास -18

(डाक्मेंट 557/83)

आर० पी० पिस्ली सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निीक्षण) अर्जन रेंज, 🎛 मद्रास

तारीख :- 13-1-84 मोहर :

प्ररूप बार्ड, टी. एन. एस.,-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर मायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 जनवरी 1984

निदेश सं० 18661 — यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्थास करने का भारण है कि स्थान सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० मद्रास है, जो मद्रास में स्थित है (ग्राँग इससे उपाबद्ध अनुमूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय आलनठूर (डाक्सेंट 1971/83 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 16 जून 1983

को पूर्विक्षत सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का उन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण तिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में किसी करने या उससे दचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अल्लु आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उनत अधिनियम की धारा 269-ग को अन्सरण में, में, 'अस्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री रास, विजयेन्द्र राव

(अन्तरक)

(2) श्री रा० दिरवियम

(अन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- सद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि - मद्रास (डाक्समेट 1971/83)

> आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज**-ग्र**, मद्रास

सारीख :- 13-1-84 मोहर 🕄 प्रस्थ बाई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-11, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 जनवरी 1984

निदेश सं० 18608 — यतः मुझे आर० पी० पिल्लं नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित् बाजार मूल्य 25,000/- छ. से अधिक हैं

12, पूरन प्रकाश राख रोड है जो बाला जी नगर , मद्रास -14 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, मद्रास नार्थ (डावूमेंट 2049/83) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 16 जुन 83

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मृक्षे यह विद्वास करने का कारण है कि मथापूर्वोवत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितो (अंतरितियों) के बीच एसे बन्दरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निसिस उद्देश्य से उच्ते अंतरण निस्ति में वास्तिकक क्य से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण से हुई किसी जान की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोनें के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए बौड्र/का
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियाँ की, बिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त वृधिनियम, या धनकर बिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गुमा वा या किया जाना वाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अंतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः (1) श्री रास० सुग्रमनियन

(अन्तरक)

(2) श्री गौतम चन्द ग्रीर अदर्स

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष सै 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकेंगे।

स्प्रदेशकारण:--इसमाँ प्रश्वकत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क माँ परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय माँ दिया; गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण-12 पूरम प्रकाणम राव रोड़, मदास-14

(डाक्मेंट 2049/83)

श्रार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-दो, मद्रास

तारीख : 13-1-84

मोहर ः

प्ररूप आइ.टी.एन.एस. -----

नाथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-दो, मद्रास

मद्रास, दिनांक 3 जनवरी 1984

निदेश सं 18596 — यतः मुझे, आर० पी० पिल्ले धायकर अधिनियमः, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

स्रीर जिसक सं० 22 रा, है, जो न्यू स्ट्रीट, मद्रास -19 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास नार्थ डाक्मेंट 2190/83) में भारत य रिजिस्ट्रे करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 16 जून 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ह हैं और मुभे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एंसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितिया) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया भया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से सिवधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, भें, उक्रत अधिनियम की धारा 269-च की रूपधारा (1) के अधीप, निम्नलिसित व्यक्तियों. अर्थातः— (1) श्री हमीद बी शहाबा ग्रीर अदरस

(अन्तरक)

(2) श्री एस पेरियस्वामी

(अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाणन की तारील सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधांहम्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पर्धाकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि श्रीर निर्माण -22 रा, न्यू स्ट्रीट, मद्रास -19 (डाकुमेंट 2190/83)

आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-दी, मग्रास

तारीख : 3-1-84

प्ररूप आहर्र.टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-दो, मद्रास

मद्रास, दिनांक 3 जनवरी 1984

निवेश सं० 18524—यतः मुझे आर० पी० पिल्लै बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसर्क सं० 20 रा. लीत वेसल सौत है, जो मद्रास 28 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण कप मे वर्णित है), रिजर्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मैलापुर (डाक्मेंट 742/83) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीत दिनांक 16 जुन 1983

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्श है और म्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और जन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय ज्या गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उपत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए: और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों को जिल्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्री गोविन्दराजन और अदर्भ

(अन्तर्क)

(2) श्री कें रविन्द्रन

(अन्तरिती)

को <mark>यह सूचना जारी करके पूर्</mark>वोक्त संपरित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता ह**ू**।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकार न को तारीं ख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि , को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितयक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकने।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसुची

भृमि और निर्माण-20 रा, लीत केसेल सौत, मद्रास-28 (डाकूमेंट सं० 742/83)

> आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-दो, मद्रासे

ता**रीख** : 3-1-84

प्ररूप कार्य. टी. एन. एन.

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयः र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-दो, मद्रास

मद्रास, दिनांक 3 जनवरी 1984

निदेश सं 18827 — यतः मुझे, आर पी० पिल्लै कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पब्चात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- इस के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रू. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 24, 25 है, जो अविरामपुरम । स्ट्रीट मद्रास-18 में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय मैलापुर (डाक्सेंट 805/83) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 16 जून 1983

को प्वींक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वींक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रूप्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (अंतरकों) और जंतरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्वेष्य से उकत अन्तरण लिखित में वास्तिवक क्य से कथित नहीं किया गया है दिन्न

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की वाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उनसे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय पा किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिस्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-अर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निस्ति व्यक्तियों, अर्थातः :--- (1) श्री कें आरं वलराम

(अन्तरकः)

(2) श्री सी० बलरामन

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पृत्रोंक्त सम्परित के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हो। -

उपत सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप !---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, की भीतर पूर्वों कर कर्पवायों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- वद्ध किसी अल्प व्यक्ति द्वारा अयाहरताक्षरी के प्रास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीक रणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुष्यी

भूमि -24, 25, अविरामपुरम 1- स्ट्रीट मद्रास -18, (डाकूमेंट 805/83

आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-दो, मद्रास

तारीच : 3-1**-**84

प्ररूप बाइ . टी. एन. एस. -----

(1) श्री कैलाश चन्दर वर्मा

(अस्तरक)

(2) श्री रास चंद्रसेकरन

(अस्तरिती)

जायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, दो मद्रास

मद्रास, दिनांक 3 जनवरी 1984

निदेश सं० 18825 — यतः मृझे आर० पी० पिल्ले आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है:

25,000/- रह. स अधिक हु:
श्रीर जिसकी सं० आर० एस० 23, 24 है, जो मद्रास
में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में
वर्णित है) ,रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मैलापुर
डाकूमेंट 814/83) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनयम,
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक17 जून 1983
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इरयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हु और मूझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इरयमान प्रतिफल से एसे इरयमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विध्य से उक्त अन्तरण
सिखित में वास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्मच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

वनुसूची

भूमि — आर एस, 2324, मद्रास (डाक्सेंट 814/83)

> आर० पीं० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज- दो, मब्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, सर्थात्:---

ता**रीख**: 3-1-84

मोष्टर 🛭

प्ररूप. भाई. टी. एन्. एस. -----

नायफर मिथिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज~ दो, मद्रास

मद्रास, दिनांक 3 जनवरी 84

निवेश सं० 18686 — यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० 50, रा के० स्वामी नगर, 4 स्ट्रीट, है जो मद्रास 10 में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूचि मैं पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पुरसवारम (डाक्मेंट 260/93) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16 के अधीन दिनांक 16 जन 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिनत बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का जिन्न बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया श्रतिफल, निम्मलिखित उवविषय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम को अधीन कर दोनं को अन्तरक को दायित्व में कभी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए;

वतः वकः, उक्तः जिथिनियमं की धारा 269-ए के जनुसूरणः कें, में उक्तः अधिनियमं की धारा 269-ए की उपधारा (1) की अधीन, निम्नसिवितः व्यक्तियों, अधीत् ६--- (1) श्री ए० चिन्नप्प घौटंर ग्रौर अदरस

(अन्तरक)

(2) श्री पी० एन० जुबठाव

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहिया करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोइ भी माक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बब्ध किसी अन्य स्थावित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

नगुस्ची

भूमि श्रौर निर्माण --50 रा० के० स्वामी नगर 4 स्ट्रीट, मद्रास-10

(डाक्मेंट 260/83)

आर० पी० फिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज- दो मद्रस

तारीख :-- 3--1-84 मोहुर :: प्ररूप नार्षं, टी. एन्. एस.-----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व् (1) के नुभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) भर्जन रेंज,-दो, मद्रास

मद्रास, विनांक 3 जनवरी, 1984

निदेश सं० 18509—यतः मझे, श्रार० पी० पिल्लै, आगयकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 8, टाजुबीनकान बहदूर स्ट्रीट है, जो मद्रास-में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, ट्रिप्लीकेणन (डाक्मेंट सं० 455/83) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जन, 1983,

को पूर्वेक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरेश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे अवने से सुविधा के विष्; और/बा
- (क) ऐसी किसी आय वा किसी भून या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अक्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था अधिनार्थ सुविधा के लिए;

(1) श्री पी० लक्ष्मी ग्रम्माल ग्रौर ग्रदर्स

(ग्रन्तरक)

(2) श्री राम घगादरन ग्रौर सरस्वती

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्षन के विष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपर्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी शिक्षेप 🖫 ---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूजना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवादा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीब धे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मस्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दिकरणः - इतमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जी उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

भूमि श्रीर निर्माण--8, टाजदीन कान बहदूर स्ट्रीट, मद्रास--5, (डाकूमेंट--455/83)

> श्चार० पी० पिस्सै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-को, मद्रास

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथित्:---

दिनांक : 3-1-1984

प्रकृष बार्ड हो. एन्. एव. ---

शासकार श्रीभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के श्रभीन सुभना

(1) श्री मार० के० लाल

(ग्रन्तरक)

(2) श्री रा० ठी० कन्न

(भ्रन्तरिती)

भारत धरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-बो, मब्रास ^ट

मद्रास, दिनांक 3 जनवरी, 1984

निवेश सं० 18832--यतः मुझे, म्रार० पी० पिल्ली,

नायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं)।, की भाउ 269- इस के अधीन सक्षम प्राभिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० सर्वे 82/2, है, जो नीलनकरें में स्थित है 'श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, श्रठयार (डाक्सेंट 1566/83) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जून, 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वर्षय से उसत अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त विभिनियम के अभीन कर वेने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उसने वचने में तुविधा के निए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अहे प्रयोजनार्थ अन्तरितो ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इ.स. सूचना को राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी ।

स्पच्छीकरण :---इसमें प्रमुक्त कव्यों और पद्यों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि सर्वे 82/2, नीलकरै (डाक्मेंट 1566/83)

> ग्नार० पी० पिल्ल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) भर्जन रेंज–दो, मद्रास

अतः अधा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

विनांक : 3-1-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-दो, मद्रास

मद्रास, धिनांक 3 जनवरी, 1984

निवेश सं० 18831--यतः मुझे, भ्रार० पी० पिल्लै, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000 ∕- रु. से अभिक है श्रौर जिसकी सं० प्लाट 112 ए०, 112 बी, है, जो श्रीनगर कालोनी वेंकटापुरम में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, श्रययार (डाक्यूमेंट 1527/83) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधि-नियम, 1908 का 16 1908) के प्रधीन, दिनांक जून, 1983, को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल के एसे दश्यभान प्रतिफाल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकारें) और अंतरिती (अंतिरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिसित उद्वरेग से उक्त अंतरण लिसित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्धरण से हुई किसी बाय की बाबत्, उक्त विधितियम के बभीन कर रोने के बन्तरक के दाबित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना वाहिए था, जिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) पारसन फाउडेशन भौर इनिजिनियरिंग कारपोरेशन ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री श्रार० विधाकर

(भ्रन्तरिती)

च्चे यह सूचना जारी करके पृथाँक्त सम्पत्ति के वर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों प्र सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पद्धीक रणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसुची

भूमि-प्लाट—112 ए०, 112 बी०, श्रीनगर कालोनी, वेंकटापुरम । (डाक्यूमेंट 1527/83)

> श्रार० पी० पिन्सै सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-दो, मद्रास

दिनांक : 3-1-1984

🕆 प्ररूप भाइरे. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-दो, मद्रास

मद्रास, विनांक 3 जनवरी 1984

निदेश सं० 18732—यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

मौर जिसकी सं ज्लाट 36, 36 ए०, 36 बी०, 37 भौर 38 है, जो पिल्लकरनी में स्थित है (धौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में धौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, (डाक्यूमेंट 2086/83) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जून, 1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निसिंस उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय कौ बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण वो, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) डाक्टर नैनां, पी० कूरियन

(भ्रन्तरक)

(2) श्री पी० बी० सुक्रमनियम्

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्परित के कुर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

ज्वक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में को**ह**ंभी शाक्षेप :----

- (ख) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी क्यिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति द्वारा;
- (स इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबच्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वाराः, अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किये जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

गन्स्ची

भूमि—— प्लाट सं० 36, 36 ए०, 36 बी०, 37, 38, पस्लिकरनी । (डाक्युमेंट 2086/83)

ग्रार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–दो, मद्रास

दिनोक : 3-1-1984

प्ररूपु मार्द्री, दी, एन, एस, ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत गरकार

कार्यांसय, सहायक शायकर वायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-दो, मद्रास मद्रास, दिनांक 3 जनवरी, 1984

निदेश स० 13052--यतः मुझे, श्रार० पी० पिल्लै,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रमिधकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

घौर जिसकी सं० 25/96,, है जो सुक्रवारपेट स्ट्रीट, कोयम्बतूर में स्थित है (घौर इससे उपावद्ध प्रनुसूची में घौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता घ्रधिकारी के कार्यालय, कोयमबतूर (डाक्यूमेंट 2397/83) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण घ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के घ्रधीन, दिनांक जून, 1983,

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के उत्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके उत्यमान प्रतिफल से, ऐसे उत्यमान प्रतिफल का पन्त्रह अतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अतिफल, निम्नलिखित उद्वेदयों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 192? (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भं, में उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन्, निम्तणिसित् व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्रीमती जयलक्ष्मी

(भ्रन्तरक)

(2) श्री राम लक्ष्मी चन्द

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उनत सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में करेड़ी भी वक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नम्सूची

भूमि ग्रौर निर्माण---25/96, सुक्रवारपेट स्ट्रीट, कोयम्बतूर (डाक्यूमेंट 2397/83)।

ग्रार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-दो, मब्रास

दिनांक : 3-1-1984

मोहर 🛭

Section 1

प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस.------

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्चना

नारत् सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर भायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-वो, मद्रास

मद्रास, दिनांक 3 जनवरी 1984

निदेश सं० 13051—यतः मुझे, श्रार० पी० पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ष्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक जून, 1983,

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रों यह विद्वास करने का कारण है कि यथापृथोंकत संपत्ति का उचित बाजार बृस्य, उसके दर्यमान प्रतिफल से, एसे दर्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि सित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के द्यायित्य में कमी करने या उसने दचने में सूविधा के लिए; ग्रीर/या
- (च) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जियाने में सुविधा के निक्:

बतः वय, उक्त वीधीनयम की वारा 269-व के बन्तरण वो, वो उक्त वीधीनयम की भाषा 259-व की उपवारा (1) के स्थीन, निम्निलिवित स्पन्नित्यों, व्यक्ति ह— (1) श्री सानता जबार

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती जयलक्ष्मी

(धन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या गत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समापा हाती हो के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण—-51, I ले श्रकुट कृष्णस्वामी नगर, कोयम्बत्र । (sाक्यूमेंट 2603/83)

मार० पी० पिरुलै सक्तम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन र्रेज–दो, मद्रास

विनांक : 3-1-1984

मोहर 🖫

प्रस्प **भार**े, टी. एन्. एस. - - = ====

भारत अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देक्षण) अर्जन रेंज, भद्रास

मद्रास दिनांक 3 जनवरी 1984

निदेश सं 13038—-अन मुझे आर पी पिल्ले आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-स के अधीन सक्षम शिधकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक ही

और जिसकी सं० टी एम 10/1737, द्रिवी रोड है, जो रामानातपुरम कीयमबद्भूर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में औय पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयमबद्भूर (ठाकूमेंड 2480/83) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून 83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द ही और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित महीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविभा के लिए; और/या
- (क) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शिहए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) श्री एन मानिखम,

(अन्तरक)

(2) श्री एस राधाकृष्ण-,

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क)। इस सूचना के राजपत्र में प्रकशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्र सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकरो

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो बस अध्याय में दिया गया है।

भग्त्यी

भूमि और निर्माण-दीएस 10/1737, दिची रोड, रामानातपुरम कोयमबहूर (ठाकूमेंड 2480/83)

आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 मब्रास,

नारी**ख**: 3-1-84.

मोहर 🥫

शुक्रप् <u>जार्चे.</u>टी..एन्..एक्..--------

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास दिनांक 3 जनवरी 84

निदेश र्सं० 18716—यत: मुझे, आरं० पी० पिरुले नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-इन के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

अौर जिसकी सं० टीरास 2/1, है, जोन अरूमबाखम में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोठमबाखम, (ठाक्मेंट 168/783) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन खून 83 को पूर्वेक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की जिस बाजार मूल्य से कम के दूर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्तें यह विद्वास करने का कारण हैं कि यथाप्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूर्यमान प्रतिफल से एसे दूर्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उयत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) क्लारण ते हुई किसी बाद की बादत, क्वस क्षितिसम् के क्षीत कहा क्षेत्र की कलारक की बाबित्य में कभी करने या उससे दवने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए:

अतः अबः उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भी, भी, उस्त अधिनियम की धारा 269-ज की जपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :—

(1) श्री रास० रामकृष्ण,

(अन्तरक)

(2) जी० राप्तिराजू, और वनम,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त क्रम्रित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी कर, स्थानित यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बव्ध किसी जन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकर्णः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पश्चों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनसर्वी

भूमि-टीरास सं० 2/1, अरूमबाखम (डाक्मेंड 1687/83)

आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी (सहायक आयक्षय आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारी**ख**: 3/1/84-

प्ररूप आइ. टी. एन . एस . ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार कार्यालयः, सहायक आयक्त (निर्दोक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास महास दिनांक 3 जनवरी 84

निदेश सं० 18714--अत: मुझे, आर० पी० पिल्लै भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० 36, है, जो रूकमिन स्ट्रीट मद्रास-33 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण-रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोठमबाखम (डाक्र्मेंट 1735/83) में भारतीय रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुन 83

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है कि मुक्ते यह विरवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण ने लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कृथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) पी० मीनाक्षीसुन्दरम,

(अन्तरक)

(2) वी० सुबमण्यन,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हंू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्सि लिसित में किए जा सकरेंगे।
- (ख) इ.स. सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्पष्टोकरणः --इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

यनुसूची

भूमि-36, रूकमणि स्ट्रीट, मद्रास-33 (डाक्मेंट 1735/ 83)

> आर० पी० पिरुलै मक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्य आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 मद्रास

तारीख: 3/1/84

मोहर 😗

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज मद्रास

मद्राम दिनांक 3 जनवरी 84

निवेश सं 18709---अत: मुझे, आर पी० पिल्लें आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रुपये में अधिक हैं

और जिसकी सं० 2, 61 स्ट्रीट, है, जो अशोक नगर मद्रास में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण- रूप से विणित है), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोठमबाखम (डाकूमेंट 1646/83) में भारतीय राजस्ट्री- करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जन 83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत सं अभिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य सं उक्त अन्तरण लिएकिस में वास्तविक रूप सं कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोनेके अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी फिसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भ्या था या किया वामा चाहिए था, क्याने कें स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) बी० कृपानिधी,

(अन्तरक)

(2) टी० चलपनि राव,

(अन्तरिती)

कां थह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्पाक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकी ।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्कत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण-2, 61 स्ट्रीट, अशोक नगर, मद्रास (डाक्मेंट 1646/83)

> आर० पी० पि<mark>रुलै</mark> स**क्षम प्राधिकारी** सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2 मद्रास

तारीख: 3-1-84

मोहर 🖫

प्ररूप आर्ष: टी. एन. प्रसः =--=-

कासकर गिंधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के स्थीन स्वना

भारत बरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्राम दिनाक 3 जनवरी 84

निवेश सं 18697—अत: मुझे, आर० पी० पिल्ले भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 9, रामस्वामी स्ट्रीट राधानगर है, जो मद्वास 44 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पल्लावरम (डाकूमेंट 2615/83) में भारतीय रिजस्ट्रीक्ररण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून 83

को पूर्वेक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित् बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से एसे द्रियमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण जिल्डिच के बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाब्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वज्ने में सुविधा के किए: औड/या
- (ण) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, किया सिवम के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अम्सरण भें, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित कावितयों, अर्थात् :--- (1) रा० श्रीनिवासन

(अन्तरक)

(2) बी० वैजयन्ती,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के ट्राजपम में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी अयिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्विकतयों में से किसी व्यक्ति व्यापत;
- (ण) इस स्भाना के राजपण में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण-9, रामस्वामी स्ट्रीट, राधानगर मदास-44 (डाक्नेंट 2615/83)

> आर० पी० पिरुलै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 3/1/84.

प्ररूप **बार्ड**् टी<u>.</u> एन्. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-भ (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 3 जनवरी 84

निदेश सं० 18682—अत: मुझे, आर० पी० पिल्लं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या हूं), की धार्य 269-ख के अधीन स्थान प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृल्य 25,000/- रु. में अधिक ही

और जिसकी सं० 16, है जो पेरमबूर टेंक बंठ रोड मद्रास-12 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से विणत है). रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पुरस-वाखम (ठाकूमेंड 112783) मै भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अश्वरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्बत्ति का खिनत बाजार मूल्य, उसके क्यमान प्रतिफल से एसे क्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्नारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) श्री राम बालकृष्त मुदलियार.

(अन्तरक)

(2) श्री राम घूरूमूर्ति,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथांकित सम्पृत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितखबूभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकेंगे।

स्पक्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पृदों का, जो उक्त अधिनियम, के क्ष्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि-और-निर्माण-11, पेरम्बूर टेंक बंठ रोज, मद्रास-12 (डाक्नुमेंट 1127/83)

> आर० पी० पिहलै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को जनसरण जै, जै, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारीख: 3184

मोहर 🛭

प्रक्रम आई. टी. एन. एस.-----

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुपना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अध्यकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- 📳, मद्रास

मद्राम, दिनांक 3 जनवरी 84

निदेश सं० 18721—अत: मुझे, आर० पी० पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 316/1, है, तथा जो वेल बेरी में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास सौत (डाक् मेंड 1747/83), में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनोंक 16 जन 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्विष्य से उक्त अन्तरण लिखित में

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम की अधीन तर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अस्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सुविभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह——

(1) श्री एम० रामन और अदरस,

(अन्तरकः)

(2) एन० मूर्ति,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यचाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र को प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

भूमी-सर्वे 316/1, वेलचेरी ु(डाक्मेंड 1747/83)

आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 3-1-84

मोहर 🤃

श्रुक्य भारते हो दी , एत् ह एस हुन न ह हनन

आयुक्द अभिनियम्, 1961 (1961 का 43) क्री धारा 269-म् (1) के अभीन सुम्बना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 3 जनवरी 84

निदेश में० 18721—यत: मुझे, आर० पी० पिल्लै, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं और जिसकी मं० मर्वे नं० 316/1, है, जो वेलचेरी में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मब्रास सौत (डाक्मेंड 1748/83) में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख 16 जून 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम् के स्थ्यान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया विफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिक में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है ं.──

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वानत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कनी करने या उससे क्वने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

मतः मब, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के जन्सरण मों, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के मधीन, निम्निलिखित व्यक्तिमां, अर्थात् :— (1) श्री एस रामन, और अदरस,

(अन्तरक)

(2) श्री एम एस० अरसू,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी अविक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी ब्यक्तियों पर किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकोंगे।

स्पन्धिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

वसस्यो

भूमि-सर्वे नं० 316/1, वेलचेरी ु(डाक्मेंड 1748/83)

आर० पी० पिल्लैं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-I^I, मद्रास

सारी**च**: 3-1-84

मोहर 🛚

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-च (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-11, मद्रास

मब्राम दिनांक 3 जनवरी 84

निदेश सं० 13039—अतः मुझे, आर० पी० पिल्लै आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

और जितकी सं० 23, पोनुरंगमण्रोड, है, जो आर रास पुरम कोयमबद्भूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयमबद्भूर (डाक्स्मेंड 2838/83) में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 जून 83

को धूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अत. अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिस्ति व्यक्तियों, अर्थात्:—. (1) कुनजम्माल. और अदरम,

(अन्तरक)

(2) के० पी० मुरुगानंद,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितनवृष किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण: -- इसमें प्रय्वत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृस्ची

भूमि और निर्माण-23, वेस्ट पोझुर्रगम रोड, कोयमबट्टर, (डाकूमेंट 2838/83)

आर.० पी० पिस्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन **रैं**ज-II, मद्रासः

तारीख: 3-1-84

मोहर 🔞

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

णायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-ण (1) के नधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जः। रेंज-II, मद्रास मद्रास दिनांगः 3 ज वरी 84

निवेश मं० 13040—अत: मुझे, आर० पी० पिल्ले आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संव 23. है, जो लिए वेंकटस्वामी रोड कोयम-बहूर में स्थित है (और इमसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के आयिलय, कोयमबदूर (डाक्सेंट 2445/83) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 जुलाई

- (क) अन्तरण से हाई किसी आयकी आबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अक्ष, उच्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, मैं, उच्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

आर० जनार्वन,
 और अवर्स.

(अन्तरक)

(2) के० शिवकुमार, और अदरस,

(अन्तरितो)

को यह सुचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्थन के शिष् कार्यवाहियां करता हुं।

जबत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी सविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (ज) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ज से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितवद्भ किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्ला में किए जा सकोगं।

ग्यास्त्रीकरणः --इसमें प्रयासत शब्दों और पर्दों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण-11/23, तिस्वेनकटस्वामी रोड, कोयमबटूर (डाक्मेंट 2445/83)

आर० पी० पिल्लै सिक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2. मद्रास

तारी**ख**: 3/1/84

प्ररूप आहूँ. टी. एन. एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 फरवरी 1984

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4239---अतः मुझे, देवप्रियं पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० मकान तथा प्लाट नं० 963, स्कीम न० 44 है, तथा जो खातीवाला टेक इन्होर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्होर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख जून, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल, से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ज) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सूर्विधा के निए।

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनूसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री जमनाप्रसाद साहु आस्मज श्री शिवदयालजी साहू, निवासी मकना नं० 11, हे मसन कालोनी, इन्दौर.

(अन्तरक)

(2) मुग्नील कुमार आस्मज श्री समरथमलजी, निवासी सांवेर, तहसील सांवेर, जिला इन्दौर ।

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध
 किसी अन्य न्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्परटोध्धरण. --- इसमी प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मी परिभाषित हैं, वही अर्थ हांगा जो उस अध्याय मी दिया गया है।

अन्मूची

मकान तथा प्लाट नं० 963, स्कीम नं० 44 है तथा जो, खातीयाला टैंक (इन्दोंर विकास प्राधिकरण) इन्दोर में स्थित है।

> विषित्रय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, भोपाल गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मंजिल, टी. टी. नगर, भोपाल

नारीख: 4-2-1984

प्रस्प नार्षः दी. एन. एस.-----

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) रि भारा 269-घ (1) के अधीन सुमन्य

नारत सरकार

काथां ज्य, सहायक सायकार मानुकत् (निरीक्षण) अर्जन रोज, भोपाल

भोपाल, विनांक 4 फरवरी 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4240---अतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं।

भौर जिसकी सं० मकान का एक भाग जिसेका नं० 61 (पहली मंजिल) है, तथा जो गोपाल बाग, इन्दौर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के

अधीन, तारीख ं जून, 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदात से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिवित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किली जाब की बाबत, खक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; आर्टिया
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किपाने में सुविधा के सिए;

जतः जन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:---- हरीराम पाहुजा,
 श्रीमती सुखी पाहुजा निवासी-61, गोपाल बाग,
 इन्दौर.

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रचना, पत्नी श्री मनोहरलाल इणरानी, निवासी इन्दौर.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के जर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्यक्तिरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, बही अर्थ हारेग जो उस अध्याय में दिया गुंबा है।

अनुसुची

मकान का एक भाग जिसका नेंमैं 61 (पहली मंजिल) है जो गोपाल बाग, इन्दौर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, भीपाल गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मंजिल, टी. टी. नगर, भोपास

नारी**ख**: 4-2-84

मोहर 🗈

प्ररूप बाइ .टी. एन्. एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, भोपाल

भोपाल दिनाक 4 फरवरी 84

निर्देश मं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल 4241---अत: मुझे, देवप्रिय पन्त अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है")., की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उफित बाजार मृत्य 25,000 ∕- रुत. से अधिक हैं भ्रौर जिसकी सं० मकान का एक भाग नं० 106 है, तथा जो जबाहर मार्ग इन्दौर में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कार्यालय इंदौर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, का (16) के अधीन जून, 83 को प्रवेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मृत्य संकम के पश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसको दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य सं उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नावत, उक्त जिम्मिन्स, के अभीन कर दीने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृनिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः सब, उक्स अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में,में उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) श्री चन्द्रसेनराव,
 आत्मज श्री गोविन्दराव मतकर.
 3,
 रेसिडेन्सी एरिया,
 ए० बी० रोड, ने
 इन्दौर.

(अन्तरक)

(2) श्री सुधीर, आत्मज श्री जनार्दन महाणब्दे, 106, जवाहुर मार्ग, इन्दौर.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोचत सम्पक्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोड़ भी बाक्षेप ---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन की अविधि था तंत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (त) इस सृचना के राजपत्र में त्रकाशन की शारीय है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास् चिकित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया वस है।

अनुसूची

मकान का एक भाग नं० 106 है जो जवाहर मार्ग, इन्दौर में स्थित है:

> वेवप्रिय पन्स सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयक्स (निरीक्षण) अर्जन रंज, भोपाल गंगोक्षी विल्डिंग, चौथी मंजिल, टी० टी० नगर, भोपाल.

ता**रीख**: 4/2/84⊳

४४६ अ.६° . टी . एन . एस . -----

कावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ धारा 269-ध (1) के अधीन स्**वता**

धारत बुडकाड

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 फरवरी 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी'०/अर्जन/भोपाल/4242---अतः मुझे, देवप्रिय पन्त.

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या मकान का एक भाग नं० 106 पुराना नं० 84, है, नथा जो जवाहर मार्ग, इन्दौर में स्थित हैं (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुन, 83

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तृह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथिस नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की वाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सूबिधा के लिए; और्/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था., छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उथत अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अधृत्ः—

- (1) श्री चन्द्रसेनराव आत्मज श्री गोविन्द राव मतकर,
- रेसिडेन्सी एरिया,
 ए० बी० रोड,
 इन्दौर ।

(अन्तरक)

(2) श्री जनादंतराव आत्मज श्री शंकरराव महाशब्दे निवासी 106, जवाहर मार्ग, इन्दौर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सृक्षना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिस की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सृचना की तामीन से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकरें।

स्थळीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त विभिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुस्ची

मकान का एक भाग नया नं 106, पुराना नं 84 ओ, जवाहर मार्ग, इन्दौर में स्थित है!।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल) गंगोत्नी बिहिंडग, चौथी मंजिल. टी० टी० नगर, भोपाल.

तारीख: 4-2-84

मोहर् 🛭

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोषाल, दिनांक 4 फरवरी 1984]

निर्धेण मं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4243— अन: मझे, देवप्रिय पन्त,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उवत अधिनियम' काहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

धौर जिसकी सं० बगीचा तं० 19 की भूमि है, तथा जो नसीराबाद, नीमच छावनी, मह रोष्ट, नीमच में स्थित है (और इसेसे उपाबढ़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, नीमच में, रिजस्ट्रीकर्करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जन, 83. प

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एं ने दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिथों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल कि लिम्निलित उद्देश्य से उन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए; और/बा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में मृविधा के सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री खुर्सीद अली आत्मज श्री अञ्चुल हुसैनजी बोराः निवासी नीमच केंट ।

(अन्तरक)

(2) मोहम्मद शाकिर आत्मज मोहम्मद शकी मुसलमान, निवासी मन्दसौर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन को लिए कार्यवाहियां कररता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति क्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वहीं मर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्रवी

भूमि जो बगीचा मं० 19 की है तथा जो नसीराबाद, मह रोड, नीमच छावनी में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल, गंगोत्री बिल्डिंग, जीयी मंजिल, टी० टी० नगर, भोपाल।

नारीख: 4-2-84.

मोहर 🛭

प्ररूप आइ. .टी. एन . एस . -----

भायकर पश्चिनियम, 1981 (1961 का 43) की धार। 269-व (1) के भ्रमीन सुवना

भारत सरकार

कार्याचय, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 फरवरी 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4244----अस: मुझे, वेबप्रिय पन्स,

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० भूमि, बगीचा नं० 19 है, तथा जो नीमच छावनी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नीमच में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुन, 1983

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिस्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित व वास्तिक रूप से किथा गया है:---

- (क) अन्तरण ते हुई किती जाय की सावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिश्व में कमी करने वा असके वजने हैं मुविधा के जिए, और/या
- (ख) ऐसी किनी ब्राय या किसी धन या घरण प्राण्तियों को, जिन्हें भारतीय ब्रायकर ब्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ब्रिधिनियम, या घनकर ब्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था खियाने में सुविधा के लिए।

बतः अव, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के अनसरक में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातुः---- (1) श्री खुर्गीद अली, आस्मज श्री अब्दुलहुसैनजी बोहरा, निवासी नीमच छावनी ।

(अन्तरक)

(2) मालवा इन्टर प्राइजेस नीमच, पार्टनर मोहम्मद जरीन, आत्मज श्री मोहम्मद णफी मृक्षलमान, निवासी मन्दसौर, महेन्द्रकुमार, आत्मज श्री समरथलालजी पटवा, "निवासी नीमच केंट ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच में 45 दिन की भ्रविध या तरसम्बन्धी श्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोवत स्पिनतयों में से किसी स्पनित द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्वेग।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

वम् सची

भूमि बगीचा नं० 19 है तथा जो नीमच छावनी, नीमच में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिक री सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल. गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मंजिल, टीं० टीं० नगर, भोपाल.

तारीख: 4-2-84

भाहर:

गलप शर्जुं, टी, एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्क (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र. भोपाल भोपाल, दिनांक 4 फरवरी 1684

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल 4245----अत: मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का का ण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसवा उचित वाजार मृल्य 25,000/- रह. सं अधिक है

श्रीर जिसकी सं० मकान तथा प्लाट नं० आर-21 है, तथा जो खातीयाला तेंक, इन्होंर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में श्रीर पूर्णस्प से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्होंर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1983 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बंतरिती की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां कां, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपस अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में भविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में. मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (१) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् १---

(1) श्री जसबंतकुमार रणजीतकुमार गांधी, निवासी 7, गान्ती नगर, इन्दौर.

(अन्तरक)

(2) मैससं मनमृखानी कंस्ट्रक्शन्स तरफे. भागीवार जगदीश मनसुखानी, 20, हाथीवाला साउथ, इन्दौर.

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दा और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

प्लाट नं० आर-21, स्कीम न० 44, तथा मकान जी कि खातीबाला टैंक, (इन्दौर विकास प्राधिकरण) उन्दौर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल गंगोली विल्डिंग, चौथी मंजिल, टी० टी० नगर, भोपाल

नारीखा: 4/2/84

अगय कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

फार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 फरवरी 1984

निर्देश मं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोषाल 4246---अतः मुझे देवप्रियपन्न

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी संख्या म्यु० पा० ऋ० 34/2 नया नम्बर 13/1 है, तथा जो जेलरोड, गली नं. 2, इन्होर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण क्ष्म से बांणत है, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्होर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जून 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूप्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूप्यमान प्रतिफल से, एसे रूप्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्थ में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनता अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिया के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत् :--- (1) श्री नारायणआत्मज श्री विनायकलाड़, निवासी 7/1, जेल रोड, इन्दौर

(अन्तरक)

(2) श्री मुरेशकुमार अस्मज श्री मुगतचन्दजी, निवासी 27. नगर निगम मार्ग, इन्दौर नर्फे गर्जियन मुगतचन्द नाथूलाल

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविभ या तत्मम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी अविध बाद मो समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियाँ में से किगी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहण्ताक्षरों के पास लिखित में अन्य किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

मकान नं ० 34/2, नथा नं ० 13/1 है तथा जो जैलरोड, गली नं ० 2 इन्दौर में स्थित है। (मकान का एक भाग)

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर अध्युक्त (किरोक्षीण) अर्जन रेन्ज, भोषाल ।

तारीख: 4--2-1984

प्ररूप आहर्.टी.एन.एस.------

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जनक्षेत्र भोषाल

भौषाल, दिनांक 4 फरवरी, 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भीपाल 4247---अतः मुझे देवप्रियं पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या म मन नं 13/1, गर्ला नं 2 है, तथा जो जेल रोड, इन्दौर, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचा में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधि मारी के दार्यालय इन्दौर में, रिजस्ट्री प्रणा अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जून, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्परित का उचित्त बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल ते ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त कृत्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-निसम् की जधीन कद दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी कदने वा उससे जबने में सुविधा के लिए; और/या
- (अ) ऐसी किसी आय या किसी धन था अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए;

अत:, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुस्रण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री नारायण आत्मज्ञी विनायक लाड़ निवासी 7/1, जेल रोड, इन्दौर

(अन्तरक)

(2) श्रो बृजमोहन आत्मजश्री मुगनचन्द, निवासी 27, नगर निगम मार्ग, इन्दौर तर्फे गाजियन मुगनचन्द नाथूलान

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त संपरित के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस भूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र को प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

भन्स् चे

म कान म्यु० पा० ऋ० 13/1, गली नं० 2 है तथा जो जेल रोड, इन्दौर में स्थित है। (मकान का एक भाग)

> वेवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सक्राय ह आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रन्ज, भोपाल

तारी**खा**: 4-2-1984

मोहर 🤊

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, भोषाल

भीपाल, दिनांक 4 करवरी, 1984

निर्देश सं० आर्ड० ए० मी०/अर्जन/भोषाल 4248——अतः मुझे वेयप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या। महान म्यू० पा० नं० 41, है, तथा जा बौलतगंज, इन्दौर में स्थित है (और इसमें उपावक अनुसूची में सीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्री-जर्ता अधि हारी के कार्यालय इन्दौर में, रिजिस्ट्री-शरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जून, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्भ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्तत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दागित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनयम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मूर्विधा के लिए।

अतः अबः, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती खतीजाबाई पति श्री तालीब हुसैन एवं सलमाबाई पति तुराबअलो, निवासो 60 कडावघाट, इन्दौर

(अन्तरका)

(2) श्री हाजी मुल्ला ताहैर अली आत्मज हाजी मुल्ला फजसहसीन, निवासी 89, सियागंज, इन्दौर

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त मम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरणः ---- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्मूची

महान का एक भाग, स्यु० पाँ० नं० 41 है तथा दौलत-गंज,गली नं० 2 इन्होर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेन्ज, भोपाल

तारो**ख** . 4—2—1984 मोहर: प्ररूप काइ .टी. एन. एस. -----

बायकर आंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (विरक्षिण)

अर्जन क्षेत्र, भोषाल

भोपाल, दिनांक 4 फरवरी 1984

निर्देश सं० अ।६० ए० मी०/अर्जन/भोपाल 4249---अतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

कायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या महान का एक भाग जिस्ता म्यु०पा० नं० 41, गली नं० 1 है, तथा जो दौलतगंज, इन्दौर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूकी में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के दार्यालय इन्दौर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जून, 1983

को पूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के अन्तर प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमतो खतीजाबाई पित श्री तालीब हुसैन व सलमाबाई पिति श्री दुराबअली, जियामा 60, कड़ाधाट, इन्दौर

(अन्तरक)

(2) श्री हाजी मुल्ला ताहेरअली पिताश्री हाजी मुल्ला फजलहुमैन निवासी 89. सियागंज. उन्होर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उथत स्थावर संपत्ति में हितबद्धभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकींगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विचा गया है।

अनुसूची

म सान का एक भाग जिलका म्यु० पा० नं० 41, गली नं० 1 है जो दौलतगंज , इन्दौर में स्थित है।

> दंबप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी महायक आयक्षर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेन्ज, भोपाल

तारी**ख**: 4-2-1984

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोवाल, दिनांक 6फरवरी, 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल---4250---अतः मुझे, देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर संपित्त, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जियको संख्या महान म्यु० पा० नं० 35/680 (एक भाग) है, तथा जो हाई कोई रोड, लशहर, खालियर में स्थित है (और इसने उगावड़ अनुध्वे में और पूर्ण हम से विणि है) रिजस्ट्रो हर्ता अधि हारो के कार्यालय, ग्वालियर में, रिलस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) अबोन, जून, 1983

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और अभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त रंपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया वया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दन के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अभितयों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकार नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छितानं से सृविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, टक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीता, जिल्ला की भारत कर कर (1) श्री राजेशकुमार आत्मज श्रो गिरीराज बाबू खन्डेलवाल, निवासी हाई कोर्ट रोड, लश्कर, ग्वालियर

(अन्तरक)

(2) श्री पारसचन्द जैन आत्मज श्री मोहनलाल सर्राफ निवासी मोरार सदर बाजार. मोरार ग्वालियर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 'से 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्रर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निष्ति में किए जा सकर्ग।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

म हान का एक भाग म्यु० पा० नं० 35/680 है जो हाई कोर्ट रोड, लक्कर, ग्वालियर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) । अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 6-2-1984

प्रकृप मार्ड. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयक्त (निरक्षिण)

अर्जन रोज, भोषाय

भोपाल दिनांक 4फरवरी 1984

निद्रण सं० आई० ए० सी०/अर्जन / भोपाल 4251--अतः मुझे, देवशिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें स्तके पश्चात् 'उन्नत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसकर उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

े और जिसकी संख्या मकान नं ० 52 है, क्या जो अमरसिंह मार्ग, उज्जैन में स्थित है (और इसने उपावह अनुसूर्चा में और पूर्ण, रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, उज्जैन में, रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुन, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मफे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, असके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेष्य से जक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक कप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-निधम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बादने में सृविधा के लिए; बौर/बा
- (ब) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन कर श्रीधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में गृषिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियमं भी धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नृत्मित व्यक्तियों. अर्थात् :---

(1) श्री मुभाषचन्द आत्मज्ञ श्री राधामोहनजी
गुला मह्जन
निवासी माध्य नगर
फीगंज वक्तावर मार्ग
म० नं० 27, उठजीन

(अन्तरक)

(2) श्री तिल्वअली अतमा श्री वैदरअति कपडेबाले, बोहरा. निवासी उज्जैन, मोरु बाखन, खाराकुआ, उज्जैन

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्थन के निष् कार्यवाहिया कारता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील रो 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्तृ व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उपत स्थावर सपिता में हित- बद्ध कि मी क्या चित्र दिशा क्योत् हाक्षरी के पास लिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त इन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

मकान का एक भाग जिसका नं 52 है मोहल्ला अमरसिंह मार्ग, उज्जैन में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम अधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेन्ज, भोपाल

नारीख: 4-2-1984 भाहर: प्ररूप भाइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 4फरवरी 1984

निर्वेश सं० आर्ष्ठ० ए० सी०/अर्जन/भोपाल 4252--अतः मझे, देवप्रिय परहः

आक्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उषित बाजार मृल्य 25,000/- राज्य से अधिक हैं

और जिसकी संख्या मकान नं० 52. है, तथा जो अमर्रासह मार्ग, माध्य नगर, फींगंज, उज्जैन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में बिणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उज्जैन में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जुन, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से अधित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उच्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित में कामी फारने या उच्चसे बचने में मृतिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय शाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया स्या धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के किए:

अतः अतः अतः अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में. उगत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री सुभाषचन्द आत्मज श्री राधामोहनजी गुप्ता महाजन, निवासी 27, माधवगंज, फीगंज, उज्जैन।

(अन्तरक)

(2) श्री हकीमुद्दीन नावालिय आत्मण मोहसिन अली भाई कपड़ेवाला, निवासी 1010, बाखल खाराकुआं, उन्जैन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों हो
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उन्कत स्थावर सम्पत्ति में हिंस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शस्यों और पंती का, जो उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान का एक भाग जिसका नं० 52 है जो मोहल्ला अमरसिंह मार्ग, माधवनगर, फीगंज, उज्जैन में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेस्ज, भोपाल

सारी**ख**: 4-2-1984

प्रकल बार्ड. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) अर्जनक्षेत्र,भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 फरवरी 1984

निर्वोग सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल 4253—स्अतः मुझे, देवप्रिय पन्तः,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये में अधिक हैं

और जिसकी संख्या भूमि खसरा नं 296/6 है, तथा जो ग्राम खजिरया तहमील साबेर जिला इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है) रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, जुन, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गीई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित याजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में शम्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

22-486GIJ83

(1) श्री मोहलताल गिता श्री गेन्दाताल चौकसे निवासी ग्राम खजूरिया तह० संविर जिला इन्दौर ।

(अन्तरक)

(2) श्रोमती रतनबाई पित श्री होरालालजो सेठी, तिवासी 3, रेसीडेन्सी रोड, इन्दीर म०प्र०।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी आक्षेप :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्पना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्न मो हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अम्स्ची

भूमि खप्तरा नं० 296/6 है जो ग्राम खजुरिया , तह० सांवेर, जिला इन्दौर में स्थित है ।

> देवप्रिय पन्त सञ्जास प्राधिकारी सहायक आयक्ष्म अध्यक्ष्म (निरीक्षण) अर्जन रोज, भोगाल

तारीखाः 6--2-1984

मोहर 🗄

प्ररूप. आर्ड. टी. एन. एस्. - - - -

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 फरवरी 1984

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल 4254—ग्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

धौर जिसकी संख्या पुराना मकान खसरा नं० 570/आई० टी० तथा मकान नं० 50 है, तथा जो पी० सी० नं० 110, शंकर नगर, रायपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, रायपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 3 जून, 1983

को प्नों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंकत संपत्ति का उचित् बाजार मृल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एरेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था लियाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत् :---

(1) श्रीमती मैनाबाई पति श्री सदाणिव गौतम, निवासी राजातालाब, रायपुर

(भ्रन्तरक)

(2) श्री राजेशकुमार, पदिमकुमार, कमलेशकुमार, नागेशकुमार, निवासी रामगुलाम, शंकर नगर, रायपुर

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- सद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यो का, जो उनके अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा गया ही।

अनुसुची

भकात नं० 50, पी० सी० नं० 110, शंकर नगर रायपुर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम पाषिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज, भोपाल

तारीखाः 6-2-1984

प्रस्प बाहै. टी. एन्. एस.-----

बायकर अभिनियम,, 1961 (1961 का 43) कीं भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 फरवरी 1984

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल 4255— म्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-के के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का करण है कि स्थावर संपित्त, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्नीर जिसकी संख्या भवन निगम नं० 51/615 है, तथा जो ग्नापागंज, मामा का बाजार, लएकर, ग्वालियर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है) रिजस्ट्री-कर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधि-नियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जुन 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के रूथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एने दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में दास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बंतरण से हुई किसी जाय की बाबत., उक्त बिधिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया धाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री तुलसीदास पुत्र सीरिडनामलजी सिन्धी निवासी बालाबाई का बाजार, लक्कर, द्वारा मु० श्राम श्री जेताराम पुत्र सीरिडनामलजी जसेजा निवासी बालाबाई का बाजार, लक्कर, ग्वालियर

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती दुर्गादेवी
पत्नी श्री जगतरामजी सिन्धी,
निवासी निम्बालकर की गोठ,
नं० 2, लक्ष्कर,
ग्वालियर, म०प्र०

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अश्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्थळिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

भवन निगम नं० 51/615 है जो आपागंज, सामा का बाजार, लक्ष्कर, ग्वालियर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयूक्त (निरक्षिण) प्रार्जन रेंज, भोपाल

ना**नेख** : 4−2**−**1984

प्ररूप बाई टी. एन. एस. - - -

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन क्षेत्र, भोपाल भोपाल, दिनांक 4 फरवरी 1984

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल 4256—-ग्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या भवन का एक भाग कमांक 51/615 है, तथा जो ग्रापागंज लश्कर, ग्वालियर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय ग्वालियर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908(1908) 16 के ग्रिधीन, जून, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरफ के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के निए;

अतः अब., उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री गोरधनदास पुत्र श्री सीरडिनामलजी जसेजा सिन्धी, निवासी बालाबाई का बाजार, लक्ष्कर, ग्वालियर

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती रामदेवी पत्नी श्री मणिकलालजी सिन्धी, निवासी निम्बालकर की गोंठ, लश्कर, ग्वालियर

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवाँक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोक्त स्थानतयों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इंसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भवन का एक भाग क्रमांक 51/615 है जो श्रापागंज, लश्कर ग्वालियर में स्थित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 4-2-1984

प्ररूप आर्ष. टी. एन. एस.----

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यीलय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ध्रजंन क्षेत्र, भोपाल भोपाल, दिनांक 6 फरवरी 1984

निर्देश मं० ग्राई० ए० मी०/ग्रर्जन/भोपाल 4257---ग्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्षें इसकें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भ्रौर जिसकी संख्या भवन साविक क्रमांक 16/483, जुज नया 51/615 है, तथा जो माधोगंज नगर, लण्कर., ग्वालियर में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, जून, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के श्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उपक अधिनियम के अधीन कर दाने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/या
- (भ) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उचन अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिवित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री भगवानदास जसेजा पुत्र श्री सीरडिनामलजी, निवासी माधोगज नगर, लक्ष्कर, ग्वालियर, म०प्र०।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मोहनलाल पुत्र श्री ईश्वरदासजी सिन्धी, निवासी सिन्धी टाकीज, ग्वालियर के पास, लक्कर ग्वालियर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्ष व्यक्ति में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (अ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिचित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुस्ची

भवन क्रमांक साविक 16/483. जुज नया 51/615 है जो माधोगंज नगर, लक्कर, ग्वालियर में स्थित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 6-2-1984

प्ररूप आर्ह. टी. एन. एस.-----

बायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 फरवरी 1984

निर्वेश सं० म्राई० ए० सी०/म्रजॅन/भोपाल 4258---म्रतः मुक्को, देवप्रिय पन्त

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी संख्या भवन कमांक साविक 16/483 है, तथा जो भ्रापागंज, लण्कर, ग्वालियर में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, जून, 1983

को पूर्वोक्त सम्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित' उद्देश्य से उक्त अन्तरण विखित में बास्तविक रूप से अधित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की वायत, उनत अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दासित्य से अभी करने या सन्तर्भ वचने में सुनिधा के मिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूत्रिभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री भगवानदास व गोरधन प्दास व जतीराम, श्रात्मज श्री सीरिजनामलजी, निवासी हाल माधोगंज, लक्ष्कर, ग्वालियर

(भ्रन्तरक)

(2) श्री गुरुमुखदास ग्रात्मज श्री ईगरदासजी, निवासी ग्वालियर टाकीज के पास, लक्कर, ग्वालियर

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पुर्वोक्त सम्परित के वर्जन के सिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्परित के कर्पन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षंप: --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की टारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनव्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मन्स्ची

भवन क्रमांक साविक 16/483 है तथा जो भ्रापागंज, सम्कर, ग्वालियर में स्थित है।

देवप्रिय पंत सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेन्ज, भोपाल

तारीख: 6-2-1984

प्ररूप आहें. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 फरवरी 1984

निर्वेश सं० माई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल 4259--मतः

मुझे, देवप्रिय पन्त

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

घौर जिसकी संख्या पुराना भवन कमांक 16/483 है, तथा जो आपागंज लश्कर, ग्वालियर में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालयर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, जून, 1983

को पूर्वेक्त संपरित के उचित बाजार मून्य से कम के इध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके इध्यमान प्रतिफल से, एसे इध्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक कें वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृथिधा के लिए; और√या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाओं साहिए था, छिपाने में सुनिभा के लिए;

अत: अथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धररा 269-म की उपधारा (), के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात्:——

(1) भगवानदास, गोरधन, जेताराम, ग्रात्मज श्री सीरिङनामलजी जसेजा, निवासी हाल माधोगंज नगर, लक्कर, ग्वालियर म० प्र०

(म्रन्तरक)

(2) श्री दुर्गादेवी पत्नीश्री जगतरामजी, निवासी निम्बाल की गोठ, नं 2, नश्कर, ग्वानियर

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं:

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकांगे।

स्पट्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

अनुसूची

पुराना भवन क्रमांक 16/483 है जो ध्रापागंज नगर, लश्कर, ग्वालियर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहावन आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेन्ज, भोपाल

सारीख: 6-2-1984

प्ररूप आहे.टी.एन.एस.-----

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजनिक्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 फरवरी 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/श्चर्जन/भोपाल 4260—श्वतः मुझे, देवप्रिय पन्त

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी संख्या प्लाट नं० "सी" खसरा नं० 19622 का भाग है, तथा जो चिकलोद रोड, जहांगीराबाद, भोपाल में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण क्ष्य से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, भोपाल में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जून, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह है और मृश्ने यह विद्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एक दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है (और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुइ किसी बाव की वावत, उक्त अभिनियम के अभीत कार दोते के अन्तरक के दायित्व में कमी कारने या उत्तर वचने में सुविधा के निए; और/या
- (ध) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सृतिधा के लिए;

अतः अतः, उत्यतः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थातु:—— (1) श्री हुकुमचन्द कुमार ग्रात्सज स्व० श्री काणीरामकुमार,
 निवासी ग्ररोरा कालोनी,
 भोपाल

(अन्तरक)

(2) श्री संजीव खुराना श्रात्मज श्री रामलुभाया खुराना निवासी श्ररोरा कालोनी, भोपाल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदब्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हुं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) ६स स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थातर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इतारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिकित में किए का सकेंगे।

स्यब्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त कृत्वों और पदों का, ओ उक्त विभागियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया भया है।

अन्स्ची

एक किता प्लाटनं० "सी" तथा खमरानं० 19622 है तथा जो चिकलोद रोड, जहांगीराबाद, भोपाल में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम पाधि हारी सहायक आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीखा: 6-2-1984

मोहर 🖫

प्ररूप आहे. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आय्क्त (निरक्षिण) ध्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 फरवरी 1984

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल 4261—न्त्रतः मुझे, देवप्रिय पस्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी संख्या प्लाट नं० "डी" खसरा नं० 19622 का भाग है, तथा जो चिकलोद रोड, जहांगीराबाद, भोपाल में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय, भोपाल में, रजिस्ट्रीकरण ग्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, जुन, 1983

को पूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विद्यमान करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्तह प्रतिष्ठत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, न्मिनिसित उच्चेष्य से उच्त अन्तरण निस्ति में वास्तविक रूप से कृथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उप्तत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अबः, उन्नत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उन्नत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---23---486GI[83 (1) श्री हुकुमचन्द्र म्नारमज श्री (स्व०) काशीराम, निकामी प्रशेराकालोती, भोपाल

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती शीला खुराना श्रात्मजा स्व० श्री रामलुभायाजी, निवासी अरेरा कालोती, भोपाल

को <mark>यह सूचना जारी</mark> करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरों।

स्पाक्तीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का जो उन्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सुची

प्लाट नम्बर डी--खसरा नम्बर 19622 का भाग जो कि चिकलोद रोड, जहांगीराबाद भोषाल में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निर्काक्षण) ग्रर्जन रेन्ज, भोपाल

नारीख: 6-2-1984

प्रकृप नाष्ट्र . टो. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)

व्यर्जन क्षेत्र, भोपाल भोपाल, दिनांक ७ फरवरी 1984

निर्देश मं० श्राई० ए० मी०/ग्रर्जन/भोपाल 4262---श्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या प्लाट नं० "ए" खमरा नं० 19622 का भाग है, तथा जो जिकलोद रोड, जहांगीराबाद, भोपाल में स्थित है (श्रौर इसमें उपायह श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जुन, 1983

को प्यों वत सम्पत्ति के उचित् बाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृन्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिक्षत में अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखन में वाम्निविक रूप में किश्त नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत जक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दियाल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आरि/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय अध्यक्त अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनवार अधिनियम, या धनवार अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के एये जार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट रही किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में स्विधा के सिए;

अतः अवः. उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में. में, जक्त अधिनियम की धारा 269 म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री हुकुमचन्द कुमार श्रात्मजश्री काशीरामकुभार, निवासी श्ररेरा कालोनी, भोषाल

(ग्रन्यरक)

(2) श्री बीना घरोड़ा पत्नी श्री प्रेम अरोड़ा, निवासी 5, हमीविया रोड, भोपाल

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथािक्स संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

अनुसूची

एक किता प्लाट नं० "ए" खसरा नं० 19622 का भाग जो चिकलोद रोड, जहांगीराबाद, भोपाल में स्थित है।

> देवप्रिय पन्स मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेन्ज, भोपाल

तारीख: 6-2-1984

मोहर 💠

प्रस्प बाई .टी. एन. एस . -----

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीम स्वना

मारह धुरकात

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, भोगाम

भोपाल, दिनांक 6 फरवरी, 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी'०/अर्जन/भोपाल 4263--अतः मुझे देवप्रिय पन्त

अगयकर शिधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात 'उन्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य, 25.000/- रा. सं अधिक है

और जिसकी संख्या प्लाट नं० बी० खसरा नं० 19622 का भाग है, तथा जो चिकलोइ रोड, जहांगीराबाद, भोषाल में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय भोषाल में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, जून 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रितिफाल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विष्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, एसे दृश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिय नय पाया गया प्रतिफाल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण निम्नलिखित में धाम्तविक अप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क्ल) जन्तरण से हुई फिसी जाब की बाबस, जक्त जिमियम के सभीन कर दोने के जन्तरण के साँबरण में कज़ी करने या उससे बचने में सुविधा के सिष्; बीट्र/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ जन्तीरती द्वारा शकट नहीं किया नवा था या किया जाना जाहिए जा, कियाने में मुश्रिश के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री हुकमचन्द आत्मजस्य० श्री काशीशमकुमार, निवासी अरेरा कालोनी, भोपाल।

(अन्तरका)

(2) श्री सुनीता अरोड़ा आत्मज श्री जगदोश अरोड़ा निवासी अरेरा कालोनी, भोपाल।

(अन्तरिती)

को यह सुचना आरी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पृतित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख सं 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा
- (ब) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब ?!

 45 दिन के भीतर सक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबदः
 किसी जन्य व्यक्ति इवारा मधोहस्ताक्षरी के पास
 निश्चित में किए वा सकेंगे।

स्यक्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों कां, जो उन्न अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों.. वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया ह

वन्स्वी

प्लाट नं ० ''बां'े खासरा नं ० 19622 कर भाग जारीच हजे । रोड, जहांगे)राबाद भोषाल में स्थित है।

> दिवप्रिय पन्त सक्षम अधिकारः निरोक्षीः सहायक आयकार आयुगाः अर्जन रेनज, भोषः त

नारीख: 6--3-19**8**4

भांहर :

प्रकप बाहें. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन स्चना भारत सरकार

> कार्यालय, सहायक मायकर नायक्स (निरीक्षण) अर्जन रेज भीपाल

भोपाल, दिनांक 6फरवरी 1984

- निर्देश सं० आई० ए० मी०/अर्जन/भोपाल 4264--अतः मुझे देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या भूमिनं० 348/1 है, तथा जो ग्राम खुटेही, तहु हुजूर जिला रीघा में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रीवा में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जुन, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निशासित त्यिक्तयों, अधीत :--- (1) श्री संजय सिंह आत्मज श्री राजभानसिंह, नगेन्द्रसिंह, देवराजसिंह, जगतप्रतापसिंह, पिता स्व० यदुनायसिंह, निवासी जरहा तह० सिरमौर, जिला रीवा म०प्र०

(अन्तर्क)

(2) होटल महाराजा, नेशनल **हाई वे**० नं० 7, सिविल ला**ई**न्स, रीवा म० प्र०

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथोंकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे किस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्कान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितकद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त जिभिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होना जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमिनं० 348/1 है जो ग्राम खुटेही, तहसील हुजूर, जिला रीवा में स्थित है।

> (देवप्रिय पन्त) सक्षम अधिकारी (निरीक्षी सहायक आयकर आयु^{म्}त अर्जन ^{प्र}न्ज, भोपाल)

गारी**ख**: 6-2-1984

प्ररूप आह⁴.टी.**एन्.एड**.-----

नायकर स्थिनियमः, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के स्थीन सुच्या

प्रारत बरकार

कार्यालय, सहायक कायकर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 फरवरी, 1984

निर्वेष सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल 4265---अतः मुझा देवप्रिय पन्त,

नायकर निधित्तयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या स्थायी भूमि ब्लाक नं० 91, प्लाट नं० 130/1 तथा मकान नं० 792/2, 792/3, 793/4 व 792/5 है, तथा जो मढ़ाताल, वार्डनं० 46, जबलपुर में स्थित है (और इससे उपावक अनुसूची में और पूर्ण के रूप से विणित है) रिजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में, रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, जन, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अंसरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित उद्देश्य से एक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक कण से कथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण संहुइ किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या अवसे वचने में सुविधा के लिए; बॉर/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियों की, जिन्हें भारतीय बाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त विधिनियम, या धनकर वृधिनियम, या धनकर वृधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सृत्धा के जिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के अनुकारण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) की अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री चिन्द्रकाप्रसाद सोनकर पिता श्री बाबूलाल सोनकर, निवासी म०नं० 193, भरतीपुर, ग्रहर जबलपुर

(अस्तरक)

- (2) श्री (1) हरीश कुमार
 - (2) संतोषकुमार, आरमज श्रीस्व० वीरभानसिंहशर्मा,
 - (3) श्रीमती कमलेश शर्मा पत्नी श्री तुलाराम संतोषी, निवासी म०नं० 792, पेणकारी मढ़ाताल, जबलपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना कारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी बनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथां कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए या सकोंगे।

स्वक्यकरण: ----इसमें प्रयुक्त कव्यों और प्यों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्रची

स्थायी भूमि ब्लाक नं० 91, प्लाट नं० 130/1, का एक भाग तथा मकान नं० 792/2, 792/3, 792/4 व 792/5 है जो मढ़ानाल, वार्ड नं० 47, जश्रलपुर में स्थित है।

(देवप्रिय पन्त) सक्षम अधिकारी (निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज, भोषाल)

तारीखाः 6--2-1984

प्रक्रम आहे.टी. एन. एस. -----

श्रायकर प्रधितियम, 1981 (1981 का 43) की खारा 289-च (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्भालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज भोषाल

भोपाल, दिनांक 6 फरवरी 1984

निर्वेश सं ० आई० ए० सी ०/अर्जन/भोपाल 4266—अतः मुझे देवप्रिय पन्त,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अभीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचिन वाजार मूल्य 25,000/- क० में अधिक है

और जिसकी संख्या स्थायी भूमि ब्लावः नं० 91, प्लाट नं० 130/1 है, तथा जो मढ़ाताल वार्ड नं० 46, जलवपुर में स्थित है (और इससे उपाबड अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जबलपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन, जून, 1983 को पूर्वोक्त संपत्ति के उवित बाजार मूख्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डत प्रतिकात से प्रधिक है और प्रस्तरण (प्रस्तरकों) भीर प्रस्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल का मिन्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (च) धन्तरण से तुई किसी भाग की बाबत जक्त अधि-नियम के सधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या जससे बचने में सुविधा के मिए; भौर/मा
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी बन या घन्य ब्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या छ । कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयो**णनार्य** धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए।

बाहा सब, जनत मिधिनियम की धारा 269-न के सनुसरण में, में, जनत खिबिनियम की धारा 269-न की उपवारा (1) के को अधीन . निम्निलिबित व्यक्तियों, अर्थात :---

- श्री (1) हरीमकुमार
 - (2) सतीश कुमार शर्मा पितास्व० श्री वीरभानसिंह शर्मा,
 - (3) श्रीमती कमलेश शर्मा जोजे तुलाराम संतोधी, निवासी मकान नं० 792, पेशकारी मढ़ाताल, जबलपुर।

(अन्तर्क)

(2) श्री राजे ण कुसार ना० वा० आत्मज श्री चिन्द्रका प्रसाद सोनकर वली मां श्रीमती पारवती बाई जोजे श्री चिन्द्रका प्रसाद सोनकर निवासी म०न० 415, भरतीपुर णहर, जबलपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्वॉक्त सम्परित के अर्थन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनत सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आओप :--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब बैं 45 विन की अवधि या तत्मंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वार, अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिकित मों किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्धों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्थायी भूमि ब्लाकनं 91, प्लाटनं 130/1 है, तथा जो मढ़ाताल, बार्डनं 46, जबलपुर शहर में स्थित है तथा मकान नम्बर 792/6, 797/4, 51

(देवप्रिय पन्त) सक्षम अधिकारी (निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त) अर्जन रोन्ज, भोपाल

नारीख: 6−2−1984

प्ररूप आई. .टी. एत . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-५ (1) के अधीन सुचना

वारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र भोपाल

भोषाल, दिनाक ६ फरवरी 1984 निदेश मं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोषाल 4267--अतः मृष्टे देवप्रिय पन्त

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या खाली प्लाट नं० 1/27 है, तथा जो कुम्हार पारा बार्ड तह० जगदलपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपबद्ध अनु-सूची में ग्रीर पूर्ण रूप से यणित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जगदलपुर में, रजिस्टीरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, जुन. 1983

को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कर निम्नितिखत उद्योदय से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है हिन्स

- (क) अन्सरण से हुइं िकसी आग की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के सिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों नर्ता पिन्ना भाजीय अस कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, सा धनकर अधिनियम, सा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, रियाने में गतिशा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती सुगीला कोहड़े पत्निश्री गजानन कोहड़े, निवासी जगदलपुर जिला बस्तर, म० प्र०

(अन्तरक)

(2) श्री केशव पिता श्री शंकर दामले, निवासी नारायणपुर, जिला बस्तर म० प्र०

(असरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति वृषाय ।
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्भित्त में हितवहुभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरणः--इसमे प्रयानत शब्दों और पर्वों का, **जो उक्त** अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गबा है।

समलची

खुला प्लाट नं० 1/27 है जो कुम्हारपारा, तह० जगदलपुर, जिला बस्तर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षी) अर्जन रेन्ज, भोपाल

तारीख: 6-2-1984

प्ररूप आहाँ. टी. 'एन. एस. ----

बायकर **अभिनियम,**, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जामकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, विनांक 6 फरवरी, 1984

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल 4268—अतः मुझे देवप्रिय पन्त,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी संख्या खुला प्लाट नं० 1/27 है, तथा जो कुम्हार-पारा, तह० जगदलपुर में स्थित है (श्रौर इससे उपबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जगदलपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम. 1908 (1908 का 16) के अधीन, जून, 1983

को प्रवेक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्बोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के तिए;

सतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कै अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थास्ः— (1) श्रीमती सुशीला कोहाड़े पति श्री गणानन कोहाड़े, निवासी जगदलपुर, जिला बस्तर में ० प्र०

(अन्तरक)

(2) श्री जोधाराम आहमज श्री खजातामल थावानी, निवासी कटोरा तालाब, रायपुर।

(अस्तरिती)

को यह स्थान जारी कारके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हों।

उक्त सम्पन्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोड भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी वं से 45. ' दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, वो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावा। सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ववारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकती।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्यो का, जो उक्त अभिनयमं के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।]

नन्सची

खुला प्लाट नं० 1/27 है जो मोहला कुम्हारपारा, तह० जगदलपुर में स्थित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षी) अर्जन रेन्ज, भोपान

तारीख: 6-2-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, भोपास

भोपाल, दिनांक 6 फरवरी, 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल 4269—अतः मुझे देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वे पर्वे कि शिनियम कहा गया है), की भारा 269- के बभीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या प्लाट नं० 32-ए है, तथा जो वीर सावरकर नगर, इन्दौर में स्थित है (श्रौर इससे उपबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में, रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जून, 1983

को पूर्वोक्त संपिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे धचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 24--486GI83

(1) श्री सरदार हाकमिसह पिता श्री सरदार हरनामिसह जी, निवासी देहली तरफे आम मुखत्यार गुरमितसिंह पिता श्री हरनामिसहजी, निवासी 55, प्रताप नगर, इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कवितादेवी
पित श्री अर्जुनवास जी,
निवासी 1147-ग्र,
गुमाशता नगर फलेट्रस,
खातीवाला टेंक,
इन्दौर, म० प्र०

(अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोत्रत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (क्) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबदध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पक्षीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 32-ए है जो बीर सावरकर नगर, इन्दौर में स्थित

देवप्रिय पन्त सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (नि**रीक्षी**) अ**र्जन** रेन्ज, भोपाल

तारीख: 6-2-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 फरवरी, 1984

सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल 4270:---अतः मुझे दैवप्रिय पन्त.

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

भीर जिसकी संख्या प्लाट नें० 366-आरजिस पर बना हुआ ग्यारेज है, तथा जो इन्दौर विकास प्राधिकरण स्कीम नं० 44, इन्दौर में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजिप्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जुन, 1983।

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (खन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया ग प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त धन्तरण विखित में वारा विक इन से कवित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत नकत अधि-नियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के वापिस्त में कश्चा करने या इससे बचने में सुविधा के किए। और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्हें अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अतिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

 श्री दिनेण चन्द्र पिना श्री चिरोंजीनाल जी गंगरोड, निवासी 100, कंचनवाग, इन्दौर, तरफे आम मुख्त्यार सेवकराम पिता श्री खानचन्द, निवासी 135, देवी अहिल्या मार्ग, इन्दौर।

(अन्तरक)

2. श्री गुरिमत सिंह पिता श्री दर्शन सिंह जी, निवासी "नारंग भवन" न्यू कालोनी, मन्दसौर।

(अन्तरिती)

को यह समाना जारी करके प्वार्विस सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस गुक्रना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि साद में सभाप्त होती हो, के भीतर पृशांकत किसी स्पन्ति देवारा:
- (स) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किभी क्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त व अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

'न्नाट नं० 377 आर जिस पर बना हुआ ग्यारेज हैं जो इन्दौर विकास प्राधिकरण स्कीप नं० 44 इन्दौर में स्थित है।

> देव प्रिय पन्त, सक्षम अधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षी) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 6—2—1984

मोहर:

ज्तः जव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के जभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, संधीत् :---

भारा 269-घ (1) के अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपान भोपाल, दिनांक 6 फरवरी. 1984 निर्देश जसं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4271—अतः मुझे देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित याजार मूल्य 25,000/- रहे. में जिथक है

ष्प्रौर जिसकी संख्या प्लाट नं० 362, उस पर बना हुआ स्थारेज है, तथा जो इन्दौर विकास प्राधिकरण स्कीम नं० 44, इन्दौर में स्थित है, (और इससे उपावड अनुभूची में खौर पूर्ण के खप में विजन है), रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जून, 1933।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिपत्त के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह निश्यस करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से एमे रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, जिम्निलिखित उद्धश्य के उन्तर अन्तरण निलिखत में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उप्तत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अज, उतः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री अनिल कुमार पिता श्री बाबूलाल जी माहेण्वरी, निवासी 4, बुक बाण्ड कालोनी, इवदौर, तरफे आम मुख अर्जुनदास पिता श्री जेठानन्द जी, निवासी पलणीकरकालोनी, इन्दौर।

(अन्तरक)

2. श्री बलजीत सिंह पिता श्री दर्णनसिंह जी नारंग, निवासी ''नारग भिवन'' न्यू कालोनी मन्दसौर, म० प्र।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इसं सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्दीकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हौं, वहीं अर्थ होगा जो उस मध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

प्लाट न० 362 उस पर बना हुआ ग्यारेज है जो इन्दौर विकास प्राधिकरण स्कीम न० 44 इन्दौर में स्थित है।

> देव प्रिय पन्त, सक्षम अधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षी) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 6-2-1984

प्रकप ग्राई• ही• एन• एस• '

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के सक्षीत स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 6 फरवरी, 1984 स० आई० ए० मी०/अर्जन/भोपाल 4272:---अतः मुझे देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

ग्रौर जिसकी सख्या भूमि जिसेका नया नम्बर 50 है, तथा जो ग्राम रतागड़, में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण के रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, बुरहानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जून, 1983।

को प्योंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथाप्वेंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अभीन कर देने के अंतरक के बायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के चिए; बीड/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त आधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट मही किया गया भा या किया वाना वाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- 1. श्री धुनीप्रसाद उर्फ बाबू आत्मज श्री अर्जुन न्हावा, निवासी रतागड़, तहसील बुरहानपुर, जिला पूर्व निमाड।

(अन्तरक)

 सरदार उपिनदर सिंह सरदार ईश्वर सिंह, जाली मुकाम पोस्ट नेपानगर, मातापुर बाजार, नेपानगर, बुरहानपुर, पूर्व निमाड़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राष्ट्रपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी ... पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उत्तर. अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिः हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा गया है।

भग्स्ची

भूमि जिसका नया न० 50 है जो ग्राम रतागड़ में हिंथत है।

देवप्रिय पन्त, सक्षम अधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षी) अर्जन रेंज, भोपास

तारीख: 6-2-1984

प्ररूप काइ, टी. एन. एस.------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 6 फरवरी, 1984

निर्देश स० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल 4273:——अतः मुझे देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 75,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सख्या प्लाट न० 15. है, तथा जो यशवन्त कालोनी, देवास में स्थित है (ग्रौर इससे उपावड़ अनुसूची में ग्रौर पूर्ण के रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय देवास, में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 का 16) के अधीन, जून, 1983।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए: और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हों, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :---

- 1. श्रीमती सरोज राजबाड़े पित श्री पुरूपोतम राजबाड़े, निवासी बी० एक्स 1, चार इमली, भोगाल। (अन्तरक)
- 2. श्री ब्रिजमोहन नन्दन सिंह पिता श्री गिरवर सिंह, निवासी $\mathbf{\xi} 8/24/4$, चार $\mathbf{\xi} + \mathbf{e} \mathbf{f}$, भोपाल। (अन्तरिती)

को यह गूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों अरि पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनसंची

प्लाट नं॰ 15 जो यणवन्त कालोनी, देवास में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त, सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षी) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 6-2-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

म्रजन रेंज भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 फरवरी, 1984 निर्देज सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/4274:—-ग्रतः मुझे देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या मकान नं० 4/857 है, तथा जो खारा कुंग्रां, उज्जैन में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुमूची में श्रौर पूर्ण के रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, उज्जैन में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 an 16) के अधीन, जून, 1983।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रहें प्रतिशत से अधिक है और एसे अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित है वास्तिक रूप से किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर्/या
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

 श्री गरद कुमार श्रात्मज श्री कन्हैयालाल जी, निवासी महाकल घाटी, उज्जैन

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती गीतादेवी पत्नी श्री कान्तिलाल जैन,
 श्रीमती पुष्पादेवी पत्नी श्री कान्तिलाल जैन,
 निवासी 166, पटनी वाजार, जप्राहर मार्ग, उज्जैन (श्रन्तरिती)

को गह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान का एक भाग जिसका नं० 4/857, है जो नोहल्ला खाराकुन्नां, उज्जैन में स्थित है।

> देव प्रिय पन्स सक्षम श्रधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षी) श्रर्जन रेंज, भोपाल

भतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपनारा (1) अधीन, निम्निलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारीख: 6-2-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

प्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 हा 43) की धारा 269-थु (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर माय्क्त (निरीक्षण)

श्रर्जन क्षेत्र, शोपान

भोपाल, दिनांक 6 फरबरी 1984 सं० म्राई० ए० मी०/ग्रर्जन/भोपाल/4275—अतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

भौर जिसकी संख्या मकान नं० 30 तथा प्लाट नं० 86, 87 है, तथा जो चन्द्रलोक काकोनी, इन्दौर में रियत है (श्रीर इससे उपबद्ध श्रनुसूची में शोर पूर्ण के रूप में विंगत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी क कार्पालय, इन्दौर में, रजिस्ट्री-करण श्रधितियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जून, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंसरित की गई है और मफे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एके स्थामान प्रतिफल का एन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तविक इप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई सिकी आप की बायत उसत अधि-नियम के अभी। जर दार के अन्तरण के तारिस्य में कभी करने या उनसे जसने में शृतिया को लिए; और/मा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीए आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 14) या उथन अधिनियम, रा धनकर अधिनियम, १९६७ १९७६, वा १७० अप्रोजनार्थ अन्तिरिती ह्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, हिल्पाने में सृविधा के तिया)

 श्री मन्तोय कुमारी पत्नी श्री सतीण चन्द्र गुप्ता, निवासी 56, नीलकण्ठ, कालोनी, इन्दौर;

(भ्रन्तरक)

2. श्री रामस्वरूप श्रात्मज श्री नाथमल मैनेजर एवं कर्त्ता एच० यू० एफ० ब्रिजमोहन रामस्वरूप, निवासी नया बाजार, श्रजमेर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं। उक्त संपर्शित के जर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना हो राजगत मो प्रकारन को तारील में 45 दिन नहीं आही। यह नम्बन्धनी वास्त्र में पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी जविध बाद मो समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों। यो में प्रिमी व्यक्तित दुवारा;
- (ख) इस स्वतः के राजपाय भें प्रकाशन की तारीख का 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर भंपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के शरा जिल्ला में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्धों और पर्धों का, जो उन्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, अही वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गणा ही।

अम्स्ची

मकान नं० 30, प्लाट नं० 86-87 है जो चन्द्रलोक कालोनी, इन्द्रीर है।

देवप्रिय पन्त, सक्षम श्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षी) श्रर्जन रेंज, भोपाल

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में. मैं:, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :----

तारीख: 6-2-1984

प्ररूप आईं.टो, एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

ष्ठौर जिसकी संख्या भूमि तथा प्लाट नं० 19 है, तथा डा० ग्रार० एस० भण्डारी मार्ग, इन्दौर में स्थित है, (ग्रौर इससे उपबद्ध ग्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्री करण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जून, 1983

को पूर्विकत सम्पत्ति की उचित बाजार मृल्य से कम के ध्रयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तयिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात्ः—

1 श्री शंकर सिंह श्रात्मज श्री मानसिंह जी ब्राइरेन, निवासी 12, डा० श्रार० एस० भण्डारी, मार्ग, इन्दौर।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती पुष्पादेवी पत्नी श्री मोहनलाल जी गर्ग,
2. डा० लिलत कुमार श्रास्मज श्री मोहनलाल जी गर्ग द्वारा पिता मोहनलाल जी गर्ग, निवासी 49 ए०, इण्डस्ट्रियल इस्टेट, पोली ग्राउण इन्दौर।

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिस द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण : --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

भूमि तथा प्लाट नं० 19 है जो डा० म्रार० एस० भण्डारी मार्ग, इन्दौर में स्थित है।

> देव प्रिय पन्त, सक्षम श्रधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, भोपाल

तारीख: 6-2-1984

प्ररूप आह. दी. एन. एन.-----

शायकार क्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजॅन क्षेत्र, भोषाल

भोपाल, जिनांक 6 फरवरी, 1984

सं० ग्राई० ए० मी०/ग्रर्जन/भोपाल 4277:---ग्रतः मुझे देवप्रिय पन्स,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

भौर जिसकी संख्या भूमि सर्वे नं० 1525/2, है, तथा जो उज्जैन में स्थित है (भौर इससे उपबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण के रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, उज्जैन में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम. 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, जून, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अतिरत की गई है और मूम्से यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्दृश्य से उच्त अन्तरण सिचित में बास्तविक रूप से कांश्रत नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण संहुद्ध किसी बाय की बावत, उपत विभिन्नयम के अधीन कर दाने के जन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधः के सिए; बॉर/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्त्यों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उप्तत अधिनयम, या धन-कर अधिनयम, या धन-कर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनाथ अन्तीरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना बाहिये था, खिपाने में मुविधा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरक कों., मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अभीन, निम्नसिखित व्यक्तिसों, अभीत :---- 1. श्री मनोहर सिंह श्रात्मज श्री नारायण सिंह,
2. ग्रय्यूब ग्रात्म कादरबक्ष 3. मोहन सिंह ग्रात्म न दूरन लाल, 4. ग्रानन्द ग्रात्मज मोहनलाल 5. नरेन्द्र ग्रात्मज राधािकशन जी, निवासी उज्जैन द्वारा मु० ग्राम श्री ग्रानन्द ग्रात्मज मोहनलाल जी, निवासी उज्जैन।

(भ्रन्तरक)

शिक्रप्रान्जली सहकारी गृह निर्माण समिति मर्यादित, उज्जैन द्वारा श्रध्यक्ष श्री बृजबिहारी लाल श्रात्मज रणछोड़प्रसाद माथुर निवासी निकास, उज्जैन। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायवा। ह्या करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई नाक्षेप:---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में सपाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर पूर्वीक्त उच्त स्थावर सम्पर्तित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में किस प्रयाह ।

मन्स्ची

भूमि सर्वे नं० 1525/2 है जो नागर रोड, उज्जैन में स्थित है।

> देव प्रिय पस्त, सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोगःत

तारीआ: 5-2-1984

प्रकृप बार्षं . सी . एवं . एस . ------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- षु (1) को अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज भोपाल भोपाल, दिनांक 6 फरवरी, 1984

सं० श्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/ 4278:---श्रतः मुझे, देवप्रिय पन्तः,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निष्ठास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या भूमि संख्या 362/2, 366/5, है, तथा जो वार्ड नं० 12, बालाघाट में स्थित है (ग्रीर इसमें उपबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण के रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, बालाघाट में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, जून, 1983

को प्रवेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापव कित सम्पन्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (जन्नरितियों) के भीच एमे अन्तरण के लिए नय गया गया इतिफल, निम्नलिबित उददेश्य से उसल अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किया नदीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आय की बाबस उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिल्य में कमी करने या उससे बचने में सृतिधा के लिए; और/या
- (व) ऐसी फिसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हाँ भारतीय आयक्षर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. न्छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भे. में. तक्त अधिनियम की धारा 260-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसिस व्यक्तियों, अर्थात ---- श्री श्ररधेन्द् कुमार दत पिता श्री केशोचन्द दत्त, निवासी कलकत्ता (पिण्चम बंगाल)।

(अन्तरक)

2. 1. श्री रजनीदेवरस पांत श्री डा० विनोद देवरस,
2. तुषार देवरस ना० बा० ग्रात्मज श्री विनोद देवरस, वली मां रजनी देवरस, पति श्री विनोद देवरस निवासी वार्ड नं० 12, बालाघाट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र भें प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो. के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 जिन के भीतर उकत स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के वास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकिरणः---इसमाँ प्रयक्त शब्दी और पर्वो का, **भी उक्छ** अधिनियम के अभ्याय १०-क माँ परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसुधी

भूमि, जो वार्ड नं० 12, बालाघाट में स्थित है जिसका खमरा नम्बर 362/2, 366/5 है।

देव प्रिय पन्त, सक्षम ग्रिधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 6-2-1984

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस. ----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयं, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 6 फरवरी, 1984 सं० ग्राई० ए० मी०/ग्रर्जन/भोपाल 4280:—-ग्रतः मुझे देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त कांधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विष्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्ल्य 25,000/- से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या भूमि खसरा नं० 174, 175, 176, 185, 184/1, 174, 175, 176, 185/174/4, 177/4, 177/1, तथा जो ग्राम मालीखेष्टी, तहसील हुजूर, जिला भोपाल में स्थित है (ग्रौर इससे उपबद्ध ग्रनुसूचो में ग्रौर पूर्ण के रूप में बर्णित है), राजिस्ट्रीकर्ना श्रिधकारी के कार्यालय, भोपाल में, राजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, जून, 1983

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित नाजर मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल क, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथ्त नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दाने के अतरण के दायित्व में कभी करन या उसस बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए।

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अन्सरक को, की, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निनिषत व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्री गुरूबचन सिंह भ्रात्मज श्री ऋषि सिंह, निवासी मालीखेड़ी. तहसील हुजूर, जिला भोपाल। (भ्रन्तरक)
- 2. 1. सरदार राजेन्द्र सिंह म्रात्मज सरदार दयालसिंह,
 2. सतनाम कौर पत्नी राजेन्द्र सिंह, 3. मनेन्द्रसिंह
 म्रात्मज श्र राजेन्द्र सिंह, 4. हरेन्द्र सिंह म्रात्मज
 सरदार राजेन्द्र सिंह, निवासी हमीदिया रोड, भोपाल
 (म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियों करता हूं।

उन्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई वाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन की अर्वाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्थित बुवारा;
- (स) इस स्प्रना के राजण्य में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य क्यक्ति व्वाग अभाहस्ताक्षरी के पासृ लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का. जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि खसरा नं० 174, 175, 176, 185/174/1, 174, 175, 176, 185/174/1, 174/4, 175, 176, 185/174, 177/1, 177/4 है जो ग्राम मालीखेड़ो, तहसील हुंजूर भोपाल में स्थित है।

देव प्रिय पन्स, सक्षम गाधिकारी, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 6-2-1984

प्ररूप आइरं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 फरवरी, 1984 निर्देश सं० स्नाई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल 4279:—-म्रतः मुझे देवप्रिय पन्त.

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/~ रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या भूमि खसरा नं० 174, 175, 176, 185|174|1, 174, 175, 176, 185|174|4, 177|1, 177|4, है, तथा जो मालीखेड़ी, तहसील हुजूर जिला भोपाल में स्थित है, (श्रौर इससे उपबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण के रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, भोपाल में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, जूलाई, 1983।

को पृश्वित सम्पतित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापृश्वेवत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एस दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अतिरितियों) के बीच एसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रातफल निम्नितिसित उद्दश्य से उक्त बतरण निचित में बास्तविक रूप से किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावता, उक्त कांभिनियम के अधीन कर दाने के अतरक के दाायत्व में कमी करने या उससे वचन म स्विधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अतिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में स्विभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निर्लिखत व्यक्तियों, अधीर :--

- श्री गुरू क्षित सिंह आत्मज श्री सरदार ऋषि सिंह, निवासी मालीखेड़ी, तहसील हुजूर, जिला भोताल। (अन्तरक)
- 2. 1. सरदार हरजीत सिंह, श्रात्मज सरदार सुल्तान सिंह, 2. श्रीमती सुरजीत सिंह कौर पत्नी सरदार हरजीत सिंह, 3. इन्द्रपाल सिंह, 4. हरजिन्दर पाल सिंह, निवासी हमीदिया रोड, भोपाल।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख दें 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियां;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीगे।

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रय्क्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनमञ्ची

भूमि खप्तरा नं० 174, 175, 176, 185/174/1, 174/175, 176, 185/174, 177/1, 177/4 है जो ग्राम मालीखेड़ी, नहसील हुजूर जिला भोपाल में स्थित है।

देवप्रिय पन्त; सक्षम भ्रधिकारी, सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज भोपाल

सारीख: 7-2-1984

प्ररूप अ।इ. टी. एन. एस.------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 जनवरी, 1984

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल/ 4281:——म्रत: मुझे देवप्रिय पन्त,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या भूमि सर्वे नं 1525/2, है, तथा जो , उज्जैन में स्थित है (श्रीर इससे उपबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण के रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय उज्जैन, में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जुलाई, 1983

को प्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एस द्रश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्ति रितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिस्त उद्देषय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात् :---- श्री मनोहर सिंह पिता नारायण सिंह 2. श्रम्पूर पिता कावर कक्ष निवासी उज्जैन निकास 3. मोहन सिंह पिता पूरणलाल निवासी माधवनगर 4. नरेन्द्र पिता राधािकशन निवासी चिमनगंज मण्डी, 5. श्रामन्द पिता मोहनलाल जी निवासो घोगंज, उज्जैन खुद व बसियत मु० श्राम।

(अन्तरक)

2. श्री क्षिप्राजली सहकारी गृह निर्माण समिति तर्यादित उज्जैन द्वारा श्रध्यक्ष बृज बिहारीजाल पिता रणछोड़ प्रसाद व माथुर निवासी निकास उज्जन।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिमा करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयक्त शब्दा और पदों का, जो उनत अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि सर्वे० नं० 1525/2, श्रागर रोड, उज्जैन में स्थित हैं।

देव प्रिय पन्स, सक्षम श्रिष्ठिकारी, निरीक्षी सहायक श्रायकर श्रायुक्त ग्रर्जन रेंज, भोपाल।

तारीख: 27-1-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

साथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, भोगाल

भोगल दिनांक 27 जनवरी 1984

निर्देश सं० आई० ए० मी०/अर्जन/भोपाल/4282--अतः मुझे, देवप्रिय पन्त

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके दश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)., की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जित्तको सं० भूमि सर्वे नं० 1525/2 है, तथा जा एल मैन में स्थित है (और इत्ये उपाबद्ध अनुसूच में और पूर्णस्प से विजित है), रिजिल्ड एनी अधिदार, के वासांद्य, उष्णान में रिजिल्ड्स करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई, 1983

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य समके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उचत अन्तरण निचित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; आर/या
- (का) एमे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वार प्रकट नहीं किसा गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मनोहर िह,
पिता नारायण सिंह,
2. अध्युव,
पिता कादर बख्या,
निवासी निकास,
3. मोहन सिंह,
पिता पूरणनाल,
निवास:-माधवनगर,
4. नरेन्द्र,
पिता राधाकियन,
निवास:-चिमनगंज मंडी, अस्नंद,
पिता मोहालाल,
निवास:-फ.गंज,
उज्जैन,
वहै जियत ख्द व मुक्त्यार आम.

(अन्तरक)

(2) क्षिप्रांजलो सहहारी गृह निर्माण समिति, मयौदित उज्जैन, द्वारा अध्यक्ष, बृजबिहार.लाल, पिता रगळोर्न प्रसाद माथुर, निजसा-निकास.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अजन क लिए कार्यवाही शुरू करता हु।

ं उक्त सम्पक्ति क अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सवधी व्यक्तियो पर प्रसूचना की तामीज से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोक रण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्तें अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

भ मि सर्वे नं । 525/2, आगर रोड, उज्जन में स्थित हैं।

वेत्रप्रिय पन्स सक्षम प्राधिहारी निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जेत रेंज, भोपाल गंगोत्री बिहिंडण, चौथो मंजिल, टो॰ टो॰ नगर, भोपाल.

तारीखः: 27/1/84

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपालः

भोपाल, दिनाक 27 जनवरी 1984.

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4214--अत: मुझे, देवप्रिय पन्त

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिनको सं० भूमि सर्वे नं. 1525/2 है, तथा जो उज्जीन में स्थित है (और इतमे उपाबद्ध अनुरूच में और पूर्णका से बात है), रजिस्ट्रो तो अधि तरी के दार्यालय, उज्जीन में रजिस्ट्रोवरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधोन जलाई 83

को प्योक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त संपत्ति का उचित्र बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिक्त उद्देश्य से उपत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उनत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के. अनमरण में, मैं, उक्त अधिनामं की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीम, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ——

- (1) श्री भनोहर सिंह,
 पिता नारीयण सिंह,
 प्र अयपुत्र,
 पिता कादर बख्या, निवासी-निकास,
 अ मोहन सिंह,
 पिता पूरणलाल,
 निजासी-साधवनगर,
 पे नरेन्द्र,
 पिता राधारिणन,
 निवासी चिमनगंत मद्री,
 अ नंद,
 पिता मोह लाल, निवासी-फ्रीगज,
 उन्जीन, बहैनियल खुद व मुखनगर आम ।
 (अन्हरू)
- (2) क्षित्रोजनी सहरारी गृह निर्माण सहरारा समिति मयौदित उज्जैन, हारा अध्यक्ष, श्रा बृजीबहारीलाल, पिया श्रा रणछोज प्रसाद माथ्य. निरासा-निकाम उज्जैन

ः (अर्ट्सरतो)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोक्त संपत्ति के अर्जन क लिए कार्यवाहियां करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावाा संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:--इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम. के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

भूमि सर्वे तं० 1525/2, आगर रोज, उज्जन से स्थितः है।

दत्रिय पस्त सक्षम प्राधिकारी निरोक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज, भोपाल गंगोत्री बिल्डिंग, चौथो मंजिल, टी० टो० नगर, भोपाल.

तारीख: 27/1/84. मोहर. प्ररूप काई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आथकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, भोताला

भोरतल दिनांत 28 जनवरी, 1984

तिर्देग संवक्षाई० ए० मीव/अर्तत/भीषाल/4284--अतः गुझा, देशप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पञ्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक ही

और जिस्की संव मानान नंबर 30, 31 है, तथा जो अनूप नगर, इन्दौर में स्थित है (और इसमें उप बद्ध अनुरूची में औरपूर्णस्प से विणा है), रिजिस्ट्रीलर्सा अधिकारा के बार्यालय, इन्दौर में रिजिस्ट्रीलरण अधिनियम, 1908 (1908 बा 16) के अधीन 27 जुनाई, 1983

का पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूर्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके रूर्यमान प्रतिफल से, एमे रूप्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमे अन्तरण के लिए स्थ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है: :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शासत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दीने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा को सिए; और/या
- (क) एसे किसी आय या किसी एन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने गें सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनमण्ण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) श्रा मिहिर चौधरो पिता स्व० श्रा महेन्द्र चौधरी, निषास:-142, फड्नास कालोनी, इन्दौर ।

(अस्तरक)

(2) अनिल कुमार भगत पिता मोहतलाल भगत, निभासे:-30, 31, अनूप नगर, इन्दौर ।

(अन्तरिसी)

को यह मुचना जारो करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पर्िक के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजण्त्र में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोक्ष्म्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमे प्रयुक्त कर्ज्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁴, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

अनूर नगर, इन्दौर स्थित महान नम्बर 30, 31 का ्र

देवप्रियं पत्स सक्षम प्राधिकरो सहायक आयकर आयुक्त (िरीक्षण) अजीत रेंज, भीताल गंगोबी विल्डिंग, चौथो मंजिल, दी० टो० नगर, भीताल।

तारीख: 28-1-1984

प्रकल महिंु टींु एस ् पुर्व ु व व व व≝्त

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-य (1) के मधीन स्वाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल.

भोपाल: दिनांक 27 जनवरी 84

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4232— अत: मुझे, देवप्रिय पन्त मायकर मिपिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ...े परचात् 'उक्त मिपिनयम' कहा गया है), की धारा 269-च के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित दाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० मकान नंबर 14, है, तथा जो चौथमल कालोनी, इन्दौर में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 16) के अधीन 6 जून, 83.

ंगे पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
तिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
तिशात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती
(अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
ं वास्तिक रूप से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे सचने में सृविधा के लिए; जौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सुविधा के लिए:

कतः कव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण हैं, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) है अधीन, निम्निसिश्चित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीः असबीर सिंह, पिता श्री अमर सिंहर्जा छाबङ्ग, निवासी-चौथमल कालोनी, इन्दौर.
- (2) श्री सरदार गुरुचरण सिंह. पिता श्री अमरसिंहजी, निवासी-चौथमल कालोनी, इन्दौर ।

(अन्तरक)

(3) श्री रामचन्द्र,
2. श्री श्रीनिवास,
पिता श्री नारायणजी,
3. श्री प्राद,
पिता श्री श्रोनिवास,
4. श्री कन्हैयालाल,
पिता श्री श्रानिवासजी,
निवास -लोघीपुरा,
नंबर 59/2,
इन्दौर,
5. जगशवीचन्द्र,
पिता श्री मदनलाल,
निवासी-लोधीपुरा,

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अक्षेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

अनुसूची

मकान नंबर 14, चौथमल कालोनी, इन्दौर में स्थित है। (मेकान का एक भाग)

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी (निरोक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज, भोपाल) गगोत्नी बिल्डिंग, चौथी मंजिल, टी० टी० नगर, भोपाल

तारीख: 27/1/84.

मोहर :

、お、清護7

26-486GI]83

प्ररूप भाइं. टी. एन. एस.----

मायकरु अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकार आयक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, भोपाल

> भोपाल दिनांक, 28 जनवरी 1984.

निर्देश सं० आई० ए० आर०/अर्जन/भोपाल/4233---अत: मुझे, देवप्रिय पन्त

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परमात् 'जकत् अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000∕- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० मकान, म्यु० नं० 11/56 है, तथा जो विशाजी मेंशन की गली, (फीगंज) रोज, रतलाम,

में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रतलाम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून 1983

को पर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मत्य से कम के एश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे ध्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय् पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के क्षायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (इ.) एंसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सर्विधा क्रे लिए:

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 2,69-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नतिश्वित स्युक्तियों, अर्थाल् :---

(1) श्री रतनलाल, पिता श्री रेवजमलजी जैन, निवासी-जावरा रोज. रतलाम ।

(अन्तरक)

(2) सेसर्स आर० आर० खान, जावरा रोज के पार्टनर, 1. मोहम्मद खान, रसीद खान, पिता मजान खां, 3. मरियम बाई, पति मजान काजी, 4. मुन्नी पति महमूद खाजी, गद्दी पठान, जावरा रोड, रतलाम ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भ। अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन करे भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

ल्पकीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है:

अनुसूची

11/56, विशाजी मेंशन की गली, मकान म्मू० नं० रतलाम में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी (निरी) क्षण सहायक आयकर आय्क्त अर्जन रेंज, भोपाल) गंगोत्नी बिल्डिंग, चौथी मंजिल, टीं० टी० नगर, भोपाल.

तारीख: 28/1/84

सोहर 🚁

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 28 जनवरी 1684.

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4234— तः, मुभ्ने, वेवप्रिय पन्त,

....र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ...) परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 69-ख के अधीन सक्षम् प्राधिकारी को यह विश्वास करने का .ण है कि स्थावर संपित्त, जिसका उचित बाजार मृस्य 5,000/- रु. से अधिक है

त्रौर जिसकी सं० ख० भूमि नं० 592 है, तथा जो ग्राम बडद जिला सनाबद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची मं ग्रौर पूर्णस्प से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के अधीलया, सनाबद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधील 15 जून 83-

ते पूर्वोक्स संपरित के उचित बाजार मृत्य सं कम के दश्यमान तिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास रने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार म्, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का न्यू प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित न्तिरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया तिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में स्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्सियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण , में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) अधीन, निम्निजिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मेसर्स राजन्द्र सिंह रणधीर सिंह भारत मिल्स सिमि० न० 50 बजाज खाना, इन्दौर द्वारा, श्री श्रांवर सिंह, आत्मज मोतीलालजी भंडारी, वेयरमेन बोर्ड आफ डायरेक्टर्स.

(अन्तरक)

(2) 1. श्री सुभाष चंव, पिता देवराम, 2. श्रीमती प्रेमलताबाई, पति बेणीरामंजी, 3. नर्मदाबाई, पति श्री स्रोमप्रकाण, सभी निवासी- भूवानी मार्ग, सनावद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्मध्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि खा० नं० 592, हल्का न० 39 ग्राम बजद, सेवावढ़ म स्थित जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित है। (कुंआ पम्प हाउस व वृक्ष सहित)

> वेविशय पन्त सक्षम प्राधिकारीं सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मंजिल, टो. टी. नगर, भोपाल

तारीख: 28/1/1984

प्ररूप बार्ड्ः टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्चना

भारत सरुकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, भोपाल

भोपाल, विनांक 28 जनवरी 1984

निर्देश मं० आई० ए० सी०/अर्ज/भोपाल/4235—अतः मुझे, देवप्रिय पन्त भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा से अधिक हैं और जिसकी सं० प्लाट खं० नं० 170/5, है, तथा जो बिस्टान रोड खरगोत में स्थित है (और इससे उपाबद

बिस्टान रोड़, खरगोत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचों में और पूर्णरूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खरगोन में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून 83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण ते हुई किसी आय की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिख व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री बाबू खां, पिता श्री गुलाब खां पटान, निवासी-खरगोन ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मालती बाई, पति श्री दाऊलाल सर्गफ. निवासी-माहेश्वर ।

(अन्त(रतीः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लि-कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो जविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ... 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी . पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टिकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

्लाट, ख॰ नं॰ 170/5, बिस्टान रोड़, खरगोन में स्थित है। जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित है।

> देवप्रिय प . सक्षम प्राधिकार महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्रज, भोपार गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मंजिल, टी. टी. नगर, भोपार

नारीख: 28/1/84.

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जनरिज, भोपाल

भोपाल, विनांक 28 जनवरी 1981

निर्वेश सं० आई० ए० मी०/अर्जन/भीपाल/4236---अतः मुझे, देविप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/न्यः से अधिक हैं

और जिसकी सं० प्लाट कमांक 20 है, तथा जो गजरा गियसं डा० सो० मोती बंगला क्षेत्र, देवास में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्गरूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देवास में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30 जन, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृश्वित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्न्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ अर्थात् :--- (1) प्रभारी अधिकारी, गजरा गियसं कोआपरेटिव, हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, देवास.।

(अन्तरक)

(2) प्रदीप कुमार. पिता श्री चांदमजजी मेहतः निवासी-देवासः।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट ऋगांक 20, गजरा गियर्स हार्जीसग सोसायटी मोती बंगला क्षेत्र, देवास में स्थित है।

> वेवप्रिय पन्स सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मीजिल, टी. टी. नगर, भोपाल

तारीख: 28/1/84.

प्ररूप नार्षं. टी. एन. एस.-----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जनर्ज, भोपाल

भोगाल, दिनांक 28 जनवरी 1984

निर्देण सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4237---अतः मुभ्ने, देवप्रिय पन्त,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन रक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

औय जिसकी सं० खेत ख० नं० 1059 है, तथा जो ग्राम शाहपुर में स्थित है (और इससे उनाबद्ध अनुसूची में और पूर्णका से बांगत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बुरहानपुर में रिजिस्ट्रीकाण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून 83.

को प्वोंक्त संपरित् के उचित याजार मृल्य से कम के रहियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ये यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित याजार मृल्य, उसके रहियमान प्रतिफल से, एसे रहियमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पादा गया प्रतिकल निम्निलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण विखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थं अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उकत अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) 1 श्री से० रफी उद्दीत,
2 श्री से० गासिन्दीत,
3 से० अभी सुद्दीत,
वलद सै० नसी रूद्दीत पीरजादा,
निवासी खानगा नगर,
व सह० बुरहातपुर,
5 पीरजादी बेगम जोजे भणद उर्र रहमात,
पीरजादा निवासी-मंडी वाजार,
तह० बुरहातपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री मधूकर,
2 श्री दत्तू,
वर्फद तोमारगम पाटिल,
निवासी-दापीरा,
तंह० बुरबानपूर.

(अन्तंरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे किंद व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा स्केंगे।

स्पष्टीकरणः --- ६समें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त स्पिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह्री, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में दिया क्वा है।

अम्स्ची

धूमि ख० नं० 1059, ग्राम शाहपुर तह० बुरहानपुर में स्थित हैं। जिसका संपूर्ण विवरण फार्म नं० 37 जी मैं निहित है।

> दोवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्रण, गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मंजिल, टी. टी. नगर, भोपाल

तारीख: 28/1/84

मोहर :

प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस.

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन भूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जान रेज, भोपाल

भोपाल दिनांक 28 नवरी 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4238----अतः मुझे, देवप्रिय पन्त

शायकर श्रीभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित., जिसका उचित बाजार मृस्य 25 000/ रा. से श्रीभक है

औय जिसकी सं० भूमि जिसका तया 151 है, तथा जो ग्राम अमागिर्द तह० बुरहामपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णक्प में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बुरहानपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिचित में बास्तियक रूप से कथिस नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई फिमी नाय की वावत, उक्त श्रीधीनयत के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अपने में सुविधा के सिष्ट व्यक्तिया
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ उन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिदाने में सुविधा के लिए;

सतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को सधीन, निस्निलिखित व्यक्तिस्त्रयों अर्थात्—ः (1) श्री नत्यू सिंह, आत्म श्री हनुमान सिंह क्षत्रिय, निवासी-अमागिर्द, तह० ब्रहानपुर.

(अन्तरक)

- (2) श्री मोहम्मद असगर एंड बदर्स, प्रो० भारत टाकीज, बुरहानपुर के भागीदार,
 - 1. मोहम्मद असगर,
 - 2 फखरूहीन,
 - . 3 मोहम्भद अब्तर,
 - मोहम्मद अजहर,
 - कोहम्मद अतहर,
 पिता अली मोमंद सोडावाला,
 खैराती बाजार,
 बुरहानपुर.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन की अविध्या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध्या भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवांकित स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर संपरित में हितबक्ष किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, त्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम,, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि, जिसका नया नंबर 151 है। ग्राम अमागिर्द तहसील बुरहानपुर में स्थित है। जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा मत्यापित फार्म नं० 37 जी में निहित है।

> अर्जन र्जज, अंगलूर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, भोपान गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मंजिल, टी टी हंगर, भोपान

मारीख: 28-1-1984

मोहर ३

त्ररूप आर्च.टी.एन.एस.-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 मा 43) की

भारा 269-च (1) के अभीन सुचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल दिनांक 28 सितम्बर, 1983.

निर्देश सं० सी० ए० 5/37-/83-84ईई—अतः मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,

स्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

औय जिसकी सं० फ्लैट नंबर 408, डेकन टावर्स, 14, शोलपूर बाजार, पूना-1 है तथा जी पूना-1 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मैं और पूर्णरूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक अगयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज पूना में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1983.

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके रुश्यमान प्रतिफल से ऐसे रुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीध ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्षत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी कारने या उपमे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैसर्म यू० जे० खबी एन्ड एमोसिएट्स.
628.
खन्नी टाऊस,
13 रोड,
खार (बेस्ट)
बंबई-400057.

(अन्तरक)

(2) प्रो० प्रकाण चंद्रकियोर परदेशी, 563, रविवार पेठ, पूना-2,

(अन्सरिती)

(3) मास्टर सिद्धनाथ प्रकाण परदेशी. 563, रविवार पेठ. पूना-2.

> (यह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

जनत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर हम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिसित में किए जा सकर्ग।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लैट नंबर 408, डेकन टावर्स, 14, शोक्षापुर वाजार, पूना-1 (जैसे को रिजस्ट्रीकृत नं० 204/37-ईई/83-84 तारोख 20-4-1983 को सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा है।

णणिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारोख: 28-9-1988

प्रकृप बाहै . टी., एत . एव .-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन मुखना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना दिनांक 10 जनवरी 1984

निर्देश सं० सी० ए० 5/379/1071/83-84——अतः ु.ो, गशिकांत कुलकर्णी,

ग्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें 33 पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा .69-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का .. रण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य :5,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० आर० एस० नं० 321/4 फकीरवाडा भिगार विलेज अहमदनगर है तथा जो अहमदनगर में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्णक्ष्य से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दुय्यम निबंधक अहमदनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख 11-7-83

गे पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान तिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभो यह विद्यास उने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार ..., उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का ..., प्रतिदात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्ल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-... रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी अन या अन्य आस्तियाँ करं, जिल्हें भाजनीय अध्य-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए;

अत: अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) क्ष्मीप, निम्निलियत व्यक्तियों, अर्थात् :---- 27—4866!83

(1) श्री आर० जी० गाइ.और अन्य,फकीरवाडा,अहमदनगर,

(अन्सरक)

(2) मैंसर्स गजानन कोआप्रेटिव, हाउसिंग सोसायटी, मर्यादित—चेथरमेन, श्री णरद मनसुखलाल मुथा. मातिक नगर, नगर पूना रोड-अहमदनगर.

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोंक्त संस्पीत्त के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यख्यीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जभिनियम, के अभ्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया जवा हैं।

अम्स् ची

आर० एस० नं० 321/4 फकीरवाडा भिगार विलेख अहमदनगर (जैसी की रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 2059 जो तारीख 11/7/83 को दुय्यम निबंधक अहमदनगर के दफ्तर में लिखा है।)

शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीखा: 10-1-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पुना, दिनांक 10 जनवरी 1984

निर्देण मं० मी० ए० 537जी/1072/83-84——अतः : मुझे, शक्षिकांत कुलकर्णी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000 '- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० मौजे भिगारता० नगर जि० अहमदनगर है तथा जो अहमदनगर में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णक्ष में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दुय्यम निबंधक अहमदनगर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 11-7-1983

का पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपयान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह दिख्यास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिषात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे अचने में सृविभा के निए:
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री रंगनाथ गणपत गाडे और अन्यः फकीरवाडा, अहमदनगरः

(अन्तरक)

(2) मैससं गजानन को० आ० हाउसिंग सोसायटी मर्यादित—चेयरमेन, श्री शरद मनमुखलाल मुथा, मानिक नगर, अहमदनगर.

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं ।

उक्त सम्पन्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप '---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भील अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस राजना कं राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास जिला में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मीं परिभाषित-हों, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय मीं दिया गया हो।

अन्सूची

सव नं० 321/4 मौजे भिगार ता० अहमदनगर जि० अहमदनगर (जैसी कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 2058 जो तारीख 11-7-83 को दुय्यम निबंधक अहमदनगर के दफ्तर मैं लिखा है।)

णणिकांत कुलकर्णी) सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निर्राक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 10-1-84

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 23 जनवरी 1684

निर्देश सं[ु]सो० ए० 5/37-6/83-84—-यन: मुझे,

शशिकांत कुलकर्णी,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

अौर जिसकी सं० सर्वे नं० 57 हिस्सा नं० 2 ए + 4 बी है तथा जो गजबंधन पाथाली ता० कल्याण जि० थाना में "रिश्यत है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दुय्यम निबंधक कल्याण में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुन 1983

आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री किया है को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दाने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बचने में समिधा के लिए; और/या
- (स) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के धयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अयः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :— (1) मैसर्स आर्य कन्स्ट्रवशन कंपनी,
 5, आपंदीप,
 कोपर रोड,
 डोंबवली (वेस्ट),
 जिला थाना,

(अन्तरक)

(2) गोत गोविंद कोआपरेटिव सोसायटी लि०, रामवाडी कालोनी, मानपाडा रोड, ट्रेनेवली (ईस्ट), जिता थाना,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाध्नेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- अष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो सक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

जमीन और इमल जो सर्वे नं० 57 हिस्सा नंबर 2ए + 1वो, गाव गजबंधन, पार्थीन जिला थाना में हैं। क्षेत्र-इमन-873.54 स्क्षे० मोटर्स/जमीन-576 स्क्षे० यार्डस । (जैसे कि र्राजस्ट्रीकृत नंबर 213/1183 ना० 7/6/83 को दुय्यम निबंधक, कल्याण के दफ्तर में लिखा है।)

> शणिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 23-1-84

मोहर 🌼

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 24 जनवरी 1984

निर्देश सं० सी० ए० 5/37-6/1069/83-84—अतः मुझे, गशिकांत कुलकर्णी,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-श्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपीत्त, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फाईनल प्लाट नं० 69 टीं० पी० एस० नं० 1, आर० एस० नं० 118/1ए/1 है तथा जो लेनावल जिला पूना में स्थित है (और इससे उपाबड़ अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दुग्यम निबंधक, बंबई में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 20/7/83

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रिटफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अधित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय का बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियीं को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ते अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री লিলিব मोहन बिजलनी, और अन्य, अलीबाबा, 16 रोड, सांताऋूज (बेस्ट), बंबई-400054.

(अन्तरकः)

(2) एन० एस० पाठारे.
 और अन्य,
 18,
 युग प्रमाण,
 सिनलदेवी मंदिर के पीछे.
 माहिम,
 बंबई-400050.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लि कार्यवाहियां करता ह**ृ**।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख . 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों प सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो ं अविध बाद मो समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मो से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ह 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध िकसी अन्य व्यक्ति द्वारः अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए था सकींगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त कब्दों और पवाँका, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विस गया है।

अनुस्ची

जमीन जो फाईनल फ्लैट नं० 69, टी० पी० एस० नं० 1, आए० एस० नं० 118/1ए/1 लेनावल जिला पूना में हैं। क्षेत्र-5936 स्क्वे० मीटर्स।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नंत्रर 2644/ता 20/7/83 को दुय्यम निबंधक, बंबई के दफ्तर में लिखा है।)

> णणिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख . 24/1/84

प्रकृप भार्च . टी. एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 20 दिसम्बर 1983

निर्देश सं० 5/1050/83-84---यत: मुझे, ग्राणिकांस कुलकर्णी,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है, की धारण् 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रुः से अधिक है

और जिसकी संख्या जमीन सर्वे नं० $717/\overline{a}1/10/1-0.00/11$ प्याट नं० 11/4 टी० पी० नासिक है तथा जो नासिक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दुय्यम निबंधक नासिक में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अर्थीन 2/6/83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए हय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

(1) मैसर्स पुणिमा विल्डर्स, श्री ए० आर० शर्मा, (पार्टनर), ''मुमती सोसायटी शरगपुर रोड, नासिक ।

(अन्तरक)

(2) श्री सी० एन० करयारे चेयरमेन,
अरहित कोआपरेटिब हाउसिंग सोसायटी,
द्वारा कारखानीस,
फेगडे-एडनकर,
आक्टिक्ट,
'तारा निवास',
नासिक,।

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित् के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

नगुसूची

> र्शाशकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

नारीख: 20/12/83₀

मोहर 🕄

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के प्रधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 29 नवम्बर 1983

निर्देश मं० मी० ए०-5/1043/83-84--यतः मुझे, णणिकांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं),, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह त्रिश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- एउ. में अधिक हैं

और जिसकी सं० सर्वे तं० 955-वी मुंबई अगरा रोड-नासिक. है तथा जो नासिक में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णक्ष्य से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यात्व, दुश्पम विवेदक नासिक में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अवीन, नारीख 29/6/83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान पितफल सं, एमें द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात में अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्युविश्य से उन्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुएं जिसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दीने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एंगो । कसा आय यर किसी धन या अन्य बास्तिया को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिणाने में मूर्विधा की लिए।

अत: अब, उन्नत अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मो उन्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात्:— सर्वश्री

(1) 1. मथुरादास पुरुषोत्तम भाटिया,
2 प्रतापिसह पुरूषोत्तम भाटिया,
3. नारनदास पुरूषोत्तम भाटिया,
4. श्रीमती कोकिला जे० खटाव,
5. श्रीमती मीना राम खटाव,
6. श्री जमाल खटाव भाटिया,
19-21,
दलाल स्ट्रीट,
मंग्रई-400023

(अन्तरक)

(2) श्रो हितेण रामजी झवेरी, पांजरा पोल पंचवटी, नासिक-422003

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, फो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नासिक सर्वे नं० 955-बी नवीन आगरा रोड-नासिक। (जैसी की रिजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2574/83 जो तारीख 29/6/83 को दुष्यम निबंधक नासिक के दफ्तर में लिखा है।)

> शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 29-11-1983

अरूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 7 दिसम्बर 1983

निर्देण मं० सी० ए०-5/37-जी/83-84---यत: मुझे, शशिकांत शुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० जमीन सर्वे गं० 955/ए-1, और 955-6 क्षेत्र-14844-13 स्क्वे० मीटर्स तथा जो नासिक में स्थित है (और इसके उपाधद्ध अनुन्ची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दुय्यम निबंधक नासिक में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29/6/83

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उपत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 19(7 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, अक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:----

- (1) 1 श्री मथुरादाम पी० पाटिया,
 - 2 श्री पो० पी० भाटिया.
 - 3. श्री एन० पी० भाटिया,
 - 4 श्रीमती के० जी० खातू,
 - 5 श्रीमती एम० एम० खातू,
 - 6 जै० के० भाटिया.

1921,

दलाल स्दीट.

बाम्बे-23.

(अन्तरक)

(2) श्री रामजी प्रत्मजी क्षयेरी, पांजरा पांच पांचवरी नासिक-3.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्पाक्षरी के पास लिखित में कियं जा सकरें।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

क्षेत्र सर्वे नं० 955-ए/1 और 955-सी क्षेत्र 14844.13 स्कवे० मीटर्स न्य आगरा रोड नासिक।

(जैसाकि रजिस्ट्रीइन विलेख नं० 2573 जो तारीख 29/6/83 को दुय्यम निबंधक नासिक के दफ्तर में लिखा है।)

> णिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जेन रेंज, पुना

तारीख: 7/12/84

प्ररूप माई.टी.एन.एस.-----

भावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के अभीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 5 दिसम्बर 1983

निर्देश सं० भी० ए०-5/1037/83-84—यत: मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से निधक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 28 और 29 गट नं० 76, मीजे सम्बन्द इच्छाकलरंजी, कोलापुर है तथा जो कबनूर में स्थित है (और इससे उपाबड अनुसूची में और पूर्णरूप में बर्णित है), र्राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यलय, दुय्यम निबंधक इच्छाकलरंजी में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 2/6/83.

को पूर्वोक्त संपित्स के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपित्स का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि चिचत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की आबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रश्चेत्रनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या विका जाना चाहिए ना, जिपाने में सुनिधा के विक:

अत: उब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निशिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मैसर्स विवेणी सायसर्स भागीदार चेसन कुमार मदनलाल दोशी. मुभाष मदनलाल दोशी, सुरेशचंद्र मदनलाल दोशी, वार्ड नं० 10, मकान नं० 522, इच्छालकरान्जी,

(अन्तरक)

- (2) मैंसर्स कल्पातारू सायसर्स, भागीदार 1 श्रीधर तुकाराम लांडगे,
 - महादेव नागाप्पा बाकीफड़ी,
 - निवृती कृष्णाजी गवगले,
 - बाबु आबाजी लांडणे,
 - बाल कृष्ण निजलिग थोंबरे,
 - 6. पबरंग निजलिंग थोंबर,

वार्डनं० 9,

जवाहर नगर,

इच्छालकरंजी, जि० कोलापुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथेक्ति सम्परित के अर्जन के शिल् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि अवधि में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थितरों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्वित- विकास किसी जन्य स्थावत द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सकोंगे।

स्पष्टिकरण् :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अभिनित्रम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस मध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

फ्लैट नं० 28 और 29 गट नं० 76 मौजे कबनूर इचल करंजी जिला कोल्हापुर.

(जैसा कि रजिस्ट्रोइन्त विलेख नं० 1751 ओ तारीख 2/6/83 को दुय्यम निबंधक इचल करंजी के आफिस में लिखा है)

> णणिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी (सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

नारीख: 5/12/83

मोहर 🗓

प्ररूप मार्डं, टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयकर (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुना

पूना, दिनांक 20 दिसम्बर 1983

तिर्देश मं० मी० ए०-5/37-99/425/83-84—यतः मुझे, शशिकात कुलकर्णी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास कार्क कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मन्य

25,000/- रह. से अधिक **ह**ै

अगर जिसकी सं पलैट नं 106, पहली मंजिल, मित्तल अगर्टमेंटम् है तथा जो थाना में स्थित है (और इससे उपाइद्ध अनुमूर्च में और पूर्णक्ष्य में क्षणित है), रिजस्ट्रेंट्र कर्ता अधिकारी के लार्यालय, सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-पूना में, रिजस्ट्रेंकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अर्थान, तरिख 8/7/83. को पूर्वें कित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वें क्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तरह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (का) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिता में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (का) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधिन जिम्मिनिवित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 28~486GI83

(1) मैसर्स श्री ट्रेडिंग कार्पेरिशन.
 मितल टावर्स,
 16 मंजिल,
 वी वींग,
 নरोभन पाईंट,
 वंबई-400021.

(अन्यस्का)

(2) जे० एस० फर्नांडिस, और अन्य, 3/20, गीता मोसायटी, जेशाली बाग रोड, थाने-400601.

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील में 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया. गया हैं।

श्रम्भी

पलैट नंऽ 106, मित्तल अपार्टमेंटम्, ए थाने। क्षेत्र 560 स्क्वे० फीट।

जैसाक्षि रजिस्ट्रीकृत नंबर 37ईई/याने/83-84 ता० 8/7/83 को सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।

> शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुता

तारीखा: 20/12/19**8**3-

प्ररूप नार्षः दी . एन . एस . -----

ग्रायकर मिविनियम, 1961 (1981 का 43) की घारा 289-च(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 12 जनवरी 1984

निर्देश सं० सी० ए० 5-37-99/424-83-84---अत: मुझो, शशिकांत कुलवाणीं,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विकास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसको मं० फ्लैंट नं० 1, मी० टी० एस० नं० 1983 सं० नं० 83, हिस्सा नं० 17/7/1है तथा जो पर्वती, पूर्तों स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्णरूप से बणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के दार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में, रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई 1983

करे पूर्वोंका सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल् के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने फा कारण है कि यथापूर्वोंकर सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके ध्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रित्यात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (धन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कम, निम्निलिखत उद्वेदेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कम से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; भीर/या
- (च) एसी किसी भाय या किसी भन या जन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया थाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के मिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नित्सित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैंसर्म भंडारी गोल्डे एसोसिएटस्, 373, सोमवार पेठ, पूना।

(अन्तरक)

(2) मुकुंद शंकर टोके, पुष्पमेघ को आपरेटिय हाउसिंग सोसायटी, सहकार नगर, पूना-411009।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत स्योक्तयों में से किसी स्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हस 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नवा है।

वनुसुची

फ्लैंट नं० 1, सीं० टीं० एस० नं० 1983 सं० नं० 83, हिम्सा नं० 17/7/1 पर्वती, पूना । क्षेत्र-739 स्ववे० फीट।

(जैसाकि रिजस्ट्रीकृत नंबर 37-\$ $$^{\frac{1}{2}}/2230/83-84$ ता० 22/7/83 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।

शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

त्रिख: 12-1-84.

श्रर्जन रेंज,पूना

¥ मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 24 जनवरी 84

निर्देश सं० सी० ए० 5/37-99/420/83-84—अतः मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,

आयकार अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)., की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० फाईनल फ्लैट नं० 59, टी॰ पी॰ एस नं० 1, आर० एम० नं० 118/1ए/1है तथा जो लेतावत्न जिला पूना में स्थित है (और इत्तो उपाबद्ध अनुसूचो में और पूर्णस्य से विणित है), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नाराख

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास् करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्पत्ति का खीबा बाजार मूल्य. इसके दृश्यमान प्रतिकृत से, ऐस वृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐस मन्तरक के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निष्नतिश्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक का संकथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए चा, छिचाने में सुविधा के लिए;

अतः भ्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) एन० एम० पठारे, ग्रीर भ्रत्य
 18 युग प्रभात,
 णिनलादेवी मंदिर के नजदीक,
 माहीम,
 बंबई-400016 ।

(अन्तरक)

(2) मैं सर्स स्पैन रिझार्ट्स प्रा० लि०,
 84,
 एशियाना,
 सेंट जान बैंपीस्ट रोड,
 बांद्रा (वेस्ट),
 बंबई-400050 ।

(असरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (ख) इस स्वना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त सब्बों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सची

फाईनल फ्लैंट नं० 59, टी० पी० एस० नं० 1, आर० एस० न०1184/1 लेनाबाल जिला पूना क्षेत्र 2310 स्किबे मीटर्स । (जैसाकि रजिस्ट्रोक्टत नंबर 37-99/2544/83-84 /प्ता/नबंबर 1983 को सहायस आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।

> णिकात कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 24-1-84

मोष्टर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

बायकर ल्**पिनियम, 1961 (1961 का 43)** की धारा 269-**ण** (1) के बधीन स्**ज**ना

भारत सरकार

कार्या, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना दिनाक 24 दिसम्बर, 1983

निर्वोग सं० सो० ए० 5/389/37ईई/83-84--यतः मझो, शशियांन कुलकणीं,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रहा. से अधिक है

और जिसकी सं० व्याङ नं० 8 हरी कुष्णा बिल्डिंग, प्रलैट नं० 119-पनवेल हैं तथा जो पनवेल में स्थित है (और इससे उपाध्रद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप भे विणित है), रिजिस्ट्रीकिर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज पूना में रिजिस्ट्रीकिरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख 13-6-83

को पूर्वोक्स सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल निम्नतिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीग, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—- (1) मैं सर्स हरी ओम बिल्डर्स,
 33 दरीयास्थान स्ट्रीट,
 इस नं । 113,
 प्रथम प्लीर,
 मुबई-3.

(अन्तरक)

(2) श्रो महमूद अहमद जलाल उद्दीन, रूम गं० 1, रहमदबाई चाल, हरजाम काडा, हपाल नाका, प्रतेल

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्थन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 के दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि , जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पण्डीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, थी उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, अही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

ब्ताक तं० 8 हरी ज़पा बिहिडम फ्लट तं० 119 पनवेल ।

(जैनाकि रिजिस्ट्रीहित नं० 37ईई/900/83-84 पनवेल जो तारोख 13-6-83 को सहायक आयहर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज पूना के दफ्तर में लिखा है।)

> जशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (तिरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 24-12-1983

प्ररूप आहर . टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना पूना दिनांक 24 दिसम्बर 83

निर्देश सं० सी० ए०-5/388/37ईई/83-84—-अतः मुझे, शशिकांत कुलकर्णी

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं)., की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० ब्लाक नं० 5 हरोज्या बिल्डिंग एफ नं० 119 पतवेल जिला रायगढ़ है तथा जो पनवेल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णक्ष्य से बणित है), रिजिस्ट्रांकर्ता अधिकारी के दार्यालय, सहायक आयक्र अध्युक्त (निराक्षण) अर्जन रेंज, पूना में, रिजिस्ट्रींकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 17-6-83.

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्म्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क्ष) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक, के दायित्व में कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) मपसं हरीओम बिल्डसं,
 33 दारी स्थान स्ट्रीट,
 ऋम नं० 113,
 पहिलामाला,
 बंबई-411003 ।

(अन्तरका)

(2) श्री व्हीं एसं रानडे, एफ प्लैंट नं 57, नियर पायोनियर हाउसिंग सोसायटी, पनवेल, जिला नायगढ़।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मा कांद्र' भी आक्षप .----

- (क) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अर्वाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्योक्त व्यक्तियों मो से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उन्ते अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

इताक नं० 5, हरीकृषा बिल्डिंग एफ फ्लैंट नं० 119 पनवेल जिला रायगढ।

(जैराहि रिजिस्ट्राइन नं० 3/83-84/रायगङ/37ईई/ जो नारोख 17-6-83 महाया आगस्य आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

> गशिकांत कुलकर्गी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षी) अर्जन रेंज, पूना

ना**रीख**: 24-12-83

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 22 दिसम्बर 1983

निर्देश सं० मी० ए० 5/37-99/386/83-84--- अत: मुझे, णणिश्रांत कुल-प्रणीं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का

269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण **ह**ै कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 3, पहली मंजिल, गीनांजली कुंज, है तथा जी पूना में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूचों में और पूर्ण कप में बिणित है), रिजम्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आधकर आयुक्त (निर्राक्षण) अर्जन रेंज, पूना ये, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अर्थान तारीख 13-6-83.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्तें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक कप सं कथित नहीं किया गया है:—

- (का) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन मा अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का ११) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविभा को लिए;

अतः अव, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियो, अधीत :-- थों के० एन० मृंदरजी,
और श्रांमती जी० के० स्ंदरजी,
 1/3,
 गीतांजली कुंज,
 बा० अम्बेडकर रोड,
 पूना-411001.

(अन्नरः

 (2) श्री कृष्णगोपाल सॉबनी और, श्रोमती पुष्पा कें० सत्वनी, 445, मंगलबार पेठ, पुना-411001.

(अन्तरित

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में काहि भी शाक्षेप

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तिम सूचना की तामील से 30 दिम की अविधि, े अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पू व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया है।

अन्त्र्च⊌

फ्लैंट नं० 3, पहली मंजिन, गीनांजली हु वेतप्ती रोड, पूर 411001/क्षेत्र 1691 स्क्वे० ६ (जैपाि रजिस्ट्रोज़ल नंबर 1041/37ईई/पूना/83-84 त 13-6-83 को सहायह आयहर आयुक्त (निरोक्षण) अर रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

> मशिकांत कुलक सक्षम प्राधिका सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्ष अर्जन रेंज, पू

तारीख: 22-12-1983

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना पूना,दिसांक 21 दिसम्बर 1983

निर्देश सं० सी० ए० 5/37-99/382/83-84-—यतः शिशाकांत कुलकर्णी,

प अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), को धारा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने रण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृल्य 100/- रु. से अधिक हैं

ल के लिए अन्तरित की गईं हैं और मूझे यह विश्वास का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार उसके इश्यमान प्रतिफाल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफाल के प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और रती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण त में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:---

- (क) बन्तरण से हुए किसी बाय की बाबत उक्त अधि-नियम के बभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; बौर/बा
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के निए;

तः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) धीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) मैसर्म के० डी० परमार,
एण्ड सत्स,
589/5-बी-3,
साल्सबर: पार्क,
पूना-1।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती हमिदा आदम पारकर, ताज अपाट मेंटस्, फ्लैंट नं० 6, गुलटेकडी, पुना-1,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्सि सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करना हुं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौ का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पनैट नं० 6, नोसरो मंजिल, नाज अपार्टमेंटस् गुलटेकड़ी, पूना-9/क्षेत्र-857-50 स्क्वे० फीट।

(जैसाकि रिजस्ट्रीएत नंबर 37ईई/893/पूना/83-84 ता० 9-6-83 को महायह आयकर आयकन (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

> णिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुना

नारोख: 21-12-1983.

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

बायकर सिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अध्यकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 1 फरवरी 1984

निर्देश सं० सी० 5/37 ई ई/310/83-84—यतः, मुझे, शिकांत कुलकर्णी,

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास कारने का कारण हैं के स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. में अधिक है

और जिसकी संख्या

202, मकरार के सरा-2 (तेत्र

415 स्क्वेयर फीट है, तथा जो पूना—8 में स्थित है (श्रॉर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची श्रौर पूर्ण क्प में विणत है, रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियमः 1908 (1908 का 16) के श्रिथीन, तारीख नं 270/ जूब 1983 का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित शाजार मृल्य से कम के स्थमान प्रतिकल के लिए अन्तरिस की गई है और मुन्ने यह विश्वाद्ध करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्दोध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिकक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर बोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किमी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

क्षतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरक को, की उक्त अधिनयम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निशिक्षत व्यक्तियों, अधीत्:—

- 1. मैं ० दार्ध रूईकार 2 मृकुंद नगर, पूना-37 (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती सुधा एस० देसाई, 1 351 दत्तवाषा, संदाशिव पेठ, पूना-30

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ध) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट 202, शुक्रवार पेठ, पूना−2(क्षेत्रच415 स्क्वेयर फीट) (जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 270/जून 1983 को सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्नर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।

> णिकांत कुलकर्गी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज पूना

तारीख: 1-2-1984

मोहर ः

प्ररूप आई. टी. धन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सुरकार

भार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 18 जनवरी 1984

निवेश सं० सी० ए० 5/37/83-84-यसः मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,

ायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें रू...) पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख ... अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण रू कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं श्रार एस नि 25, हिस्सा नं 1 है, तथा 'जो लेनावल जिला पूना में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय वुय्यम निबंधक, मावल में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16 के श्रधीन, तारीख जुन 1983

ां प्वेंक्ति सम्परित के उचित बाजार मृल्य से कम के श्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने जा कारण है कि यथाप्वांक्त सम्पारत का उच्चित बाजार मृल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल का पन्सह अतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में ास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कैमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) है अधीन निम्नालिखत व्यक्तियों, अर्थात् : 9—486GI|83

भी एस॰ बी जाधव और सन्य, ईवाई, लेनावल, जिला पूना

(ग्रन्तरक)

2. मैसर्स प्रधान हील रिझर्टस पार्टेनर--श्री बदरुद्दीन श्रहमद प्रधन, 41जेल रोड डोंगरी (इस्ट) बम्बई-400009

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्श सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

ाकत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्राख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक्तेंगे

स्पष्टिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अम्स्ची

जमीन जो ग्रार० एस० नं० 25 हिस्सा नं० 1, लेनावल में है। क्षेत्र -- 1 हेंक्ट - 21 - 5 एरिया। (जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नम्बर 847/जून 1983 को दुस्यम निबंधक मावल के दफ्तर में लिखा है)।

> गगिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, पूना

तारीख : 18-1-1984

प्ररूप आहु .टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वाम

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, पूना

पूना, विमांक 10 जनवरी 1984

निर्देश सं० सी० ए० 5/37 ई ई/48/83-84—यतः, मुझे, शशिकांत कुलकर्णी

आयकर सिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रह से अधिक हैं

ष्मौर जिसकी सं० प्लाट नं० 11 फ्लैंट नं० 5 गुल टेकडी पूना है, तथा जो पूना में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज पूना में रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 30 मई 1983

को पूर्वोवस सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; बीए/वा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयक्र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों- अर्थात् :--- मैसर्स मुथा ग्रापार्टमेंट 322/11, शंकर सेठ रोड, प्रना-2।

(भ्रान्तरक)

2.श्रीमती ताराबाई एच० व्यापारी 360 शनिवार पेठपूना-30 ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

सक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाशेप ;---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 4.5 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख .
 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्र वृद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में विग्र जा मक्तीं:

स्वकाकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा सवा है।

अनुसूची

प्लाट मं० 11 फ्लैट नं० 5 गुल टेकडी पूना (जैसा कि रजिस्ट्रीकृत नं० 352/37 ई ई जो तारीख 30-5-1983 सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जम रेंज पूना के दफ्तर में लिखा है)।

> णणिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

तारीर : 10-1-1984

महिर:

प्ररूप आई. दी. एम. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1861 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायक र नायुक्त (निरीक्षण)

यर्जन रेंज, पूना

पूना, विनांक 10 जनवरी 1984

निर्देश सं० सी० 5/37 ई ई/417/83~84—-यत:, मुझें, शशिकांत कुलकर्णी,

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, मह विश्वास करने ,ा कारण हैं कि स्थाय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजारं मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

प्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 11, दूसरी मंजिल, बिल्डिंग नं० बी का पूना 469/ए है, तथा जो गुलटेंडी, पूना में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूच में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रधकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज, पूना में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 30—5—1983 जो पूर्वोक्त सम्पर्तित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृष्यमान ।तिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेश के अनुसार अन्तरित की इंडिंग सम्पर्तित का जिस्ता करने का कारण है कि यथाका पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और तिरती (अंतरितियाँ) के श्रीक एत्से अन्तरण के लिए तय पाया या प्रतिफल निम्मलिखित उद्धवस्य से उक्त अन्तरण निम्मलिखत अन्तरण से किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की झवत उक्त विध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिये; बौर/शा
- (च) एसी किसी बाय या किसी भन बन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या-उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया यया था या किया जाना जाहिए था छिपाने में सूबिधा से किए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण म, में, उक्त सिधिनियम को धारा 269-म की उपधार्य (1) सिधीन निक्केटिस्कित क्यों क्यांत ः—

- मैंसर्स मुखा श्रपार्टमेंटस 322/11, शंकर रोड़, पूना-2 (श्रन्तरक)
 - 2. श्री विन्सेंट जिसझा 698, ताबू स्ट्रीट, पूना-1 (भन्तरिती)

को यह मुखना जारी करके पूर्विक्स सम्परिस के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नग्सूची

फ्लैट नं० 11, दूसरी मंजिल, बिल्डिंग नं० बी, 469/ए, गुलटेकडी, पूना/क्षेत्र---430 स्क्वेयर फीट।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37-ईई/354/83-84 पूना तारीख 30-5-1983 को सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना के वफ्तर में लिखा है)।

> शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 10-1-1984

मोहरः

प्रकार बाई. डी. एवं. एक: -------

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के अधीन सुनना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भागवार आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, पूना कार्यालय

पूना, दिनांक 10 जनवरी 1984

निर्देण सं० सी० ए० 5/3ई०ई/416/83-84---यतः, मुझे, शश्चिकांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स वं अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं प्लैट नं बिल्डिंग नं सी एफ ०-3 है, तथा जो पूना में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज पुना, में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का चन्द्रह प्रतिक्षत से बिधव. है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्का निम्निलित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में बास्त-विक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरथ संहुदं किसी याम की वाबत, उक्त अभिनिय्भ के वधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कसी करने या जबसे जवने में सुविधा संक्रिप; बरि/धा
- (थ) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियां करं, जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था ख्याने में सुनिशा के सिए;

नतः जन, उन्त अधिनियम की धारा 269-म की, अनुसरण मा, मी उन्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीर, निम्निसित व्यक्तियाँ, अर्थात् :--- मैसर्स मुथा अपार्टमेंटस 322/11, शंकर रोड पूना-411002

(भ्रन्तरक)

 श्री सतराम विशन दास भाटिया श्रीर नरेश सतराम भाटिया के अर श्राफ श्रीमती एस० टी० भाटिया, 38, भावेश्वर भवन, नार्थ गोखले रोड, दादर, वस्बई— 24

(श्रन्तरिती)

क्ये यह सूचना जारी करके पृत्रों क्त सम्मरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख रें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्रसूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो की अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक क्ष्मितयों में से किसी क्यक्ति ब्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोह्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं. नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुसूची

फ्लैट जो बिल्डिंग नै॰ सि॰ एफ-3 फाईनल फ्लैट 469/ए, गुलटैक्जी में पहली मंजिल पर है। क्षेत्र--997 स्क्वेर फीट।

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत नम्बर 37-ईई/पूना 266/83-84* को सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है)।

> णशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

सारीख: 10-1-1984

प्ररूप् आई. टी. एन. एस. ------

श्रायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, रुहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 10 जनवरी 1984

निर्देश सं० सी० ए 5/37 ई ई/415/83-84-यतः, मुझे. शशिकांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट, बिल्डिंग नं० सी० एफ-1, हं तथा जो गुलटेंकडी पूना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख

को पूर्वेवित सम्पत्ति के उिचत बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि मधापूर्वोक्त संपत्ति का उिचत बाजार मूल्य, असके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पेद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किया गया है :----

- (क) अन्तरण संहुर्द किसी बाय की बाबत, बक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सूविधा की सिए;

बत. अब, उक्स अधिनियम का भारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के लथीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- मैसर्स मुथा अपार्टमेंटस 322/11, शंकर रोष्ट्र पूना (अन्तरक)
- 2. श्री सी॰ टी॰ शाह श्रीर श्रीमती रतन शाह पूना ग्रडन्टिम्त होस्पिटल, साल्मपड़ी पार्क, पूना--11001 (ग्रस्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वाक्त सम्परित है अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्यिक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (स) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में टिए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपत अधिनियम कं अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वही दर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नग्स्ची

फ्लैटजो बिल्डिंग नं० सी एफ-1 फाईनल फ्लैट नं० 469/ए, गुलर्टेंकडी में पहली मंजिल पर है । क्षेत्र-780 स्क्वेयर फीट ।

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत नम्बर 37 ई ई//217/83-84 पूना तारीख 30-4-1984 को सहायक आयंकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है)

णियाकांत लकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजींन रेंज, पूना

तारीख: 10-1-1984

प्रस्म आइ.टी.एन.एस.----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के बभीन सुचना

बार्व ब्रुडकाउ

कार्यालय, सहायक <mark>आयकर वा</mark>यूक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, पूना

पुना विनांक 3 दिसम्बर 1983

निदश सं० सी० ए० 5/37 ई ई/3081/83-84; श्रतः मुक्के, शशिकांत कुलकर्णी.

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- कु के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,,000/- कु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं बंगलो सर्वे गं 50/एफ पी नं 73/3 पर्लंट नं 12 एरंडवन पूना—4 है, था जो पूना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध धनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सहायक श्रीयंकर श्रीयंकर श्रीयंकर (मिरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 21 जुलाई 1983 को पूर्वे कित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके श्रीयमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिस्त से अधिक है और अन्तरित (अन्तरितवाँ) के बीध एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित् उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिमित के बास्तिक रूप से श्रीकृत नहीं किया गया है ;---

- (क) बन्तरण संहुद्द किसी बाय की बाबत उक्त बाँध-रिन्थम के बधीन कर दोने के बन्तरक के बावित्व में कनी करने वा उबसे बचने में सुविधा के किए; बार/या
- (क) एंसी किसी काब या किसी भूग या बन्ध कास्तियों क्ये, जिन्हें भारतीम जामकर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिभिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)) के प्रयोचनाथ अन्ति (ती क्यारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना जाहिए था, छिपान में सृविधा के लिए;

शतः अस, जस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, जस्त सिधिनियम को भारा 269-म की उपधार (1) के सभीम, मिस्निलिकिस व्यक्तिस्थों, अर्थात् :----

 श्री डी बी० ग्रास्टैंकर सौ० एस० डी० ग्रास्टेंकर मास्टर- योगेश डी० श्रस्टेंकर 50/38 एरंडवना पुना-4

(ग्रन्तरक)

2. श्री एस० श्रार० बांठीया 73/2/12 एरंडवना पूना-4 (श्रान्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पतित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की टारीस सं 45 विन की अवधि या तत्सम्मन्धी व्यक्तियों पर स्वता की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी जवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांक्त स्वयित्यों में से किसी स्वित्त हुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मो हित-बत्ध के के जन्म न्यापन सन्तर ने कि ताक्षित के पास लिखित मों किए जा सकर्षे।

स्पद्धीक रणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, यही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बंगला सर्वे नं ० 50/38 एफ० पी० नं ० 73/3 फ्लैट नं ० 12 एरंडवना पूना-- 4 ।

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37 ईई/2367/83-84 तारीख 21-7-1983 को सहायक मायकर मायुक्त निरीक्षण मर्जेम रेंज पूना के माफिस में लिखा है)।

ममिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर द्यायुव (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

सारीख : 3-12-1983

माहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

नामकर भौभनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के भभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

पूना दिनांक 6 दिसम्बर 1983

निर्देश सं० सी० ए० 5/37 ई ई/83-84---- यतः, मुझें, शशिकांस कुलकर्णी,

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० सी० सवें नं० 19 (पार्ट), टिका नं० 8 नया भगरा रोड़, ठाने हैं, तथा जो ठाने में स्थित हैं (भीर इससे उपाबद्ध भ्रमुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता भिष्ठकारी के कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, पूना में रजिस्ट्रीकरण धिंधनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 22-7-1983

को प्रवेभित सम्मिति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुओ यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मिति का उचित बाजार बृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एसे उध्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंसरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया इतिफल, निम्निलिस उद्देषय से उक्त अन्तरण निचित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के संतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1929 (1972 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, जियाने में अधिश के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निस्तिचित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्रीमती विजेट चालंस सलकाना, परचुरे बिल्डिंग, स्टेशन रोड, ठाने

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती मोहिनी विजय कलंबी श्रीर श्रन्य, 73, अम्बर्ड अमाचार मार्ग, श्रपोले स्ट्रीट, अम्बर्ड-23

(ग्रम्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के सिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपन्ति में हित-व्यूध किसी अन्य व्यक्ति युवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त बन्दों और पदौं का. जो उदत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं। गया हैं।

अनुसूची

सिटी सर्वे मं० 19 (पार्ट), दिका नं० 8, नया श्रागरा रोड़, ठाने । क्षेत्र--3348 स्क्लेयर फीट)।

(जैसा कि रिजिस्ट्रीकृत नम्बर 37 ईई/1553/ठाने/83; 84 तारीख 22-7-1983 को सहायक श्रायकार श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिख है)।

> शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रैंज, पूना

तारीख: 6-12-1983

प्ररूप नाइ .टी. एन. एस. -----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ध (1) को अधीन सुचना

भारत तरकार

कार्यानय, सहायक कायसार बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना

पूना, दिनांक 6 विसम्बर 1983

निदेश सं० सि० ए० 5/37-ईई/83-84--यतः मुझे, शशिकात कुलकर्णी,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्यास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं पर्लैट नं 20, देवेन्द्र को आप हाउसिंग सोसायटी इंडियन ह्यूम पाइप कं लिं के सामने है तथा जो ठाने में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप ने विणत है), रिजस्ट्री कर्ती अधिकारी के कार्यालय, सह यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में रिजस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 4-7-1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गिर्ह है और मुक्ते यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में नविधा के निए;

जतः अव, उक्त जीधनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, ग्रें उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रीमती रूबी सम्यूएल ससून , सुलमा अपार्टमेंट ब्लाक लं० 13, तीसरी मंजिल, टेंबी नाको, ठाने ।

(अस्तरक)

(2) श्री विश्वास पी० तेंडूलकर ए०-9, म्युनिसिपल ब्लाक, डी० जी० महाजनी रोड, सेवरी, अम्बई-400015 ।

(अन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकींगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

भन्सूची

पलैट नं० 20 देवेन्द्र को० अ।परेटिव हाउसिंग सोसायटी लि० इंडियन ह्यूम पाईप कम्पनी के सामने । ठाने-श्रेतः--350 स्क्वे० फीट । (जैसे कि रिजस्ट्रीकृत नम्बर 37 ईई/ठाने/2310/83-84 को सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है ।)

णणिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज , पुना

दिनांक : 6-12-1983

मोहरः

प्ररूप आहुर.टी. एन. एस. -----

प्रायहर अधिनियम 1961 (1961 का 43)की घारा 269-च (1) के ब्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 5 दिसम्बर 1983

निदेश सं० मी० ए० 5/37-ईई०/83-84-पतः मुझे, शिशिकांत कुलकर्णी,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इत्तक पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार पृत्रा 25,000/- रुपये से प्रधिक है और जिसकी ये जिन्दी है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्णक्ष्य से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुवत (तिरीक्षण) अर्जन रेंज-पूना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई, 1983,

को पूर्वोत्त समाति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यभाव प्रति छव के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकल का पश्चह प्रतिश्वत से अधिक है भीर अन्तरि (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाता गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उका प्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं भिष्ट गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिता में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के सिए; और/या
- (अ) ऐसी जणी श्राय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधानयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधानयम, या भ्रत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रश्नोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्राया था या किया जाना चाहिए या, किपाने में प्रविश्वा ह लिए;

श्रतः श्रव, उक्त अधिनियम की खारा 269अम के सनुसरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-म की सपकारा (1) के अधीन, विस्तिलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 3——
30—486 G1/83

(1) श्री ह्यी० एम० पटेल प्रो० मेंसर्स प्रोग्नेसिय इंजीनियरिंग, वर्क्स, कमल कुंज, ह्यी० पी० रोड, अंधेरी (वेस्ट), बम्बई-400058।

(अन्तरक)

 (2) मेसर्स टाईम फार्मा नवजीवन बिल्डिंग, दत्तात्रय रोड, सांताकुस (वेस्ट), बम्बई—400054 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

एक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधिया तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की लामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी शन्य व्यक्ति बारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरण !---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम के अध्याय 20-क में परिमाणित है, बहां ग्रथ होगा, जो उन्न प्रकार में दिसा गर है।

बन्स्ची

इंडस्ट्रीयल शेंड जो फलैंट नं० 24, गांव अचीले, ता० वसई जिला ठाने में हैं । क्षेत्र--2400 वर्ग फीट ।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नम्बर 2892/ठाने/83-84 दिनांक जुलाई 1983 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 5-12-1983

प्रक्ष_ा नाह^तु डौ_ं एन्_ं एस_{ं,} -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म् (1) के अधीत सूचना

भारत सुरकारु

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-पूना

पूना, दिनांक 20 दिसम्बर 1983

निदेश सं० सी० ए० 5/37-ईई/83-84--यत: मुझे, शशिकात कुलकणीं,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० फ्लैट नं० 209, दूसरी मंजिल मीनत अपार्ट मेंटस है तथा जो याना में स्थित हैं (और इससे उपाबक अनुसूची में और पूर्णे क्प से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुन 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क्स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में कृतिथा के सिए;

जतः जब उक्त अधिनियम की भारा 269-न कें जनुसरण भं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :---

- (1) मेसर्स श्री ट्रेडिंग कारपोरेशन मित्तल टावर्स, नरीमान पाईट⊸बम्बई । (अन्तरक)
- (2) श्री कमलकुमार एल० मांडवेवाल (एच० यू० एफ०) 5-आसादनगर को०-आप० हाउसिंग, सोसायटी लि० विलेपार्ले (वे०) बम्बई-4000056 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत स्मिक्सियों में से किरी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्कीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लैट नं० 209, दूसरी मंजिल, मीतल अपार्टमेंटस्, पांच-पांखड़ी, थाने/क्षेत्र 725 स्कवे फीट। (जैसे कि रजिस्ट्रोकृत नम्बर-37-ईई/थाना/1358)/83-84 दिनांक 6-6-1983 को सह्यक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूता के दफ्तर में लिखा है।)

> णणि हांत कुलकर्णी सन्नम प्राधिकारी सह्यक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज, पूना

विनांक : 20-12-1983

मोहर 🖫 🛒

प्ररूप बाह्र े टी. एन. एस. -----

आयम<u>र</u> अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-पूना

पूना, दिनांक 20 दिसम्बर 1984

निदेश सं० मी० ए० 5/37 ईई०/360--83-84--यतः मुझे, शायाकांत कुलकाणीं,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्म्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी मं० फ्लैंट नं० 304, तीसरी मंजिल, मीतल० अपार्ट-मेंटम् है तथा जो थाना में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूर्या में और पूर्णस्प से बॉणित है), रिजिस्ट्रीक्ती अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-पूना में, रिजिस्ट्री-करण अधित्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 6-7-1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्त यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, इस दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतिरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्निलिखित उद्बेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अंतरक के दायित्व मों कामी करने या उससे बचने मो सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मेसर्स श्री ट्रेडिंग कारपेरिशन मित्तल टावर्स, नरीमन पाईँट अम्बई ।

(अन्तरक)

(2) श्री कैलागाचन्द्र एल० मांडवेबाले (एच० यू० एफ०) 5-आजाद नगर को० आप० हाउसिंग सोसायटी, विलेपार्ले (वे०) वम्बई । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पृतितः को अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप 🖫

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कु से 45 दिन की अविध्या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बव्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

फ्लैंट नं० 304, तीसरी मंजिल, मीनल अपार्टमेंटस् पांच-पाखर्डा, थाना/क्षेत्र 725 वर्ग फीट/(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नम्बर 37-ई/13561/थाना 83-84 ता० 6-7-83 की सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है ।)

> णणिकांत कुलकर्णी सञ्जम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज, पूना

दिनांक: 20-12-1983

अरूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज---पूना

पूना, दिनांक 23 दिसम्बर, 1983

निदेश सं० सी० ए०--5/37-ईई/83-84--यतः मुझे शक्षिकांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं प्रलैट नं 11, दूसरी मंजिल, बुलबुले को अप हार्डीसंग सोसायटी लि है तथा जो वाशी नई बसई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक 6-7-1983,

को पूर्वोक्त संपरित के उच्ति बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथ। पूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एमी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 19(7 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भीं, भीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—-

- (1) बुलबुल को० आप० हार्जीसग सोसायटी लि० फ्लैट नं० 10 सेक्टर 9-ए०, वाणी नई बम्बई। (अन्तरक)
- (2) श्री ह्वी० के० रामचन्द्रन,
 फ्लैट नं० 11, बुलबुल को० आप० हाउसिंग
 सोसायटी लि०, भाषी, नई बम्बई।
 (अन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति क अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :----

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सविधी व्यक्तियों पर स्पना की तामील से 30 दिन की अर्थाय, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, भी भीतर पूर्णिक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिपबह्ध किसी जन्म व्यक्ति ब्वारा अधोहस्थाक्षरी के पास लिसित में किये जा सकरी।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं 11, दूसरी मंजिल, बुलबुल को आप शहाउसिंग सोसायटी लि बाशी, नई बम्बई । क्षेत्र---900 वर्ग फीट ।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नम्बर 37-ईई०/धाना/1376/83-84 ता० 6,7/1983 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन, रेंज पूना के दफ्तर में लिखा है।)

र्षाणकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज---पूना

दिनांक : 23-12-1983

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस. -----

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269-म् (1) के अभीन् स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वाय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-पूना

पूना, दिनांक 28 दिसम्बर 1983

निदेश सं० सं(० ए० 5/405/83-84-अत:, मुझे, गणिकांत कुलकर्णी,

ज्ञायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गवा है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण $arepsilon^{\prime}$ कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-'रह. संबंधिक **ह**ै

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 4 जय भवानी प्रपार्टमेंट फ्लैट नं० 6 दर्ने नं० 129/1 बी० और 159/1ए०, **प्रांकर्डी** पूना-33 है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णस्य ने बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर अध्युक्त (निर्राक्षण) अर्जन रेज पूना में, रजिट्टीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 9-7-1983.

को पूर्वीकन सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उनके दश्यमान प्रतिफल से, एसे धन्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया जिल-फल निम्नलिखित उष्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त कथि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य कास्तिओं कां, जिन्हां भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

क्षत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर्थ में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्थात् :--

(1) श्री आर० सी० खिवसरा मेसर्स जय भवनी एण्टर प्राइजेस 377/ए०, मुक्रवार पेठ पूना---2

(अन्तरक)

(2) श्री एस० पी० चौधरी; चार, जयभवनी अपार्टमेंट चिचवड पूना---19 ।

(अन्तरिती)

को यह स्वाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:---

- (क) इस स्थान के शबपन में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बनिध, जो भी बनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वांकत 'क्यक्तियाँ में से किसी क्यक्ति बुवारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थाव्य संपत्ति में हित-बबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया नवा है।

अनुस्पी

फ्लैट नं० 5 जय भवनी अपार्टमेंट प्लाट नं० 6 **स**र्वे नं 129/113बी और 159/1ए०,

(जैसी कि रजिस्ट्रीकृत सं० 37 ईई/1604/पूना/83-84 जो तारीख 29-7-83 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा है।)

> गणिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 27-12-1983

प्रकृष आई.टो. एन. एस. -----

थ्रायक्तर श्रिश्वित्यम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 घ(1) के सभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक **भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)** अर्जन रेजि—पूना

पूना, दिनांक 23 जनवरी, 1984

निदेण सं० सी० ए० 5/37 ईई०/83-84--यतः मुझे, मशिकांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० सेक्टर 1 ए० फ्लैंट नं० 26-ए० है तथा जो बार्या, नई बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णस्प से बिणत है), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज पूना में, राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जून, 1983,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के जन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः व्या, अक्त विभिनियम की भारा 269-ग कै वन्सरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के वृत्तीन क्रिक्तिविक व्यक्तियों, वृत्तीत् क्र-- (1) श्रीमती कस्तूरी वेल्लान314 शिंद बिल्डिंग, अश्यानगर, लेम्बूर, बम्बई ।

(अन्तरक)

(2) श्री पी० एस० रामस्वामी एस० आय० ई० एस० चीथा फ्लोअर, सायन, बम्बई---22

(अन्तरिती)

को यह सूचना पारी करके पूर्वाक्त सभ्यत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से के 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हो।
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी, अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया भया है।

अनुसूची

बिल्डिंग जो फ्लट ने० 26 हो। होइट ने० 9-ए० वासी, नई बम्बई/क्षेत्र 964.15 वर्ग फोट ।

(जैसे कि रिजिस्ट्रीकृत नम्बर 37~ ईई० | 220 | थाना | 83-84 | 1 जून, 1983 को सहायक अध्यकर आधुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, पूना के दक्तर में लिखा है ।)

> णशिकात कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सह।यक आय*ार आ*युक्त (निरं**क्षण**) अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 23-1-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-पूना

पूना, दिनांक 21 दिसम्बर, 1983

निदेश सं० सी० ए०/5/1052/83-84 37 जी--यतः मुझे, शशिकांत कूलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० प्लाट नं० 1, 2, तथा 7 सर्वे नं० 721/ए०—
3-3-ए०-1 है तथा जो नासिक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिज़स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दुय्यम निबन्धक नाशिक में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 21-7-83,

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक और (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री मेहरवान आर० इराणी और अन्य सरोश बंगलो, म्यंबक रोड, नाशिक।

(अन्तर

(2) श्री जी० आर० बनगूर और पी० एन० बनगर 7 तथा 8 सेन्ट जार्जेस गेट रोड, कलकत्ता।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्रस् सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 1, 2 और 7
· सर्वे नं० 721/ए०-3-3-ए०-1 नाशिक ।
(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2842 जो तारीख 21-783 को दुय्यम निबन्धक नाशिक के दफ्तर में लिखा है।)

शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज—पूना

दिनांक : 21-12-1983

मोहरः

प्रकृष् वाष्ट्रं, डी. एन., एस.---

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

थारा 269-मु (1) से व्यीन क्षता

नारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-पूना

पूना, विनांक 29 दिसम्बर, 1983

निदेश सं० सी० ए० 5/37/जी० 1054/83-84--यतः मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित् वाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं ० प्लाट बाट नं ० 206 मौजे मरवाड़ जिला कोल्हापुर है तथा जो तखाड़—कोल्हापुर में स्थित है है (और इससे उपायद्व अनुमूची में और पूर्णकृप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दुव्यम निवन्धक शिरोल में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई, 1983.

की प्वेंक्त सम्पर्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रित्यक के लिए अन्तरित की यह है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है .——

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त जीध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य अस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः शव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियाँ, अधित ६---- (1) श्री बी० के० गाडगिल पोस्ट कुरनेड बाड ता० शिरोल जिला—कोल्हापुर ।

(अन्तर्कः)

(2) दी कुरुंडवाड क आ इण्डस्ट्रीयल इस्टेट नेयरमेन श्री डी डी शालसे कुरुंदवाड ता शिरोल, जिला—-कोल्हापुर ।

(अन्तरिती)

कि यह सूचना जारी करके पृष्टिक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

चनत् सम्पत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की सारीक से 45 विन की अविधि मा तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वींकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत सं 45 विष के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिंस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पाका करण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नेपा हैं।

अनुसूची

प्लाट गट नं० 206 ।

मीजे तरवाड ता० णिरोव जिला—कोल्हापुर (जैसी कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1244 ओ० जुलाई, 1983 को दुय्यम निवन्धक शिरोल के दफ्तर में लिखा है।)

> णिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज, पूना

दिनांक : 29-12-1983

भोहर 🕉

प्ररूप आई. टी. एन. एन. - - -

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269-व (1) के नधीन सूचना

भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक प्रायक्तर प्रायुक्त । (निरीक्षण)

अर्जन रें-पूना

पुना, दिनांक 29 विसम्बर, 1983

निदेश सं० सी'० ए० 5/1055/37 जी०/83-84---यत: मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,

नायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० सर्वे नं० 289/9(289/3), 288 और 285/2 सातारा है तथा जो सातारा में स्थित है (और इससे उपाधन्न अनु-मूची में और पूर्णरूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बुट्यम निबन्धक सातारा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुन, 1983,

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुर्फ यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्म्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देषस्य से उक्त अन्तरण निचित में कास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) नन्तरण संहुई किसी जान की वानंत, उक्त विधीनसभ की वधीन कर दोने की अन्तरक की समिरन में कमी करने वा उससे वचने में सुविधा के सिए; और/सा
- (ग) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) क्रेअधीन, निम्निलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :--

31-486 GI/83

(1) श्री श्रीकृष्ण एकनाम जागडे 106-ए०-रामाचा गोट। सातारा ।

(अन्तरक)

(2) श्री डी॰ एल॰ लाहोरी. कृक्ष 180-रिवार पेठ मातारा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यक्षाहियाँ करता हुं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मव्हीकरण :----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

अनुसूची

आर० एम० नं० 289/9(289/3), 288 और 285/2 सातारा ।

(जैसी कि रजिस्ट्रीकृत नं० 1523 जो तारीख जून 1983 को दुय्यम निबन्धक सातारा के दफ्तर में लिखा है।)

> र्णाणकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निर1क्षण) अर्जन रेंज, पूना ।

दिनांक : 29-12-1983

मोह्य 🖫

प्ररूप नार्षः हो। एवः एवः ----

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत तरकाह

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 29 दिसम्बर, 1983

निदेश सं० सी० ए०-5/1056/376/83-84--यत: म्झे, णशिकांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाचार भूल्य 25,000/-रा. से अभिक **है**

और जिसकी मं० जमीन गट नं० 171 विलेज पिंपराले ता० और जिला जलगांव है तथा जो पिंपराले जलगांव में स्थित है (और इसपे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दुय्यम निबन्धक जलगांव में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जून, 1983,

को पर्वोक्त संपत्ति के उपित बाजार मरूब से कम के अस्वयान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथाप्यों मत संपत्ति का उचित बाचार अस्थ, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) जीर अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तय पावा जवा प्रतिफल, निम्नलि**वित उद्योग्यों से अक्त अन्तरण जिल्लित** में वास्तनिक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी अन्य की बावस , अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दाजित्य में कमी करने या असूते अवने में सुविधा के किए; और/या
- (म) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तिकाँ को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, मा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती **द्वारा प्रकट नहीं किया गया** था या किया जाना चाहिए था, स्थिपने में सुविधा केलिए:

अत: अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् ह.---

- (1) भी नामवेव काब बेरी, मौगे पिपराले तहसील और जिला-जलगांध । (अन्तरक)
- (2) श्री गणेश को० आ० ग्रह निर्माण सोसायटी लिमिटेड, जलवांव । चीफ प्रमोटर-श्री ओ० टी० पाटिल । द्वारा नृतन महाविद्यालय जलगांव ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सभ्यत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चनाकी तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स क्यवित्यों में से किसी क्यक्ति वृताय;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी ज्ञ्य स्थानित वृवारा अभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वासकों गे।

स्वच्यीकरण:---इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, वो अकत बिधिनियम के बध्याय 20-क में परिभावित हैं, बहु न भूष होगा जो उस भूष्याय में दिया गुंबा 💕 🕕

अनुस्ची

जमीन गट नं० 171 । विलेज पंपराले ता० और जिला-जनगांव। (जैसी कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2634 जो तारीख 18-6-83 को दुथ्यम निबन्धक जलगांव के दफ्तर में लिखा है।)

> गणिकांस कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना ।

दिनांस : 29-12-1983

मोहर 🔞

(अन्तरक)

प्रकृष् नार्च, दी, एन्-, एस. -----

नायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-भ (1) के मधीन सुमना

भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (नि<u>डी</u>क्षण)

अर्जन रेंज-पूना पूना, दिनांक 6 जनवरी, 1984

निदेश सं० सी० ए० 5/1068/37जी/83-84--यतः मुझे, गणिकांत कुलकर्णी,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेवात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अभिक है

और जिसकी संव आरव एसव नंव 1329/1एव कोल्हापुर है तथा जो कोल्हापुर में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दुय्यम निबन्धक करिवर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई, 1983,

को पूर्विभित्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्म्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में

- (क) अंतरण से हुई किसी नाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इन-कर अधिनियम, या इन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, छिपाने में सुविभा के सिए;

भतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन,, निस्नलिखित व्यक्तियों, अभात् :--

- (1) श्री बापू मारुति सुलार काडेकरी सौ० आनन्दीबाई बापूराव कांडेकरी श्री प्रकाश बापूराव कांडेकरी 2185, ए० बार्ड रंकाबा वेश कोल्हापुर ।
- (2) नियोजनि रंकाबा परिसर सहकारी गृह निर्माण संस्था मर्यादीन——प्रमोटर श्री वी० डी० चह्नाण 1297/डी० वार्ड उत्तरेश्वर पेठ कोल्हापुर । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आर० एस० नं० 1329_/ 1ए० कोल्हापुर । (जैसी कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3392 जो जुलाई 1983 को दुय्यम निबन्धक करविर के दफ्तर में लिखा है ।)

> शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 6 ≈ 1 ~ 1 ∂ 8 4

मोहर /

प्ररूप आई टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 23 जनवरी, 1984

निदेश सं० सी० ए० 5/37 ईई०/309/83-84--यतः मुझे, गशिकांत कुलकर्णी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 6, 512, शनिवार पेठ पूना—30 (क्षेत्र 512 वर्ग फीट) है तथा जो पूना—30 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णक्ष्प में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, पूना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 885/23—1—1984,

को पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह, विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चेच्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शावता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोगे के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविभा के निए:

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अमृतरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत् :---

(1) मेसर्स दावे कईकर22 मुकुंदनगर ।पूना---411037 ।

(अन्तरक)

(2) श्री विश्वास बी० जोगी ए०/23, कोथरुड पूना---411029।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी शाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियों हो,
- (क) इस स्पान के राजपत्र में प्रकाणन की तारील से 45 विन की भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्पछ्णीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सूची

फ्लैंट नं० 6, 512, शनिवार पेठ पूना---30 (क्षेत्र 312 वर्ग फीट)

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत नं० 885/23-1-1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के वपत्तर में लिखा है ।

> शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

विनांक : 23-1-19834

प्रकृष नाही हो. एवं प्रतः ह - - ----नामकर नीपनियम, 1961 (1961 सा 43) की

राख 269-म (1) से सभीन सूचना

नार्त सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 23 अनवरी, 1984

निवेश सं० सी० ए० 5/37 ईई०/353/83-84--- यतः मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,

भायकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें धसके परुवात (उक्त अधिनियम कहा गया है), की भारा 269- का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित् बाजार मृख्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट प्लाट नं० 44, मुकुंदपुर, पूना—37 (क्षेत्र 355 वर्ग फीट) है तथा जो पूना—37 में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 1215,पूना,जुलाई, 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण मिचित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुइ कियां आम की वावत, उच्छ अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के सायित्य में कवी करने वा उससे वचने में सुविधा के लिए और/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. स्थिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह मेसर्स वाठे रूईकर
 42, मुकुंदनगर।
 पूमा—37।

(अन्तरक)

(2) श्री सुरेण जी० साठे 820, मवानी पेठ, पूना---2।

(अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के जिथ कार्यपाहियां करता हुई।

उक्त सम्वत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी शक्षपे :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्यक्तिरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित ही, नहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में विया भया है।

अनुसूची

फ्लैट प्लाट नं० 44, मुक्कुन्दनगर पूना---37। (क्षेत्र--355 वर्ग फीट)

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 1215/जुलाई 1983 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज पूना के दफ्तर में लिखा है ।)

> गणिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, पूना ।

दिनांक : 23-1-1984

मोहरु 🛭

प्ररूप बाहै, टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्ीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, विनांक 22 दिसम्बर, 1983

निदेश सं० सी॰ ए० 5/37 ईई/370/83-84—-यतः मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 4, 1552, सदाशिव पेठ, पूना-30 (क्षेत्र 469 वर्ग फीट) है तथा जो पूना-30 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक नं० 2105/सितम्बर, 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके रहयमान प्रतिफल से एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अभिक है अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तृविक रूप से किथ्त नहीं किया ग्या है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयु की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बच्ने में सूविधा के सिए; और/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा को लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) मेसर्स वी० ए० केलकर एण्ड एसोसिएटस
 722/45, नवि पेट,
 पूना—30 ।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० आर० निरगुडलर और अन्य 1411,सदाणिष पेठ पूना--30 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथीक्त सम्परित के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

डक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (क) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरों के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

मन्स्ची

फ्लैट नं० 4, सदािशव पेठ पूना--30

(जैसे कि र्राजस्ट्रीकृत नं० 2105/सितम्बर, 1983 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रैंज, पूना के दफ्तर में लिखा है ।)

शशिकांत कुलकर्णी सक्षम श्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रैंज, पूना

विनां कि : 22-12-1983

मोहर 🔞

प्रस्प वार्ष: टो. एन एस.-----

नायकर मिंधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 स (1) के अधीन पुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आमकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पूना

पूना, दिनांक 22 दिसम्बर, 1983

निदेश मं० मी० ए० 5/37 ईई०/371/83-84--यतः मुझे, शशिकांत कृलकर्णी.

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-■ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्ति जिसका उजित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी मं० फ्लैंट नं० 12, फ्लाट नं० 9, म० नं० 12बी०/4, सानेवाड़ी, औछ पूना—7, क्षेत्र 1225 वर्ग फीट) है तथा जो पूना में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्णरूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, पूना में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नं० 1944/सितम्बर, 1983,

को पूर्वोत्न सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्निविक स्प से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आग की वाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) मेसर्स वैभव बिल्बर्स 687, युधवार पेठ पूना—2

(अन्तरक)

(2) श्री अतूल पी० काले 293, डा० मोडारकर मार्ग बम्बई---7।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी काउके पूर्वोक्त संपृतित के वर्षम् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप अ-

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजमत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यब्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त कथ्यों और पर्यों का, वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

मन्त्र्ची

पर्लंड नं० 12, ण्लाट नं० 9 स० नं० 12 बी०/4, सानेबाडी, पूना—7 (क्षेत्र 1225 वर्ग फीट) (जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 1944/सितम्बर, 1983 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।

> गणिकांस कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :----

दिनांक : 22-12-1983

मोहर 🗓

प्ररूप नाइ. टी. एन. एस. ------

शायकर श्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के श्रभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 22 दिसम्बर, 1983

निवेश सं॰ सी ए-5/37ईई/373/83-84-अतः सुझें, शशिकांत कुलकर्णी,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट श्रीर पूरा-7 है तथा जो पूना-7 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक नं 1946/सितम्बर, 193,

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मूक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार बूक्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिवात से अधिक है बौर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफस, निम्नसिचित उद्देश्य से उच्त नन्तरण तिचित में शस्तिक रूप से किंगत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाग की बाबत, उस्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के श्रायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के सिए; और/बा
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उचत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया आ या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में सुविधा के सिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधी न, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मेंसर्स वैभव बिल्डसं687, बुधवार पेठ,पूना—2 ।

(अन्तरक)

(2) श्री नुगेहली जे० केशवदास
 133 स० नं० हिस्सा नं० 1 घौर 2
 बाणेर रोड, पुना—7

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त तम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभ , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित ही, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसुची

प्लैट सानेवाडी, श्रौंछ, पूना—7 । (जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 1946/सितम्बर, 1983 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के वपतर में लिखा है ।)

> णशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, पूना ।

दिनांक : 22-12-1983

मोहर 😢

प्रकृप बार्चः दीः एन्, एसः, ----

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नधीन सुवना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 22 दिसम्बर, 1983

निदेश सं० सी० ए०-5/37ईई/374/83-84---यतः मुझे, शशिकांत कूलकर्णी,

ायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें ... वे पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० पलैंट नं० 512 शुक्रवार पेठ पूना-2 है तथा जो पूना-2 में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक व नं० 2358/अक्तूबर, 1983,

जो पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृस्य से कम के इस्यमान
... जल को लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने
जा कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृस्य,
उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्यह
ं प्रतिकास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
रितिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
.ें बास्तविक रूप से क्थित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाग की वावत, उक्त बिधिनियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने मचने में सुविधा के सिए; श्रीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) . अधीन, निम्नलिखिस व्यक्तियों, वर्धात् :——
32—486GI|83

(1) मेसर्स दाध—सईकर22, मुकुंदनगर ।पूना—37

(अन्तरक)

(2) श्रीमती आशा दीवाकर जोशी 508, बुधवार पेठ। पूना-2

(अन्तरिर्त)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीव से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 512, शुक्रवार पेठ, पूना-2 (जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 2358/अक्तूबर 83 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है ।)

> शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

विनांक : 22-12-1983

मोहर 🗓

प्ररूप याई• डी॰ एन• एत॰----

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के प्रधीत सुचना

भारत सरकार

🕌 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 22 दिसम्बर, 1983

निदेश सं० सी० ए० 5/37 ईई०/375/83-84—यतः मुझे, शशिकांस कुलर्णी,

भायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है,) की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- क्ष्मण से ग्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट, नं० 3/A 202 शुक्रवार पेठ, पूना-2 (क्षेत्र 415 स्क्वे॰ फीट) है तथा जो पूना-2 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर, आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक व नं० 2357/ सक्सूबर, 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गर्द है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके रूप्यमान प्रतिफल से एसे रूपमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कृथिछ नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

पतः अब; उक्त प्रविनियम की वारा 269-ग के, प्रतुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभास (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

(1) मेसर्स दाधं सईकर 22, मुकुंदनगर । पूना---37 ।

(अस्तरक)

(2) श्री आर० के० दाते 1149, सदा शिव पेठ । पूना----30 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लि कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों प सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो में अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेषि, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस र 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्द्रश् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पा. लिखित में किए जा सकर्ग।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषि ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिय गया है।

भगुस्यी

फ्लैंट नं० 3/ए० 202, शुक्रवार पेठ, पूना—-2₄ (क्षेत्र 415 स्ववे० फीट)

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत नं० 2357/अक्तूबर/83 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज,पूना के दक्तर में लिखा है ।)

> शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

विनांक: 22-12-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 22 दिसम्बर 1983

निदेण सं० सी० ए० 5/937 ईई०/376/83-84--- यतः मुर्बे, शशिकांत कुलक्कर्णी,

जायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिके पश्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- वपए से धिक है

ष्रौर जिसकी सं० ब्लाक नं० 1 स० नं० 83/13, 14, 19 पर्वती, पूना—9 है तथा जो पूना—9 में स्थितहै (श्रौर इसे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के ार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक व नं० 2113/सितम्बर, 1983,

तो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान गितफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुभे यह विश्वास उने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का द्रिप्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल निम्नलिक्त उद्देश्य से उक्त बंतरण लिक्टि में वास्त्विक से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाग की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अजने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी भून या अन्य आस्त्यों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सौंव्धा की हिंसए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुभरण , में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नेलिखित स्पक्तियों, अर्थात् :——

(1) मेसर्स श्री रेण्का कन्स्ट्रक्शन्स
 764/6, विकक्त जिमखाना ,
 पूना—4 ।

(अन्तरक)

(2) श्री रिवन्द्र जी भागवत 17, संध्या सोसायटी, सहकार नगर । पूना—9 ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के मर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी अप के 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्ति में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खारे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जिल्ला अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थहोगा जो उस अध्याय में दिया। गया ही।

अमुसुची

ब्लाक नं० 1, स० नं० 83/13, 14, 19, पर्वती , पूना—9 (जैसे कि रिजस्ट्रीकृत नं० 2113/सितम्बर, 1983 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के वप्तर में लिखा है ।)

शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना ।

दिनांक : 22-12-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, विनांक 22 विसम्बर 1983

निदेश सं० सी० ए० 5/37 ईई०/377/83—84—यत: मुझे, शिशिकांत कुलकर्णी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं ० फ्लैट नं . ० 4, प्लाट नं ० 22 स० नं ० 133/1, 2 श्रीर 134/2 श्रींछ,पूना—7 है तथा जो पूना—7 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक व नं ० 2242/सितम्बर, 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम दशमान प्रतिकल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्ग) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्वर्षय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित से नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण संहुइ' िकसी जाग की बाजत, उक्त जिम्मीनयज्ञ के अभीन कर दोने के अन्तरक के वामित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (ण) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अव, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण बं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिवित व्यक्तियों, वर्धात् ु— मेसर्स वैभव बिल्डर्स 687, बुधवार पेठ पूना--2

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मीनाक्षी वी० रेले स्वामी विवेकानन्द सोसायटी, संत नगर, पूना--9

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोच्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आर्क्षप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख़ से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख .े 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पन्न किरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्यी

पलैट नं 4 स० नं 133/1, 2 /134/2 प्लाट नं 22 श्रोंछ, पूना---7

(क्षेत्र 1120 ल्क्बे फीट)

(जैसे कि रिजिस्ट्रीकृत नं० 2242/सितम्बर, 1983 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 22-12-1983

मोहरः

प्ररूप बाइ.टी.एम.एस. -----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-म (1) के अधीन स्थाना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 20 दिसम्बर 1983

निदेश सं० सी० ए० 5/37 ईई0/83-84—अतः मुझे, शिक्षकित कुलकर्णी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपस्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

धौर जिसकी सं० पलैंट नं० 109, पहिली मंजिल, मीनल अपार्टमेंटस् है तथा जो थाना में स्थित है (श्रीर इसेसे उपाबद्ध अनुसूची में धौर पूर्णरूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 6-6-1983,

को पूर्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गृद्द है और मुन्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसितित उद्देश्य से उक्त बन्तरण सिचित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया ग्या है है——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर येने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिम्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) मेसर्स श्री ट्रेडिंग कारपॉरेशन मित्तल टावर्स, नरीमान पाईट, बम्बई । (अन्तरक)
- (2) श्री राजेण आर० मांडावाला
 5, आजाद नगर को० आप० हार्जिसग सोसायटी,
 विलेपार्ले (वे०) बम्बई-4000056 ।
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

फ्लैट नं० 109, पहिली मंजिल मीना अपार्टमेंट पांचपाखड़ी, थाना/क्षेत्र-725/वर्ग फीट ।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नम्बर 37-ईई०/थाना/ 83-84/ 1357 दिनांक 6-7-1983 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

> शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना ।

विनांक: 20-12-1983

मोहार 🗈

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 21 दिसम्बर 1983

निदेश सं० सी० ए० 5/37 ईई०/83-84--यतः मुझे, णशिकांत कुलकर्णी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रुपये से अधिक है

ग्रीर जिसकी संव मकान नंव 5, सव नंव 349, फाईनल प्लाट नंव है तथा जो थाना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 16-7-1983,

को पूर्वीक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिख्ति में सास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी भन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जानर चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उच्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की अपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) कुमारी अरेन अनी डिकुन्हा ग्रौर अन्य 'जो' विल, 3, चरई, थाना ।

(अन्सरक)

(2) श्री प्रदीप चन्द्रकांत कुलंकणीं श्रीर अन्य दर्शनी अपार्टमेंटस्, पांचपाखड़ी, धाना । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे.।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं.० 5, स० नं० 349, फाईनल प्लाट नं० 284 टी० पी० स्कीम नं० 1 थाना/ क्षेत्र—1056 वर्ग गज ।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नम्बर 37-ईई०/1366 थाना/ 83-84 विनांक 16-7-1983 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

> शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

विनांक : 21-12-1983

मोहर :

प्रक्ष् वा<u>रं .वी .प्र .प्र .------</u>-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुन्त

हाउत चुडक्त

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 20 दिसम्बर 1983

निदेण स० सी० ए०-5/3 7 ईई/3 85/83-84--यनः मुझे, शशिकांत, कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 का की मीम सक्तम प्राधिकारों को यह दिश्यास करने का कारण हैं कि स्थावर संपर्तित, जिसका उचित आजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० दुकान 6, सीताराम अपार्ट मेंट्स है तथा जो पूना में स्थित है (श्रीर इससे उपाय अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 29-7-1983,

को प्योंक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्बलिखित उच्च स्म से उक्त अन्तरण सिचित में बास्त्विक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किथी जाग जी बाबत, उक्त अभिनियस के जभीन कर येथे के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृद्धिश के लिए; आंद्र/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सृविभा के सिए;

(1) श्री वामोदर रामचन्द्र गोले, 722, नवी पेठ, पूना ।

(अन्तरक)

(2) श्री रामभाऊ आबाजी गिरमकर $672/सी\circ/2$, बुधवार पेठ, पूना ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वृर्वन् के तिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकासन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति था और अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिकित में किए जा तकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं कुर्य होगा जो उस मुख्याय में विवा ग्या है।

अनुसूची

बुकान नं० 6, सीताराम अपार्टमेंटस् सी० टी० एस० नं० 351 रास्ता पेठ, पूना/क्षेत्र -200 वर्ग फीट (कारपेट एरिया)। (जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नम्बर 37 ईई)पूना/1175/83-84 दिनांक 16-7-1983 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जैन रेंज, पूना ।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

दिनांफ : 20-12-1983

माहर :

प्रकृष वाहै . टी . एन् . एस . ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के सभीत सूचना

शास्त्र करकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

production of the control of the control of

पूना, विनांक 28 दिसम्बर 1983

निदेश सं० सी० ए० 5/83--84----यतः मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,

वायकर विभिन्निम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद 'उक्त विभिन्यम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 2 जय भवानी अपार्टमेंटस् प्लाट नं० 6, सर्वे नं० 12 9/1 बी और 156/1ए आकर्डी पूना—33 जो पूना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबक्ष अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 29-7-1983, को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का मन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिकक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (कं) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में कृषिधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी माय या किसी धन या जन्म आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विधीनवम, 1957 (1957 का 27) के प्रकोचनार्व बन्दरिती दूनारा प्रकट नहीं किया दना था वा किया वाना वाहिए वा, कियाने में सुविधा के निए;

जतः अव, उत्तत जिथिनियमं की भारा 269-गं के, जनुसरण भों, में उक्त अधिनियमं की भारा 269-णं की उपभारा (७) के अभीन्, निम्निल्लित अयिक्तियों अर्थात् ६—— (1) श्री आर० सी० खिवसारा, मेससं जयभवाती एण्टरप्राइजेस 377/ए०, मुक्रवार पेठ पूना ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती आर० टी० चौधरी, II, जय भवानी अपार्टमेंट चिचवड पूना—19 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तिमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राज्यत्र में प्रकाशन की शारीज के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हूँ, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गय। है।

अनुसूची

पलैट नं० 2 जय भवानी श्रपार्टमेंटस प्लाट नं० 6 सर्वे नं० 129/1वी०, श्रौर 159/1ए । आकुर्डी, पूना—33 (जैसी कि रजिस्ट्रीकृत सं० 37 ईई०/1600/ 83-84 पूना जो तारीख 29-7-83 को महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा है।)

शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना ।

दिनांक : 28-12-1983

मोहुरु 🖫

प्रकृप पाई० टी • एन • सं०--

भायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 13) को छारा 269-म (1) के प्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 28 दिसम्बर, 1983

निवेश सं० सी० ए०/5-83-84---यतः मुझें, शशिकांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवात् 'उात अधिनियम' कहा गया है की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० पलैट नं० 6 जय भवानी अपार्टमेंट प्लाट नं० 6 सर्वे नं० 129/1बी० श्रौर 159/1 ए० आकुर्डी पूना—19 है तथा जो पूना में स्थित है (श्रौर इससे उपावद अनुसूची में श्रौर पूर्णे रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयक आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में रिजस्ट्रीकरण गिंधनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 29—7—83,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कल निम्नलिचित उद्देषय से उच्च अन्तरण मिन्निच में बास्तिवक कप से कथित नहीं किया गया है है——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त आंध-नियम के अधीन कर दीने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अध, उन्त अधिनियम, की धारा 269-म के बनुतरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यि मी, अधीत :——
33—486 GI/83

(1) श्री आर० सो० खिवसारा मेसर्स अयमवानी एण्टरप्राइजेज 377/9 श्कार पठ पुना-2

(अन्तरक)

(2) श्री यू० के० ुमे

IV जयभवानी अपार्टमेंट
चिववड पूना---19।

(अन्तरिती)

- (3) (वह न्यक्ति, जिसके अधिशोग में सम्पत्ति है)
- (4) (बह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगी।

स्यव्होक्तरमध्य-इसमें पर्कत सन्धं भीर पटौ का, जो उक्त अक्षितियम के अध्याय 20 क में परिमाणित है, बही भं होगा, बो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० छठा जयभवानी अपार्टमेंट प्लाट नं० ६ सर्वे नं० 129/1बी श्रीर 159/1 ए०, आकुर्डी पुना—33

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत नं ० 1602/37 ईई ०/पूना जो तारीख 29-7-83 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा है।)

> णणिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 29-12-1983

मोहर :

शरूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुमना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांकः 28 दिसम्बर 1983

निदेश सं० सी० ए० 5/83-84--यतः मुझे, णशिकांत कुलकर्णी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उषित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं ० फ्लैट नं ० 1 जयभवानी अपार्टमेंट प्लाट नं ० 6 सर्वे नं ० 129/1 वी० और 159/1 ए० आकुर्डी पूना—33 है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपावत अनुसूची में और पूर्ने रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 29—7—1983,

को प्रवेकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उाथित बाजार मृल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त मधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः सम, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६(1) श्री आर० सी० खिनसरा मेसर्स जयभयानी इण्टरप्राइजेज 377/9 शुक्रवार पेठ पूना-2

(अन्तरक)

(2) श्रीमती एस० डी० मित्तल **I**-जयभवानी अपार्टमेंट चिचवड पूना-19

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 विन की अविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (थ) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध फिसी कन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास् निवित्त में किये जा सकेंगे।

स्पक्तीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ए^ड, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया प्रा है 1]

अनुसूची

फ्लैट नं र I जयभवानी अपार्टमेंट प्लाट नं र 6 सर्वे नं र 129/ 1बीर और 159/1ए आकुर्डी पूना—33

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत नं० 37 ईई/1601/पूना/83-84 जो तारीख 29-7-83 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा है (1)

शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

विनांक : 28-12-1983

मोहरु 🛭

मुक्य बार्ड दी एव एव .-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के जुधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 28 दिसम्बर 1983

निवेश सं० सी० ए०-5/404/83-84--यतः मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के वधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, विश्वका उपित् वाचार मूख्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 3 जय भवानी अपार्टमेंट प्लाट नं० 6 सर्वे नं० 129/1वी और 159/1ए आकुर्डी पूना है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में अ ौपूर्ण रू से विणत है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायकप आयकर आयुक्त (निरीक्षण अर्जन रंज, पूना रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर 83,

को पूर्वेक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विद्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से ऐसे इत्यमान प्रतिकल का पन्नह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्वेशों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; औट्ट/मा
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, धिपाने में स्विभा के सिए;

भतः मन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मी, मी, उफ्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, फिम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थातुः---- (1) श्री आर० सी० खिवसरा मेसर्स जय भवानी इण्टरप्राइजेस 377/ए०, गुक्तवार पेठ पूना---2

(अन्तरक)

(2) श्रीमती एस० एच० राठोड़ III जयभवानी अपार्टमेंट चिचयड पूना—19

(अन्तरिती)

- (3) (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग ; सम्पत्ति ई)
- (4) (वह व्यक्ति, जिसके बारे; अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति; हितबद्ध ई)

करेयह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में अकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मन्स्ची

प्लैट नं० 3 जय भवानी अपार्टमेट प्लाट नं० 6 सर्वे नं . 129/ 1वीं और 159/1ए०, आकुर्डी पूना—33

(जैसा कि रजिस्ट्री छत नं० 37 ईई/1603/पूना/83-84 जो तारोख 29-7-83 को सहायक आयक्र आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रंज पूना के दफ्तर में लिखा है।)

णणिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 28-12-1983

मोहर:

प्रस्प बाइ . टी. एन्. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुभाना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक मायकर मायुक्त (निर्देश्ण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 23 जनवरी, 1984

निदों सं० सी० ए० 5/37 ईई/419—83/84—यतः मुक्ते, शशिकांत कुलकर्णी.

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निरवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित नाजार मून्य 25,000/- रह. में अधिक है और जिसकी संज पत्रैंट तं ० 7~प्रियंवदा अपार्टमेंटस म० नं० 93 फाईनल प्लाटनं ० 15 टीजपी जापन अवस्त्र है तथा जो एरंडवना

फाइनल प्लाटन ० 15 टाउपार एमर न ० 1 हत्याजा एरडबना पूना में स्थित है (और इससे उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर अधुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज पूना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1983, को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापवीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार

प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूर्भ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्मह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित के यास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण सहूई किसी आय की बाबत, उक्त अभि-नियम के अधीन कर धेने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किनी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अगः, अब, उपत अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) मेससे एम० बी० चितडे और ए० के० अनगल मेसर्स हिन्दुस्ताम बिल्डर्स, 836, सदाशिव पेठ, पूना ।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० जी० वापट, स**्ट्-रबर्ड** सोसायटी, 1046, शिवाजी नगर, पूना ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के सिष् कार्यवाहिया करता हो।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप 🖫

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्पष्टिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पर्लैट नं० 7 प्रियंघषा अपार्टमें टस सर्वे नं० 93,फाईनल प्लाट नं० 15- टी० पी० एस०- नं०-1 सिटी सर्वे नं० 19 एरंडबना, पूना । क्षेत्र-860 वर्ग फीट कारपेट एरिया ।

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत नम्बर 37 ईई/2385/83-84/ पूना/दिसम्बर, 1983 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा है)

> ग्रिमकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी यहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

दिनाँक : 23-1-1984

मोहर:

प्ररूप भाषी, ठी, एत., एस., ------

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के नभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यासम, सहायक आयकर आयुक्त (निर्धिक्ण्)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 9 दिसम्बर 1983

निवेश सं० सी० ए०-5/37 ईर्ष०/422/83-84---यतः मुझे, गशिकांत कुलकर्णी,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 6 दूसरी मंजिल सर्वे नं० 93 एफ० पी० नं० 15 एरण्डवना पूना है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णस्प से वर्णीत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 9-6-1983,

को पूर्विक्स सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया इतिफल, निम्नलिखित उद्देष्यों से उक्त अंतरण लिखित में शास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उत्तः अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दावित्य में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (ब) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुनिधा की लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :—

(1) मेसर्स एम० बी० चितले और ए० के० अनगल द्वारा हिन्दुस्तान बिल्डर्स 264/1 शनिवार पेठ पुता---30

(अन्तरक)

(2) श्री विजय अन्नंत कालगांवकर बी०/4 स्वरूप सोसायटी सी० टी० एस० नं० 130 एरंडवना पूना--4

(अन्तरिती)

को यह सृचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे किस क्ये किसी क्ये किस बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्यभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्थव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिन्यम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

फ्लैट नं० 6 दूसरी मंजिल प्रियवदा अपार्टमैंट, सर्वे नं० 93 एफ० पी० नं० 15-सी० एस० नं० 19 एरेंडबना पूना।

(जैसा कि रिजस्ट्रीकृत नं० 37 ईई/891/83-84 को तारीख 9-6-83 को सहायक आयक्त आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना के आफिस में लिखा है।)

शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी स**हायक** आयकर **ग्रायुक्**त (निरीक्षण) अ**र्ज**न रेंज, पूना

दिनांक : 9-12-1983

मोहर 🛭

प्रस्य वार्<u>ष</u>े दी, एन, एस. - - - ---

भायकर मिपिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 12 जनवरी 1984

निदेश सं० सी० ए० 5/37 ईई0/423/83-84—यतः मुझे, शशिकांत कुलकर्णीं,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/-रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लैट नं० ए०-4 प्लाट नं० 26, सेक्टर 9 ए है तथा जी वाशी, न्यू बम्बई में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जून, 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोनें के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/वा
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अस्तिरती व्याप प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उच्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भौ., भी, उच्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिचित व्यक्तियों, अर्थात् ह—- (1) श्री सुरजीन सिंग वजीरसिंग अरोरा 7/29, प्रेम प्रकाश, लक्ष्मी कालोनी, चेंबूर, बम्बई---400074 ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती जयश्री जय प्रकाश रतानी ए०-104, द्वारकेश्वरी, दफ्तरी रोड, मालाड (ईस्ट), बम्बई--400064 । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्स संपक्ति <mark>के वर्जन के लिए</mark> कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्प्रति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा कथाहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थलकीकरण —-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अभूसुची

फ्लैट नं० ए०-4, रैशमा को श्राप० हार्डीसंग सोसायटी लि०, प्लाट नं० 26, सेक्टर-9 ए, वाशी, न्यू बम्बई-400703/क्षेत्र-754 वर्ग फीट ।

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत नम्बर 37-ईई०/83-84/थाना जून 1983 को सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, पूना के वफ्तर में लिखा है।)

> गशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 12-1-1984

मोहर 🤃

प्ररूप आई. टी. एन. एस. 🕾 - - ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्क्षिण)

ग्रर्जन रेंज-।।, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 फरवरी 1984

निदेश सं० प्रर्ह/2/37ईई/2253/83-84--प्रतः मुझे, एस० एच० प्रज्ञास प्रविदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 251, पाली हिल, बम्बई-400 050 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रौर पूर्णरूप में वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन, वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। दिनांक 2-6-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है ।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर्/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रीमती रुक्मणी हिरा।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री के० ग्रो० जार्ज ।

(ग्रन्तरक)

(3) श्रन्तरिती । (वह व्यक्ति, जिसके श्रधियोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० बी०-81, कोश्ती होम, 251/ पाली हिल, बम्बई $400\,050$ में स्थित है। ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-2/2253/ 83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-6-1983 को रिजम्टर्ड किया गया है।

एस० एच० श्रब्बास श्रबिधी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-2, बम्बई

विनांक: 13-2-1984

मोहर :

प्रस्य बाह्ये टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कायीलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-II, बम्बई बम्बई, दिनांक 4 फरवरी, 1984

निदेश सं० श्रई-2/37ईई/2312/82-83—श्रतः मुझे, एस० एच० श्रब्बास श्रविदी,

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संव तारा कुज, पहली मंजिल, बेसेंट स्ट्रीट, सांताकुज बम्बई—54 है तथा जो सान्ताकुज में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णक्प से वर्णित है), श्रीर कख के श्रधीन जिसका करारतामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्री, है तारीख 2-6-83 बम्बई में को पूर्वों कत संपत्ति के जितत बाजार मृल्य से कम के ध्रयमान श्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का जिलत बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह श्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीलिखत उद्वंश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से बुद्ध किसी जाय की बायत्, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अक्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वजने में सुविधा के निष्; और/या
- (क) ऐसी किसी भाय या किसी भन या अस्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) मुं अधीम,, निम्निचिश्वत व्यक्तियों, अर्थात् ः— (i) श्रीमती तारामती नागजीं निसार ग्रौर श्रीमती केसरक्षे न मावजी नियार

(अन्तरक)

- (2) श्रीमती मणीबेन वासनजी निसार । (ध्रन्तरिती)
- (3) ग्रन्तरक । (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्मिति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त , व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वाय अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह¹, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

मन्स्ची

"ताराक्षेज" पहली मंजील, बेसेंट स्ट्रीट, सान्ताकुज (पश्चिम), बम्बई में स्थित । प्रनुसूची जैसा कि करु सं० प्रई-2/2312/ 83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-6-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एस० एच० प्रब्बास श्रविदी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज→2 बस्बई ।

दिनांक : 4-2-1984

मोहर 🛭

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New 1)elfi(-110011, the 21st January 1984

No. A-32014/J/84-Admn I.—The President is pleased to appoint the following Senior Personal Assistants (Grade B of CSSS) of the cadre of Union Public Service Commission as Private Secretary (Grade A of CSSS) in the same care on adhoc basis for the period shown against their names or unit further orders, whichever is earlier:—

SI.	
No. Name	Period
1. Shri I.N. Sharma	9-1-84 to 8-4-84
2. Shri Tarsem Singh	16-1-84 to 15-4-84

No. A-32014/2/84-Admn. I.—The President is pleased to appoint the following Personal Assistant/Sel. Grade Personal Assistant of the CSSS Union Public Service Commission as Sr.P.A. (Grade B of CSSS) in the same cadre on ad-hoc basis for the periods shown against their names or until further orders whichever is earlier:—

Sl. No.		Periods	Remarks
1.	Shri Sunder Lal	9-1-84 to 8-4-84	Vice Sh. I.N. Sharma appointed as P.S.
2.	Shri R. P. Dang	16-1-84 to 15-4-84	Vice Sh. Tarsem Singh appointed as P.S.

2. The above mentioned persons should note that their appointment as Sr.P.A. (Grade B of CSSS) is on ad-hoc basis and will not confer on them any title for absorption in Grade B of CSSS or for seniority in that grade.

M.P. JAIN Under Secy. (Admn.) Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS (DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R.,)

CFNTRAL BUREAU OF INVESTIGATION New Delhi, 1984

No. P-30/65-AD.V(Vol.II).—The President having been pleased to accept his notice for voluntary retirement under Sub-rule 3-A (a) and (b) of Rule 48-A of CCS (Pension) Rules, 1972, Sri P. S. Mahadevan, Supdt. of Police, C.B.I., Madras Branch stood relieved with effect from the afternoon of 31st January, 1984.

The 9th February 1984

No. A 19036 1/78-AD.V.—On superannuation, Shri D. R. Chauhan Dy. Supdt. of Police, Central Rureau of Investigation, Jaipur relinquished charge of the Office of Dy. Supdt. of Police, C.B.I. with effect from the afternoon of 31st January, 1984.

The 10th February 1984

No. A-19021/8/82-AD.V.—On attaining the age of superannuation, Shri Swaran Singh, Assistant Director (Co.)/CBI, New Delhi relinquished charge of the office of Assistant Director with effect from the afternoon of 31st January, 1984.

No. A-20023/6/83-AD.V.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment, hereby appoints Shri Om Prakash as Public Prosecutor C.B.I. with effect from the forenoon of 30-1-1984 in a temporary capacity.

-No. A/19014/3 [84 AD.V.—The President is pleased to appoint 5mt. Lattle Satan, IPS (Lomil Nadu 1176) as Superintendent of Police on deputation basis in the Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment with effect from the forenoon of let February, 1984 upto 31st January, 1987

The 14th February 1984

No. A-19023 2'84-AD.V.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment hereby appoints Shri W. Bhumeshwar Singh as Public Prosecutor C.B.I. on deputation with effect from the forenoon of 2nd February, 1984 and until further orders.

Shri W. Bhumeshwar Singh is posted in CBI Silchar Branch. The 14th February 1984

No. A/20023/5/83-AD.V.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment, hereby appoints Md. Latifur Rehman Ansari as Public Prosecutor, C.B.I. with effect from the forenoon of 3rd February, 1984 in a temporary capacity.

R. S. NAGPAL, Admn, Offr. (E) Central Bureau of Investigation

DIRECTORATE GENERAL CRP FORCE New Delhi-110003, the 9th February 1984

CORRIGENDUM -- Re-employment of It Col. J. K Berry (Retd.)

No. O.II-1799/83-Estt. CRPF.—Reference this Dtc. Genl. CRPF Notification No. O.II-1799/83-Estt dated 12-5-83.

2. Instead of "Until further orders" appearing in III/IV lines of para-1 of this Dte. Genl. Notification referred to above read "for two years in the first instance".

The 13th February 1984

No. P. VII-4/82-Estt-I-Vol. III.—The President is pleased to appoint on promotion the following Dy. S.S.P. of CRPF to the rank of Assistant Commandant in a temporary capacity till further orders.

2. They took over charge of the post on the dates indicated against their names:—

S. No.	Name of the officer			-	Date of taking over
1	2				3
1.	Shri G.L. Sawhney			_ :	3-8-83 (AN)
2.	Shri A.K. Chibber .				3-8-83 (AN)
3.	Shri S.S. Sandhu				4-8-83
4.	Shri M.S. Gulati				3-8-83 (AN)
5.	Shri G.S. Kahai .				10-8-83
6.	Shri B.S. Yambam .				11-1-84 (AN)
7.	Shri V.K. Sagar .				
8.	Shri Harmohinder Singh	ı			4-8-83 (AN)
9.	Shri Om Dayal Mathur				4-8-83
10.	Shri Srikant		-	,	3-8-83 (AN)
11.	Shri Virender Singh Yad	дv			3-8-83 (AN)
12.	Shri J.S. Gehlaut .				4-8-83
13.	Shri Satsaroop Singh				4-8-83
14.	Shri S.M.Z. Rizvi .				4-8-63 (AN)
15.	Shri V.P.S. Panwar				3-4-813
16.	Shri P.G.G. Nair				5-8-93
17.	Shri G.N. Kabadi				4-3-83
18.	Shri Pr tam Singh				4-8-83
19.	Shri Shanta Ram .				20-9-83
20.	Shti T.K. Joshi				3-8-83 (AN)
21.	Shri Ranbir Singh				4-8-83
22.	Shri Suchet Singh .				4-8-83
23.	Shri Agya Ram Gupta				4-8-83
24,	Shri D.P. Yadav				4-8-83

88. Shri M.S. Dhillon .

4-8-83

2	3	1 2 3
25. Shrl Sayar Singh	. 3-8-83 (AN)	89. Shri Jagdish Singh 5-8-83
26. Shri Jaipal Singh	3-8-83 (AN)	90. Shri Kehar Singh 4-8-83
27. Shri Kuldeep Singh	. 7-8-83	91. Shri V.K. Kapil Singh Ka 18-8-83 (AN)
28. Shri Madan Lal	. 4-8-83	92. Shri Sant Singh
29. Shri Jaibir Singh Bhati	. 3-8-83 (AN)	93. Shri Man Singh
30. Shri Anand Singh Rawat .	. 21-8-83 (AN)	94. Shri Mohinder Singh
31. Shri Avtar Singh	. 4-8-83	95. Shri Chiranji Lal Sharma 4-8-83
32. Shri Jaswant Singh	. 4-8-83	96. Shri Sohan Singh
33. Shri J.J.S. Pannu	, 8-8-83	97. Shri Sukhwant Singh 6-8-83
34. Shri H.S. Gidda	. 4-8-83	98. Shri P.N. Adiyodi . 4-3-83 (AN)
35. Shri B.R. Sharma	. 16-8-83	99. Shri Ram Murti Singh 4-8-83
36. Shri B.P. Thapa	. 4-8-83	100. Shri S.S. Rawat
37. Shri N.V. Poedi Kayil	4-8-83	101. Shri Mohan Singh 3-8-83 (AN)
38. Shri I.P. Singh	8-8-83	102. Shri Raghunandan Kumar 3-8-83 (AN)
39. Shrl P.S. Mankotia	. 4-8-83	102 Ch D C Tr 1
40. Shri P.N. Deendayalan	, 3-8-83 (AN)	103. Shri K.C. Yaday
41. Shri A.N. Tripathi	. 22-8-83	105 51 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1
42. Shri J.N. Kapoor	. 3-8-83 (AN)	
43. Shri R.L. Gupta	. 13-8-83	40- 84 4-8 4-4
44. Shri D.S. Dhariwal	. 4-8-83	107. Shri B.S. Gahlaut 4-8-83 (AN) 108. Shri S.S. Ahluwalia 8-8-83
45. Shri T.R. Sharma	. 3-8-83 (AN)	
46. Shri Narain Singh Negi	. 4-8-83	109. Shri T.K. Dey
47. Shri N.C. Bhatt	. 4-8-83 (AN)	110. Shri K.R.P. Kurup 3-8-83 (AN) 111. Shri S.S. Gill 8-8-83
48. Shri N. Bhardwaj	0.000	
49. Shri Z.F. Khan	. 12-9-83	112. Shri J.S. Mehar
50. Shri C.V. Mathew	4.0.05	113. Shri S.S. Mohinder Singh 6-8-83 (AN)
## 61 1 TT (1) 61 4	4.0.03	114. Shri Main Singh Nim
51. Shri Harbhajan Singh 52. Shri S.K. Rath	. 4-8-83 (AN)	115. Shri Kaplunghui Valshiarao 6-8-83 (AN)
AA OLIVER TO TE MODEL	. 4-8-83	116. Shri Umrao Singh , 6-8-83 (AN)
CA CULT DIGITAL	4.0.00	117. Shri K. Pottaiah 6-8-83 (AN)
55, Shri Shambhu Dutt Pandey	. 4-8-83 . 4-8-83	
56. Shri T. Sethuraman		A. K. SUF
57. Shri Harprat Singh Growal	. 3-8-83 (AN)	Assistant Director (Est
40 CT 1 CT 1 TS1 T1	. 3-8-83 (AN) . 4-8-83	
59. Shri Suresh Dhundia 59. Shri D.R. Pathak		MINISTRY OF FINANCE
CO. CH. LACTO AT CO.	. 4-8-83	WILLIAM OF THIS INCE
64 64 1764 134	. 4-8-83	(DEPARTMENT OF E.A.)
	. 5-8-83	INDIA SECURITY PRESS
62. Shri R.K. Gaur	. 4-8-83	
		Nasik Road, the 9th February 1984
63. Shri Ramesh Chandra	. 4-8-83	
64. Shri R.S. Tiwana	. 7-11-83	
64. Shri R.S. Tiwana 65. Shri Mahavir Singh	. 7-11-83 . 2-9-83	No. 47/A.—In continuation of Notification No. 197/A
64, Shri R.S. Tiwana 65, Shri Mahavir Singh 66, Shri B.K. Kaushal	. 7-11-83 . 2-9-83 . 4-8-83	No. 47/A.—In continuation of Notification No. 197/A 9-12-1982 the ad-hoc deputation of Shri G. Narayan San DCO, as Administrative Officer, in India Security President of the
64. Shri R.S. Tiwana 65. Shri Mahavir Singh 66. Shri B.K. Kaushal 67. Shri George C. Francis	. 7-11-83 . 2-9-83	No. 47/A.—In continuation of Notification No. 197/A 9-12-1982 the ad-hoc deputation of Shri G. Narayan San DCO, as Administrative Officer, in India Security Pre Nasik Road, has been regularised on deputation basis up
64. Shri R.S. Tiwana 65. Shri Mahavir Singh 66. Shri B.K. Kaushal 67. Shri George C. Francis 68. Shri N.G. Subramaniam	7-11-83 2-9-83 4-8-83 3-8-83 (AN) 4-8-83	No. 47/A.—In continuation of Notification No. 197/A 9-12-1982 the ad-hoc deputation of Shri G. Narayan San DCO, as Administrative Officer, in India Security President of the
64. Shri R.S. Tiwana 65. Shri Mahavir Singh 66. Shri B.K. Kaushal 67. Shri George C. Francis 68. Shri N.G. Subramaniam 69. Shri C.J.M. Albert	7-11-83 2-9-83 4-8-83 3-8-83 (AN) 4-8-83 4-8-83	No. 47/A.—In continuation of Notification No. 197/A 9-12-1982 the ad-hoc deputation of Shri G. Narayan San DCO, as Administrative Officer, in India Security Pre Nasik Road, has been regularised on deputation basis up 13-4-1985.
64. Shri R.S. Tiwana 65. Shri Mahavir Singh 66. Shri B.K. Kaushal 67. Shri George C. Francis 68. Shri N.G. Subramaniam 69. Shri C.J.M. Albert	7-11-83 2-9-83 4-8-83 3-8-83 (AN) 4-8-83	No. 47/A.—In continuation of Notification No. 197/A 9-12-1982 the ad-hoc deputation of Shri G. Narayan San DCO, as Administrative Officer, in India Security Pre Nasik Road, has been regularised on deputation basis up
64. Shri R.S. Tiwana 65. Shri Mahavir Singh 66. Shri B.K. Kaushal 67. Shri George C. Francis 68. Shri N.G. Subramaniam 69. Shri C.J.M. Albert	7-11-83 2-9-83 4-8-83 3-8-83 (AN) 4-8-83 4-8-83	No. 47/A.—In continuation of Notification No. 197/A 9-12-1982 the ad-hoc deputation of Shri G. Narayan San DCO, as Administrative Officer, in India Security Pre Nasik Road, has been regularised on deputation basis up 13-4-1985. No. 48/A.—In continuation of the Notification No. 28/Estt. Date 8-8-1983, the ad-hoc appointment of Shri G. Sapkale. as Assistant Controller of Stamps, in the Cent
64. Shri R.S. Tiwana 65. Shri Mahavir Singh 66. Shri B.K. Kaushal 67. Shri George C. Francis 68. Shri N.G. Subramaniam 69. Shri C.J.M. Albert 70. Shri Baljit Kumar Sharma	7-11-83 2-9-83 4-8-83 3-8-83 (AN) 4-8-83 4-8-83 4-8-83 3-8-83 (AN)	No. 47/A.—In continuation of Notification No. 197/A 9-12-1982 the ad-hoc deputation of Shri G. Narayan San DCO, as Administrative Officer, in India Security Pre Nasik Road, has been regularised on deputation basis up 13-4-1985. No. 48/A.—In continuation of the Notification No. 28/Estt. Date 8-8-1983, the ad-hoc appointment of Shri G.
64. Shri R.S. Tiwana 65. Shri Mahavir Singh 66. Shri B.K. Kaushal 67. Shri George C. Francis 68. Shri N.G. Subramaniam 69. Shri C.J.M. Albert 70. Shri Baljit Kumar Sharma 71. Shri J.A. Panikullam 72. Shri C.M. Bakshi 73. Shri Rameshwar Dass Sharma	7-11-83 2-9-83 4-8-83 3-8-83 (AN) 4-8-83 4-8-83 4-8-83	No. 47/A.—In continuation of Notification No. 197/A 9-12-1982 the ad-hoc deputation of Shri G. Narayan San DCO, as Administrative Officer, in India Security Pre Nasik Road, has been regularised on deputation basis up 13-4-1985. No. 48/A.—In continuation of the Notification No. 28/L Estt. Date 8-8-1983, the ad-hoc appointment of Shri G. Sapkale, as Assistant Controller of Stamps, in the Cent Stamp depot, has been regularised w.e.f. 14th January 19
64. Shri R.S. Tiwana 65. Shri Mahavir Singh 66. Shri B.K. Kaushal 67. Shri George C. Francis 68. Shri N.G. Subramaniam 69. Shri C.J.M. Albert 70. Shri Baljit Kumar Sharma 71. Shri J.A. Panikullam 72. Shri C.M. Bakshi 73. Shri Rameshwar Dass Sharma	7-11-83 2-9-83 4-8-83 3-8-83 (AN) 4-8-83 4-8-83 4-8-83 3-8-83 (AN)	No. 47/A.—In continuation of Notification No. 197/A 9-12-1982 the ad-hoc deputation of Shri G. Narayan San DCO, as Administrative Officer, in India Security Pre Nasik Road, has been regularised on deputation basis up 13-4-1985. No. 48/A.—In continuation of the Notification No. 28/L Estt. Date 8-8-1983, the ad-hoc appointment of Shri G. Sapkale, as Assistant Controller of Stamps, in the Cent Stamp depot, has been regularised w.e.f. 14th January 19: No. 49/A.—In continuation of Notification No. 35/A 1.
64. Shri R.S. Tiwana 65. Shri Mahavir Singh 66. Shri B.K. Kaushal 67. Shri George C. Francis 68. Shri N.G. Subramaniam 69. Shri C.J.M. Albert 70. Shri Baljit Kumar Sharma 71. Shri J.A. Panikullam 72. Shri C.M. Bakshi 73. Shri Rameshwar Dass Sharma 74. Shri Jitender Nath Sharma	7-11-83 2-9-83 4-8-83 3-8-83 (AN) 4-8-83 4-8-83 4-8-83 3-8-83 (AN) 3-8-83 (AN) 4-8-83	No. 47/A.—In continuation of Notification No. 197/A 9-12-1982 the ad-hoc deputation of Shri G. Narayan Sar DCO, as Administrative Officer, in India Security Pre Nasik Road, has been regularised on deputation basis up 13-4-1985. No. 48/A.—In continuation of the Notification No. 28/Estt. Date 8-8-1983, the ad-hoc appointment of Shri G. Sapkale, as Assistant Controller of Stamps, in the Cent Stamp depot, has been regularised w.e.f. 14th January 19: No. 49/A.—In continuation of Notification No. 35/A 19-9-1983 the ad-hoc appointment of Shri M. S. Pand D.C O. and Shri K, K. Pathak, D.C.O. of India Security Presented Stamp Stamp Stamp Security Presented Stamp Stam
64. Shri R.S. Tiwana 65. Shri Mahavir Singh 66. Shri B.K. Kaushal 67. Shri George C. Francis 68. Shri N.G. Subramaniam 69. Shri C.J.M. Albert 70. Shri Baljit Kumar Sharma 71. Shri J.A. Panikullam 72. Shri C.M. Bakshi 73. Shri Rameshwar Dass Sharma 74. Shri Jitender Nath Sharma	7-11-83 2-9-83 4-8-83 3-8-83 (AN) 4-8-83 4-8-83 4-8-83 3-8-83 (AN) 3-8-83 (AN) 4-8-83	No. 47/A.—In continuation of Notification No. 197/A 9-12-1982 the ad-hoc deputation of Shri G. Narayan San DCO, as Administrative Officer, in India Security Pre Nasik Road, has been regularised on deputation basis up 13-4-1985. No. 48/A.—In continuation of the Notification No. 28/A Estt. Date 8-8-1983, the ad-hoc appointment of Shri G. Sapkale, as Assistant Controller of Stamps, in the Cent Stamp depot, has been regularised w.e.f. 14th January 19: No. 49/A.—In continuation of Notification No. 35/A 19-9-1983 the ad-hoc appointment of Shri M. S. Pand D.C.O. and Shri K. K. Pathak, D.C.O. of India Security Pre Nasik Road, is further extended for a period of 6 mon
64. Shri R.S. Tiwana 65. Shri Mahavir Singh 66. Shri B.K. Kaushal 67. Shri George C. Francis 68. Shri N.G. Subramaniam 69. Shri C.J.M. Albert 70. Shri Baljit Kumar Sharma 71. Shri J.A. Panikullam 72. Shri C.M. Bakshi 73. Shri Rameshwar Dass Sharma 74. Shri Jitender Nath Sharma 75. Shri Ashwani Kumar Sharma	7-11-83 2-9-83 4-8-83 3-8-83 (AN) 4-8-83 4-8-83 4-8-83 3-8-83 (AN) 3-8-83 (AN) 4-8-83	No. 47/A.—In continuation of Notification No. 197/A 9-12-1982 the ad-hoc deputation of Shri G. Narayan San DCO, as Administrative Officer, in India Security Pre Nasik Road, has been regularised on deputation basis up 13-4-1985. No. 48/A.—In continuation of the Notification No. 28/A Estt. Date 8-8-1983, the ad-hoc appointment of Shri G. Sapkale, as Assistant Controller of Stamps, in the Cent Stamp depot, has been regularised w.e.f. 14th January 19: No. 49/A.—In continuation of Notification No. 35/A 19-9-1983 the ad-hoc appointment of Shri M. S. Pand. D.C.O. and Shri K. K. Pathak, D.C.O. of India Security Pre Nasik Road, is further extended for a period of 6 mon w.e.f. 20-10-1983 and 11-10-1983 to 19-4-1984 and 10-4-19
64. Shri R.S. Tiwana 65. Shri Mahavir Singh 66. Shri B.K. Kaushal 67. Shri George C. Francis 68. Shri N.G. Subramaniam 69. Shri C.J.M. Albert 70. Shri Baljit Kumar Sharma 71. Shri J.A. Panikullam 72. Shri C.M. Bakshi 73. Shri Rameshwar Dass Sharma 74. Shri Jitender Nath Sharma 75. Shri Ashwani Kumar Sharma 76. Shri Prem Lal Shiwan 77. Shri Roshan Lal Bhatt 78. Shri K.K. Jordar	7-11-83 2-9-83 4-8-83 3-8-83 (AN) 4-8-83 4-8-83 4-8-83 3-8-83 (AN) 3-8-83 (AN) 4-8-83 12-8-83 12-8-83 (AN)	No. 47/A.—In continuation of Notification No. 197/A 9-12-1982 the ad-hoc deputation of Shri G. Narayan San DCO, as Administrative Officer, in India Security Pre Nasik Road, has been regularised on deputation basis up 13-4-1985. No. 48/A.—In continuation of the Notification No. 28/Estt. Date 8-8-1983, the ad-hoc appointment of Shri G. Sapkale, as Assistant Controller of Stamps, in the Cent Stamp depot, has been regularised w.e.f. 14th January 19: No. 49/A.—In continuation of Notification No. 35/A 19-9-1983 the ad-hoc appointment of Shri M. S. Pand D.C.O. and Shri K. K. Pathak, D.C.O. of India Security Pre Nasik Road, is further extended for a period of 6 mon w.e.f. 20-10-1983 and 11-10-1983 to 19-4-1984 and 10-4-19 respectively on the same terms and conditions or till the same terms are conditions or till the same terms and conditions or till the same terms are conditions.
64. Shri R.S. Tiwana 65. Shri Mahavir Singh 66. Shri B.K. Kaushal 67. Shri George C. Francis 68. Shri N.G. Subramaniam 69. Shri C.J.M. Albert 70. Shri Baljit Kumar Sharma 71. Shri J.A. Panikullam 72. Shri C.M. Bakshi 73. Shri Rameshwar Dass Sharma 74. Shri Jitender Nath Sharma 75. Shri Ashwani Kumar Sharma 76. Shri Prem Lal Shiwan 77. Shri Roshan Lal Bhatt 78. Shri K.K. Jordar	7-11-83 2-9-83 4-8-83 3-8-83 (AN) 4-8-83 4-8-83 4-8-83 3-8-83 (AN) 3-8-83 (AN) 4-8-83 12-8-83 12-8-83 12-8-83 (AN) 3-8-83 (AN)	No. 47/A.—In continuation of Notification No. 197/A 9-12-1982 the ad-hoc deputation of Shri G. Narayan Sar DCO, as Administrative Officer, in India Security Pre Nasik Road, has been regularised on deputation basis up 13-4-1985. No. 48/A.—In continuation of the Notification No. 28/Estt. Date 8-8-1983, the ad-hoc appointment of Shri G. Sapkale, as Assistant Controller of Stamps, in the Cent Stamp depot, has been regularised w.e.f. 14th January 19: No. 49/A.—In continuation of Notification No. 35/A 19-9-1983 the ad-hoc appointment of Shri M. S. Pand D.C O. and Shri K. K. Pathak, D.C.O. of India Security Pre Nasik Road, is further extended for a period of 6 mon w.e.f. 20-10-1983 and 11-10-1983 to 19-4-1984 and 10-4-19 respectively on the same terms and conditions or till to post is filled on a regular basis, whichever is earlier.
64. Shri R.S. Tiwana 65. Shri Mahavir Singh 66. Shri B.K. Kaushal 67. Shri George C. Francis 68. Shri N.G. Subramaniam 69. Shri C.J.M. Albert 70. Shri Baljit Kumar Sharma 71. Shri J.A. Panikullam 72. Shri C.M. Bakshi 73. Shri Rameshwar Dass Sharma 74. Shri Jitender Nath Sharma 75. Shri Ashwani Kumar Sharma 76. Shri Prem Lal Shiwan 77. Shri Roshan Lal Bhatt 78. Shri K.K. Jordar 79. Shri Sushil Kumar Kapoor	7-11-83 2-9-83 4-8-83 3-8-83 (AN) 4-8-83 4-8-83 4-8-83 3-8-83 (AN) 3-8-83 (AN) 4-8-83 12-8-83 12-8-83 (AN) 3-8-83 (AN) 3-8-83 (AN) 3-8-83 (AN) 3-8-83 (AN)	No. 47/A.—In continuation of Notification No. 197/A 9-12-1982 the ad-hoc deputation of Shri G. Narayan Sar DCO, as Administrative Officer, in India Security Pre Nasik Road, has been regularised on deputation basis up 13-4-1985. No. 48/A.—In continuation of the Notification No. 28/Estt. Date 8-8-1983, the ad-hoc appointment of Shri G. Sapkale, as Assistant Controller of Stamps, in the Cent Stamp depot, has been regularised w.e.f. 14th January 19: No. 49/A.—In continuation of Notification No. 35/A 19-9-1983 the ad-hoc appointment of Shri M. S. Pand D.C O. and Shri K. K. Pathak, D.C.O. of India Security Pre Nasik Road, is further extended for a period of 6 mon w.e.f. 20-10-1983 and 11-10-1983 to 19-4-1984 and 10-4-19 respectively on the same terms and conditions or till to post is filled on a regular basis, whichever is earlier. P. S. SHIVAR.
64. Shri R.S. Tiwana 65. Shri Mahavir Singh 66. Shri B.K. Kaushal 67. Shri George C. Francis 68. Shri N.G. Subramaniam 69. Shri C.J.M. Albert 70. Shri Baljit Kumar Sharma 71. Shri J.A. Panikullam 72. Shri C.M. Bakshi 73. Shri Rameshwar Dass Sharma 74. Shri Jitender Nath Sharma 75. Shri Ashwani Kumar Sharma 76. Shri Prem Lal Shiwan 77. Shri Roshan Lal Bhatt 78. Shri K.K. Jordar 79. Shri Sushil Kumar Kapoor 80. Shri Jagjit Singh	7-11-83 2-9-83 4-8-83 3-8-83 (AN) 4-8-83 4-8-83 4-8-83 3-8-83 (AN) 3-8-83 (AN) 4-8-83 12-8-83 12-8-83 12-8-83 (AN) 3-8-83 (AN) 3-8-83 (AN) 6-8-83	No. 47/A.—In continuation of Notification No. 197/A 9-12-1982 the ad-hoc deputation of Shri G. Narayan Sar DCO, as Administrative Officer, in India Security Pre Nasik Road, has been regularised on deputation basis up 13-4-1985. No. 48/A.—In continuation of the Notification No. 28/ Estt. Date 8-8-1983, the ad-hoc appointment of Shri G. Sapkale, as Assistant Controller of Stamps, in the Cent Stamp depot, has been regularised w.e.f. 14th January 19: No. 49/A.—In continuation of Notification No. 35/A I 9-9-1983 the ad-hoc appointment of Shri M. S. Pand D.C O. and Shri K. K. Pathak, D.C.O. of India Security Pre Nasik Road, is further extended for a period of 6 mon w.e.f. 20-10-1983 and 11-10-1983 to 19-4-1984 and 10-4-19 respectively on the same terms and conditions or till to post is filled on a regular basis, whichever is earlier. P. S. SHIVARA General Manag
64. Shri R.S. Tiwana 65. Shri Mahavir Singh 66. Shri B.K. Kaushal 67. Shri George C. Francis 68. Shri N.G. Subramaniam 69. Shri C.J.M. Albert 70. Shri Baljit Kumar Sharma 71. Shri J.A. Panikullam 72. Shri C.M. Bakshi 73. Shri Rameshwar Dass Sharma 74. Shri Jitender Nath Sharma 75. Shri Ashwani Kumar Sharma 76. Shri Prem Lal Shiwan 77. Shri Roshan Lal Bhatt 78. Shri K.K. Jordar 79. Shri Sushil Kumar Kapoor 80. Shri Jagjit Singh 81. Shri Masood Mustafa	7-11-83 2-9-83 4-8-83 3-8-83 (AN) 4-8-83 4-8-83 4-8-83 3-8-83 (AN) 3-8-83 (AN) 4-8-83 12-8-83 12-8-83 (AN) 3-8-83 (AN) 3-8-83 (AN) 3-8-83 (AN) 6-8-83 4-8-83	No. 47/A.—In continuation of Notification No. 197/A 9-12-1982 the ad-hoc deputation of Shri G. Narayan Sar DCO, as Administrative Officer, in India Security Pre Nasik Road, has been regularised on deputation basis up 13-4-1985. No. 48/A.—In continuation of the Notification No. 28/Estt. Date 8-8-1983, the ad-hoc appointment of Shri G. Sapkale, as Assistant Controller of Stamps, in the Cent Stamp depot, has been regularised w.e.f. 14th January 19: No. 49/A.—In continuation of Notification No. 35/A 19-9-1983 the ad-hoc appointment of Shri M. S. Pand D.C O. and Shri K. K. Pathak, D.C.O. of India Security Pre Nasik Road, is further extended for a period of 6 mon w.e.f. 20-10-1983 and 11-10-1983 to 19-4-1984 and 10-4-19 respectively on the same terms and conditions or till to post is filled on a regular basis, whichever is earlier. P. S. SHIVAR.
64. Shri R.S. Tiwana 65. Shri Mahavir Singh 66. Shri B.K. Kaushal 67. Shri George C. Francis 68. Shri N.G. Subramaniam 69. Shri C.J.M. Albert 70. Shri Baljit Kumar Sharma 71. Shri J.A. Panikullam 72. Shri C.M. Bakshi 73. Shri Rameshwar Dass Sharma 74. Shri Jitender Nath Sharma 75. Shri Ashwani Kumar Sharma 76. Shri Prem Lal Shiwan 77. Shri Roshan Lal Bhatt 78. Shri K.K. Jordar 79. Shri Sushil Kumar Kapoor 80. Shri Jagjit Singh 81. Shri Masood Mustafa 82. Shri Roshit Kumar Singh	7-11-83 2-9-83 4-8-83 3-8-83 (AN) 4-8-83 4-8-83 4-8-83 4-8-83 3-8-83 (AN) 3-8-83 (AN) 4-8-83 12-8-83 12-8-83 (AN) 3-8-83 (AN) 3-8-83 (AN) 6-8-83 4-8-83 5-8-83	No. 47/A.—In continuation of Notification No. 197/A 9-12-1982 the ad-hoc deputation of Shri G. Narayan Sar DCO, as Administrative Officer, in India Security Pre Nasik Road, has been regularised on deputation basis up 13-4-1985. No. 48/A.—In continuation of the Notification No. 28/ Estt. Date 8-8-1983, the ad-hoc appointment of Shri G. Sapkale, as Assistant Controller of Stamps, in the Cent Stamp depot, has been regularised w.e.f. 14th January 19: No. 49/A.—In continuation of Notification No. 35/A I 9-9-1983 the ad-hoc appointment of Shri M. S. Pand D.C O. and Shri K. K. Pathak, D.C.O. of India Security Pre Nasik Road, is further extended for a period of 6 mon w.e.f. 20-10-1983 and 11-10-1983 to 19-4-1984 and 10-4-19 respectively on the same terms and conditions or till to post is filled on a regular basis, whichever is earlier. P. S. SHIVARA General Manag
64. Shri R.S. Tiwana 65. Shri Mahavir Singh 66. Shri B.K. Kaushal 67. Shri George C. Francis 68. Shri N.G. Subramaniam 69. Shri C.J.M. Albert 70. Shri Baljit Kumar Sharma 71. Shri J.A. Panikullam 72. Shri C.M. Bakshi 73. Shri Rameshwar Dass Sharma 74. Shri Jitender Nath Sharma 75. Shri Ashwani Kumar Sharma 76. Shri Prem Lal Shiwan 77. Shri Roshan Lal Bhatt 78. Shri K.K. Jordar 79. Shri Sushil Kumar Kapoor 80. Shri Jagjit Singh 81. Shri Masood Mustafa 82. Shri Roshit Kumar Singh 83. Shri Jasbir Singh Gill	7-11-83 2-9-83 4-8-83 3-8-83 (AN) 4-8-83 4-8-83 4-8-83 3-8-83 (AN) 3-8-83 (AN) 4-8-83 12-8-83 12-8-83 (AN) 3-8-83 (AN) 3-8-83 (AN) 6-8-83 4-8-83 4-8-83 4-8-83	No. 47/A.—In continuation of Notification No. 197/A 9-12-1982 the ad-hoc deputation of Shri G. Narayan Sar DCO, as Administrative Officer, in India Security Pre Nasik Road, has been regularised on deputation basis up 13-4-1985. No. 48/A.—In continuation of the Notification No. 28/ Estt. Date 8-8-1983, the ad-hoc appointment of Shri G. Sapkale, as Assistant Controller of Stamps, in the Cent Stamp depot, has been regularised w.e.f. 14th January 19: No. 49/A.—In continuation of Notification No. 35/A I 9-9-1983 the ad-hoc appointment of Shri M. S. Pand D.C O. and Shri K. K. Pathak, D.C.O. of India Security Pre Nasik Road, is further extended for a period of 6 mon w.e.f. 20-10-1983 and 11-10-1983 to 19-4-1984 and 10-4-19 respectively on the same terms and conditions or till to post is filled on a regular basis, whichever is earlier. P. S. SHIVARA General Manag India Security Pre
64. Shri R.S. Tiwana 65. Shri Mahavir Singh 66. Shri B.K. Kaushal 67. Shri George C. Francis 68. Shri N.G. Subramaniam 69. Shri C.J.M. Albert 70. Shri Baljit Kumar Sharma 71. Shri J.A. Panikullam 72. Shri C.M. Bakshi 73. Shri Rameshwar Dass Sharma 74. Shri Jitender Nath Sharma 75. Shri Ashwani Kumar Sharma 76. Shri Prem Lal Shiwan 77. Shri Roshan Lal Bhatt 78. Shri K.K. Jordar 79. Shri Sushil Kumar Kapoor 80. Shri Jagjit Singh 81. Shri Masood Mustafa 82. Shri Rohit Kumar Singh 83. Shri Jasbir Singh Gill 84. Shri I. Mirza	7-11-83 2-9-83 4-8-83 3-8-83 (AN) 4-8-83 4-8-83 4-8-83 4-8-83 3-8-83 (AN) 3-8-83 (AN) 4-8-83 12-8-83 12-8-83 (AN) 3-8-83 (AN) 3-8-83 (AN) 6-8-83 4-8-83 4-8-83 4-8-83 4-8-83	No. 47/A.—In continuation of Notification No. 197/A 9-12-1982 the ad-hoc deputation of Shri G. Narayan Sar DCO, as Administrative Officer, in India Security Pre Nasik Road, has been regularised on deputation basis up 13-4-1985. No. 48/A.—In continuation of the Notification No. 28/ Estt. Date 8-8-1983, the ad-hoc appointment of Shri G. Sapkale, as Assistant Controller of Stamps, in the Cent Stamp depot, has been regularised w.e.f. 14th January 19: No. 49/A.—In continuation of Notification No. 35/A I 9-9-1983 the ad-hoc appointment of Shri M. S. Pand D.C O. and Shri K. K. Pathak, D.C.O. of India Security Pre Nasik Road, is further extended for a period of 6 mon w.e.f. 20-10-1983 and 11-10-1983 to 19-4-1984 and 10-4-19 respectively on the same terms and conditions or till to post is filled on a regular basis, whichever is earlier. P. S. SHIVARA General Manag
64. Shri R.S. Tiwana 65. Shrl Mahavir Singh 66. Shri B.K. Kaushal 67. Shri George C. Francis 68. Shri N.G. Subramaniam 69. Shri C.J.M. Albert 70. Shri Baljit Kumar Sharma 71. Shri J.A. Panikullam 72. Shri C.M. Bakshi 73. Shri Rameshwar Dass Sharma 74. Shri Jitender Nath Sharma 75. Shri Ashwani Kumar Sharma 76. Shri Prem Lal Shiwan 77. Shri Roshan Lal Bhatt 78. Shri K.K. Jordar 79. Shri Sushil Kumar Kapoor 80. Shri Jagjit Singh 81. Shri Masood Mustafa 82. Shri Rohit Kumar Singh 83. Shri Jasbir Singh Gill 84. Shri I. Mirza 85. Shri T.A. Abdul Hakeem	7-11-83 2-9-83 4-8-83 3-8-83 (AN) 4-8-83 4-8-83 4-8-83 4-8-83 3-8-83 (AN) 3-8-83 (AN) 4-8-83 12-8-83 12-8-83 (AN) 3-8-83 (AN) 3-8-83 (AN) 3-8-83 (AN) 3-8-83 (AN) 4-8-83 4-8-83 4-8-83 4-8-83 4-8-83 6-8-83	No. 47/A.—In continuation of Notification No. 197/A 9-12-1982 the ad-hoc deputation of Shri G. Narayan Sar DCO, as Administrative Officer, in India Security Pre Nasik Road, has been regularised on deputation basis up 13-4-1985. No. 48/A.—In continuation of the Notification No. 28/ Estt. Date 8-8-1983, the ad-hoc appointment of Shri G. Sapkale, as Assistant Controller of Stamps, in the Cent Stamp depot, has been regularised w.e.f. 14th January 19: No. 49/A.—In continuation of Notification No. 35/A 1 9-9-1983 the ad-hoc appointment of Shri M. S. Pand D.C O. and Shri K. K. Pathak, D.C.O. of India Security Pre Nasik Road, is further extended for a period of 6 mon w.e.f. 20-10-1983 and 11-10-1983 to 19-4-1984 and 10-4-19 respectively on the same terms and conditions or till to post is filled on a regular basis, whichever is earlier. P. S. SHIVARA General Manag India Security Pre BANK NOTE PRESS
64. Shri R.S. Tiwana 65. Shrl Mahavir Singh 66. Shri B.K. Kaushal 67. Shri George C. Francis 68. Shri N.G. Subramaniam 69. Shri C.J.M. Albert 70. Shri Baljit Kumar Sharma 71. Shri J.A. Panikullam 72. Shri C.M. Bakshi 73. Shri Rameshwar Dass Sharma 74. Shri Jitender Nath Sharma 75. Shri Ashwani Kumar Sharma 76. Shri Prem Lal Shiwan 77. Shri Roshan Lal Bhatt 78. Shri K.K. Jordar 79. Shri Sushil Kumar Kapoor 80. Shri Jagjit Singh 81. Shri Masood Mustafa 82. Shri Rohit Kumar Singh 83. Shri Jasbir Singh Gill 84. Shri I. Mirza 85. Shri T.A. Abdul Hakeem	7-11-83 2-9-83 4-8-83 3-8-83 (AN) 4-8-83 4-8-83 4-8-83 4-8-83 3-8-83 (AN) 3-8-83 (AN) 4-8-83 12-8-83 12-8-83 (AN) 3-8-83 (AN) 3-8-83 (AN) 3-8-83 (AN) 3-8-83 (AN) 4-8-83 4-8-83 4-8-83 5-8-83 4-8-83 5-8-83 5-8-83 5-8-83	No. 47/A.—In continuation of Notification No. 197/A 9-12-1982 the ad-hoc deputation of Shri G. Narayan Sar DCO, as Administrative Officer, in India Security Pre Nasik Road, has been regularised on deputation basis up 13-4-1985. No. 48/A.—In continuation of the Notification No. 28/ Estt. Date 8-8-1983, the ad-hoc appointment of Shri G. Sapkale, as Assistant Controller of Stamps, in the Cent Stamp depot, has been regularised w.e.f. 14th January 19: No. 49/A.—In continuation of Notification No. 35/A I 9-9-1983 the ad-hoc appointment of Shri M. S. Pand D.C O. and Shri K. K. Pathak, D.C.O. of India Security Pre Nasik Road, is further extended for a period of 6 mon w.e.f. 20-10-1983 and 11-10-1983 to 19-4-1984 and 10-4-19 respectively on the same terms and conditions or till to post is filled on a regular basis, whichever is earlier. P. S. SHIVARA General Manag India Security Pre

File number BNP/C/3/73.—Resignation of Shri C. V. N. Elayathu from the post of Assistant Engineer (Civil) in

Bank Note Press, Dewas with effect from 7-4-1983 is hereby accepted.

M. V. CHAR General Manager

INDIAN AUDIT & ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE D.A.C.R.

New Delhi, the 10th February 1984

No. Admn.1/O.O. No. 470.—Consequent on his attaining the age of superannuation, Shri BalRam Sharma on officiating Audit Officer of this office will be retiring from the service of the Govt. of India with effect from the afternoon of 29-2-1984. His date of birth is 2nd February, 1926.

(Sd.) Illegible Dy. Dir. of Audit (Admn.)

O.O THE ACCOUNTANT GENERAL ANDHRA PRADESH

Hyderabad, the 4th Februray 1984

No. Admin.I/8-132/83-84/93.—Shri A. H. Ansari Accounts Officer, Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabadretired from service on 31-1-1984 A.N.

(Sd.) Illegible Sr. Dy. Acett. Genl. (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL I : BIHAR

Ranchi, the 8th Februray 1984

O.O.No. Admn-II-1534.—The Accountant General (I) Bihar, Ranchi has been pleased to promote Shri Rabindra Kumar Gupta a substantive section officer of this office to officiate until further orders as an Accounts officer with effect from 12-9-1983 (FN).

(Sd.) Illegible Sr. Dy. Acett. Genl. (Admn.) Bihar, Ranchi.

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT DEFENCE SERVICES.

New Delhi, the 10th February 1983

No. 5126/A-Admn/130/83.—On attaining the age of superannuation Shri S. N. Debroy, Substantive Audit Officer, retired from service with effect from 31st January, 1984 (A.N).

B. S. TYLE It. Dir. of Audit Defence Services

MINISTRY OF COMMERCE

(DEPARTMENT OF TEXTILES)

OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-400 020, the 13th February 1984

No. 2(78)/EST.I/84/733.—Shri M. P. Shah, Assistant Director Grade II in the Regional Office of the Textile Commissioner, Bombay retired voluntarily from service from the afternoon of 31-1-1984.

S. RAVINDRAN Dy. Dir. (Admn.)

MINISTRY OF INDUSTRY

(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
(SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 7th February 1984

No. A-19018(87)/73-A(G.—The President is pleased to appoint Shri G. C. Goel, Assistant Director (Gr.II) (G/C), Small Industries Service Institute, Patna as Assistant Director (Gr. I) (G/C), Extension Centre, Firozabad under Small Industries Service Institute, Agra on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 9-3-1983 until further orders.

The 8th February 1984

No. 12(89)/61-Admn.(G) Vol.III.—The President is pleased to permit Shri S. N. Sengupta, Director (Gr. I) (Mech) Small Industries Scrvice Institute, Calcutta to retire from Government service on attaining the age of superannuation w.e.f. afternoon of 31-12-1983.

No. A.19018(346)/78-Admn.(G).—Consequent on his appointment as Under Secretary in the Department of Tourism, Shri G. Ravindran a Grade III officer of the ISS relinquished charge of the post of Deputy Director in the office of the Development Commissioner (Small Scale Industries), New Delhi on the afternoon of 9-12-1983.

No. A.19018(644)/82-A(G).—The Development Commissioner is pleased to appoint Shri K. J. Dekshinamurthy, Small ries Promotion Officer (Mech.) in the Office of the DC(SSI), New Delhi as Assistant Director (Gr. II) (Mech.) on ad-hoc basis at Regional Testing Centre, New Delhi with effect from the forenoon of 8-4-1983 until further orders.

No. A.19018(647)/82-A(G).—The Development Commissioner is pleased to appoint Shri S. C. Mitra, Small Industries Promotion Officer (Mech.), Branch Small Industries Service Institute, Raipur under Small Industries Service Institute Indore as Assistant Director (Gr. II) Mech.), FTS Bhubaneswar under Small Industries Service Institute Calcutta on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 5-1-1983.

No. A-19018(649)/82-A(G).—The Development Commissioner is pleased to appoint Shri K. J. Dekshinamurthy, Small Industries Promotion Officer (Met.), Regional Testing Centre, Madras as Assistant Director (Gr. II) (Met.), Field Testing Station, Hyderabad under, R.T.C. Madras on Ad-hoc basis with effect from the forenoon of 17-12-82.

No. A-19018(649)/82-A(G).—The Development Commissioner is pleased to appoint Shri Gopal Mitra, Small Industries Promotion Officer (Met), Small Industries Service Institute, Calcutta as Assistant Director (Gr.II) (Met.) on Ad-hoc basis with effect from the forenoon of 6-4-1983, at Small Industries Service Institute, Hyderabad.

No. 19018(650)/82-A(G).—The Development Commissioner is pleased to appoint Shri Subhesh Chander, Small Industries Promotion Officer (Metallurgical), Regional Testing Centre, New Delhi as Assistant Director (Gr. II) (Met.) Field Testing Station, Samalkha under RTC New Delhi on ud-hoc basis with effect from the forenoon of 2-12-82.

R. R. FOUZDAR, Dy, Director (Admn.)

OFFICE OF THE ECONOMIC ADVISER

New Delhi, the 6th February 1984

No. A-32013(1)/81-Ec. Ad.—The President is pleased to appoint Shri P. C. Jain, a Grade IV Officer of the Indian Economic Service as Chief Research Officer, a Grade III post of Indian Economic Service in the Office of the Economic Adviser, Ministry of Industry with effect from the forenoon of 1st February 1984.

No. A-32013(1)/81-Ec.Ad.—The President is pleased to appoint Shri Nirmal Ganguly, a Grade IV Officer of the Indian Economic Service as Chief Research Officer, a Grade III post of Indian Economic Service in the Office of the Economic Adviser, Ministry of Industry with effect from the forenoon of 1st February, 1984.

MANMOHAN SINGH, Addl. Economic Adviser

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND DISPOSALS

(ADMN, SECTION - 6)

New Delhi-110001, the January 1984

No. A-17011/246/84-A6.—The Director General of Supplies and Disposals is pleased to appoint Shri S. K. Nan, Examiner of Stores (Engineering) in the office of Director of Inspection, Calcutta to officiate as Assistant Inspecting Officer (Engg.) on ad-hoc basis in the same office with effect from the torenoon of 4th January, 1984 until furher orders.

The 7th February 1984

No. A-1/011245/84-A6.—The Director General of Supplies and Disposals is pleased to appoint Shri V. K. Aggarwal, Examiner of Stores (Engg.) in the office of Deputy Director of Inspection (Kanpur) under Northern Inspection Circle to officiate as Assistant Inspecting Officer (Engg.) on ad-hoc basis in the office of Director of Inspection Northern Inspection Circle, at New Delhi with effect from the forenoon of 16th January, 1984 until further orders.

The 10th February 1984

No. A-17011/244/84-A6.—The Director General of Supplies and Disposals is pleased to appoint Shri B. B. Sawhney, examiner of Stores (Engineering) in the office of Director of Inspection. Northern Inspection Circle, New Delhi to officiate as Assistant Inspecting Officer (Engineering) on ad-hoc basis in the office of Director of Inspection, Calcutta with effect from the forenoon of 16th January, 1984 until further orders.

S.L.KAPOOR
Deputy Director (Administration)
for Director General, Supplies & Disposals.

New Delhi-110001, the 1st February 1984

No. A-17011-7/71-A6 — The President is pleased to appoint Shri B. N. Chowdhury, A.f.O. (Engg.) as Inspecting Officer (Engineering) (Grade III of Indian Inspection Service Group 'A' Engineering Branch) on ad-hoc basis with effect from the forenoon of the 7th January, 1984 for a period of six months or till the post is filled up on regular basis whichever is earlier.

- 2. The ad-hoc appointment of Shri Chowdhury will not bestow on him any right or claim for regular appointment and ad-hoc service rendered would not count for the purpose of seniority in the grade and for eligibility for promotion and confirmation.
- 3. Shri Chowdhury relinquished charge of the post of Assistant Inspecting Officer (Engineering) on 7-1-84 (F.N.) in the Calcutta Inspection Circle at Calcutta and assumed change of the post of Inspecting Officer (Engineer at the same station on the same date.

The 7th February 1984

No. A-6 247(491).—The President is pleased to appoint Shri P. Chatterjee, Assistant Inspecting Officer (Metallurgical) at Kanpur under N. I. Circle as Assistant Director of Inspection (Metallurgical) (Grade III of Indian Inspection Service, Grup 'A', Metallurgical Branch on ad-hoc basis with effect from the forenoon of the 16th lanuary, 1984 for a period of six months.

2. The ad-hoc appointment of Shri Chatterjee will not bestow on him any right or claim for regular appointment

and ad-hoc service remisered would not count for the purpose of seniority in that grade and for eligibility for promotion and confirmation.

3. Shri Chatterjee relinquished charge of the post of Asstt. Inspecting Officer (Metallurgical) on 11-1-1984 (A.N.) at Kanpur, under N.I. Circle and assumed charge of the post of Assistant Director of Inspection (Metallurgical), Burnpur in the forenoon of the 16th January 1984.

The 8th January 1984

No. A6/247(626).—The President is pleased to appoint Shri K. K.Banerjee, AIO (Engg.) in the office of Director of Inspection, Calcutta as Inspecting Officer (Engineering) (Grade III of Indian Inspection Service, Group 'A' Engineering Branch) on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 7th January, 1984.

- 2. The ad-hoc appointment of Shri K. K. Banerjee, will not bestow on him any right or claim for regular appointment and ad-hoc service rendered would not count for the purpose of seniority in the grade and for eligibility for promotion and confirmation
- 3. Shri Banerjee relinquished charge of the post of Assistant Inspecting Officer (Engineering) in the office of Director of Inspection, Calcutta on the forenoon of 7th January, 1984 and assumed charge of the post of Inspecting Officer (Engineering) in the same office on the same day.

No. A-17011/60/73-A-6.—The President is pleased to appoint Shri R. N. Kaul, Assistant Inspecting Officer (Textiles) as Inspecting Officer (Grade III of Indian Inspection Service, Group 'A' Textiles Branch) on ad-hoc basis with effect from the forenoon of the 23rd January, 1984 for a period of six months.

- 2. The adhoc appointment of Shri R. N. Kaul will not bestow on him any right or claim for regular appointment and ad-hoc service rendered would not count for the purpose of seniority in that grade and for eligibility for promotion and confirmation.
- 3. Shri Kaul relinquished charge of the post of Assistant Inspecting Officer (Textiles) on 13-1-1984 (A.N.) in the Bombay Inspection Circle at Baroda and assumed charge of the post of Inspecting Officer (Textiles) in N. I. Circle, New Delhi on the forenoon of 23-1-1984.

S. L. KAPOOR, Dy. Dir. (Admn.)

ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA (KHAN VIBHAG)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700 016, the 9th February 1984

No. 932B/A-32013(AO)/80/19A.—Shri M. N. Ghatak, Superintendent, GSI has been appointed by the Director General, GSI on promotion as Administrative Officer in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 5-12-1983 to 7-1-1984 against the leave vacancy of Shri N. C. Sarkar, Administrative Officer, Geophysical Divn., Eastern Region, GSI, Calcutta.

A. KUSHARI, Dir. (Personnel), Geological Survey of India.

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 9th Fabruary 1984

No. A-19011(19)/70-Fstt.A.—Shri S. K. Das Gupta, permanent Regional Controller of Mines, who was on deputation to Planning Commission as Joint Adviser (Minerals), has handed over the charge in the Planning Commission with

effect from 16-1-1984 (afternoon) and assumed the charge of the post of Chief (Corporate plan) on deputation blass in Bharat Aluminium Company Ltd., with effect from the forenon of 17th January, 1984.

A. R. KASHAV. Senior Administrative Officer, for Controller General, Indian Bureau of Mines.

SURVEY OF INDIA SURVEYOR GENERAL'S OFFICE

Dehra Dun, the 17th January 1984

No. C-6038/707,—The undermentioned officers are appointed to officiate as Office: Surviyor (Group 'B' post), survey of India in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the date as shown against each, purely on adhor provisional basis:—

SI. No.	Name and Designation	Unit/Office	With effect from
5	Shri Krishan Lal, Survey Assistant Jel. Gd.	No. 3 Party (NWC), Ambala.	19-8-83 (FN)
	Shri Satish Chand Garg, Surveyor Sel. Gd.	No. 39 Party (STI), Hyddrabad.	20-8-83 (FN)
5	Shri Jaswant Singh, Survey Assistant Sel, Gd.	No. 16 Drawing Office (M.P. Dre. Dehra Dun.	
I	lhri Rajendra Singh Rawag, Surveyor Səl. Gd.	No. Li Pur(y (NC), Lucknow.	19-8-83
	Shri Raj Kumar Puri, Surveyor Sel. Gd.	No. 92 Party (SEC), Varanasi.	20-8-83 (FN)
	Shri Rajendra Kumar, Surveyor Sel. Gd.	No. 54 Party (SCC), Hyderabad.	19-8-83 (I ⁻ N)
	hri R im Kishta, Jurveyor Scl. Gd.	No. 88 Party (CC), Raipur.	19-8-83 (FN)

No. C-6039/707.—The undermentioned officers are appointed to officiate as Officer Surveyor (Group 'B' post), Survey of India in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1000 with ellipt from the date as shown against each, purely on adhor provisional basis:—

Sł. No	Name and Designation	Unit, Office	With effect from
1.	Shri N.C. Sundriyal, Surveyor Sel. Gd.	No. 90 Party (NC), Dehra Dun.	31-10-83(FN)
2.	Shri Amar Nath Gupta, Surveyor Sel. Gd.	Maj Record and Issue Office (M.P. Dte.) Dehra Dun.	24-11-83(EN)
3.	Shri Shish Ram, Surveyor Sel. Gd.	No. 10 Drawing Office (SEC) Bhubaneswar.	19-10-83(FN)
4.	Shri Som Nath Chauban, Surveyor Sel. Gd.	No. 86 Party (SCC), Visakhapatnam	29-6-83 (FN)
5.	Shri Hubb Lal, Surveyor Sel. Gd.	No. 85 Party (SCC), Nagpur.	30-6-83 (FN)
6.	Shri G.B. Neelammanavar, Surveyor Sel. Gd.	No. 8 Party (SC), Bangalore,	27-9-83 (FN)

G.C. AGARWAL Major General Surveyor General of India,

NATIONAL LIBRARY

Calcutta 27, the 13th February 1984

No. ADM/CON/S-1(25/2)/9104.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Junior) at its meeting held on the 25th October, 1983 and in pursuance of the orders contained in the Department of Culture letter No. F. 10-29/83-Lib. dated the 1st December, 1983, Km. Maya Roy. Superintendent (Technical) (ad-hoc). National Library, Calcuta is promoted to the post of Assistant Librarian in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- on an ad hoc basis with effect from the 2nd January, 1984 (F.N.), until further orders.

No. ADM/CON/\$-1(25/2)/9112.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Junior) at its meeting held on the 25th October, 1983 Shri S. N. Bhaduri. Superintendent (Technical) (ad hoc), National Library, Caclutta is promoted on ad hoc basis to officiate as Assistant Librarian in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- with effect from the 9th January, 1984 till Shri C. D. Debbarma, Assistant Librarian whi is now on deputation for training in U.K.

ASHIN DAS GUPTA, Director.

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 6th Fabruary 1984

No. 4.3/84-SII.—The Director General, All India Radio Radio hereby appoints Shri Anand Tripathi, Hindi Translator, AIR, Lucknow as Hindi Officer on deputation in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1200 on ad-hoc basis w.e.f. the forenoon of 12-1-1984 in the office of All India Radio, Lucknow.

The 14th February 1984

No. 6(58)/63-Sl.—Shri S. P. Srivastava, Programme Executive, All India Rodio, Najibabad expired on 10th December, 1983.

No. 4(41)/75-SI.—Kumari S. B. Mehendale, Programme Executive, All India Radio, Bombay resigned from Government service with effect from 24th December, 1983.

H. G. JAYAl, Dy. Dir. of Admnfor Dir. Genl.

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 8th February 1984

No. A-19018/21/81 CGHS I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. (Kum.) Purnima Sadhoo to the post of Homoeopathic Physician in the Central Government Health Scheme Delhi on an ad-hoc basis with effect from the forenoon of the 10th November, 1983 until further orders.

Dy. Dir. Admn. (CGHS.I)

MINISTRY OF AGRICULTURE (DEPTT. OF AGRI. & COOPN.) DIRECTORATE OF EXTENSION

New Delhi, the 24th January 1984

No. F. 2-6/83-Estl. (1).—Shri N Sivarama Krishnan, Assistant Exhibition Officer (Grade II) is promoted to the post of Assistant Exhibition Officer (Grade I) (Gazetted) (Non-

Ministerial) (Group 'B') in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in the Directorate of Extension, Ministry of Agriculture, Deptt. of Agri. & Cooperation purely on ad-hoc basis with effect from 1st November, 1983 to 29th February, 1984.

R. G. BANERJEE Director of Administration

MINISRY OF RURAL DEVELOPMENT DIRECTORATE OF MARKETING AND INSPECTION

Faridabad, the 7th February 1984

No. A. 19025/1/84-A. III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri Sunil Kumar has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group I) in this Directorate at Fandabad with effect from 19-1-84 (F.N.), until fur her orders.

No. A-19025/3/84-A III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri Subhash Chander Gupta, has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group I) in this Directorate at Faridabad with effect from 13-1-1984 (F.N.), until further orders.

The 13th February 1984

No. A-19023/9/81-A-III.—Shri N. J. Pillai, Assistant Marketing Officer has been promoted to officiate as M.O. (Gr-I) in this Directorate at Guntur on purely ad-hoc basis for a period of three months w.e.f. 3-12-1983 (F.N.) or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

No. A. 19025/57/81-A-IJI.—The resignation tendered by Shri Nand Lal Ram from the post of Assistant Marketing Other (Group-I) in this Directorate, has been accepted with effect from 24-12-1983 (A.N.).

No. 19023/3/83-A. III.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee (Group 'B') Shri K. Subbarami Reddi has been promoted to the post of Marketing Officer (Gr. 1) in this Directorate at Hyderabad on Regular basis w.e.f., the forenoon of 30-4-83.

2. Consequent on his promotion as Marketing Officer Shri Reddi relinquished the charge of the post of Assistant Marketing Officer at Hyderabad on 29-4-83 (AN).

No. A-19023, 7, 83-A-III. --The resignation tendered by Shri V. K. Sharma from the post of Marketing Development Officer held by him in this Directorate at Faridabad has been accepted with effect from 18-1-84 (A.N.).

No. A. 19025/2/84-A. HI.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri Kishor Chand has been appointed to officiate as Assistant Markeling Officer (Group 1) in this Directorate at Faridabad with effect from 18-1-1984 (F.N.), until further orders.

G. S. SHUKLA Agricultural Marketing Advisor

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE

PERSONNEL DIVISION

Bombay-85, the 28th December 1983

No. PA/81(10)/83-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre appoints the undermentioned officers of the Bhabha Atomic Research Centre as Scientific Officers/Engineers Grade 'SB' in the same Research Contre with effect from the dates indicated under column 4 against each in an officiating capacity until further orders:—

SI. No.	Name	-		Post held at present	Date	
1	2			3	4	
	ri V. V. Marathe		•	\$A(C) \$A(C)	1-8-83 (FN) Do.	
	ri M.K. Mazunidar		•	SA(C)	\mathbf{D}_0 ,	

1	2		3	4
4. Shri	i A.K. Mukharjaa		SA(C)	1-8-83 (FN)
5. Shi	ri P.K. Mukhopadh	iyay	. SA(C)	Do.
6. Shi	i K.R. Nair 🗆 .		SA(C)	Do.
7. S ht	ri B. B alasundar Ra	O	. SA(C)	Do.
8. Sh	i P.K. Dutta		. T'man(E)	Do.
9. Shi	i N.K. Chakrabart	у.	. Foreman	Do.
10. Sh	i R.R. Jagtap .		. SA(C)	Do.
11. Shr	i S.V. Choghulo		. SA(C)	Do.
12, Shr	i P.V. Joshi .		. SA(C)	Do.
13, Shr	i P.S. Nagaraja		. SA(C)	Do.
14. Shi	i S.M. Banodkar		. SA(C)	Do.
15. Shr	i K.K. T haker		. SA(C)	Do.
16, Shr	i M.V. Dingankar		. SA(C)	Do.
17. Shr	i M. Parameswarar	ı	SA(C)	Do.
18. Shr	i C.D. Eapen		SA(C)	Do.
19. Shr	i M. Vaidyanathan		SA(C)	Do.
20. Shr	i V.R. Joshi		SA(C)	3-8-83 (FN)
21. Shr	i V.S. Iyer .		SA(C)	1-8-83 (FN)
22. Dr.	S.K. Thulasidas		SA(C)	Do.
23. Shr	i A.B. Tamhane		SA(C)	Do.
24. Shr	i P.R. Balakrishnan	١.	SA(C)	Do.
25. Shr	i P.M. Ouseph		SA(C)	Do.
26. Shr	i P.V. George	, .	SA(C)	Do.
	i S.M. Shukkur		SA(C)	Do.
28. Shr	i M,M, Shinde		SA(C)	Do.
29. Shr	i T.C. Rajan		SA(C)	Do.
30. Shri	S.S. Rano .		SA(C)	Do.
31. Shr	i P.K.S. Kartha		SA(C)	Do.
32. Shr.	i H.C. Gandhi		SA(C)	Do.
33. Shri	M.T. Janave		SA(C)	Do.
34. Shr.	i V.P. Kadam		SA(C)	Do.
,				

The 19th January 1984

No. PA/81(1) 83/R-IV.—On transfer from Nuclear Fuel Complex, Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Bharathan Ayengar, a temporary Scientific Officer/Engineer Grade SB in the Nuclear Fuel Complex as Scientific Officer/Engineer Grade SB in the Bhabha Atomic Research Centre with effect from the forenoon of June 13, 1983 in an officiating capacity, until further orders.

B. C. PAL Dy. Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

NARORA ATOMIC POWER PROJECT

NAPP Township, the 11th 1-cbruary 1984

No. NAPP/Rectt/26(1)/84-S/346.—Chief Project Engineer, Narora Atomic Power Project, Narora appoints Shri S. C. Bansal, a permanent Upper Division Clerk and officiating Assistant Personnel Officer in Rajasthan Atomic Power Station, Kota to officiale as Assistant Personnel Officer in Narora Atomic Power Project in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960/- with effect from the forenoon of February 1, 1984 until further orders.

R. K. BALI Administrative Officer

MADRAS ATOMIC POWER PROJECT

Kalpakkam-603 102, the 25th November 1983

ORDER

No. MAPP 31 (1252), 75 IE/R-2734. -WHFREAS Shri G. Kamaa, whole functioning as permanent Tradesman (A) and officiating Tradesman (C) in the Industrial Establishment of

the C&M Group of MAPP, did not report for duty on exply of leave sanctioned to him 1tom 7-1-83 to 13-2-83; but instead, sent a letter dated 7-2-83 requesting for extension of leave upto 31-3-83.

- 2. WHEREAS a telegram was sent by the Project to Shri G. Kannan on 15-2-83 asking him to rejoin duty immediately and the post copy of the telegram No. MAPP/31(1252/75-IE/R.364, dated 15-2-83, sent by Registered Acknowledgement Due to his permanent address at M. G. Street, Kalahasti-517 644 was returned undelivered by postal authorities with remarks "left without instructions and hence returned to sender".
- 3. WHEREAS a personal investigation was conducted on 28-3-83 and the investigation revealed that Shri G. Kannan was not available even at his native place and that his close relatives also could not furnish his whereabout.
- 4. WHEREAS, Shri G. Kannan sent one more letter dated 30-3-83 from Kalahasti asking for extension of leave upto 31-5-83.
- 5. WHEREAS, one more telegram was sent by the Project to Shri G. Kannan on 4-4-83 asking him to rejoin immediately and the post copy of the telegram sent to M. G. Street, Kalahasti-517 644 and No. 15-11-37, Kamaraj Salal, Chinnalapatti Post, Madurai District, were returned with postal temark "left without institutions and hence returned" and "no such addressee" respectively.
- 6. WHEREAS, Shri G. Kannan did not report for duty in spite of above written instructions from the Project.
- 7. WHEREAS, the disciplinary authority proposed to hold an inquiry against Shri G. Kannan under Rule 14 of CCS-(CCA) Rules, 1965 and charge sheet vide Memorandum No. MAPP/31(1252/75-IE, R 1178 dated 6-6-83 was sent by Registered Ack. Dut to him at M. G. Street. Kalahasti-517 644 and at No. 15-11-37, Kamaraj Salai, Chinnalapatti Post, Madurai District, but both were returned undelivered with postal remark "Left without instructions".
- 8. WHERFAS, Shri G. Kannan continued to remain absent and failed to inform the Project of his whereabout.
- 9. WHEREAS, Shri G. Kannan had been guilty of voluntary abandoning services.
- 10. WHEREAS, Shri G. Kannan has completely neglected to avail himself all the chances given to him either by reporting himself to duty or making defensive representation of the charges levelled against him and his whereabuts are not known.
- 11. AND WHEREAS because of his abandoning service without keeping the Project informed of his whereabout, the undersigned is satisfied that it is not reasonably practicable to hold an inquiry as provided in Rule 14 of CCS (CCA) Rules 1965
- 12. NOW, THEREFORE, the undersigned on consideration of the nature of misconduct, in exercise of the powers conferred under Rule 19(ii) of CCS(CCA) Rules, 1965, hereby impose the penalty of "dismissal from service" with immediate effect on the said Shri G. Kannan with further direction to treat his absence from 14-2-83 to the date of dismissal as "dies-non".
 - 13. Shri G. Kennan is accordingly informed.

M. HARIPRASADA RAO Project Director

Shri G. Kannan, C/o Shri S. S. Surali, Near Rangaiah Chetty Building, M. G. Street, Kalahasti-517 644. Shri G. Kannan, 15-11-37, Kamrai Salai, Chinnalapatti Post, Madurel District OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL

New Dellin, &c 8th February 1984

No. A-35014/1/80-FL —On attaining the age of superannuation Shir H. S. Govila, Accounts Officer in the Office of the Director General of Civil Aviation, retired from Government service on the afternoon of 31-1-1984.

J. C. GARG, Dy. Dir. of Admn.

New Delhi, the 24th January 1984

No. A-31014/1/82EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following officers in the grade of Assistant Communication Officer in a substantive capacity in the Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department with effect from 10th January, 1984.

Sl. No. Name

S/Shri

- 1. M. L. Chopra
- 2, K. L. Karmakar
- 3. S. B. Chakraborty
- 4. B. S. Gusain
- 5. S. N. Bhagwat
- 6. J. S. Augustus
- 7. V. V. Patankar
- 8. K. P. Swamy
- 9. M. D. Kaitra
- 10. R. N. Moghe
- 11. A. K. Baneriee
- 12. S. K. Das
- 13. S. V. Cholkar.

O. P. AGGARWAL, Asstt. Dir. of Admn.

New Delhi, the 8th February 1984

No. A-38015/3/80-ES.—S/shri D. Deb, and V. R. S. Nair, Administrative Officers (Group 'B' post) in the office of Regional Director, Delbi Region, Safdarjung Alrnort, New Delhi and Regional Director, Bombay Region, Bombay Airport Bembay respectively relinquished charge of their duties in the afternoon of 31st December, 1983 on attaining the age of superannuation.

B. BHAUMIK, Asstt. Dir. of Admn.

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the

No. 1/216/84-FST.—The Director General, Overseas Communications Service, Bombay hereby appoints Shri H. F. Sonkhaure. Technical Assistant QCS Switching Complex, Bombay as Assistant Engineer in an officiating capacity in the same Office with effect from the foreneon of the 4th fanuary, 1984 and until further orders

The 8th February 1984

No. 1/7/84-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints the following Technical Assistants as Assistant Engineers, in an officiating capacity, with effect from the forenoon of the 26th December, 1983

and until further orders, at the Branch indicated against each, on a regular basis:—

S. No.	Name	Present Branch of posting	Branch of posting upon appointment as offg. assistant engineer
1	2	3	4
1. 8	Shri J. Mukhopadhyay	Calcutta	Arvi
2, 5	Shri V.R.L. Narasimhan	New Delhi	New Delhi
3, 5	Shri S.C. Ohri	New Delhi	New Delhi
4. 5	Shri Jatinder Jit Singh	New Delhi	New Delhi
5. 5	Shri P.R. Gupta	Madras	Madras
6, 5	Shri B.S. David	D.T.S., Puno	Arvi
7. \$	Shri Rajendra Singh	New Delhi	New Delhi
8. S	hri A.K. Gupta	New Delhi	New Dolhi
9. 9	Shri Jit Singh	Bombay	HQ., Bombay
	Shri Subash Chand	Now Delhi	New Dolhi
11. 8	Shri V.S.N. Panthulu	Sw. Complex, Bombay	SWC, Bombay
12. \$	Shri N.K. Gupta	New Delhi	New Delhi
13, \$	Shri Visheshar Nath	Sw. Complex, Bombay	SWC, Bombay
14. 5	Shri L.K. Mukherjee	Calcutta	SWC, Bombay
15. 5	Shri R.N. Poddar	Calcutta	Lachhiwala, D'Dun,
16. 5	Shri G. Subbaiah	Madras	Madras
17. 8	Shri R.S. Shaw	Calcutta	Calcut [*] a

R.K. THAKKFR Dy. Director (Admn. for Director General

WILDLIFE INSTITUTE OF INDIA DEHRA DUN

Derha Dun, the 9th February 1984

No. 197/84-WLI/3(22)B.—Shri S. B. Prasad, Section Officers (Accounts), A/1065, of the office of the Conrtoller General of Defence Accounts, New Delhi, is appointed as Finance Officer in the Wildlife Institute of India, Dehra Dun, on deputation on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 1st February, 1984 until further orders,

V. B. SAHARIA, Dir. Wildlife Institute

CENTRAL WATER COMMISSION

New Dehi-110 066, the 10th February 1984

No. A-19012/1040/83-Estt.V.—Chairman, Central Water Commission hereby appints Shri Bibekanand Dutta, Supervisor to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engg.) on a purely temporary and adhoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 for a period of one year or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier with effect from the torenoon of 21-12-1983.

No. A-19012/1042/83-Estt.V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri D. K. Das, Supervisor to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engineering) on purely temporary and ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 for a period of one year or till the posts are filled on regular basis, whichever is earlier with effect from the forenoon of 24th December, 1983.

The promotion of the above mentioned officer is subject to the result of Civil Rule No. 10823(W) of 1980 pending in the Hon'ble High Court of Calcula.

D. KRISHNA Under Secy.. Central Water Commission.

HYDEROLOGICAL OBS & F. F. (S) CIRCLE

Hyderabad-500 001, the 1st December 1983

NOTICE OF TERMINATION OF SERVICE ISSUED UNDER RULE 5 (1) OF THE CENTRAL CIVIL SERVICES (TEMPORARY SERVICE) RULES, 1965 :—

No. HOFFSC/20012/465/82/Adm.8616-20—In pursuance of sub-rule (1) of Rule 5 of the Central Civil Services (Temporary Services) Rules, 1965, I hereby give notice to Shri M. R. Abraham Lincoln, Temporary Tracer that his services shall stand terminated with effect from the date of expiry of a period of one month from the date on which this notice is served on him.

K. K. RAO, Superintending Engineer, H. Obs. & F. F. (S) Circle.

CUSTOMS, EXCISE AND GOLD (CONTROL) APPELLATE TRIBUNAL

New Delhi, the 16th December 1983

No. 1/CEGAT/83.—In exercise of the powers conferred by sub-section (6) of section 129C of the Customs Act, 1962 (52 of 1982), read with sub-section (1) of section 35D of the Central Excise and Salt Act, 1944 (1 of 1944) and sub-section (1) of Section 81B of the Gold (Control) Act, 1968 (45 of 1968), the Customs, Excise and Gold (Control) Appellate Tribunal hereby makes the following amendment with immediate effect in the Customs, Excise and Gold (Control) Appellate Tribunal (Procedure) Rules, 1982, as published in Part III, Section 1 of the Official Gazette dated the 20th November, 1982:—

The following shall be substituted for Rule 6:-

"6. Procedure for filing appeals.—(1) A memorandum of appeal to the Tribunal shall be in the relevant form and shall be presented by the appellant in person or by an agent to the concerned officer, or sent by registered post addressed to the concerned officer;

Provided that the appellant may, in case of urgency or for other sufficient reason, present or send the appeal to the concerned officer of the Bench nearest to him, even though the matter relates to a different Bench; and in such a case the officer receiving the appeal shall, as soon as may be, forward it to the concerned officer of the appropriate Bench.

(2) A memorandum of appeal sent by post under subrule (1) shall be deemed to have been presented to the concerned officer on the date on which it is received in the office of the concerned officer.

Explanations: (1) For the purposes of this rule "form" means a form prescribed for the purpose of prescriber an appeal under the Customs (Appeal) Rules, 1982, or the Central Excise Rules, 1944, or, as the case may be, the Gold (Control) Appeal Rules 1982.

(2) In this Rules, "concerned officer" in relation to a Bench means the Registrar, Assistant Registrar or any other officer authorised to receive appeals falling within the jurisdiction of that Bench as defined by the President from time to time."

F. S. GILL President MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

COMPANY LAW BOARD
OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Jagadharl Steel Limited

New Delhi, the 31st January 1984

No H-712/2291.—Notice is hereby given pursuant to subsection (4) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Jagadhari Steel Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the Company will be dissolved.

H. S. SHARMA, Addl. Registrar of Companies. Delhi & Haryana.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Brahmapuri Club Ltd.

Bombay, the 25th June 1983

No. 626/20430/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Brahmapuri Club Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Venus Steel Products (India) Private Limited

Bombay-400 002, the 14th October 1983

No. 18417/552/560(4).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act. 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Venus Steel Products (India) Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Mfs. J. M. FILTERS Private Limited

Bombay-400 002, the 9th September 1983

No. 654/17115/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956

that at the expiration of three months from the date hereof that the name of M/s. I. M. Filters Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be sruck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Goel Cine Prviate Limited

Bombay-2, the 4th February 1984

No. 656/16864/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. GOEL CINE PRIVATE LIMITED has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s Reckon Enamelled Wires Private Limited

Bombay-400 002, the 4th February 1984

No. 17987/649/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s Reckon enamelled Wire Private Limited, unless cause is shown to the conrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

O. P. JAIN
Addl. Registrar of Companies,
Maharashtra. Bombay-2.

In the matter of Companies Act, 1956 and of Arisan Chits and Trades Private Limited

Cochin-682 011, the 10th February 1984

No. 2320/Liq/560(5)/1457/83.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Arisun Chits and Trades Private Limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

K. PANCHΛPAKESAN,
 Registrar of Companies,
 Kerala.

FORM NO. I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Biswanath Das at 15 Grov Lane, PS-Tollyange, Calcutta-26

(Transferor)

(2) Shri Pratap Kumar Gangpadhyay, 185/23. Princ Anwar Sha Road, P.S. Lake Garden, Calcutta-45.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 27th September 1983

Ref. No. A.C.31/Acq.R-II/Cal/83-84.—Whereas, I, S. K. CHAUDHURI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing

Mauzq-Sayedpur, PS-Behala

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R. Alipore on 8-6-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Area-14 Kottahs sali Land situated at Maza-Sayedpur, Deed No. 3170 at 1983.

S. K. CHAUDHURI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 27/9/83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri P. A. Ummer, Son of Sri Ali, Pathayathingal Houses. Cherplacherry.

(Transferor)

(2) Smt. Sarojini Amma, Wife of Shri P. Madhavan Nair, 2/204 "Santhi Nivas", Cherplacherry.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
"ANJIPARAMBIL BUILDINGS"
ANAND BAZAR, COCHIN-662 016

Cochin-662 016, the 21st January 1984

Ref. No. L.C. 677|83-84.—Whereas, I, P. J. THOMASKUTTY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000,- and bearing

Sy. No. as per scheedule situated at Cherplacherry (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Cherplacherry on 15/6/1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

464 cents of land with a building in Sy. No. 222 of Sree-krishnapuram Village, registered in the S.R.O. Cherplacherry, vide document No. 1686 dateed 15/6/1983

P. J. THOMASKUTTY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Ernakulam

Date: 21/1/1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE "ANJIPARAMBIL BUILDINGS"

ANAND BAZAR, COCHIN-662 016 Cochin-662 016, the 21st January 1984

Ref. L. C. 674 83-84.—Whereas, I, P. J. THOMASKUTTY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Sy. No. us per schedule situated at Ernakulam.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ernakulam on 17-6-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Joseph Martin S'o Sri Martin, Nilavareth House, Cochin-17.

(Transferor)

(2) Shri P. A. Francis, "Bloomfield" Krishnaswamy Road, Cochin-682011.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

20 cents of land in Sy. No. 213/2 & 3 of Ernakulam Village registered in S.R.O. Ernakulam vide document No. 2219/83 dt. 17-6-1983.

P. J. THOMASKUTTY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range Ernakulam

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 21/1/1984

(1) Shri Joseph Martin, S.'o Sri Martin, Nilavareth House, Cochin-682017.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Etty Francis, "Bloomfield" Krishnaswamy Road, Cochin-682017.

(Transferee '

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE "ANJIPARAMBIL BUILDINGS" ANAND BAZAR, COCHIN-662 016

Cochin-662 016, the 21st January 1984

Ref. L. C. 675/83-84.—Whereas, I, P. J. THOMASKUTTY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. us per schedule situated at Frnakulam.

fand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Ernakulam on 17/6/1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

20 cents of land in Sy. No. 213/2 & 3 of Ernakulam Village registered in S.R.O. Ernakulam vide document No. 2220/83 dt. 17-6-1983.

P. J. THOMASKUTTY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Ernakulam

Date: 21/1/1984

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE "ANJIPAR AMBIL BUILDINGS" ANAND BAZAR, COCHIN-662 016

Cochin-662 016, the 21st January 1984

Ref. L. C. 676/83-84.—Whereas, I, P. J. THOMASKUTTY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

Sy. No. as per schedule situated at Anchamada,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagercoil on 21-6-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri P. Sarangatharan, Kalpakancheiri House, Pettah Pathirikari Muri, Palkulangatu Village. Triyandrum.

(Transferor)

(2) Gorgone G. Amado,
"Carmen Villa"
Kannanthura—Vayyammoola Muri,
Palkulamgata Village,
Trivandrum.

 Mathew M. Thomas Muthoottu House, Kozhenchergy.

2. Mrs. Janamma Thomas

Muthoottu House, Kozhencherry.
3. Mr. John

Muthoottu House, Kozhencherry. 4. Mr. George

Muthoottu House, Kozhencherry.
5. Thomas Muthoothu
Muthoottu House, Kozhencherry.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

34.682 cents of land with a building in Sy. No. 780/1 of Anchamada Village, registered in the S. R. O. Nagercoil, vide document No. 1249/83.

P. J. THOMASKUTTY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Ernakulam

Date: 21/1/1984

Scal :

(1) Shri Hafiz Alidul Momin, Kunnur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mustafa Khan 44/387, Nai Sarak, Kunpur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Shri Mustafa Khan 44/387, Nai Sarak, Kanpur.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 13th January 1984

Ref. No. K-331/KNP/83-84.--Whereas, I,

P. N. PATHAK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. As per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule amexed here(o), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16) of 1908) in the Office of

the Registering Officer at Kanpur on 20/6/83.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfet with the object of :— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

H. No. 93 45, Hata Hasan Khan, Rajbi Road, Kanpur.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

> P. N. PATHAK Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:--

Date: 13/1/1984

FORM I.T.N.S.-

 Shri Darshan Singh Slo Haroam Singh, B-2, Officers flat, Benajhabhar, Kanpur.

(2) Shri Arjun Das Bhatia,

(3) Shri Darshan Singh.

Kanpur.

117-L/236, Navin Nngar,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

7ME 1AA AOI, 1701 (43 OI 1701)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 12th January 1984

Ref. No. K-329/KNP/83-84.—Whereas, I, P. N. PATHAK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at as per schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at

Kanpur on 15-4-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(Person in occupation of the property)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

117/H-2/137, Pandu Nagar, Kanpur. Area—345.57 sq. yards.

P. N. PATHAK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Kanpur

Date: 12/1/84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 28th January 1984

Ref. No. K-334/KNP/83-84/627.—Wheretas, I, P. N. PATHAK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 25/6/83.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

36-486GI/83

 Smt, Indu Kapur W/o Shri Dalip Kapur, 113/36, Swaroop Nagar, Kanpur.

(Transferor)

(2) Smt. Shushma Bishnoi Wlo S. S. Bhishnoi, 7/51, Tilak Nagar, Kanpur.

(Transferee)

(3) Smt. Indu Kapur.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 2A/210 Azad Nagar, Konpur. Area—684 sq. yards.

P. N. PATHAK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Rungs
Kanpur

Date: 28-1-1984

FORM NO. I.T.N S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 2nd February 1984

Ref. No. K-357/83-84.—Whereas, I, P. N. PATHAK,

being the Competent Autionity under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (45 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 20/7/83.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- b) facilitating the concalment of any income or any moneys or other acets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income far Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Ishwar Lal Mehta S/o Ganga Dass, 35/131, General Ganj, Kanpur.

(Transferor)

(2) Shri Mannu Bhai P. Shah & others S/o Purshattam Das others, R|o 26|46A, Birhana Road, Kanpur.

(Transferee)

(3) Shri Mannu Bhai P. Shah & others.
(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 55/131, General Gani, Kanpur.

P. N. PATHAK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquibition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 2-2-84.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 2nd February 1984

Ref. No. K-345/83-84.—Whereas, I, P. N. PATHAK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-ind bearing

No. As per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kanpur on 11-7-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid proprety and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Narendra Kumar Rastogi, 5/95, Neelwali Gali, Kanpur.

(Transferoi)

(2) Smt. Avinash Rani W/o Faqir chand, R/o 105/611 Deputy Ka Padao, Kanpur.

(Transferee)

(3) Smt. Avinash Remi.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Pld. No. 291-A, Kidwai Nagar, Kanpur.

P. N. PATHAK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Kanpur

Date: 2/2/84

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 2nd February 1984

Ref. No. K-347/KNP/83-84.—Whereas, I, P. N. PATHAK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 13/7/83.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Brahma Dutt Misra, S/o Sri Deo Dutt Misra, R/o 65/244, Moti Mahal, Kanpur.

(Transferor)

(2) Shrimati Basanti Pandey Shri Ramesh Narain Pandey, R|o 107|210, Nehru Nagar, Kanpur.

(Transferce)

(3) Smt. Basanti Pandey, (Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 128/487, K-Block, Kidwai Nagar, Kanpur.

P. N. PATHAK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Kanpur

Date: 2/2/84

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION .

New Delhi-110011, the 21st January 1984

No. A-32014/1/84-Admn.I.—The President is pleased to appoint the following Senior Personal Assistants (Grade B of CSSS) of the cadre of Union Public Service Commission as Private Secretary (Grade A of CSSS) in the same care on adhoc basis for the period shown against their names or unit further orders, whichever is earlier:—

SI. No. Name	Period	-
1. Shri I.N. Sharma	9-1-84 to 8-4-84	
2. Shri Tarsem Singh	16-1-84 to 15-4-84	

No. A-32014/2/84-Admn. I.—The President is pleased to appoint the following Personal Assistant/Sel. Grade Personal Assistant of the CSSS Union Public Service Commission as Sr.P.A. (Grade B of CSSS) in the same cadre on ad-hoc basis for the periods shown against their names or until further orders whichever is earlier:—

Sl. No.		Periods	Remarks
1.	Shri Sunder Lal	9-1-84 to 8-4-84	Vice Sh. I.N. Sharma appointed as P.S.
2.	Shri R. P. Dang	16-1-84 to 15-4-84	Vice Sh. Tarsem Singh appointed as P.S.

2. The above mentioned persons should note that their appointment as Sr.P.A. (Grade B of CSSS) is on ad-hoc basis and will not confer on them any title for absorption in Grade B of CSSS or for seniority in that grade.

M.P. JAIN
Under Secy. (Admn.)
Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS (DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R.,)

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION New Delhi, 1984

No. P-30/65-AD.V(Vol.II).—The President having been pleased to accept his notice for voluntary retirement under Sub-rule 3-A (a) and (b) of Rule 48-A of CCS (Pension) Rules, 1972, Sri P. S. Mahadevan, Supdt. of Police, C.B.I., Madras Branch stood relieved with effect from the afternoon of 31st January, 1984.

The 9th February 1984

No. A 19036/1/78-AD.V.—On superannuation, Shri D. R. Chauhan Dy. Supdt. of Police, Central Bureau of Investigation, Jaipur relinquished charge of the Office of Dy. Supdt. of Police, C.B.I. with effect from the afternoon of 31st January, 1984.

The 10th February 1984

No. A-19021/8/82-AD.V.—On attaining the age of superannuation, Shri Swaran Singh, Assistant Director (Co.)/CBI, New Delhi relinquished charge of the office of Assistant Director with effect from the afternoon of 31st January, 1984.

No. A-20023/6/83-AD.V.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment, hereby appoints Shri Om Prakash as Public Prosecutor/C.B.I. with effect from the forenoon of 30-1-1984 in a temporary capacity.

34—486GI/83

-No. A/19014/3/84-AD.V.—The President is pleased to appoint Smt. Latika Saran, IPS (Tamil Nadu-1176) as Superintendent of Police on deputation basis in the Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment with effect from the forenoon of 1st February, 1984 upto 31st January, 1987.

The 14th February 1984

No. A-19023. 2/84-AD.V.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment hereby appoints Shri W. Bhumeshwar Singh as Public Prosecutor C.B.I. on deputation with effect from the forenoon of 2nd February. 1984 and until further orders.

Shri W. Bhumeshwar Singh is posted in CBI Silchar Branch.
The 14th February 1984

No. A/20023/5/83-AD.V.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police. Special Police Establishment, hereby appoints Md. Latifur Rehman Ansari as Public Prosecutor, C.B.I. with effect from the forenoon of 3rd February, 1984 in a temporary capacity.

R. S. NAGPAL, Admn. Offr. (E) Central Bureau of Investigation

DIRECTORATE GENFRAL CRP FORCE New Delhi-110003, the 9th February 1984

CORRIGENDUM—Re-employment of Lt. Col. J. K. Berry (Retd.).

No. O.II-1799/83-Estt. CRPF.—Reference this Dte. Genl. CRPF Notification No. O.II-1799/83-Estt dated 12-5-83.

2. Instead of "Until further orders" appearing in III/IV lines of para-1 of this Dte. Genl. Notification referred to above read "for two years in the first instance".

The 13th February 1984

No. P. VII-4/82-Estt-I-Vol. III.—The President is pleased to appoint on promotion the following Dy. S.S.P. of CRPF to the rank of Assistant Commandant in a temporary capacity till further orders.

2. They took over charge of the post on the dates indicated against their names:—

S. No		er			Date of taking over
1	2			 	3
1.	Shri G.L. Sawhney				3-8-83 (AN)
2.	Shri A.K. Chibber				3-8-83 (AN)
3.	Shri S.S. Sandhu				4-8-83
4.	Shri M.S. Gulati				3-8-83 (AN)
5.	Shri G.S. Kaha i			٠.	10-8-83
6.	Shri B.S. Yambam				11-1-84 (AN)
7.	Shri V.K. Sagar				3-8-83 (AN)
8.	Shri Harmohinder S	ingh			4-8-83 (AN)
9.	Shri Om Dayal Math	ıur			4-8-83
10.	Shri Srikant				3-8-83 (AN)
11.	Shri Virender Singh	Yada	.V		3-8-83 (AN)
12.	Shri J.S. Gehlaut .				4-8-83
13.	Shri Satsaroop Singh	t			4-8-83
4.	Shri S.M.Z. Rizvi .				4-8-83 (AN)
15.	Shri V.P.S. Panwar				3-8-83
16.	Shri P.G.G. Nair .				5-8-33
١7.	Shri G.N. Kabadi .				4-3-83
8.	Shri Pr tam Singh .				4-8-83
19.	Shri Shanta Ram .	,			26-9-83
20.	Shri T.K. Joshi .				3-8-83 (AN)
21.	Shri Ranbir Singh .				4-8-83
22.	Shri Suchet Singh .				4-8-83
23.	Shri Agya Ram Gup	ta .			4-8-83
24.	Shri D.P. Yadav .				4-8-83

FORM NO. I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269 (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 31st December 1983

Ref. No. G. I. R. No. N-72/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

Araziyat Khasra No. 141/5, 143, 147 & 148 situated at Mauza Jia Mau, P. S. Haratgani, Lucknow,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 17-6-1983,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been i ally stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Bebari Lal.

(Transferor)

(2) Noor Sahkari Grith Nirman Samiti Ltd., Lucknow Through Addl. Sccretary, Shri Mohd. Hanif Khan.

(Transferce)

(3) Above seller.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforestald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given n that Chapter.

THE SCHEDULE

Araziyat Bhumidhari Khasra No. 141|5, 143, 147 & 148 Measuring total 11 Biswa, situated at Mauza-Jia Mau, P. S. Hazratgni, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 7588, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 17/6/1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Lucknow

Date: 31/12/1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 31st December 1983

Ref. No. G. I. R. No. N-71/Acq.-Whereas, I, A. PRASAD,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Araziyat Khasra No. 141|4 situated at Mauza-Jia P. S. Hazratganj, Lucknow,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 17/6/1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (e) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and for and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subtion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :----

(1) Shri Kallu.

(Transferor)

(2) Noor Stahkari Grith Nirman Samiti Ltd., Through Addl. Secretary, Shri Mohd. Hanif Khan.

(Transferee)

(3) Above seller.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Araziyat Bhumidhari Khasra No. 141/4 Measuring total 11 Biswa, situated at Mauza-Jia Mau, P.S. Hazratganj, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 7588, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 17-6-1983,

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range Lucknow

Date: 31/12/1983

Scal:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 31st October 1983

Ref. No. G. I. R. No. V-65/Acq.—Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Arazi No. 172 situated at Mauza-Shivpurwa, Pargana-Dehat Amanat, Varanasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of

the Registering Officer at Varanasi on 17-6-1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Bhanu Prasad.

(Transferor)

(2) The Varanasi Upniveshan Avas Evam Nirman Sahkari Samiti Limited, D-63 6-B-100, Shivan Nagar Colony, Muhmoorganj, Varanasi, Through its Secretary.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Arazi No. 172, situated at Mauza-Shivpurwa, Pargana-Dehat Amanat, Distt. Varianasi and all the description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 5645, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar Varanasi, on 23/6/193.

> A. PRASAD Competent Authority acting Assistant Commissioner of Income-tux Acquisition Range Luckne w

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 31-10-1983.

(1) 1. Mr. Veerangowda Babagonda Patil, Mr. Basavaraj Veerangowda Patil, Resident of Kanamadi Village, Distt, Bijapur.

(Transferor)

(2) Mr. Dhamaji Malshi Shah, C.T.S. 737, Ward No. III, S. S. Road, Bijapur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 28th January 1984

C.R. No. 62/Notice No. 681/83-84/ACQ/B.-Whereas, I. MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

C.T.S. No. 737 (Building) situated at S. S. Road, Bijapur (and more fully described in the Schedule annexed hereto). (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bijapur under Document No. 601/83-84 on 1-6-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: of transfer with the object of :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

[Registered Document No. 601/83-84 dated 1-6-1983] Building C.T.S. 737, Ward No. III situated at S. S. Road, Bijapur.

THE SCHEDULE

MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

37-486GI/83

persons, namely :--

Date: 28-1-1984 Seal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 28th January 1984

C.R. No. 62/Notice No. 682/83-84/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Survey No. 82 (Land) situated at Ela Village, Sub Distt. of Ilhas, Tiswadi Taluk, Goa Dist. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ilhas under Document No. 376/83-84 on 16-6-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reducting or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Mrs. Odllia Sequeira alias Mrs. Joona Maria Odilia Rosario Xavier Fernandes

(Transferor)

- Mr. Charles Joseph Sequeria, Both residents of Panaji, Goa.
- (2) M/s. London Star Diamond Company India Pvt. Limited, H.O. at Bombay and a factory at Industrial Estate, Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 376/83-84 dated 16-6-83]

All that part and parcel of property known as "SAO LAZARO" or "ELQUI COPO" situated at Ela Village, Sub District of Ilhas, Tiswadi Taluka, Goa Dist.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 28-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 28th January 1984

C.R. No. 62 /Notice No. 683/83-84/ACO/B.-Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. 69/1 6.26 2.57 among 3.13

situated at Honwar Village, Gangawati Taluka (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gangawati under Document No. 575/83-84 on 22-6-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Mr. Amaregowda, S/o Gandegowda, Mrs. Shivagangamma, W/o Nagarudra Gowda, R/o Hanwal Village, Gangawati Taluk, Raichur Dist.

(2) Mr. Amareshappa S/o Pampanna, R/o Hoskeri Village, Gangawati Taluk,

Raichur Dist.

(Transferce)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 575/83-84 dated 22-6-83] Irrigated Agricultural Land bearing No. 69/1 to 6-26 2.57 among 3-13 situated at Hanwal Village in Gangawati Taluk.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Date: 28-1-1984

Scal:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 28th January 1984

.CR. No. 62/Notice No. 684/83-84/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. 69/1 6.26 2.57 among 3-13 situated at Honwal Village, Gangawati Taluk

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Gangawati under Document No. 576/83-84 on 22-6-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mr. Amaregowda, S/o Gaudegowda, Mrs. Shiyagangamma, w/o Nagarudra Gowda R/o Hanwal Village, Gangawati Taluk, Raichur Dist. (Transferor)

(2) Mr. Giriyappa, S/o Pampanna, Hosakeri Village, Gangawati_Taluk, Raichur Dist.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 576/83-84 dated 22-6-1983) Irrigated Agricultural Land bearing No. 69/1 6-26 2.57 among 3.13 situated at Hanwal Village Gangawati Taluk.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 28-1-1984

Seal -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 28th January 1984

C.R. No. 62/Notice No. 685/83-84/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No
289/1 10.15 11.13 among 220
situated at Zardoni Village, Gangawati Taluk, Raichur Dist.
(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the

office of the Registering Officer at

Gangawati under Document No. 590/83-84 on 23-6-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of(1) Mr. Kalesangowda S/o Revangowda, R/o Yardoni Village. R/o Yardoni Village, Gangawati Taluk, Raichur Dist.

(Transferor)

(2) Mr. Yekanand Swamy S/o Veerabhadraiah, R/o Karadagi, Gangawati Taluk, Raichur Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLINATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 590/83-84 dated 23-6-1983] Irrigated Agricultural Land bearing No. 289/1 10-15 11-13 among 2.20 situated at Yardoni Village, Gangawati Taluk, Raichur Dist.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 28-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 28th January 1984

C.R. No. 62/Notice No. 686/83-84/ACQ/B.-Whereas, I, MANJU MADHAVAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.

289/1 10.5 11.13 among 2.35

situated at Yardoni Village, Gangawati Taluk, Raichur Dist.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gangawati under Document No. 592/83-84 on 23-6-1983 Gangawan under Document No. 392/83-84 on 23-0-1963 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mr. Kalesangowda S/o Revangowda, R/o Yardoni Village, Gangawati Taluk, Raichur Dist.

(2) Mr. Sharanayya S/o Vcerabhadraiah, Gangawati Taluk, Raichur Dist

(Transferor)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 592/83-84 dated 23-6-1983) Irrigated Agricultural Land situated at Yardoni Village, bearing No. 289/1 10-15 11-13 among 2.35 Gangawati Taluk, Raichur Dist.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 28-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269 (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 28th January 1984

C.R. No. 62/Notice No. 687/83-84/ACQ/B.—Whreas, I, MANJU MADHAVAN,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,

Acquisition Range, Bangalore,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 289/1 10.15 11.13 among 2.20 Agri, land situated at Yardoni Village, Gangawati Taluk, Reichur Dist.

289/1 10.15 11.13 among 2.20 Agri, land situated at Yardoni Village, Gangawati Taluk, Raichur Dist. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gangawati under Document No 589/83-84 on 23-6-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mr. Kalesangowda S/o Revargowda, R/o Yardoni Village, Gangawati Taluk, Raichur Dist.

(Transferor)

(2) Mr. Raghunath Swamy S/o Veerabhadraiah, Gangawati Taluk, Raichur Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 590/83-84 dated 23-6-1983] Irrigated Agricultural Land bearing No. 289/1 10-15 11-13 among 2.20 situated at Yardoni Village, Gangawati Taluk, Raichur Dist.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 28-1-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 28th January 1984

C.R. No. 62/Notice No. 688/83-84/ACQ/B.-Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and beasing No. 289/1 10.15 11.13 among 2.20

situated at Yardoni Village, Gangawati Taluk, Raichur Dist. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Gangawati under Document No. 591/83-84 on 23-6-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act., I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

 Mr. Kalesangowda S/o Revargowda, R/o Yardoni Villago, Gangawati Taluk, Raichur Dist.

(Transferor)

(2) Mr. Narapathi Raju S/o Veerabhadraiah, Gangawati Taluk, Raichur Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 591/83-84 dated 23-6-1983)

Irrigated Agricultural Land bearing No. 289/1 10-15 11-13 among 2.20 situated at Yardoni Village, Gangawati Taluk, Raichur Dist.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 28-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 28th January 1984

C.R. No. 62/Notice No. 689/83-84/ACQ/B.-Whereas, I, MANJU MADHAVAN.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore,

being the Competent Authority under Section

*269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe +that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

Survey No. 18/1 admeasuring 53,000 sq. m, situated at Gandautim Village, Old Goa Road,

Cumberjua, Triwedi Taluk, Sub Dist. Ilhas, Goa Dist

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under

the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the llahas under Document No. 379/83-84 on 21-6-1983

for an apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more han fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between he parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---38-486G1/83

- (1) 1. Laxmi Pundalik Uskaikar Laximim Naique also known as Baiura Naique, House No. 38, Cumbarjua Tiswadi- Goa.
 - 2. Caliana Naique alius Kalyan Krishna Vaingakar Shivakrishna Vaingankar alias Xiva Crisna Vaigoncar,
 - 4. Shakuntala Shiva Vaingonkar alias Shakuntala Hiro Naik

House No. 26 Curca, Tiswadi, Goa.

5. Aramcuia Naique alias
Aruncam Naique—Prembai

6. Dinanata Naique Chodancai alias
Dinanata Krishna Chodankar House No. 28 Duler Napura, Bardry, Goa. 7. Xenbu alias Xeunbu Siroscar,

- 8. Damodar Vasudeva Sirodcar alias Damodar Vasudev Shirodcar and
- 9. Santi Sirodear alias Shanthi Vasudev Shirodear, House No. 55 Fondavem, Ribandar, Triwadi, Goa.

(Transferor)

(2) Real Bottling Factory Pvt. Ltd., 3rd Floor, Nascarnhas Building, Panaji—Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 379/83-84 dated 21-6-1983]

All that landed property "AFORAMENTO" admeasuring 53,000 sq. m. situated at Gandaulim Village, Old Goa Rd., Gandaulim, Cumbarjua, Tiswadi Taluk, Şub-Dist. of Ilhas— Dist. of Goa.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Runge, Bangalore

Date: 28-1-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560 001, the 19th January 1984

C.R. No. 62/39062/83-84/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000) and hearing No.

and bearing No. 3149 new No. L-1 situated at Davoodkhan Street,

Lashkar Mohalla, Mysore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at

Mysore on 21-6-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shri Abdul Rasheed, II Cross, Gandhinagar, Mandya Town.

(Transferor

(2) Shri Halizur Rehman,
 S/o Mohd, Yousuff Sahib,
 D. No. 1402, behind Janatha Bazar,
 Lashkar Mohalla, Mysore City,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writin to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 day from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the sai Act, shall have the same meaning as give in that Chapter,

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1243/83-84 dated 21-6-1983]

Property bearing No. 3149 new No. L-1 situated Davoodkhan Street, Lashkar Mohalla. Mysore.

MANJU MADHAVA^T
Competent Authorit
Inspecting Assistant Commissioner of Income-ta
Acquisition Range, Bangalor

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 19-1-1984

FORM I.T.N.S.

 Lt. Vinod Jacob Joseph, No. 444, HAL II Stage, Indiranagar, Bangalore.

(Transferor)

OTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) Mrs. Swarmalatha Rajagopalan.
 Miss Karuna Rajagopalan.
 Miss Gita Rajagopalan.
 No. 209. Defence Colony, Indiranagar, Bangalore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

FFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560 001, the 17th January 1984

C.R. No. 62/38764/83-84/ACQ/B.—Whereas, I, NJU MADHAVAN,

ing the Competent Authority under Section 269B of the Ome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the immovable reperty having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-ind bearing No.

and bearing No.
., situated at Binnamangala I stage Extension, Bangalore and more fully described in the Schedule annexed hereto), s been transferred under the Registration Act, 1908 (16 i 1908) in the office of the Registering Officer at havajinagar on 24-6-1983

r an apparent consideration which is less than the fair arket value of the aforesaid property and I have reason to elieve that the fair market value of the property as aforesaid ceeds the apparent consideration therefor by more than fteen per cent of such apparent consideration and that the onsideration for such transfer as agreed to between the arties has not been truly stated in the said instrument of ansfer with the object of:—

may be made in writing to the undersigned :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (Registered Document No. 791/83-84 dated 24-6-1983)

Property bearing No. 591, situated at Binnamangala I Stage Extension, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 17-1-1984

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said 'ct, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560 001, the 19th January 1984

C.R. No. 62/38770/83-84/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

52, situated at Cole Road, Civil Station, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Shivajinagar on 24-6-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Secion 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri A. Padmanabha Naidu, No. 36, Stephens Road, Bangalore-5.

(Transferor)

Shri P. M. Bharatnan,
 Smt. N. K. Padma Bharathan,
 No. 52, Dwarka,
 Coles Road, Bangalore-5.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 821/83-84 dated 24-6-1983] All that property bearing No. 52, situated at Clocs Road, Civil Station, Bangalore-5.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 19-1-1984

 Shri R. R. Venkata Kriishna, No. 46/1, II Cross, Vasanthnagar, Bangalore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE: BANGALORF-560001

Bangatore-560 001, the 19th January 1984

C.R. No 62/38865/83-84/ACQ/B.--Whereas, I, MANIU BADHAVAN,

the the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable propetry, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing 4. A, present M. No. 46/1 situated at III Cross Road, Vasanthnagar, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 198 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar in June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(2) Smt. B. P. Suryakumari, No. 20, Venkataswamy, Naidu Road, Shivajinagar, Bangalore.

(Transferce)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 951/83-84 dated June, 1983)
Property bearing No. 4/A, present M. No. 46/1 situated at III Cross Road, Vasanthnagar, Bangalore-52.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby intate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 19-1-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Shri Leslee D'Silva
 Executor to the Estate of the Late Mrs. Lily D'Silva, Bangalore.

(Transferor)

(2) Shri Allan Rodrigues, 2, Ivor Rodrigues, No. 20/2, Lavelle Road, Bangalore.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560 001, the 17th January 1984

C.R. No. 62/38766/83-84/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,

Acquisition Range, Bangalore,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding R. 25,000/- and bearing No.

20, situated at Lavelle Road, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar on 25-6-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 793/83-84 dated 25-6-1983)

Property bearing No. 20 situated at Lavelle, Road, B'lore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 629C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 17-1-1984

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Major P. Muthu Krishnan, C/o Mr. M. R. Unnikrishnan, Nambisan, 2995, HAL II Stage, Indiranagar, Bangalore-38.

(Transferor)

(2) Mrs. Mary Isaac, W.o M. V. Isaac, 785-D-1, B.D.A. Flats, Austin Town, Bangalore-47.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 19th January 1984

C.R. No. 62/38761/83-84/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1017 situated at HAL II Stage, Indiranagar, Bangalore

1017 situated at HAL II Stage, Indiranagar, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the

Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Shivajinagar on 20-6-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registration Document No. 746/83-84 dated 20-6-83) Vacant site No. 1017, situated at H.A.L. II stage, Indiranagar, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

Date: 19-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri N, Sreeramulu No. 4/26, 'A' Street, Shivajinagar, Civil Station, Bangalore.

(Transferor)

 Shri S. A. Basith No. 20/3, Aga Abbas Ali Road, Ulsoor, Bangalore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMF-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 19th January 1984

C.R. No. 62/38919/83-84/ACQ/B.—Whereas J, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 26(4) situated at 17th Street, Shivajinagar

Divn. No. 58, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Shivajinagar under document No. 1033/83-84 on 21-7-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, pamely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—I he terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1033/83-84 Dated 31-7-83)
All that property bearing No. 26 old No. 4 situated at 17th Street Shivajinagar, Bangalore.

MANJU MADAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 19-1-1984

has been transferred

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Shri V. Govinda Rao No. 17, Frult Street, Civil Station, Bangalore.

(Transferor)

 1. Smt. T. Khamarunnisa
 2. Miss K. Nasreen Taj
 No. 2, Perimasiperiyanna Lane, Bangalore-2,

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 19th January 1984

c C.R. No. 62/38740/83-84/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to a the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 23, 24 & 25 situated at Milkman Street II ICross. Corpn Div. No. 60, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar under document No. 944/83-84 on 14-7-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property a aforesaid exceeds as apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and

that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any incdme or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning re given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 944/83-84 Dated 14-7-83)
All that property bearing No. 23, 24 & 25 situated at Milkman Street II Cross, Corporatoin Divn. 60, Bangalore.

MANIU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said ct, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

39—486GI/83

Date: 19-1-1984

FORM ITNS----

(1) Shri K. Sreeniyasan "Krishna Krupa" 275/31, 17th Cross Road.

Upper Palace Orchards Sadashivanagar, Bangalore-560080.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Padma Rajan & Master Ashish Rajan (Guardian Mr. K. N. Rajan) No. 115, 9th Main Road Rajmahal Vilas Extn. Bangalore-560080.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 17th January 1984

Objections, if any, to the acquisition of the said propert may be made in writing to the undersigned :-

C.R. No. 62/38393/83-84/ACO/B.—Whereas, I. MANJU MADHAVAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. 275/31 situated at 17th Cross, Upper Palace Orchards,

Bangalore

fand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in office of the Registering Officer at Gandhinagar under document No. 724/83-84 on 1-6-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as a force. believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 724/83-84 dated 15-6-1983) All that property bearing No. 275/31 situated at 17th Cross Road, Upper Palace Orchards, Bangalore-80.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-ta: Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 19-1-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 19th January 1984

C.R. No. 62/38373/83-84/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

eing the Competent Authority under Section 269B of he Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred o as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding

Ps. 25,000/- and bearing

No. 302 situated at West of Saraswathipuram,

Chamaraja Mohalla, Mysore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

as been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tysore City under document No. 1169/83-84 on 15-6-1983 or an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that he consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said ct, I hereby initiate proceedings for the acquisition for the aforesaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri M. V. Nagaraju S/o Venkatappa No. 302, Saraswathipuram, Mysore.

(Transferor)

(2) Smt. Annapoorna W/o B. N. Hanumanthaiah D. No. 595, Oil Mill Street behind Shanthala Talkies K. R. Mohalia, Mysore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1169/83-84 dated 15-6-83) All that property bearing No. 302 situated at West of Saraswathipuram, Chameraja Mohalla, Mysore.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 19-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 19th January 1984

C.R. No. 62/38827/83-84/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Vacant Site No. 144, situated at IX Block,

Vacant Site No. 144, situated at IX Block, Jayanagar, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Javanagar on 6-6-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri B. K. Satyanarayana, 129, III Cross, I Block, Jayanagar, Bangalore-4.

(Transferor)

(2) Dr. T. N. Venkatesh, Repd. by Mr. T. C. Ananthamurthy, No. 346, II Cross, I Block, Jayanagar, Bangalore-4.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice; in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(ReRegistered Doiument No. 836/83-84 dated 6-6-1983)

Property bearing No. 144, situated at IX Block, Jayanagar, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 19-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 19th January 1984

C.R. No. 62/39061/83-84/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 12, situated at II Main, Paramahamsa Road, Mysore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under

the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the

Registering Officer at Mysore on 9-6-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) tacilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. L. Sharada, W/o Shrl H. Narayana, Nakshatra Farm, Hinkal, Mysore Taluk.

(2) Shri Y. P. Udayashankar, No. 15, Temple Road, Jayalaxmipuram, Mysore-2. (Transferor)

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1348/83-84 dated 9-6-1983)

Property bearing No. 12, situated at II Main, Paramahamsa Road, Mysore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 19-1-1984

(1) Smt, Lakshmanna, No. 29, I Main Road, Sampangiramanagar, Bangalore-27.

No. 14, Promnade Road,

Shri A. Bhoopathi,

Bangalore.

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 19th January 1984

C.R. No. 62/38757/83-84/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 365, situated at Binnamangala II Stage,

Indiranagar, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar on 14-6-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957)
- Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aporessid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 683/83-84 dated 14-6-1983)

Property bearing No. 565 situated at Binnamangala II Stage, Indiranagar, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 19-1-1984

Soal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 19th January 1984

C.R. No. 62/38767/83-84/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 2, situated at VI Cross, Hutchins Road, St. Thomas Town, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar on 27-6-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Mendousa Investments P. Ltd., No. 25, Cuffee Parade, Colaba, Bombay-85.

(Transferor)

(2) Mrs. Matilda Carvalho, No. 20, VI Cross, Hutchins Road, St. Thomas Town, Bangalore-84.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 808/83-84 Dated 27-6-1983)

Property bearing No. 2, situated at VI Cross, Hutchins Road, St. Thomas Town, Bangalore-84.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 19-1-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 19th January 1984

C.R. No. 62/38913/83-84/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 583/A, situated at Binnamangala I Stage, Indiranagar, Bangaloro

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar on 16-6-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Hanumantharayappa No. 25, Wellington Street, Richmond Town, Bangalore. repd. by Mr. Aubrey J. Butler.

(Transferor)

(2) Shri Romnald Jacob D'Silva Flat No. 13, Nazareth Apartment, 444, Pitambar Lane, Mahim, Bombay-16, repd. by Mr. Stanley Lazarns.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforeseld persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in this Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1108/83-84 dated 16-6-1983)
Property bearing No. 583/A, situated at Binamangala I Stage, Indiranagar, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 19-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGF, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 19th January 1984

C.R. No. 62/38193/83-84/ACQ/B.—Whereas I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'soid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 76, SCy No. 94, 3B situated at Badagabettu Village, Bailur Ward, Udupi Taluk

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udupi on 3-6-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
40—486GI/83

(1) Shri B. Ramesh Achar, No. 1907, Southend C. Road, IX Block, Jayanagar, Bangalore-11.

(Transferor)

(2) Cyril Jacob Clement Percira, near Fernal Church, Pilar Village, Udupi Taluk. by his general agent:— Maurice Ferrao, Retired Officer, Amblapady, Udupi Town.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period axpires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Officir¹

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 19/83-84 Dated 3-6-1983)

Property bearing No. 76, Sy. No. 94/3B, situated at Bolagabettu Village, Bailur Ward, Upupi Tq.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 19-1-1984

 Shri Muniappa and others, No. 3, Annalappa Block, Kumara Park, Bangalore.

(Transferor)

(2) Shri M. Mohanraj & M. Balaraj No. 2, 20th Cross Road, Rangaswamy Temple Street, Bangalore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMF-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 19th January 1984

C.R. No. 62/38404/ACQ/B.—Whereas I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 4, situated at Hospital Road, 15th Dvn., Bangalore (and more fully described in the Schedule anneæd hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at

1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar on July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the solid Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(Registered Document No. 832/83-84 dated July 1983)

All that property bearing No. 4, situated at Hospital Road, 15th Division, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 259D of the 22id Act, to the following persons, namely:—

Date: 19-1-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR, SARAF CHAMBERS, SADAR NAGPUR

Nagpur, the 28th December 1983

No. IAC/ACQ/24/12/83-84.—Whereas, I, M. C. JOSHI

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No. 3 Buty Layout, Ward No. 70,

Dharampeth, Nagpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Nagpur on 27-6-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Padmavati Euty, Nagpur.

(Transferor)

(2) M/s. Kanchan Co-operative Housing Society Ltd.,
Dharambeth, Nagpur
Plot No. 3 Boty Layout,
Dharampeth, Nagpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a peroid of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcels of land bearing Plot No. 3 in Buty Layout Cir. No. 20, Ward No. 70 New Area 11610 sq. ft (1105 sq. meter) H. No. 55 (New Built up area as per plans).

M. C. JOSHI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Arquisition Range, Nagpur

Date: 28-12-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Sadha Singh Gandhi R/o Murtizapur, Distt. Akola,

(1) Sardar Kartar Singh

(Transferor)

(2) Dr. Godzwaribai Narayanrao Ghate R/o Murtizapur, Station Area, Distt. Akola.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR, SARAF CHAMBERS, SADAR NAGPUR

Nagpur, the 29th December 1983

No. 1AC/ACQ/25/12/83-84.—Whereas, I, M. C. JOSHI, being the Competent Authority under Sec

Competent Authority under Section 269B the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

able property, having a rair market value exceeding.
Rs. 25,000/- and bearing.
Plot No. 71 House No. 18/4 on street No. 5-D Area 7875 sq. ft. at Murtizapur, Distt, Akola (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Akola on 17-6-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor hy more than forms. therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such trans as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obejet of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Building situated on Street No. 5-D and plot No. 71 bearing House No. 18/4 admeasuring area of plot 7875 sq. ft. as Murtizapur, Distt. Akola.

> M. C. JOSHI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioiner of Income-tax Acquisition Range, Nagpur

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 29-12-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR, SARAF CHAMBERS, SADAR NAGPUR

Nagpur, the 30th December 1983

Ref. No. 1AC/ACQ/26/12/83-84.—Whereas, I, M. C. JOSHI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Rs. 25,000/- and bearing No.
N.I.T. Plot No. 18 C A. Scheme, Sec. III in Khasra No. 21,
Hiwri layout with Building M. No. 27/3/18, Wd. No. 21,
Single Storeycd, Area 5800 sq. ft.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Nagpur on 29-6-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent

consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Bapurao Pitaramji Yawale

2. Smt. Kusumbai W/o Sh. Bapuraoji Yawale

3. Sri Ashok

S/o Sh. Bapuraoji Yawale Plot No. 18 Hiwri Layout, Nagpur.

(Transferor)

(2) Sri Rajmal S/o Sri Ratanlal Dalal Pacheriwala Bldg. Tekadi Road, Sitabuldi, Nagpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

N.I.T. CA Scheme Section III in Kh. No. 21 Hiwri layout Plot No. 18, admeasuring 5800 sq. ft. on leasehold rights Picts from NIT—with Building thereon bearing M. No. 27-3-18, Wd. No. 21—Single storeyed partly pakka and partly temporary construction.

M. C. IOSHI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Nagpur.

Date: 30-12-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-J, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 23rd January 1984

Ref. No. 23/June/83.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S. N. 315/9, situated at Sulagiri, Hosur T.K. (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sulagiri (Doc. Nos. 616, 617/83) in June 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :---

(1) Shri S. S. Radheshem, Shri S. S. Nagesh, S/o S. K. Seetha Ramasety, Sulagiri, Hosur T.K.

(Transferor)

(2) 1. M. G. Narasimha Murthy,
2. M. G. Sathya Murthy,
3. M. G. Sundaramurthy,
\$\sqrt{0}\$ M. C. Govindarajulu Naldu, D. No. 15A, 4th Cross, Co-operative Colony, Krishnagiri.

(Transfereo)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Agricultural Land at S. No. 315/9, Sulagiri, Hosur T.K. Doc. Nos. 616, 617/83).

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (i/c), Madras-600 006

Date: 23-1-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

MADRAS-600-006, the 6th January 1984.

Ref. No. 2/June/83.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 15, situated at Pechiamman Paditthurai Road,

Madurai

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pudumandapam, (Doc. No. 1460/83) in June 1983. For an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Shri T. V. Venkatesan,
 Pechiamman Paditthurai Road,
 Madurai.

(Transferor)
Thiru Alagunathan.

Shri N. Thiru Alagunathan,
 Pechiamman Paditthurai Road,
 Madurai.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette on a period of 30 days from the service of noitee on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of th¹, notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building at No. 15, Pechiamman Paditthural Road, Madurai, Doc. No. 1460/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I (ive). Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

Date: 6-1-1984

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

MADRAS-600-006, the 6th January 1984.

Ref. No. 9/June/83.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S. No. 18/2, situated at Athiyur village, Yercaud T.K., Salem Dt.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority Yercaud (Doc. No. 108/83) in June 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. M. Sivabakkıyam, W/o Muthaiah Pillai, Sagadevapuram, Komarasamipatty, Salem-7.

(Transferor)

(2) Shri Asaithambi S. R., S /o S.P. Rangasamy, 12, 3rd Street, Gopalapuram, Madras-86.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building at S. No. 18/2, Athiyur village, Yercaud T.K., Salem Dt. Doc. No. 108/83),

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (i/c), Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 6-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th January 1984

Ref. No. 42/June/83.—Whereas I,
R. P. PILLAI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
Plot No. 7, situated at Kedaikanal Town,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in Office of the Registering Officer at
Kodaikanal (Doc. Nos. 247, 248/83) on June 1983,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the sald Act, to the following persons, namely:—

41—486GI/83

 Madura South India Corporation Private Limited, Rep. by General Manager, Shri S. Palaniappa Chettiar, 64, Armenian Street, Madras-600 001.

(Transferor)

(2) M/s. Pond's (India) Limited, Rep. by Vice President K. Viswanathan, 26. Commander-in-Chief Road, Egmore, Madras-600 105.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building at Plot Nos. 7, 5, Kodaikanal Town, Doc. Nos. 247, 248/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incom--tax
Acquisition Range-I (i/c), Madras-600 006

Date: 6-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th January 1984

Ref. No. 44/June/83.—Whereas I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 442, situated at Tallakulam village,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Inlakulam, (Doc. Nos. 2462, 2513, 2534/83) in June 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

 M. Kamatchi S/o M. Muthiah Pillai, Iyyampalayam village, Madurai Dist.

(Transferor)

(2) Shri AR. Muthiah Chettiar, S/o Shri Arunachalam Chettiar, Bungalow Oorani Street, Puduvayal Town, Karaikudi T.K. Ramanathapuram Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPALANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land at Plot No. 442, Tallakulam village, Doc. Nos. 2462, 2513, 2534/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I (i/c)
Madras-600 006

Date: 6-1-1984 Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th January 1984

Ref. No. 45/June/83.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. Plot Nos. 282, situated at K. K. Nagar, Madurai North T.K.,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tallakulam (Doc. No. 2776/83) in June 1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and

I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 N. Nagarathinam, W/o A. R. Chekkalingam, No. 23, Mukka Pillai Lane, Tallakulam, Madurai.

(Transferor)

(2) Shri N. K. R. Arunachalam Chettlar, S/o Karuppan Chettlar, Plot No. 282, K. K. Nagar, Madurai-20.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building at Plot Nos. 282, K. K. Nagar, Madurai North T.K. Doc. No. 2776/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I (i/c), Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th January 1984

Ref. No. 70/June/83.—Whereas I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 424, situated at Thiruvettiyur High Road, Madras,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Royapuram, Madras (Doc. No. 1057/83) in June 1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

K. P. Damodara Chetty,
 K. Balakrishnan Chetty,
 K. L. Kanchana,
 K. Nagamma,
 K. Banumathy,
 of Gopal Chetty Bros,
 14, Chandrappa Mudali Street,
 Madras-600 001.

(2) S. A. Guuasekaran & S. A. Samy, 46, Perambalu Chetty Street, Madras-600 021.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetto or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property. within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building at No. 424, Thiruvottiyur High Road, Madras. Doc. No. 1057/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I (1/c), Madras-600 006

Date: 6-1-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th January 1984

Ref. No. 74/June/83.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Setion 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, baving a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

And bearing
Nos. N.M.C. 10-6/75, N.M.C. 10-3/20, situated at
Puthan Bangala Road, South Car Sreet, Nagercoil,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at Nagercoil-I, (Doc. No. 1099/83) in June 1983,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesald property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 S. Ganesan Iyer S/o V. R. Sadasivan, Late Shri Ramakrishnan Iyer, No. E4/73, "Shri Saisadan" Arera Colony, Bhopal, M.P.

(Transferor)

(2) P. Radhakrishnan, S/o Shri Padmanabhan Chettiar, A-27, Simon Colony, Melaramanputhoor, Nagercoil-629 002.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building at No. N.M.C. 10-6/75, N.M.C. 10-3/20 Puthen Bangala Road, South Car Street, Nagaercoil. (Doc. No. 1099/83).

R. P. PILLA1
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I (i/c), Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-1-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th January 1984

Ref. No. 78/June/83.—Whereas I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. N.M.C. 15/5-87 2, situated at Vadasery village, Agesteeswaram T.K., Kaniyakumari Dt. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vadasery, (Doc. No. 639/83) in June 1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferer to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Valluvar Handloom Textile,

Ayyamperumal Pillai,
 Boothalingam,

Arumugam Pillai,
 Boothalingam,

14/277, Katta Pulia Mudi Street,

Vadasery,

Agestceswaram T.K. Kaniyakumari Dist.

(Transferor)

(2) Vadasery Yarn Corporation, S. Kumaravelu,

M. Padalingam,

R.M. Subramaniam, N. Lakshmanan,

S. Natarajan Chidambarathanu,

Asambu Road,

Vadasery, Nagercoil P.O.,

Agesteeswaram T.K.

Kaniyakumari Dist.

(Transferco)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building at No. N.M.C. 15/5-87/2, Vadasery village, Agesteeswaram T.K. Kaniyakumari Dt. Doc. No. 639/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I (i/e)
Madras-600 006

Date: 6-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(7) A. Radhakrishnan, A. Thayarammal, R. Dessammal, 75, Nainiappan Street, Madras-1.

(Transferor)

(2) Mrs. T.M.S. Sharifa Beevi, O.M.A. Abdul Salam, 33, Mannady Street, Madras-1.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIQNER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th January 1984

Ref. No. 87 June 83.—Whereas I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

New No. 75, situated at Nainiappan Street, Madras-1,

New No. 75, situated at Nainiappan Street, Madras-1, (and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred ander the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Madras North-I, (Doc. No. 2241/83) in June 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the assets of the Indiana Income of the Income of th

the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Land and building at New No. 75, Nainiappan Street, Madras-1, Doc. No. 2241/83).

R. P. PILLA1
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I (1/c)
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said ct, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-persons, namely:—

Date: 6-1-1984

(1) Mrs. Juliet Asokaraja, 25, Rathinasabapathy Road. Madras-21.

(Transferor)

(2) Shri V. N. Ravivarma, 90, West Mada Church Road, Madras-13.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th January 1984

Ref. No. 88/June/83.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

New No. 25, situated at Rathinasabapathy Mudaliar

Road, Madras-600 021, (and more fully described in the schedule annexed hereto)

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras North-I, (Doc. No. 2158/83) in June 1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which there are no total to the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable 4 property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building at New No. 25, Rathinasabapathy Mudaliar Road, Madras-600 021 Doc. No. 2158/83).

R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (i/c) Acquisition Range-I (i/c), Madras-600 006

Date: 6-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th January 1984

Ref. No. 90/June/83.—Whereas I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 268B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 802 to 804, situated at Thiruvottiyur High Rad, Madras-19,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Madras North-I, (Doc. No. 2157/83) in June 1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly state 1 in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

42-486GI/83

(1) Kanagavalliammal, Bhuvaneswari, C. Padmavathy, Ram Bai, Vedagiri, Prema, Kanchana Mala, Sanjeev, 52, Nambuliar Street, Madras-1.

(Transferor)

(2) V. R. Jaya Singh,V. R. Jayakumar,90, West Mada Church, Road,Madras-13.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building at Nos. 802 to 804, Thiruvettiyur High Road, Madras-19 Doc. No. 2157/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I (i/c), Madras-600 006

Date: 6-1-1984

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONI-R OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th January 1984

Ref. Np. 91/June/83.---Whereas I,

R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No 751, situated at T. H. Road, Madras-81, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras North-II, (Doc. No. 1757 83) in June 1983, for an apparent consideration and which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aroresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

 Shri R. Sambasiva Rao, Sri R. V. Sreedhara Rao, 752, Thiruvottiyur High Road, Madras-81,

(Transferor)

(2) R. V. Subba Rao & D. V. Suscela, N. Sastry, 3, Mahabhoopal Manzil, Jambaugh, Hyderabad-1 (A.P.).

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building at No. 751, T. H. Road, Madras-81. Doc No. 1757/83).

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I (i/c), Madras-600 006

Date: 6-1-1984

Scal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-U MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th January 1984

Ref. No. 92/June/83.—Whereas I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 18, situated at St. Xavier Street, Madras-1,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Madras North-II, (Doc. Nos. 2221 & 2222/83) in June 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Y. V. Rani, Y. S. Mythily, Y. Venkataramiah, Y. Srinivasan. 18, St. Xavier Street, George Town, Madras-1.

(Transferor)

(2) Smt. Mehboob Unnissa,M. Noor Ahamed,77, Anna Pillai Street,Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .-- The terms and expressions used herein as as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building at No. 18, St. Xavier Street, George Town, Madras-1, Doc. Nos. 2221 & 2222 (83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I (1/c)
Madras-600 006

and the state of t

Date: 6-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269 (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th January 1984

Ref. No. 96/June/83.—Whertas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing No. 22, situated at Flag Staff Street, Royantiram.

Royyapuram,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Royapuram, Madras (Doc. No. 954/83)

on June 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason wo believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) Mana Chinniah, Lilly Craze
Francis, Kalyani Meshak,
Christy Jaganathan, Samuel Daniel,
P. A. Waniel, Sironmani Danlel,
J. B. Daniel, No. 24, Flag Staff Street, Madrag-13.

(Transferor)

(2) Smt. Sivagami, W/o Pitchai Varadhan, No. 24, Flag Staff Street, Royapuram, Madras-13.

(Transferce)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of we publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building at No. 22, Flag Staff Street, Royapuram, Madras-13.

(Doc. No. 954/83).

R. P. PILLAI, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-J, (1/C) Madras-600 006.

Date: 6-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-006 006, the 6th January 1984

Ref. No. 99/June/83.—Whereas, 1, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing No. R.S. No. 613, situated at Andiappa Gramani Street, Royapuram, Madras-13 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Royapuram, (Doc. No. 926/83) on June 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid pro-

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Thiru S. Gajapathy Naidu, i, Ammattan Street, Royapuram. Madros-13.

(Transferor)

 Thirumath V. Chandra, 30, Poes Road, Teynampet, Madras-18.

(Transferce)

Objections, if may, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(Land and building at R.S. No. 613, Andiappa Gramani Street, Royapuram, Madras-13. Doc. No. 926/83).

R. P. PILLAI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, (1/C) Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 6-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-1, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th January 1984

Ref. No. 102/June/83,—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. New No. 121, situated at Varadamuthiappan Street, Madras-1

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sewcarpet, Madras (Doc. No. 291/83) on June 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely:—

 K. Seshiah Chetty, K. S. Srcedevi, K. C. S. Nandagopal, K. V. S. Prasad, K. Govardhan alias Gopi, 54, Giri Road, T. Nagar, Madras-17.

(2) Sh. K. Srirama Sagar, 20, Varadamuthiappan Street, Madras-1.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective periods, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said, innerested able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

(Land and building at No. New No. 121, Varadamuthiappan Street, Madras-1. (Doc. No. 291/83).

R. P. PILLAI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, (I/C) Madras-600 006.

Date: 6-1-1984

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-1, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th January 1984

Ref. No. 103/June/83.—Whereas, 1, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. New No. 65, situated at Landons Road, Kilpauk, Madras-10

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering

Officer at Periamet, Madras (Doc. No. 616/83) on June 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reducing or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) S. Sampath Kumar, Balaiah Avenue, Mylapore, Madras-600 004.

(Transferor)

(2) Chandratan Jaju, 51. Landons Road, Kilpauk, Madras-600 010.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building at No. 65, Landons Road, Kilpauk, Madras-10. Doc. No. 616/83).

> R. P. PILLAI, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, (1/C) Madras-600 006.

Date: 6-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1, MADRAS-600 006

Modras-600 006, the 6th January 1984

Ref. No. 107/June/83.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

7, situated at Ponnuswamy Pillai Street, Avanavaram, Madras-23

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Sembiam, (Doc. No. 3193/83) on June 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Mrs. R. Rose Kirubai, Mrs. Jayakumari, Mr. W. Wilson, Manoharan, Mrs. Vijayakumari, No. 7, Ponnuswamy Pillai Stree. Madras-23.

(Transferor)

and the second of

 Dr. Mrs. Neclambal Victor Dorniswamy,
 D. J. Solomon,
 No. 8, Nancy Street,
 Madras-7.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at No. 7, Ponnuswamy Ayanavaram, Madras-23. (Doc. No. 3193/83).

R. P. PILLAI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, (I/C) Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-1, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th January 1984

Ref. No. 108/June/83.— Whereas, I,

P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the ncome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. 60, situated at E. V. K. Sampath Road. Vepery, Madras-7 and more fully described in the Schedule annexed hereto),

been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Difficer at Periamet, Madras (Doc. No. 639/83) on June 1983

or an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to receds the apparent consideration therefor by more than ifteen per cent of such apparent consideration and that the sonsideration for such transfer as agreed to between the sarties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said ct, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :- 43—486GI/83

(1) 1. Dilip D. Maher, 2. Mrs. Shashikala
N. Maher, 3. Mrs. Chanchalben C. Maher,
4. Mrs. Chandrika Tamboli, 5. Mrs. Sheila
N. Maher, 6. Mrs. Kasiben K. Maher,
7. Mrs. Kradula M. Maher, 8. Mrs. Mcena S.
Maher, 9. Mrs. Ullapi J. Maher, 10. Mrs.
Recherker, P. Meks. Prabhuben D.Mahor, 132, Mint Street, Madras-1.

(Transferor)

(2) Sh. Parasmal Gothi (HUF) 9, Mahaveer Colony, Randals Road, Vepery, Madras-600 007.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, Whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land at No. 60, E. V. K. Sampath Road. Vepery, Mudras-7. (Doc. No. 639/83).

R. P. PILLAI, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, (i/c) Madras-600 006

Date: 6-1-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th January 1984

Ref. No. 110/June/83.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 28/4, situated at Fgmore village, Madras

and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet, Madras (Doc. No. 653/83) in June 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to behave that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Mrs. Kamala Raj, W/o Dr. B. L. N. Raj, No. 2, Chamier's Road, Alwarpet, Madras-18.

(Transferor)

(2) Mrs. Mohana S. Nair, W/o V. K. S. Nair, Flat No. C-1, Mahalaxmi Flats, Harrington Road, Madras-600 031.

(Transferce)

Obections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the sake Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building at Plot No. 28/4, Egmore village, Madras.
(Doc. No. 653/83).

R. P. PILLAI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-1, (I/C) Madras-600 006

Date: 6-1-1984

Son :

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th January 1984

Ref. No. 114/June/83.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing No.

Plot No. 316, situated at

Villivakkam village, Anna Nagar, Madras

*and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Anna Nagar, Madras (Doc. No. 1807/83)

in June 1983

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in temperate of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 V. Ramachandran, S/o K. T. Venkata Chetty, No. B-1. Quarters college of Engineering, Guindy, Madras-25.

(Transferor)

(2) S. Ramokrishna Pillai, S/o P. R. Subramania Pillai, Meenakshi Pillai, S/o Ramakrishna Pillai, AL. 181. Plot No. 2886, Xl-Main Road. Anna Nagar, Madras-40.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Astasball have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building at No. Plot No. 316, Villivakkam village, Anna Nagar, Madros, (Doc. No. 1807/83).

R. P. PILLAI, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, (1/C) Madras-600 006

Date: 6-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS 600 006

Madras-600 006, the 6th January 1984

Ref. No. 121/June/83.—Whereas, I,

R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/and bearing

Block No. 36, T. S. No.fl 1, situated at S. No. 154/1.

(and more fully described in the Schedulc annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Anna Nagar, Madras
(Doc. No. 1946/83) in June 1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Dr. Miss A. Subhadra, D/o Late A. Viswanathan, D/o A. Somasundaram, 18. Arundali Nagar, Besent Nagar. Madras-90.

(Transferor)

(Transferor)

(2) Shri A. Kumarasamy Chettiar, S/o Arumugham Chettiar, C-113, 79th Street, Ashok Nagar, Madras-83.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period explres later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building at Block No. 36, T.S. No. 1, S. No. 154/1, (Doc. No. 1946/83).

> R. P. PILLAI, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, (1/C) Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 6-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006 Madras-600 006, the 6th January 1984

Ref. No. 122/June/83,—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/and bearing

Plot No. 4468, situated at Mullan Village,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Anna Nagar, Madras (Doc. No. 1975/83) in June 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of thus notice under subsection (1) of Section 2690 of the said Act, to the following persons. namely:—

 Sh. C. Deenadayalu, 169, Gollavari Agraharum Road, Madras-600 021.

(Transferor)

(2) Sh. S. Muthukaruppi (alias) A. R. Seetha, 3, 5th Street, Ruland Gate. Madras-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Vacant land at Plot No. 4468, Mullam village, (Doc. No. 1975/83).

R. P. PILLAI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, (I/C) Madras-600 006

Date: 6-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th January 1984

Ref. No. 124/June/83.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter reserved to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. New No. A, 56, situated at Anna Nagar, Madras-600 102.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering

Officer at Anna Nagar, Madras (Doc No. 2116/83)

in June 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. M. Abby Chetty, No. A. 56, Anna Nagar, Madras-102.

(Transferor)

(2) Mrs. Kamala Subramanian, A. S. Jayakumar, A. S. Satish Kumar, No. 2, Hunters Lanc, Vepery, Madras-600 007.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building at No. New No. 56, Anna Nagar, Madras-102. (Doc. No. 2116/83).

R. P. PILLAI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, (1/C) Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-1-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th January 1984

Ref. No. 126/June/83.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable referred to the content of the conte property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Plot No. 1226, situated at

Arignar Anna Nagar, Madras-40

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anna Nagar, Madras (Doc. No. 2191/83)

in June 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and √or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Thirumathi T. N. Padmamma, 9. Cornwell Road, Longford Garden, Bangalore

(Transferor)

(2) Thiru R. G. Elumalai (HUF) No. V. 7, IV Main Road, Anna Nagar, Madras-600 040.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immova*> property, within 43 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building at Plot No. 1226, Arignar Anna Nagar, Madras-40. (Doc. No. 2191/83),

> R. P. PILLAI, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, (1/C) Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notic under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 6-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Syed Rasool & Others,
 Mohamadan Street,
 Perambur,
 Madras-12.

('Iransferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th January 1984

Ref. No. 128/June/83.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/-and bearing

No. 12, situated at Mohamadan Street, Madras-12 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sembiam, (Doc. Nos. 2423 & 2424/83) in June 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the cobject of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mrs. Sathaku Fathima, 12, Acharappan Street, George Town, Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 40 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sail immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building at No. 12, Mohamadan Street, Perambur, Madras-12.

Doc. Nos. 2423 & 2424/83),

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I (I/c)
Madras-600 006

Date: 6-1-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-1, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th January 1984

Ref. No. 131/June/83.-Whereas, I. R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
No. New No. 9, situated at Thanikachala Mudali Street,
Sembiam, Madras-600 011

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Sembiam (Doc. Nos. 2475, 2625/83) in June 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

44-486GI/83

(1) Smt. R. Savithri, W/o M. Rajarathinam, 3. Thirunavukkarasu Mudali Street, Sembiani, Perambin. Madras-600 011.

(Transferor)

(2) Shri I. Sivasubramanian, S/o. R. Iyemperumal Nadar, 42, Paper Mills Road, Perambur, Madras-600 011.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building at New No. 9, Thanikachala Mudali Street, Sembiam, Madras-600 011.

Doc. Nos. 2475, 2625/83)

R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (I/c) Madras-600 006

Date: 6-1-1984,

 C. Sulochana & P. Srinivasalu, 10, Palayappan Street, Madras-1.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 K. M. A. Idris & N. M. Zubaida Bibi, No. 3, Mathusa Maistry Street, Madras-1.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th January 1984

Ref. No. 132/June/83.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. New No. 12, situated at Palayapan Street, Madras-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madres North-II, (Doc. No. 2010/83) in June 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons? whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (Land and building at New No. 12, Palayappan Street, Madras-1.

Doc. No. 2010/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-I (I/c)
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 6-1-1984,

IOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th January 1984

"Ref. No. 144/June/83.—Whereas, I, R. P. PILLAI, eing the Competent Authority under Section 269B of the come-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as le 'said Act'), have reason to believe that the immovable roperty, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- bearing

o. 106, situated at Koyambedu village,

and more fully described in the Schedule annexed hereto), as been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

13) in the office of the Registering Officer

Anna Nagar, Madras (Doc. No. 1908/83) on June 1983 or an apparent consideration which is less than the fair arket value of the aforesaid property and I have reason to elieve that the fair market value of the property as aforesaid acceds the apparent consideration therefor by more in fifteen per cent of such apparent consideration and in the consideration for such transfer as agreed to between a parties has not been truly stated in the said instrument of ansfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said ct, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the oresaid property by the issue of this notice under subction (1) of Section 269D of the said Act, to the following rooms, namely :—

 K. M. Ramalinga Nalcker, Saidapet, Chinglepet, Dt. Chennal.

(Transferor)

Shri R. Panneer Selvam,
 G. Sivaraman,
 Triplicane,
 D. P. Koil Street,
 Madras.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this metics in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land at No. 106, Koyambedu village, Doc. No. 1908/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I (I/c)
Madras-600 006

Date: 6-1-1984.

FORM ITN9--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th January 1984

Ref. No. 144A/June/83.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), having a fuir market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 17, situated at Koyambedu village, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the

the said instrument of transfer with the object of :-

office of the Registering Officer at Anna Nagar, Madras (Doc. No. 2164/83) on June 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 K. M. Ramalinga Naicker, S/o. Shri Muniappa Naicker, Koyambedu village, Madras.

(Transferor)

(2) Shri R. Panneerselvam, M. Ravi, No. 8, Ranganatham Street, Triplicane, Madras-5.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Agricultural Land at Plot No. 17. Koyambedu village, Doc. No. 2164/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I (I/c)
Madras-600 006

Date: 6-1-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th January 1984

Ref. No. 145/June 83,—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 140, situated at Koyambedu village, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anna Nagar, Madras (Doc. No. 1973/83) on June 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 K. M. Ramalinga Naicker, S/o. Muniappa Naicker, Koyyambedu Gram, Madras.

(Transferor)

S. V. Ramavelu Chettiar,
 S. Balasubramanian,
 37, 3rd Main Road,
 Madras-29.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Vacant land at S. No. 140, Koyambedu village, Doc. No. 1973/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I (1/c)
Madras-600 006

Date: 6-1-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th January 1984

Ref. No. 148/June/83.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. S. No. 140, situated at Koyambedu village,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269-AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Anna Nagar, Madras (Doc. No. 2160/83 on June 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, od the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 K. M. Ramalinga Naicker, S/o. Muniappa Naicker, Koyambedu, Madras.

(Transferor)

 S. Subramaniam, M. Ravi, S/o. Magalinga Sasthigal, No. 8, Ranganatham Road, Triplicane, Madras.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Agricultural Land at Plot No. 16, S. No. 140, Koyambedu village, Doc. No. 2160/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I (I/c)
Madras-600 006

Date: 6-1-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th January 1984

Ref. No. 149/June/83.-Whereas, J, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Plot No. 1314, situated at Villivakkam, village, A. A. Nagar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Anna Nagar, Madras (Doc. No. 2192/83) on June 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) R. Rajan alias Sivasubramaniam, S/o. Shri S. Ramaswamy, Subramaniapuram, Aranthangi T. K. Pudukkottai Dt.

(Transferer)

(2) Shri C. David, S/o. M. D. Chelliah Pillai, 919, Poonamallee High Road, Madras-84.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (h) by any other person interested in the said Immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Vacant land at Plot No. 1314, Villivakkam village, A. A. Nagar. Doc. No. 2192/83).

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (I/c) Madras-600 006

Date: 6-1-1984

Seal

į

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-1, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th January 1984

Ref. No. 159/June/83.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 39, situated at Balu Mudali Street, Old Washermannet, Madras-21.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Royapuram, (Doc No. 875/83) on June 1983

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Smt. K. Mollieeswari, No. 7, Singara Garden 2nd Lane, Old Washermenpet, Madray-21.

(Transferor)

(2) V. A. Gunascelan, No. 60C, Andam Sahib Street, Royapuram, Madras-600 013.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Vacant land at No. 39, Balu Mudali Street, Old Washermenpet, Madras-21. Doc. No. 875/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I (1/c)
Madras-600 006

Date: 6-1-1984.

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th January 1984

Ref. No. 164/lune/83.—Whereas, J. R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to at the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. W-437, W-438, W-436, W-424, situated at Villivakkam village. Chingleput Dt.

and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Madrus North-II, (Doc. No. 2200/83) on June 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
45—486GI/83

 M. L. Kurian, S/o Mandampalalazar, 39, Vepery High Road. Madras-3.

(Transferor)

 Shri D, Albert, S/o A. David, 141, Adam Sahib Street, Royapuram, Madras-13.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building at Plot No. W-437, 436, 438, 424 Villtikakkam, village, Chingleputt Dt. Doc. No. 2200/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I (i/c)
Madras-600 006.

Date: 6-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-1
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th January 1984

Ref. No. 166/June/83.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to in the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Block No. 27, situated at Ayanavaram village, Metu Street, Ayanavaram, Madrás-23.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Offices

at Anna Nagar, Madras (Doc. No. 2137/83) on June 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) K. V. Thandavakrishnan, 175, Mettu Street, Madras-23

(Transferor).

(2) Sh. Dakshina Nadar Sungam, 162, Mettu Strtet, Madras-23.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official and Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land at Block No. 27, Ayanavaram village, Mettu Street,* Ayanavaram. Madras-23. Doc. No. 2137/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I (i/c)
Madras-600 006.

Date: 6-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> **ACQUISITION RANGE-1** MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th January 1984

Ref. No. 67/June/83.—Whereas, 1, R. P. PILLAI,

R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 66 Ward No. 13, situated at 17th Street, Gandhi Road, Tanjore Street, Shencottah Village, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shencottah, (Doc No. 860/83) on Jaue 1983. for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the faur market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property asaforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than followed the same of the property asaforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons agreely: ing persons, namely:---

(1) Shri P. T. Mohideen Pitchai, S/o Shri Pakkir, Melavur, Sekaram, Shtncottai village, Shencottah.

(Transferor)

(2) Shri D. Shahul Hameed & another, S/o N. Diwan Mohammed, Ward No. 13, 17th SEtreet, Gandhi Road, Tanjore Street. Shencottai village, Shencottah.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building at Ward No. 13, 17th Street, Gandhi Road, Tanjore Street, Shencottai village, Shencottah, Doc. No. 860/83).

R. P. PILLAI Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (i/c) Madras-600 006.

Date: 6-1-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-1 MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th January 1984

Ref. No. 125/June/83.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot No. 4015, situated at Mullam village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

the said instrument of transfer with the object of:-

Anna Nagar, Madras (Doc. No. 2183/83) on June 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Dr. C. Sundararaju, 18, Kumarappa Mudali Street, Seven Wells, Madras-1.

(Transferor)

(2) Shri P. O. Menon, 50, 8th Cross Street, Shenoy, Nagar, Madras-30.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building at Plot No. 4015, Mullam village, Doc. No. 2183/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I (i/c)
Madras-600 006.

Date: 6-1-1984

Seal

FORM I.T.N.S.———

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME_TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th January 1984

Ref. No. 64/June/83.—Whereas, I. R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. T. S. No. 730/8, siutated at Nandavanam Road, Dindigul (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at
Dindigul-II, (981/83) on June 1983
for an apparent consideration which is less than the falr
market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) Shrimathi Balammal, Shri G. Venkataraman, G. Narayanasamy & Rajalakshmi, 60, Abirami Amman Koil Street, Dindigul-624 001.

(Transferor)

(2) Thiru R. Durairaj ChettiarS/o R. Royappa Chettiar,Door No. 29, Durairaj Nagar, West Govindapuram, Dindigul.

(Transferee)

Objetions, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Vacant land at T. S. No. 730/8, Mandavanam Road, Dindigul, Doc. No. 981/83)

> R. P. PILLAT Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (1/c) Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 6-1-1984

Seal.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE-1 MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th January 1984

Ref. No. 109/Junc/83.—Whereas, I. R. P. PILLAI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the impossible personality having a fair market value exceeding the 2000/ property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 60, situated at Rundalls Road, Vepery, Madras-7. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periament, Madras. (Doc. No. 640/83) on June 1983. for an apperent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer winth object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

- (1) 1. Sh. Dilip D. Maher,
 - Mrs. Shashikala N. Maher,
 Mrs. Chanchalben C. Maher,

 - Mrs. Chandrika Tamboli,
 Mrs. Sheila N. Maher,
 Mrs. Kasiben K. Maher,

 - 7. Mrs. Mradula M. Maher,
 - 8. Mrs. Mecna S. Heher,

 - 9. Mrs. Ullapi J. Maher, 10. Mrs. Prabhaben D. Maher, 132, Mint Street, Madras-1.

(Transferor)

(2) Shri Indravadan Thaker, Chandrika Thaker, 69, Ponnappa Chetty Street, Madras-3.

(Transfree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- of any or the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of potice on the period. (a) by any of the aforesaid persons with from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Vacant land at No. 60 Rundalls Road, Vepery, Madras-7. Doc. No. 640/83).

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (i/c) Madras-600 006.

Date: 6-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th January 1984

Ref. No. 107/June/83.—Whereas, I. R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
60, situated tat Rundalls Road, Vepery, Madras
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Periament, Madras (Doc. No. 638/83) on June 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have teason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) 1. Sh. Dilip D. Maher,

- 2. Mrs. Shashikala N. Maher,
- 3. Mrs. Chanchalben C. Maber, 4. Mrs Chanrika Tamboli,
- 5. Mrs. Sheila N. Maher,
- 6. Mrs. Kasiben K. Maher,
 7. Mrs. Mradula M. Maher,
- 8. Mrs. Meena S. Maher,
- 9. Mrs. Ullapi J. Maher,

10. Mrs. Prabhaben D. Maher, 132, Mint Street, Madras-1.

(Transferor)

(2) Mr. Manakchand Kothari,

Mrs. Chanchal Kanwar, Flat 204, No. 60 E V. K. Sampath Road,

Madras-7.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Vacant land at No. 60, Rundalls Road, E. V. K. Sampath Road, Vepery, Madras-7. Doc. No. 638/83).

> R. P. PILLAI Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-I (i/c) Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 6-1-1984

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th January 1984

Ref. No. 106/June/83.-Whereas, 1.

R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reuson to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 60, sintadted at Rundalls Road, E. V. K. Sampth Road, Vepery, Madras-7

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

of the Registering Officer

at Periament Madras (Doc. No. 637/83) on June 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have resson to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) 1. Sh. Dilip D. Maher,

- Mrs. Shashikala N. Maher,
 Mrs. Chanchalben C. Maher,
- 4. Mrs. Chandrika Tamboli 5. Mrs. Sheila N. Maher, 6. Mrs. Kasiben K. Maher, 7. Mrs. Mradula M. Maher,

- 8. Mrs. Mcena S. Maher,
- 9. Mrs. Ullapi J. Maher,
- 10. Mrs. Prabhaben D. Maher, 132. Mint Street, Madras-1.

(Transferor)

(2) Shri Vikas Lalchandji Munoth, Rundalls Road, Madras-7.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Vacant land at No. 60, Rundalls Road, E. V. V. Sampath Road, Vepery, Madras-7. Doc. No. 637/83).

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (i/c) Madras-600 006.

Date: 6-1-1984

Scal.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 1st February 1984

Ref. No. 18982.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred o as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-le property having a fair market value exceeding s. 25,000/- and bearing ...o.

No. 92/2A/1A, situated at Nilankaraj

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

dyar (Doc. 1844/83) on June 1983

or an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid prority, and I have reason to believe that the fair market value
of the property as aforesaid exceeds the apparent consideraion therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in the
ld instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said .ct, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

6-486GI/83

(1) M. L. Lohra 22, C. P. Ramaswamy Road, Madras-18.

(Transferor)

(2) K. Lakshminarayana Rao, 5, IV Main Nungambakkam High Road, Madras-34.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said isamovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 92/2A/1A, Nilankarai (Doc. 1844/83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006.

Date: 1-2-84.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madrus-600 006, the 31st January 1984

Ref. No. 13068.—Whereas, I, R, P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatfer referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No

S. No. 129, 128/1, 139/2, 131/2, situated at Ganapathi-

palayam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

at Tiruppur (Doc. 1163/83) on June 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Muthu Venkatachalam S/o Ramaswamy Gr. Ganapathipalayam, Pethampalayanı

(Transferor

(2) P. Balasubramniam S/o Palaniswamy Gr. Doraiswamypuram, Tiruppur.

(Transfree

Objections, if any, to the acquisition of the said propert may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period o. 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms expressions herein as are defined in Chapter XXA or the said Act, shall have the same meanin as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 129, 128/1, 139/2, 131/2 Ganapathipalayan. Palladam Tk. (Doc. 1163/83)

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Rangt-II. Madras-600 006.

Date: 31-1-1984.

(1) K. Guruthachalam S/o Kuppuswamy Chettiar, Dharapuram, Periyar Dt.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) K. Gandharaj S/o Krishnaraj 11/150, Coimbatore Main Road, Mettupalayam.

(Transfree)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 31st January 1984

Ref. No. 13064.--Whereas, I,

R P. PILLAI,

speing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 965, 708/2, 696 situated at Thekkampatti, Mettupa-thyam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), as been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Mettupalayam (Doc 1190/83) on June 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-aid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been ex which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);
- Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezetts.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 695, 696, 708/2, Thekkampatti, Mettupalayam.
(Doc. 1190/83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Rangt-II.
Madras-600 006.

Date: 31-1-84

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M. Narayana Shenoy 31, Periyar St., Erode.

(Transferor)

(2) K. Ayyavu, C. K. Shanthakumari 15, Chinnamuthu Gounder St., Idayankattuvalasu, Erode.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 31st January 1984

Ref. No. 13030.-Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/~ and bearing

No. 135, Mettur Road, situated at Erode

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Erode (Doc. 1979/83) on June 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the proof as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective personage whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 135, Mettur Road, Eorde. (Doc 1979/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date: 31-1-1984.

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

The first of the state of the s

(1) M. Srinivasan, 10, Ramaswamy SEt., Madras-17.

28. Ramaswamy St., Madras-17.

(2) Mrs. Pushpa & Mrs. Uma,

The second of the second second by the second of the secon

(Transferor)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 25th January 1984

Ref. No. 18690.JWhereas I, R. P. PILLAI, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 10, Ramaswamy ySt., situated at Madras-17 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer of of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar (Doc. 646/83) on June 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at 10, Ramaswamy St., Madras-17 (Doc. 646/83).

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 25-1-1984 Seal:

Company of the control of the contro

 S. Kannan, 24, Natesa Iyer St. Madras-17.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) C. Murali, 125, Kamaraj Nagar, Madras-39.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 25th January 1984

Ref. No. 18689.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 20, Rameshwaram Road, situated at Madias-17 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

T. Nagar (Doc. 650/83) on June 1983

for an apparent consideration which is less than the feir market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, hi respect of any incesses arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the mid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 20, Rameswaram Road, Madras-17. (Doc. 650/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acsuisition Range-II
Madras-600 006.

2 7

Date: 25-1-1984

(1) S. N. C. Sundararaj, 32/2, Rajabather St., Madras-17.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) P. Muniyammal, P. Jayaprakash, P. Eswaran, 32, CIT I Main Road, Madras-35.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 25th January 1984

Ref. No. 18692.—Whereas, I,

R, P, PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
No. 32/2, Rajabather St., situated at Madras-17.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office

of the Registering Officer at T. Nagar (Doc. 674/83) on June 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land and building at 32/2, Rajabather St., Madras-17. (Doc 674/83).

THE SCHEDULE

R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 25-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 17th January 1984

Ref. No. 18660.—Whereas, I, R. P. PILLAI. being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 75, Vadivel Mudali St., situated at Madras-11 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Purasawalakam (Doc. 236/83) on June 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M. R. Gopal, Dhanasekaran, Anandan, Sathyanarayanan, Diwakar, Ravikumar, Bulaji, 75, Vadivel Mudali St., Madras-11.

(2) M. Umapathi, 23, Shanmugha Royan St., GT Madras.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 75, Vadivel Mudali St., Madras-11. (Doc. 236/83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 17-1-1984

(1) V. S. Choudary, B. 75, VII Avenue, Madras-83.

(Transferor)

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 25th January 1984

Ref. No. 18711.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

and bearing
No. 65, VII Avenue, Ashok Nagar, situated at Madras-83
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registration Officer

at Kodambakkam (Doc. 1650/83) on June 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(2) V. S. Krishnamurthy, Bhavani Krishnamurthy, 27, Aravamuda Garden St., Madras-8.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 65, VII Avenue Madras-83. (Doc. 1650/83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition "ange-II,
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to following persons, namely:

47—486GJ/83

Date: 25-1-1984

(1) M/s. Ramakrishna Mission, Madras.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 16th January 1984

Ref. No. 18519.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 2693 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing No. 32, Bazullah Road, situated at Madras-17 (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at T. Nagar (Doc. 573/83) on June 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by mote than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and instrument

of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (2) P. M. C. Kiron, K. Raghavendra Rao, M. Govind Raj, K. S. Raju, P. Sobha, Kodali D. Brahmam, G. Narasimha Rao, G. Srcenivasa Rao, C. Venkateswara Rao, Narne Bharamaramba, Ratakonda Ravi, Ratakonda Krishnamurthi, G. Krishnamurthy, Gudikondula Hanumantha Rao, V. V. Rama Rao 1924, Pan Bazaar, Secunderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this anotice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 32, Bazullah Road, Madras-17. (Doc. 573/83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 16-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 23rd January 1984

Ref. No. 18518.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 5, Venkatanarayana Road, situated at Madras-17 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar (Doc. 564/83) on June 1983

For an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) R. Jayaraman, 16, Rangasayee Naidu St., Madras-11. (Transferor)

 (2) 1. Salamchand Jain, Ganga Bai, Rajesh, Uttamchand, Madan Bai, Sanjay, 5, Venkatanarayana Road, Madras-17.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 5, Venkatanarayana Road, Madras-17. (Doc. 564/83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Date: 23-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 23rd January 1984

Ref. No. 18512.—Whereas, I. R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. 24, 25, Thandavarayan St., situated at Madras-14 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Thousandlights (Doc. 510/83) on June 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mrs. Kavita Beharilal Sakhraney Raj M. Bajaj, Bina, Govind C. Karnani, Rajiv Enterprises, 150/69, Cisons Complex, Montieth Road, Madras-8.

(Tansferor)

(2) V. V. John, K. V. Ammani Ammal, 13, ROB St., Madras-14.

(Transferos)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at 24, 25, Thandavarayan St., Madras-14. (Doc. 510/83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date: 23-1-1984

(1) Rukmini Padmanabhan 67/1, VII Avenue, Besant Nagar, Madras.

(Tansferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) N. Sethuraman, 100, Sundarrajnagar Trichy.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 24th January 1984

Ref. No. 13072.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'suid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

No. 2/6, Karunanidhinagar, situated at Plot No. 452,

K. Sathanur, Trichy

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Trichy (Doc. 6325/83) on June 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 452, Karunanidhinagar, S. No. 2/6, Trichy, K. Sathanur. (Doc. 6325/83)

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ---

Date: 24-1-1984

FORM I.T.N.S.—

(1) Shanthi Devi, 25, 26, TSR Big St., Kumbakonam. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ravi Kumar Will Trust, Big St., Kumbakonam.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 31st January 1984

Ref. No. 13031.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. 25, 26. TSR Periya St., situated at Kumbakonam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Kumbakonam (Doc. 1337/83) on June 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than

fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the pa ties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of:--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957): Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 25, 26, TSR Big St., Kumbakonam. (Doc. 1337/83)

R. P. PILLAT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 31-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 31st January 1984

Ref. No. 13130.-Whereas, I R. P. PILLAI, being the competent authority under Section 269B Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. TS. No. 170 Trichy situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Trichy (Doc. 1246/83) on June 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between

the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 K. Sachidanandam, Jothi, Kalaichelvi, Balamurugan, 39, Thillainagar VII Cross Trichy.

(Transferor)

(2) J. Muniammal, 41, Chunnambukara St., Trichy.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at TS 170, Tricry. (Doc. 1246/83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 31-1-84

Mrs. R. Pandari Bai, 54, Piliayar Koil St., Madras-26.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Capt. Dilip K. Srinivasan, Kamala Devi Ammal, 10, Prakasa Mudali St., Madras-17.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 1st February 1984

Ref. No. 18665.—Whereas, I R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat No. 4, 54, Pillayar Koil St., situated at Madras-26 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at

Virugambakkam (Doc. 1747/83)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the Jate of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given ir tha: Chanter.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land and building at Flat 4, 54, Pillayar Koil St., Madras-26. (Doc. 1787/83)

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 1-2-84

 PL. Sabapathy S/o Pelaniappa Chettiar, Chockalingampudur (via) Attangudi Ramnad Dt.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

P. Sethuraman,
 Chengalvaraya St.,
 Shenoynagar, Madras-30.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 1st February 1984

Ref. No. 18667.-Whereas, I R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Virugambakkam (Doc. 1748/83) on June 1983 for an apparent consideration which is less than the of the aforesaid property, and fair market value I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
48—486GI/83

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Madras, (Doc. 1748/83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 1-2-84

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) S. M. Syed Hashim & others, Rep. by S. M. Syed Mohsin, 169, Angappa Naicken St., Madras-1.

(Transferor)

(2) K. Pedda Narasimhalu K. Prabhakar, K. Prasad, K. Ravikumar 12, Raman St., Madras-17.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 1st February 1984

Ref. No. 18691.—Whereas, I R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

6, Deenadayalu St., situated at Madras-17 (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar (Doc. 647/83) on June 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned: -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as give in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

Land and building at 6, Deenadayalu St., Madras-17. (Doc. 647/83)

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said act to the following persons, namely :-

Date: 1-2-84

of transfer with the object of-

FORM ITNS-

(1) M/s J. B. Steel, 193, Mint St., Madras-3.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mrs. Latha J. Modi, 7, Subbiah Naidu St., Madras-17.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 1st February 1984

Ref. No. 18894.—Whereas, I. R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 'Flat A8, 3, Audiappa Mudali St., situated at Madras-84 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras North (Doc. 2143/83) on June 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land and building at A8, 3, Audiappa Mudali St. Madras-84. (Doc. 2148/83)

R. P. PILLA1
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeseld property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 1-2-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Muthulakshmi, Arukkani Ammal Siyakami, Rukminiammal, Goyindammal, C/o Veluchamy Gr. Thoppupalayam, Chennimalai, Perundural.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

(2) Udayakumar, Mahendran, Ramathal, C/o Palaniswamy Gr. Alambalam, Kuthampalayam Perunduai Tk.

(Transferce)

Madras-600 006, the 1st February 1984

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Ref. No. 13071. Whereas, I.R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 157/2, 143, 116, 144 situated at Kuthampalayam,

Perundurai

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), thas been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering Officer at Uthukuli (Doc. 468/83 in June, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land at S. No. 157/2, 143, 116, 144, 157/2, Kuthampalayam, Perundurai. (Doc. 468/83)

> R. P. PILLAI Competent Authority Acquisition Aange-IV, Bombay Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 1-2-84

PART III-SEC. 11

FORM ITNS-

(1) Mrs. Dagmar Haliburn, 81. Nungambakkam High Road, Madras-34. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Assuntha Anthiah, Mrs. Regina Abraham, 67, Nungambakkam High Road, Madras-34. (Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSION OF THE OWNERAN ACQUISITION PANOF-II MADRAS 600 006

Madras the 1st February 1984

Ref. No. 18513 - Whereas, I. R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to - as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. 81, Nungambakkam High Road, situated at Madras-34 (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thousandlights (Doc. 522/83) on June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid prierty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 81, Nungambakkam High Road, Madras-34. (Doc. 522/83).

R. P. PILLAI Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 1-2-1984

Scal 1

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 1st February 1984

Ref. No. 13008.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. S. No. 9/1, 10, Punjaikolanalli situated at Erode (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kodumudi (Doc. 638/83) in June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri K. S. Muthuswamy Gr. S/o Subramania, Gr., Kombupalayam, Nanjaikilambadi, Erode. (Transferor)
- (2) Shri P. S. Kittappa Gr. S/o Chokkappa Gr. Perumampalayam, Punjai, Kolanalli.

(Transferee)

Objections, of any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 9/1, 10, Punjai, Kolanalli, Erode. (Doc. 638/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date : 1-2-1984

(1) Mrs. S. Jayalakshmi, 54, Usman Road, Madrus-17.

(Transferor)

(Transferee)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 1st February 1984

Ref. No. 18517.—Whereas, I, R. P. PILLAI, * being the Competent Authority under Secion 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. T. S. 7565, Raja Street, Madras-17 situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at

1908) in the Office of the registering Officer at at T. Nagar (Doc. 547 to 549, 83) in June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(2) Shri A. Radhakrishnan, 17, Raja Street, Madras-17.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period avoices later: whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Land at TS. 7563, Raja Street, Madras-17. (Doc. 547 to 549 (83).

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-Π, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section, 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 1-2-1984

Seal 1

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 13th January 1984

Ref. No. 18701.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 12, II Cross United India Colony situated at Madras-24 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Kodambakkam (Doc. 1767/83) in June, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which outget to be disclosed by the transferee fo the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Madhavi Narayanan, Rep. M. A. Narayanan, Sudharsana Karapuzha, Kottayam.

(Transferor)

(2) Shri S. V. Calvikku Arasi, S. V. Ramakrashnan, SV. S. Maniyannan, 21, Arcot Road, Madras-24.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 12, IJ Cross United India Colony, Madras-24. (Doc. 1767/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 13-1-1984

FORM ITNS ---

(1) Shri S. Natanasabapathy, Manohar I-7, MIG flat, Nandanam, Madras.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Shri S. Abdul Rahim,
 Thillainayagam Pillai Street., VI-Lanc,
 Madras-11.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. MADRAS-600 006

Madras, the 13th January 1984

Ref. No. 18597.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinsfer referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 24, Meeran Sahib St., situated at Madras-2 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Madras North (Doc. 2254/83) in June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

49-486GT/83

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 24, Meeran Sahib Street, Mount Madras-2. (Doc. 2254, 83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Runge-II, Madras-600 006.

Date: 13-2-1984

Seal 4

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 13th January 1984

Ref. No. 18603.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No. 23, Bank of Baroda situated at Colony, KK Nagar, Madras-78
(and more fully described in the Schedule annexed hedeto), has been transferred under the Registering Officer at Madras North (Doc. 2022/83) in June, 1983 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras North (Doc. 2022/83) in June, 1983 for ar apparent consideration which is less than the fair market value of the aforecaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer us agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 19-7 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following versons, namely:—

- (1) The Bank of Boroda Ltd., Madras Staff Co-op. House Construction Society, 3, E. C. St., Madras-1. (Transferor)
- (2) Shri V. Sambamurthy, Flat No. 23, Bank of Baroda Colony, KK Nagar, Madras-78.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whiechever period exprires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at 23, Bank of Baroda Colony K K Nagar, Madras-78. (Drc. 2022/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II. Madras-600 006.

Date: 13-2-1984

Seal

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 13th January 1984

Ref. No. 18603.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

at K.K. Nagar, Madras-78

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Madras North (Doc. 2072/83) in June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 The Bank of Baroda Ltd., Madras Staff Co-op. House Construction Society, 3, E. C. St., Madras-1.

(Transferore

(2) Shri I. M. Sundaram, 115, III-Mam Road, Natesa Nagar, W: dras-92.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said interest, we property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plat 22, Bank of Baroda Colony K K Nagar, Madras-73, (Doc. 2072/83).

R. P. PILLAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income to Acquisition Range-II. Madras-600 t/lo

Date: 13-1-1984

SenI 4

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 13th January 1984

Ref. No. 18598.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 58-A, Thiruvotriyur High Road, situated at Thiruvotriyur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Madras North (Doc. 2283/83) in June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shri P. Raman Kutty Menon,
 85-A, Thiruvotriyur High Road, Madras-19.
 (Transferor)

(2) Shri P. Balakrishna Menon, Puthanpurail House, Pappinipra, Anakkayam, Malappuram Dt. Kesala.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 85-A. Thiruvotriyur High Road, Madras-19. (Doc. 2288/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-1-1984

FORM LT.N.S.-

(1) M/s. Atchuyt & Associates, 101, Royapettah High Road, Madras-14. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) T. Seshachalum, 33/1, Ormes Road, Madras-10.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IJ, MADRAS-600 006

Madras, the 13th January 1984

Ref. No. 18673.-Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. S. No. 1583 1, Sriman Stinivasan situated at Road, Madras-18

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), and bearing

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thousandlights (Doc. 557 83) in June, 1983.

for an apparent consideration which is les than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 1583/1, Sriman Srinivasan Road, Madras-18. (Doc. 557/83).

> R. P. PILLAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 13-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. MADRAS-600 006

Madras, the 13th January 1984

Ref. No. 18661.—Whereas, I, R. P. PILLIAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) 'hereinafter referred to as the (said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Madras situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Alandur (Doc. 1971/83) in June, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269 of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri S. Vijayendra Rao, 1. Venkatachalam St., Madras-5.

(Transferor)

(2) A. Dhyriam, 8, XIII St., Thillai Genga Nagar, Madras-61.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Madras (Doc. 1971/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 13-1-1984

Seal

(1) Shri S. Subramaniam, 122, Puram, Prakasam Rao Road, Balaji Nagar, Madras-14. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri H. Gouthamchand, Chandra Bai, G. Dhilip Kumar, G. Dheepak Kumar, 135, Triplicane High Road, Madras-5.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IL MADRAS-600 006

Madras, the 13th January 1984

Ref. No. 18608.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 12 Puram Prakasa Rao Road, situated at Balaji Nagar

Madras-14

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Madras North (Doc. 2049, 83) in June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at 12, Puram Prokasham Rao Road, Madras-14. (Doc. 2049/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 13-1-1984

(1) 1. S/Shri Hameed Bai Sahaba, M. B. Mohammed Iqbal, M. B. Mohamed Altaf, Nasreen, Parveen, 119, Mount Road, Madras-15

(Transferor)

(2) Shri S. Periswamy IDH/6, Seshachala Geramani Garden St., Madras-19

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 3rd January 1984

Ref. No. 18596.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.
N. 22A. New Street, Madrus-19 situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of

the Registering Officer at

at Madars North (Doc. 2190/83) in June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 22-A, New St., Madras-19. (Doc. 2190/83).

> R. P. rILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 13-1-1984 Seal:

Now, therefore, in purusuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 3rd January 1984

Ref. No. 18524.—Whereas, I R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

20A, Leith Castle South situated at Madras-28 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore (Doc. 742/83) on June 1983 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

50-486GI/83

(1) S. R. Govindarajan, S. R. G. Arunraj, S. R. C. Madanraj, 28. Santhome High Road,

(Transferor)

(2) K. Ravindran,9. IV Main Road,RS Puram, Madras-28.

Madras-34.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning at given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 20A, Leith Castle South Madras-28. (Doc. No. 742/83)

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 3-1-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 3rd January 1984

Ref. No. 18827.—Whereas, I R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 24, 25, Abiramapuram I St., situated at Madras-8 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Mylapore (Doc. 805/83) in June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) K. R. Balaram, 52, Kuppiah Chetty St., Madras-33,

(Transferor)

C. Balaraman,
 V Trust Cross St.,
 Madras-28.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in thet Chapter.

THE SCHEDULE

Land et 24, 25, Abiramapuram I St., Madras-18, (Doc. 805/83)

R. P. PJLLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

. 34m. =

Date: 3-1-84 Seal:

(1) Kailash Chander Varma, Venktrayar St., Madras-3.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S. Chandrasekaran, 17, Periar Nagar, Thiruvtriyur, Madras-19.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 3rd January 1984

Ref. No. 18825. -Whereas, I R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing No. RS 2324, Madras situated at Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the office of the Registering Officer at Mylapore (Doc. 814/83) on June 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immer-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Land at RS. No. 2324, Madras. (Doc. 814/83)

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 3-1-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 3rd January 1984

Ref. No. 18686.—Whereas, I R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 50, A. K. Swamy Nagar IV St., situated at Madras-10 (and more fully described in the Schedule annexed hedeto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Purasawalkam (Doc. 260/83) on June 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); A. Chinnappa Gr. C. Swaminathan, C. Selvaraj,
 A. K. Swamy Nagar IV St., Madras-10,

(Transferor)

 P. N. Zubaida
 Venkatachala Mudali St., Choolai, Madras-112.

(Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 50, A. K. Swamy Nagar IV St., Madras-10.

(Doc. 260/83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-1-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 3rd January 1984

Ref. No. 18509.—Whereas, I R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 8, Tajudeenkhan Bahadur St., situated at Madras-5 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Triplicane (Doc. 455/83) on June 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to any tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

P. Yakshmi Ammal, K. Padmavathi,
 P. K. Pappa, A. Lakshmiprasad, P. K. Savithri,
 P. K. Bhoomi, P. K. Radha, P. K. Padmini,
 P. K. Kamala, P. K. Thulasi,

8, 9, Tajudeenukhan Bahadur St., Madras-5. (Transferor)

(2) M. Gangadharan, S. Saraswathi, 19, Swami Pandaram St. Chintadripet, Madras-2.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 8, Tajudeen Khan Bahadur St., Madras-5. (Doc. 455/83)

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 005.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 3-1-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Madras-6.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 3rd January 1984

Ref. No. 18832.—Whereas, I.R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 82/2, Neelangarai situate at Adyar (100c. 1566/83)

(a at more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Adyar (100c. 1566/83) on June 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such

apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri R. K. Lal Rep, by K. C. Krishnan, 28, 1V Main Road, Kasturpa Nagar, Madras-20.

(Transferor)

(2) Shri A. D. Kannan, 86, Aziz Mulk III St., Madras-6.

'(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 82/2, Neelangarai. (Doc. 1566/83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 005.

Date: 3-1-84

FORM I.T.N.S.-

(1) Parsn Foundation & Engineering Corporation, 601, Mount Road, Madras-6.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 3rd January 1984

Ref. No. 18831.—Whereas, I R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 112A, 112B, Srinagar Colony situated at Venkata-param

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Adyar (Doc. 1527/83) on June 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Shri R. Divakar, Plot No. 227, K. K. Nagar, Madurai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Plot No. 112A, 112B, Srinagar Colony, Venkatapuram. (Doc. 1527/83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 005.

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 3-1-84

FORM I.T.N.S.-

 Dr. Nainan, P. Kurian, C1-3/11, I st., Loop Road, I.I.T. P.O. Madras-36.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) P. V. Subrahmanyan, 39, Rajalakshmi Nagar, Madras-42.

(Transfere)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 3rd January 1984

Ref. No. 18732.—Whereas, I R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 36, 36A, 36B, 37, 38 situated at Pallikarani (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office

of the registering Officer at

Madrus South (Doc. 2686/83) on June 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land at Plot No. 36, 36A, 36B, 37, 38 Pallikarani. (Doc. 2086/83)

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-1-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 3rd January 1984

Ref. No. 13052.—Whereas, I.R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the aid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. 25/96 Sukravarpet St., situated at Coimbatore

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer Coimbatore (Doc. 2397/83) on June 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

51-486GI/83

(1) Shri A. L. Jayalakshmi Ammal, 66, East Thiruvankutaswamy Road, RS puram, Coimbatore-2.

(Transferor)

(2) M. Lakshmi Chand, 25/96, Sukravarpet, Coimbatore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 25/96, Sukrawarpet St., Coimbatore. (Doc. 2397/83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 3-1-84

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. MADRAS-600 006.

Madras-609 006, the 3rd January 1984

Ref. No. 13051,---Whereas, I R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

57, I Lay out krishnaswamy Nagar, situated at Ramanathapuram, Coimbatore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Coimbatore (Doc 2603/83)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the llability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (22 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Santha Jabar. 57 I Jay out Krishnaswamy Nagar, Raminalhapuram, Coimbatore-45.

(Transferor)

(2) A. 1. Jayalakshmi, 8. East Thiruvenkataswamy Road, RS Puram, Coimbatore-2.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 57, J Lay out Krishnaswamy Nagar. Coimbatoro (Doc. 2603/83)

> R. P. PILLAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax. Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 3-1-84 Seal:

(1) Shri N. Manickam, 216, Bharathiar Road, Coimbatore.

may be made in writing to the undersigned:-

(Transferor)

(2) Shri S. Dadhakrishnan, 107, 108, Aryan Soap Factory Colony, Ganeshapuram, Ramanathapuram, Coimbatore. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 3rd January 1984

Ref. No. 13038.—Whereas, I R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sail Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing

TS. No. 10/1737, Trichy Road, situated at Ramanathapuram, Coimbatore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Orlicer at Coimbatore (Doc. 2480/83) on June 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objection, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at TS 10/1737, Trichy Road, Ramanathapuram, Coimbatore. (Doc. 2480/83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 3-1-84

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri S. Ramakrishnan 2, 1 Cross St., Madras-106.

(Transferor)

(2) Shri G. Ethiraju, S. U. Venam N.A. Dt.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 3rd January 1984

Ref. No. 18716.—Whereas, I.R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

TS 2/1, Arumbakkam situated at

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Kodambakkam (Doc. 1687/83) on June 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at TS No. 2/I Arumbakkam. (Doc. 1687/83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax.
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-1-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

1AX AC1, 1901 (43 OF 1901)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 3rd January 1984

Rcf. No. 18714.—Whereas, I.R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 36, Rukmani St., situated at Madras-33

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Kodambakkam (Doc. 1735/83) on June 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri P. Meenakshisundaram, 36, Rukmani St., Madras-33,

(Transferor)

(2) Shri V. Subramanian, 2, Padala Vigneswaran Koil I Lanc Royapuram, Madras-600 013.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at 36, Rukmeni St., Madras-33. (Doc. 1735/83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following, persons, namely:—

Date: 3-1-84

(1) Shri V. Kripanidhi, 24, Mosque St., Madras-5.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri T. Chalapathi Rao, 71, South West Bong Road, Madras-17.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006. Madras-600 006, the 3rd January 1984

Ref. No. 18709.—Whereas, [R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

2, 61st St., Ashok Nagar, situated at Madras

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kodambakkum (Doc. 1640/83) on June 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the tra wferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 2, 61st St., Ashok Nagar, Madras. (Doc. 1646/83)

R. P. PILI AI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range

Date: 3-1-1984

AN AND THE RESERVE OF THE PROPERTY OF THE PROP

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITIN RANGE-U. MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 3rd January 1984

Ref. No. 18697 - Wheteas, I. R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 9, Ramaswamy St., Radhanagar, situated at Madras-44 (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pallavaram (Doc. 2615/83) on June 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269P. of the said Act, to the followin, persons, namely: ---

(1) A. Srinivasun 9, Ramaswamy St., Radhanagar, Madras-44.

(Transferor)

(2) B. Vijayanthi, 33. Shanmugharoyan St., Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 9, Ramaswamy St., Radhanagar, Madres-44. (Doc. 2615/83)

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax. Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 3-1-1984 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 N. Balakrishna Mudallar, 11, Perambur Tank Bund, Madras-12.

(Transferor)

(2) M. Gurumurthy, 25, Thiruvengadaswamy St., Madras-12.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITIN RANGIF-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 3rd January 1984

Ref. No. 18682.—Whereas, 1 R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.

11, Perambur Tank Bund Road, situated at Madras-12 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

1908) in the office of the Registering Officer at Puresawalkam (Doc, 1127/83) on June 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other acsets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

and/or

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 11, Perambur Tank Bund Road, Madras-12, (Doc. 1127/83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-1-84

Scal:

(1) S. Raman, S. Lakshmanan, S. Sheamugham, Selvaraj Mudaliar, 42, Mada Church Road, Madras-13.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 N. Murthy, 2/57, Valluvar St., Ramapuram, Madras-89.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITIN RANGE-II. MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 3rd January 1984

* Ref. No. 18721.—Whereas, I R P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the 'ncome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

S. No. 316/1, Velachery situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of the 1908) in the office of the Registering Officer at Madras South (Doc. 1747, 83) on June 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tay Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 316/1, Velachery. (Doc. 1747/83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income
Acquisitton Runge-II, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

52-486GI/83

Date: 3-1-84

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

S. Raman, S. Lakshmanan, S. Shanmugham,
 V. Selvarai Mudaliar,
 Mada Church Road,
 East Madras-13.

(Transferor)

(2) M. S. Arasu, 28, III Cross St. CIT Nagar, Madras-35.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITIN RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 3rd January 1984

Ref. No. 18721.--Whereas, 1 R. P. PHLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. S. No. 316 I, Velichery situated at fand more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras South (Doc. 1748/83) on June 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of im-

may be made in writing to the undersigned.

Objections if any to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

I and at S. No. 316/1, Velachery. (Doc. 1748/83)

R. P. PILI A!
Competent Authories
Inspecting Assistant Commissioner of Incometay,
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-1-84

11.0

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 3rd January 1984

Ref. No. 13039.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 23, Ponnurangam Road, RS situated at puram, Coimbatore and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 2838/83) on July 1983 for un apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Kunjammal, C. K. Subramanian, C. K. Viswanathan, C. K. Ramarathnam, C. K. Raghupathy, Visalakshi, Vedanayaki, Seethalakshmi, 28/24, West Ponnurangam Road, RS Puram, Coimbatore.

(Transferor)

(2) K. R. Muruganand, 18, West Venkataswamy Road, RS Puram, Coimbatore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in one Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herem as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 23, West Ponnurangam Road, Coimbatore. (Doc. 2838/83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 3-1-84

FORM I.T.N.S.---

 Sakthi Ramakrishnan for R. Janardhanan, R. Ganesan, R. Kamaraj, 18/2, Pesthavar St., Coimbatore.

(Transferor

(2) K. Siyakumur, K. Kushnabarathi, K. Sampathkumar, K. Kanakasabapathi, 24/80, Yadayar St., Coimbatore.

(Transferee

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 3rd January 1984

Ref. No. 13040.—Whereas, I.R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

23, Thiruvenkataswamy Roed, situated at Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed nereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 2445/83) on July 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the rarties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- Objections, if any, to the acquisition of the said propert may be made in writing to the undersigned:—
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period c
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons
 whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at 11/23, Thiruvenkataswamy Roa, Coimbatore. (Doc. 2445, 83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to hee following persons, namely:—

Date: 3-1-84

(1) Shri Jamunaprasad Shahu s/o Shri Shahu, R/o 11, Hemson Colony, Indore. Shri Shivdayalji (Transferor)

NOTICI! UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shii Sushifkumar sijo Samrathmalji Rijo Sanwer feh. & Distt. Indore. (Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

Bhopal, the 4th February 1984

Ref. No. IAC/Acqn, Bpl/4239.—Whereas, 1, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House on Plot No. 963, Scheme No. 44,

situted at Khatiwala Tank, Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore

on June 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid, exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—Ihe terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same menning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House on Plot No. 963 situated at Khatiwala Tank (Indore Vikas Pradhikaran), Scheine No. 44, Indore.

> D. P. PANTA. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under the section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :--

Date: 4.2.1984.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Hariram Pahuja (2) Smt. Sukhi Pahuja, Ryo 61, Gopal Bag, Indore.

(Transferor)

(2) Smt. Rachna w/o Manoharlal Israni, R/o Indore,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal ,the 4th February 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/4240.—Whereas, J. D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Part of House No. 61 (First Floor),

situated at Gopal Bag. Indore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of House No. 61 (First Floor) situated at Gopal Bag, Indore.

D. P. PANTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-2.1984.

Scal:

FORM ITNS----

- (1) Shri Chandrasenrao s/o Govindra Residency Area, A.B. Road, Indore. Govindrao Matkar, 3,
- (Transferor) (2) Shri Sudhir s/o Janardan Mahashabde, R/o 106, Jawahar Marg, Indore.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMETAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 4th February, 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/4241.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) thereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000 /-

and bearing No. Part of house No. 106,

situated at Jawahar Morg, Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Indore on June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice

in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons

- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Part of house situated at 106, Jawahar Marg, Indore.

D. P. PANTA. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. 4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar, Bhopal.

ī. Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 4.2.1984.

3, (1) Shri Chandresenrao s/o Govindrao Matkar, Residency Area, A.B. Road, Indore

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Janardan s/o Shankurrao Mahashabde, R/o 106, Jawahar Marg, Indore. (Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 4th February 1984

Ref. No. IAC / Acqn Bpl / 4242. - Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Part of House No. 105, Old No. 84, situated at Jawahar Marg, Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on June, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

Part of House No. 106 (New), 84 (Old) situated at Jawahar Marg, Indore,

> D. P. PANTA. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 4-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 4th February 1984

Ref. No. IAC / Acqn / Bpl / 4243.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

- I.and, Bagicha No. 19, situated at Nasirabad, Neemuch Chhawani, Mhow Road,
- (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Necmuch
- 4 June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922), or the said Act. er the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—
53—486GI/83

(1) Shri Khurshidali s/o Abdulhussainji Bohra, R/o Neemuch Cantt.

(Transferor)

(2) Shri Mohd, Shakii s/o Mohd, Shafi Musalman R/o Mandsaui.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Bagicha No. 19 situated at Nasirabad, Mhow Road, Neemuch Chhawani.

D. P. PANTA,
Compentent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Buildine,
T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 4.2.1984.

FORM ITNS-----

(1) Shri Khurshidali s/o Abdulhussainji Bohra, R/o Neemuch Cantt.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Malwa Enterprises Neemuch Partner Mohd. Jarin s/o Mohd Shafi Musalman R/o Mandsgur (2) Mahendrakumar s/o Samrathlalji Patwa R/o Neemuch Cantt.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal ,the 4th February 1984

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

D C 21- TAC (A---- /D 1 /1244 - Wh----- T

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/4244.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable p. operty, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Land, Bagiha No. 19

situated at Neemuch Chhawani, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Neemuch in Junc, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULB

Land Bagicha No. 19 situated at Neemuch Chhawani, Neemuch.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

D. P. PANTA.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 4.2.1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 4th February 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/4245.--Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovproperty, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
House at Plot No. R-21, situated at
Khatiwala Tank, Indore,

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the office

of the Registering Officer at Indore, in June, 1983

for an apparent consideration which is less than the reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:-

(1) Shri Jaswantkumar Ranjectkumar Gandhi R/o 7, Shanti Nagar, Indore.

Transferor(s)

(2) Shri M/s Mansukhani Construction Tarfe Partner Jagdish Mansukhani, 20, Hathipala, South, Indore, Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. R-21 and House situated at Khatiwala Tank, Indore Vikas Pradhikaran, Scheme No. 44, Indore.

> D. P. PANTA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 4.2.1984.

Shri Narayan s/o Vinayak Laud, R/o 7/1, Jail Road, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sureshkumar s/o Sugenchandji, R/o 27, Nagar Nigam Marg, Indore, through guardian Suganchand Nathulal.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

> ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P. Bhopal, the 4th February 1984

Ref. No. JAC/Acqn/Bpl/4246.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

House-Mucl. No. 34/2 New No. 13/1,

situated at Jail Road, St. No. 2. Indroe, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of Indo. e

June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

House No. 34/2 (old) 13/91 (new) situated at Jail Road, Gali No. 2, Indore.

> D. P. PANTA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 4.2.1984. Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 4th February 1984

Ref. No IAC/Acqn/Bpl/4247.--Whereas, I. D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to realize that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 13/1, Street No. 2, situated at Jail Road, Indore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eight to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Narayan s o Vinayak Laud, R/o 7/1, Jail Road, Indore.

(Transferor)

(1) Shri Brij Mohan s, o Suganchand, R/o 27, Nagar Nigam Marg, Incore, through guardian Suganchand Nathulal.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of House Mucl. No. 13/1 Street Noil 2 situated at Joil Road, Indore.

D. P. PANTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 4.2.1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhpal, the 4th February 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/4248.--Whereas, I. D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Part of House Mucl. No. 41 situated at Daulatganj, Indore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Indore in June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Khatijabai w/o Talik Hussain & Smt. Salmabai w/o Turabali, R/o 60, Kadavghat, Indore. (Transferor)
- (2) Shri Taji Mulla Taherali S/o Haji Mulla Fajalhusain R/o 89, Siyafianj, Indore.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereiv as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of the house Municipal No. 41 situated at Daulatganj Street No. 1, Indore.

D. P. PANTA.
Competent Authority
Inspecting Assistant Cmmissioner of Income-tax
Acquisition Range.
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 4.2.1984.

Seal

(1) Smt. Khatijibai w/o Talik Hussain & Smt. Salmabai w/o Turrabaii, R/o 60, Kadavghat, Indore. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Haji Mulla Taherali s/o Haji hussain R/o 89, Siyagonj, Indore. Mulla Fazal-(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 4th February 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/4249.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Part of house Muncl No. 41 St. No. 1

Part of house Muncl. No. 41, St. No. 1, Situated at Daulatgani, Indore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore in June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by trasferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned: -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of the house bearing Municipal No. 41, St. No. 1, situated at Daulatganj, Indore.

> D. P. PANTA. Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar, Bhorat,

Date: 4-2--84.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIJOPAL, M.P.

Bhopal ,the 6th February 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/4250.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House: Muncl. No. 35.680 Part situated at High Court Road, Lashkar, Gwalior, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Gyalior, in June, 1983

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Rajeshkumar s/o Giriraj Bebu Khandelwal, R/o High Court Road, Lashkar, Gwalior. (Fransferor)

(2) Shri Parashehand Jain 8 o Shri Mohanlal Saraf, R/o Morar Sardar Bazar, Morar, Gwalior.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of House, No. Muncl, No. 35/680 situated at High Court Road, Lashkar, Gwalior,

D. P. PANTA.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal.

Date : 6-2-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 4th February 1984

Ref. No. IAC/Acqu/Bpl/4251,—Whereas, J. D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

House No. 52,

Situated at Amorsing Marg, Ujjain

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ujjain in

June, 1983

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Sectin 269D of the said Act, to the following persons mamely:—
54—486GI/83

- (1) Shri Subhashchand s/o Radhamohanji Gupta Mahajan R/o Madhavnagar, Freeganj, Ujjain. (Transferor)
- (2) Shii T. Ali s/o Haiderali Kapadewale, Bohra, R/o Ujjein, Mohammad Bakhal, Khara Kunwa, Ujjain. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of House bearing No. 52 situated at Mohalla Amarsingh Marg, Ujjain.

D. P. PANTA.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal.

Date · 4-2-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1, OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 4th February 1984

Ref. No. IAC/Acqn 'Bpl/4252.--Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing
House No. 52,
House No. 52 situated at
Amarsingh Marg, Madhav Nagar, Freeganj, Ujjain, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Ujjain in

June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (2) Shri Subhashchandra 5/0 Radhamohan Gupta, Mahajan, R. o 27, Madhaygan, Freegani, Ujjain. (Transferor)
- (2) Shri Hakimuddin (Minor) s 'o Mohasinali Bhai Kapadewale, R/o 1010, Bohra Bakhal, Khara Kunwa, Ujjain.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Part of House No. 52 situated at Mohalla Amarsingh Marg, Madhav Nagar, Freeganj, Ujjain.

> D. P. PANTA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, BHOPAL

Date 6-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th February 1984

Rel. No. IAC/Acqn, Bpl/4253.—Whereas, 1, D, P. PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land Kh. No. 296/6 situated at Gram Khajuriya Tch. Sanwer & Distt. Indore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Indre in June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid execeds the apparent consideration, therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeanid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

ntangan kalangan pada sabah sabah sabah pada pada pada pada pada pada kalangan kang pada pada pada pada pada pa (1) Mohanlal s, o Gendalal Choukse, R/o Gram Khajuria, Teh. Sanwer, Distt. Indore.

(Transferor)

(1) Smt. Ratonbai w/o Hiralalji Sethi R/o 3, Residency Road, Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 15 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Land bearing Kh. No. 296/6 situated at Village Khajuriya Teh. Sanwer & Distt. Indore.

D. P. PANTA, Competent Authority Inspecting Assistan Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar, Bhopal,

Date: 6-2-1984

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL M.P.

Bhopal, the 6th February 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/4254.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Old House Kh. No. 570/IT, House No. 50, Shanker Nagar, P.C. No. 110, Raijur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on 3-6-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Maina Bai w/o Sadashiv Gautam, R/o Rajatalab, Raipur.

(Transferee)

(2) Shri Rajeshkumar, Padimkumar, Kamleshkumar, Nageshkumar R/o Ramgulam Shanker Nagar, Raipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

House No. 50 situated at Shanker Nagar, P.O. No. 110, Raipur,

D. P. PANTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 6-2-1984

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th February 1984

Ref. No. IAC/Acqn. Bpl/4255.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Bhavan No. Nigam No. 51/615,

Aapaganj, Mama Ka Bazar, Lashkar, Gwalior,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior in June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the apparent as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Tulsidas s/o Sirdinamalji Sindhi, R/o Balabai Ka Bazar, Lashkar through Mukhtiyar Aum Jetaram s/o Sirdinamalji Jaseja, R/o Balabai a Bazar, Lashkar (Gwalior).
- (2) Smt. Durgadevi, w/o Jagatramji Sindhi, R/o Nimbalkar Ki Goth, No. 2, Lashkar, Gwalior (M.P.).
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bhawan (Building) bearing Nigam No. 51/615 situated at Apa Gunj, Mama Ka Bazar, Lashkar, Gwalior.

D. P. PANTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 6-2-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

R/o Madhogani Nagar, Lashkar, Gwalior (M.P.) (Transferor)

(1) Shii Bhagwandas Jaseja s, o Sirdinamalji

(2) Shri Mohanlal s o Ishardasji Sindhi, Near Gwalior Talkies, Lashkar, Gwalior (M.P.)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P. Bhopal, the 6th February 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/4256.—Whereas, I, D. P. PANFA,

being the competent authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Building No. Savik 16/483 Juj Naya 51/615. situated at Madhogani Nagar, Lashkar, Gvalior (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior, in June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPENSION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building No. Savik 16, 483 Juj Nav 51/615, situated at Madhoganj Nagar, Lashkar, Gwalior.

> D. P. PANTA, Compensent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 6-2-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th February 1984

Ref. No. 1AC/Acqn/Bpl/4256.—Whereas, I,

Ref. No. IAC / Acqn/Bpi/4250.—vvinciens, 1, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Building No. 51/615 (Part), situated at Aapa Gani, Lashkar, Gwaltor. (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Register-

ing Officer at Gwalior in June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or 171
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1923 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely-

- Shri Sirdinamalji Jaseja (1) Shri Gordhandas s/o Sindhi, R o Balabai Ka Bazar, Lashkar, Gwa-
- (2) Smt. Ramdevi w/o Shri Maniklalji Sindhi, R/o Nimbalker Ki Gonth, No. 2, Lashkar Gwalior (M.P.).

(Transferee)

Objections, if any ,to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of Building No. 51/615 situated at Aapagani, Lashkar, Gwalior.

> D. P. PANTA, Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range. 4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 6-2-1984.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th February 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/4258.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Building No. Savik 16/483, Aapaganj, Lashkar, Gwallor,

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Gwalior in June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than ifteen per cent of such apparent consideration and the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act to respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following versons, namely:—

- (1) Shri Bhagwandas & Shri Gordhandas & Jataram sons of Sirdinamalji R/o Hall Madhoganj, Lashkar, Gwalior.
 - (Transferor)
- (2) Shri Gurmukhdas syo Ishardasji, R/o Near Gwalior, Talkies, Lashkar, Gwalior.

Transferce(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building No. Savik 16/483 situated at Apa Gunj, Lashkar, Gwalior.

D. P. PANTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 6-2-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th February 1984

Ref. No. 1AC/Acqn/Bpl/4259.—Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Building No. 16/483 (Old) situated at Aapaganj, Nagar Lashkar, Gwalior

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gwalior on June 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) faculitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this ntice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
55—486GI/83

 Shri Bhagwandas, Gordhandas, Jetaram sons of Shri Sirdinamalji Jaseja, R/o Hall Mudhoganj, Nagar Lashkar, Gwalior, M.P.

(Transferor)

(2) Smt. Durgadevi w/o Jagatramji, R/o Nimbal Ki Gonth, No. 2, Lashkar, Gwalior.

(Trnsferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building No. 16/483 (Old) situated at Aapaganj, Nagar Lashkar, Gwalior.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 6-2-1984

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

R/o

 Shri Hukumchand Kumar s/o late Kashi Ramkumar R/o Arera Colony, Bhopal.

(Transferor)

(2) Shri Sanjeevkumar Khurana s/o Ramlubaha Khurana Arera Colony, Bhopal,

(Trnsferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th February 1984

Ref. No. JAC/Acqn/Bpl/4260.—Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot No. C. Part of Kh. No. 19622 situated at Chiklod Road,

Jahangirabad, Bhopal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objection, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One Plot No. C, Kh. No. 19622 situated at Chiklod Road, Jahangirabad, Bhopal.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-ax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th February 1984

Ref. No. 1AC/Acqn/Bpl/4261.—Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 'D' Part of Kh. No. 19622 situated at Chiklod Road, Jahangirabad. Bhopal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bhopal on June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Hukumchand s/o late Kashiram R/o Arera Colony, Bhopal.

(Transferor)

 Smt. Sheela Khurana d/o late Ramlubhayaji R/o Arera Colony, Bhopal.

(Trnsferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 'D' bearing part of Kh. No. 19622 situated at Chiklod Road, Jahangirabad, Bhopal.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 6-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th February 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/4262.—Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. Plot No. 'A' Part of Kh. No. 19622 situated at Chiklod Road, Jahangirabad Bhopal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopai on June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Shri Hukamchand Kumar 8/o Shri Kashiram Kumar R/o Arera Colony, Bhopal.

(Transferor)

(2) Smt. Vcena Arora w/o Shri Prem Arora, R/o 5, Hamidia Road, Bhopal.

(Trusferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot No. 'A' Part of Kh. No. 19622 situated at Chiklod ? Road, Jahangirabad, Bhopal.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 6-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th February 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/4263.--Whereas 1. D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 'B' Part of Kh. No. 19622 situated at Chiklod Raod, Jahangirabad, Bhopal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal, on

June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) faciliating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Hukamchand s/o late Shri Kashiram Kumar R/o Arera Colony, Bhopal.

(Transferor)

(2) Smt. Sunita Arora d/o Shri Jagdish Atora, R/o Arera Colony, Bhopal.

(Trnsferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 'B' Part of Kh. No. 19622 situated at Chiklod Road, Jahangirabad, Bhopal.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 6-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th February 1984

Ref. No. 1AC Acqn/Bpl/4264.—Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land No. 348/1 situated at Vill. Khutehi Teh. Huzur Distt.

Rewa

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Rewa on June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:-

(1) Shri Sanjay Singh s. o Rajbhan Singh, Nagendra Singh, Devraj Singh, Jagatpratap Singh 5/0 late Yudunath Singh R/o Jarha Teh. Sirmour, Distt. Rewa, M.P.

(Transferor)

(2) M/s. Hotel Maharaja, National High Way No. 7, Civil Lines, Rewa, M.P.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land No. 348/1 situated at Village Khutchi Teh. Huzur Distt. Rewa.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotti Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 6-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th February 1984

Ref. No. JAC/Acqn/Bpl/4265.—Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Permanent Land—Block No. 91, Plot No. 130/1 and House No. 792/2, 792/3, 792/4 & 792/5 situated at Marhatal Ward, No. 46, Jabalpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Chandrika Prasad Sonkar
 s/o Babulal Sonkar,
 R/o H. No. 193, Bhartipura, City Jabalpur.
 (Transferor)
- (2) 1. Shri Harishkumar 2. Satishkumar
 - sons of Shri Veerbhansingh
 3. Smt. Kamlesh Sharma w/o Tularam Santoshi, R/o H. No. 792, Marhatal, Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building—Part of Permanent Land Block No. 91, Plot No. 130/1 and house numbers 792/2, 792/3, 792/4 and 792/5, Marhatal Ward No. 46. Jabahpur.

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-:ax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 6-2-1984

FORM UTNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th February 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/4266.—Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Permanent Land Block No. 91, Plot No. 130/1 situated at Marhatal Ward No. 46, Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) 1. Shri Harishkumar

2. Satishkumar Sharma sons of late Shri Veerbhansingh Sharma &

3. Smt. Kamlesh Sharma Joje Tularam Santoshi R/o 792, Peshkari, Marhatal, Jabalpur.

(Transferor)

(2) Shri Rajeshkumar (Minor) s/o Chandrika Prasad Sonkar Guardian Smt. Parwatibai Joje Chandrikaprasad Sonkar r/o H. No. 415, Bhartlpur, Jabalpur City.

(Trnsferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Permanent Land bearing Block No. 91, Plot No. 130/1 situated at Marhatal, Ward No. 46, Jabalpur City and House No. 792/6, 797/4, 5.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 6-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Sushila Kohade w/o Shri Gajanand Kohade, R/o Jagdalpur Distt Bastar, M.P.

(Transferor)

(2) Shii Keshav s.o Shanker Damle, R/o Narayanpur Disit. Bastar.

(Trnsferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th February 1984

Ref. No. 1AC/Acqn/Bpl/4267,—Whereas J, D, P. PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Open plot No. 1/27 s'tuated at Kumhar Para Ward, Teh. Jagdalpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registcying Officer at

Jagdalpur on June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

56-486GI/83

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open Plot No. 1/27 situated at Kumhar Para Ward, Teh. Jagdalpur, Distt. Bastar.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income- ax
Acquisition Range
4th Floor, Gangorri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 6-2-1984

യായുന്ന . ഉയുന്നുകാരണ്ട് .v.o 1 ഇലയ്ക്യ ക്ല നാ*ത്*

FORM ITNS----

erinti iliyapen put belanggarata dekadarataga arinta trakka a harasa erit. Pada iliyaba, teksi teksi tersit.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Smt. Sushila Kohade w/o Gajanan Kohade, R/o Jagdalpur Distt, Bastar.

(Transferor)

(2) Shri Jodharam s/o Khajatamal Thavani, R/o Katora Talab, Raipur.

Trnsferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th February 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Epl/4268,—Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Open Plot No. 1/27 situated at Kumharpara, Teh. Jagdalpur and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jagdalpur on June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the nforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open Plot No. 1/27 situated at Mohalla Kumharpara Teh. Jagdalpur.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 6-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th February 1984

Ref. No. 1AC/Acqn/Bpl/4269.—Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 32-A situated at Vecr Saverkar Nagar, Indore (and morefully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby mitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Sardar Hakamsingh s/o Shri Sardar Harmansinghi R/o Delhi through Aum Mukhtlyar Gurmisingh s/o Hamamsinghii r/o 55, Pratap Nagar, Indore.

(Transferor)

(2) Smt. Kavitadevi w/o Shrì Arjundasji R/o 1147-A, Gumasta Nagar Flats, Khatiwala Tank, Indore.

(Trn:feree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 32-A situated at Vecr Saverkar Nagar, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 6-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th February 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/4270.—Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. Plo. No. 366-R and a Garage constructed thereon situated at Indore Vikas Pradhikaran Scheme No. 44, Indore (and more fully described in the Schedule annexed

has been transferred and the agreement is registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Dineshchandra 5, o Shri Chironjilalji Gangrod, R/o 100, Kanchanbag, Indore through Aum Mukhtiyar Shri Sevakram s/o Khanchand R/o 135, Devi Ahilya Marg, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Gurmitsingh s/o Darshansinghji R/o 'Narang Bhavan', New Dolony, Mandsaur. (Trnsferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this potice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

used berein EXPLANATION:—The terms and expressions as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Plot No. 366-R and a Garage constructed thereon situated at Indore Vikas Pradhikaran Scheme No. 44, Indore.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 6-2-1984

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISION RANGF, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th February 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/4271.—Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 362 and a Garage constructed thereon situated at Indore Vikas Pradhikaran Scheme No. 44, Indore (and nore fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore in June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Anilkumar s/o Babulalji Maheshwari R/o 4, Brook Bond Colony, Indore through Aum Mukhtiyar Shri Arjundas s/o le hanand R/o Palsikar Colony, Indore.
- (Transferor)
 (2) Shri Baljeetsingh s/o Shri Darshansinghji Narang,
 R/o 'Narang Bhawan', New Colony, Mandsaur.
 (Trnsferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 362 and a Garage constructed thereon situated at Indore Vikas Pradhikaran Scheme No. 44, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 6-2-1984

FORM I.T.N.S.—— --

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Dhumiprasad alias Babu s/o Arjun Nahavi R/o Ratagarh Teh. Burhanpur, East Nimar.

(Transferor)

(2) Shr. Sardar Upvindersingh Sardar Ishwarsingh Jali Mukum Post Nepanagar, Marapur Bazar, Nepanagar, Burhanpur, East Nimar.

(Trusferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th February 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/4272.—Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Land No. 50 (New) situated at Gram Ratagarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Burhanpur in June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land No. 50 (New) situated at Village Ratagarh,

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Pange 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the oforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following

persons. mamely:-

Date: 6-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Saroj Rajbade w/o Shri Purshottam Rajbade, R/o B-X, 1, 4 Imali, Bhopal.

(Transferor)

(2) Shn Brijmohan Nandansingh s/o Shri Girvar Singh, R/o F-8/24/4, Imah, Bhopal.

(Trnsferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th February 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3273.—Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 15 situa ed at Yeshwant Colony, Dewas

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Devias on June 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovante property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shail have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the encealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 15 situated at Yeshwant Colony, Dewas.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-lax
Acquisition Range
4th Floor, Cangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th February 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/4274.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 4/857 situated at Khara Kunwa, Ujjain (and more fully described in the Schedule annexed hereto), have been transformed under the Positionian Act 1908 (16)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ujjain on June, 1983

Official on June, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Sharadkumar s/o Kanhaiyalalji R/o Mahakal Ghati, Uijain.

(Transferor)

Smt. Geetadevi w/o Kantilal Jain
 Smt Pushpadevi w/o Kantilal Jain
 R/o 166, Patni Bazar, Jawahar Marg,
 Ujjain.

(Transferee)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of House No. 4/857 situated at Mohalla Khara Kunwa, Ujiain,

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 6-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th February 1984

Ref. No. IAC Acqn/Bpl/4275.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to gs t'ze 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

House No .30 on Plot No. 86, 87 ituated at Chandralok Colony, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Indore on June, 1983 -

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namel:—
57—486GI/83

Smt. Santosh Kumari
 W/o Satishchandra Gupta,
 R/o 56, Neelkanth Colony,
 Indore.

(Transferor)

(2) Shri Ramswaroop syo Nathmal As Manager & Karta of H.U.F.— Brijmohan Ramswarup, Naya Bazar, Ajmer,

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 30 situated on Plot No. 86-87 Chandralok Colony, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 6-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMF-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th February 1984

Ref. No IAC/Acqn/Bpl/4276.—Whereas, I. D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land with Superstructure on Plot No. 19 situated at Dr. R S. Bhandari Marg, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on June, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Shankersingh
 S/o Shrimansinghji Airen,
 R/o 12, Dr. R.S. Bhandari Marg,
 Indore.

(Transferor)

1. Smt. Pushpadevi
 W/o Mohanlalji Garg,
 2. Shri Lalitkumar
 S/o Mohanlalji Garg (Minor)
 Thruogh father Mohanlalji Garg,
 R/o 39-A Industrial Estate, Pologround,
 Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sale Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land with superstructure on Plot No .19 of 12 Dr. R. S. Bhandari Marg, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 6-2-1984 Seal:

oca,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th February 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/4277.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land: Survey No. 1525/2 situate dat Ujjain

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269-AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Cometent Authority at

Ujjain on June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in purvance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Manoharsingh s/o Narayansingh

Ayub s/o Kadarbukesh
 Mohansingh s/o Pooranlal

4. Anand s/o Mohanlal

5. Narendra s/o Radhakishanji R/o Ujjain through Mukhtiyare Aum

Shri Anand s/o Mohanlalji R/o Ujjain.

(Transferor)

(2) Shipranjali Sahkari Grih Nirman Samiti Maryadit, Ujjain through President Shri Brijbiharilal S/o Ranchhodprasad Mathur

R/o Nikas, Ujjain.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforeasid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

RXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given it: that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Survey No. 1525/2 situated at Agra Road, Ujjain.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Bullding
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 6-2-1984

FORM ITNS----

(1) Shri Ardhendukumar Dutt S/o Keshochandra Dutt, R/o Calcutta (West Bengal).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2)1. Smt. Rajni Devras
W/o Shri Dr. Vinod Devras,
2. Tushar Devras (Minor)
Vinod Devras Guardian
3. Smt. Rajni Devras
W/o Vinod Devras
R/o Ward No. 12, Balaghat,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th February 1984

Ref. No. 1AC/Acqn/Bpl/4278.—Whereas, I. D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land: No. 362/2, 366/5 situated at Ward No. 12, Balaghat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Balaghat on June, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from a the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land situated at Ward No. 12, Balaghat with Kh. No. 362/2, 366/5.

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-2-1 984

Seal: .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th February 1984

Ref. No. IAC/Acqn/BpJ/4280.--Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

movable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land: Kh. No. 174, 175, 176, 185/174/1, 174, 175, 176, 185/174/4, 177/4, 177/1 situated at Gram Malikheda, Teh. Huzur Distt. Bhopal (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bhopal on June, 1983

an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Gurbachansingh S /o Rishisingh, R/o Malikheda, Teh. Huzur, Distt. Bhopal.

(Transferor)

(2) Sardar Rajinendrasingh S/o Sardar Dayalsingh,

2. Satnam Kaur W/o Rajendrasingh,
3. Manendrasingh s/o Rajendrasingh,
4. Harendrasingh s/o Sardar Rajendrasingh, R/o Hamidia Road, Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Kh. No. 174, 175, 176, 185/174/1, 174, 175, 176, 185/174/1, 174/4, 175, 176, 185/174/4, 177/2, 177/4 situated at Village Malikhedi, Teh, Huzur, Distt. Bhopal.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of section, 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following Persons, namely :-

Date: 6-2-1984

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th February 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/4279.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Eard: Kh. No. 174, 175, 176, 185/174, 1. 174, 175, 176, 185/174/4, 177/1, 177/4 situated at

Gram Malikhedi Teh. Huzur, Distt. Bhopal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1903) in the office of the Registering Officer at

Bhopal on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Guruvachansingh S/o Sardar Rishisingh, R/o Malikheda, Teh. Huzur, Distt. Bhopal.

(Transferor)

Sardar Harjeetsingh
 Sardar Sultansingh

2. Smt. Surject Kaur W/o Sardar Harjectsingh

Inderpalsingh
 Aurinderpalsingh

R /o Hamidia Road, Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Kh. No. 1/4, 175, 176, 185/174/1, 174, 175, 176, 185/174/4, 177/1, 177/4 situated at Gram Malikbedi, Teh. Huzur Distt. Bhopal.

D, P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 6-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th February 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/4281.—Whereas, I. D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land: Survey No. 1525/2, situated at Ujjain (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the

Registering Officer at Ujjain on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more ti an fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) 1. Shri Manohacsingh S/o Narayansingh

Ayyub S/o Kadarbuksh R/o Ujjain Nikas
 Mehansingh S/o Peoroulal R/o Madhavnagar

4. Narendra S/o Radhakishan R/o Chimanganj Mandi

5. Anand S/o Mohanlalji R/o Freeganj, Ujjain Self and Mukhtiyare Aum.

(Transferor)

(2) Shipranjali Sahkari Grih Nirman Samiti Maryadit, Ujjain through President Shri Brijbiharilal

S/o Ranchhodprasad Mathur

R/o Nikas, Ujjain.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Survey No. 1525/2 situated at Agar Road, Ujjain.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 6-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 27th January 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/4282.--Whereas, I,

D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land: Surey No. 1525/2, situated at Ujiain (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ujiain in July, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair D. P. PANTA,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(1) 1. Shri Manoharsingh S/o Narayansingh

Ayyub S/o Kadarbuksh R/o Nikas

 Mohansingh S o Pooranlal R /o Madhavnagar.

4. Narendra S/o Radhakishan R/o Chimanganj Mandi

5. Anand S/o Mohanlal R/o Freeganj, Uijain, Self and Mukhtiyare Aum.

(Transferor)

(2) Shipranfali Sahkari Grih Nirman Samiti Maryadit, Ujjain through President Shri Brijbiharilal S/o Ranchhodprasad Mathur R/o Nikas, Ujjain,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Survey No. 1525/2 situated at Agar Road, Ujjain,

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
>
> \(\Delta \text{equisition Range}, \)
>
> 4th Floor, Gangotri Building
>
> T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 27-1-1984

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th February 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/4214.—Wherens, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to 3 the 'sa'd Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land: Survey No. 1525/2,

stuated at Újjain

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

⊌jjain on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

58-486GI/83

- (1) 1. Shri Manoharsingh S/o Naravansingh
 - 2. Ayyub S/o Kodarbuksh R/o Nikas
 - 3. Mohansingh S'o Pooranial R/o Madhaynagar.
 - 4. Narendra S/o Radhakishan R/o Chimanganj Mandi
 - Anand S/o Mohanlel R/o Freeganj, Ujjain, Self and Mukhtiyare Aum.

(Transferor)

(2) Shipranjali Sahkari Grih Nirman Samiti Maryadit, Ujjain through President Shri Brijbiharilal S/o Ranchhodprasad Mathur R/o Nikas, Ujjain,

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person hiterested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land hearing Survey No 1525/2 situated at Agar Road, Ujjain.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 6-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Mihir Choudhary S/o Late Shri Mahendra Choudhary, R/o 142, Phadnis Colony, Indore.

(2) Shri Anilkumar Bhagat S/o Mohanlai Bhagat R/o 30, 31, Anoop Nagar, Indore.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhonal, the 6th February 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/4284.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 30, 31 situated at Anoop Nagar, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in he office of the Registering Officer at Indore on 27th July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the oforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

THE SCHEDULE

Part of house bearing No. 30, 31 situated at Anoop Nagar,

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range. 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 6-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAI, M.P.

Bhopal, the 6th February 1984

Ref No. IAC/Acqn/Bpl/4232.--Whereas, I, D. P. PANTA,

f being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

House No. 14 situated at Chouthmal Colony, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 9th June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Jasweersingh S/o Amarsingh Chhabra, R/o Chouthmal Colony, Indore, 2. Sardar Gurcharansingh S/o Amarsinghji R/o Chouthmal Colony, Indore

(Transferor)

(2) 1. Ramchandra, 2. Srinivas s/o Narayanji 3. Prahlad s/o Srinivas

4. Kanhaiyalal s/o Srinivasji R/o Lodhipura No. 59/2, Indore.

5. Jagdishchandra s/o Shri Madanlal R/o Lodhipura, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein u are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of House No. 14 situated at Chouthmal Colony, Indore .

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 6-2-1984

 Shri Ratanlal s/o Revadmalji Jain, R/o Jaora Road, Ratlam.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Partners:
1. Mohd. Khan
2. Rasidkhan s/o Majankhan,
3. Mariumbai w/o Majankhanji
4. Munni Bi w/o Mchamood
Khanji Gaddi Pathan,
Jaora Road, Ratlam.

(2) Messrs R. R. Khan, Jaora Road, Ratlam,

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th February 1984

Ref. No. LAC/Acqn/Bpl/4233.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House: Municipal No. 11/56 situated at

House: Municipal No. 11/56 situated at Vishaji Mansion Ki Gali, (Freeganj) Road, Ratlam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ratlam on June, 1983
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of-45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days; from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House, Municipal No. 11/56 situated at Vishaji Mansion.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 6-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th February 1984

Ref. No .IAC/Acqn/Bpl/4234.--Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
Land: Kh. No. 592 situated at Gram Barad Distt. Sanawad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registrating Officer at Sanawad on 15th June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of:-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other aseets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s, Gajendrasingh Randhirsingh Oil Mills P. Ltd., 50, Bajajkhana, Indore Through Shri Shrawarsingh S/o Motilalji Bhandari, Chairman Board of Directors.

(Transferor)

(2) 1. Subhashchand s/o Devram Smt. Premlatabai w/o Beniramji, 3. Smt. Narmadabai w/o Omprakash, All R/o Bhuwani Marg, Sanawad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a perioad of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Kh. No. 592, Halka No. 39 situated at Gram Barad Distt, Sanawad. This is the immovable property, described in Form No. 37-G verified by the transferce. (Including Well, Pump House and Trees)

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 6-2-1984 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Babukhan S/o Gulabkhan Pathan, R/o Khargone.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Maltibai W/o Daulal Saraf, R/o Maheshwar.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th February 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/4235.—Whereas, 1, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot: Kh. No. 170/5 situated at

Bistan Road, Khargone

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the orfice of the Registering Officer at Khargone on June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot: Kh. No. 170/5 situated at Bistan Road, Khargone. This is the immovable property described in Form No. 37-G verified by the transferee.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 6-2-1984

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 28th January 1984

Ref. No. IAC /Acqn/Bpl/4236 - Whereas 1, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Plot No. 20, situated at Gajra Gears Housing Society, Moti Bunglow Shetra, Dewas

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dawas on 30th June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor for more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other asaets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

- (1) Prabhati Adhikari, Gajin Gears Co. Op. Housing Society Limited, Dewns (Transferor)
- (2) Pradcepkumar s/o Chandmalji Mehta, R/o Dewas.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chanter.

THE SCHEDULE

Plot No. 20 situated at Gajra Gears Housing Society, Moti Bunglow Shetra, Dewas.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhop d.

Date 28-1-1984 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTTION RANGE BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 28th January 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bp1/4237.--Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Khet: Kh. No. 1059 situated at Gram Shahpur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dawas on 30th June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such trunsfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S. Rafluddin 2, S. Gayasuddin 3, S. Aminuddin 5/0 S. Nasiruddin Peerjada R/0 Khanga Nagar and Teh. Burhanpur 5, Peerjadi Begum Joje Mashadurrehman Peerjada R/0 Mandi Bazat 1eh. Burhanpur.

(Transferor)

(2) Shri Maduhkar 2. Dattu w/o Totaiam Patil R/o Dapora Tch. Burhanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Kh. No. 1059 situated at Shahpur Teh. Burhanpur. This is the immoveble property described in Form No. 37-G verified by the transferce.

D. P. PANTA
Competert Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 28-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE

.Bhopal, the 28th Januuaryp 1984

Ref. No. IAC / Acqn/Bpl /4238.---Whereas I, D. P. PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to _ the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

. 25,000/- and bearing

No. Land (New No.) 151 situated at Gram Amagird Teh. hurhanpur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dawas on 34th June, 1983

or an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for ruch transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the id Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

59---486GI/83

(f) Nathusingh s/o Hammansingh Shatriya R/o Amagird Teh. Burhanpur.

(Transferce)

 Shri Mohammad Asgar & Brothers Pvt., Bharat Talkies, Burhanpur Partners: 1. Mohd, Asgar 2, Fakhruddin 3, Mohd, Akhtar 4, Mohd, Ajhar 5, Mohd, Athar s/o Ali Momand Sodawala, Kherati Bazar, Burhanpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said insmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions and herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing (New) No. 151 situated at Amagird Teh. Burhanpur. This is the unmovable property described in Form No. 37-G verified by the transferee.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal.

Date 28-1-1984 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE
PUNE

Pune, the 28th September 1983

Ref. No. IAC ACQ CA-5/37EE/83-84|291,---Whereas I, SHASHIKANT KULKARNI,

being th: Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. situated at Pune-1,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under so ion 269-AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

IAC ACQN Pune in April 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s U. J. Khatri & Associates 628, Khatri house, 13th Road Khar (W), Bombay-400 052.

(Transferor)

(2) Prop. Prakash C. Pardeshi 563, Raviwar Peth, Pune-2.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesald persons within a period
 45 days from the date of publication of this notio
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FAPLANATION:—The terms and expressions used herein as are Defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 408, Deccan Toward, 24, Sholapur Bazar, Pune-1.

(as described in the sale deed, registered in the office of the I.A.C., ACQN, Range, Pune, under Doc. No. 204/37EE '83-84, dated 20-4-1983.)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 28-9-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 10th January 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5|37G/1071/83-84.—Whereas I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authoriy under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

no. R.S. No. 321/4 Fakir wada, Bhingar village, situated at Dist. Ahmadnagar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

S.R. Ahmadnagar in July 1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) S/Shri R. G. Gade, B. G. Gade, Y. G. Gade, B. A. Gade, R. A. Gade, Smt. S. A. Gade, all residing at Fakirwoda, Mouje Bhingar, Dist. Ahmadnagar.
- (2) Shri Gajanan Sah. Grihanirman Sanstha Maryadit, Ahmadnagar, Chairman Shri S. M. Mutha, Maniknagar, Nagar Pune Road, Ahmadnagar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 4.5 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot at R.S. No. 531/4, Fakir wada, Mouje Bhingar, Dist. Afiamadnagar, Area 1,39,873 sq. ft. (Property as described in the sale deed, registered in the office of the S.R. Afimadnagar, under Doc. No. 2059 in the month of July 1983.)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 10-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 10th January 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-537G/1072/83-84.—Whereas I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. S. No. 321/4, Mouje Bhinger, Ahmednagar situated at Ahmadnagar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SR. Ahmadnagar in July, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922. (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the accquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) S/Shri R. G. Gade, B. G. Gade, Y. G. Gade, B. A. Gade, R. A. Gade (master) C/o Smt. S. A.. Gade, all residing at Fakirwada, Dist: Ahmadnagar (Transferor)

(2) Shri Gajanan Sahakari Grihanirman Sanstha Marvadit. Chairman, Shri Sharad M. Mutha,

Maniknagar, Dist: Ahmadnagar,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot at S. No. 321/4, Mouje Bhingar, Tal; & Dist: Ahmednagar. Area-81 R.

(Property as described in the sale deed registered in the office of the S. R. Ahmadnagar, under Doc. No. 2058 in the month of July 1983)

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax AcquisitionRange-II, Pune

Date 10-1-1984

PORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 23rd January 1984.

Ref 1 b. IAC ACQ/CA-5/37G/1070/83-84.—Whereas I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. S. No. 57, H. No. 2A—4B (Part)
S. No. 57, H. No. 3P & S. No. 57, H. No. 2B, 4C, 2C(Part) village Gajbandhan Patharli situated at Kolyan Distt. Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kalyan, Dist. Thane in June, 1983 for an apparent consideration which is less than the fairmarket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Ast in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said. Act, or the Woolth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) M/s. Arya Construction Company, 5, Arya Deep, Kopar Road, Dombvli (W)-421 201. Dist. Thane.

(Transferor)

(2) The Greaty Govind Co-operative Huosiling S ociety, Ltd., Ramvadi Colony, Manapada Road. Dombivli (E) Dist. Thane.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at S. No. 57, H. No. 2-A + 4B (Part) S. No. 57, H. No. 3P & S. No. 57H. No. 2B, C, 2C, (Part at village Gajbandhan Patharli, Kalyan Dist. Thane

Area-land-567 sq. yds. Building 873.54 sq.mt.)

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Kalyan under document No. 213/1983 in the month June, 1983)

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poons

Date 23-1-1984

 Shri L. M. Bijlani, Shri B. M. Bijlani Alibbaba, 16th Road, Santacruz (W), Bombay-54

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-, TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. N. S. Pathare, 18 Yug Prabhat, Opp; Sitladevi Temple Road, Mahim, Bombay-16. Mr. V. M. Varghese 83 Asiana, St. Johan Baptist Road, Bandra Bombay-50

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

Pune, the 24th January 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/1069/83-84.—Whereas, I SHASHIKANT KULKARNI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. F. P. No. 69, T. P. S. No. 1, R. S. No. 118/IAI, Lonavala, situated at Dist. Pune. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

S. R. Bombay on July 83.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

Final Plot No. 69, T. P. S. No. 1, R. S. No. 118/1A/1, Lonavala, Dist: Pune. Area-5936 sq.mtrs. (Property as described in the sale deed, which is registered in the office of the S. R. Bombay under Doc. No. 2644/dt. 20-7-83)

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 24-1-1984

Senl:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

Poona, the 20th December 1983

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/1050/83-84.—Whereas, I SHASHIKANT KULKARNI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land at survey No. 717/B-1A/1-1-/11 Plot No. 11/4, T. P. No. Nasik, situated at Nasik.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered u/s under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at S.R. Nasik on 2-6-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

--(1)-M/s. Purnima Builders, Partners Shri A. R. Sharma, Sumati society, Sharabpur Road, Nasik-2.

(Transferor)

(2) Shri Chaman Lal Nahar Katyee, Chairman of Athant Sah, Girha Nirman Sanstha Ltd., Karkhanis, Phegede, Fdankar Architect, Tara Niwas, Nasik-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 717/1B/1A/1-1/11 Plot No. 11|4, T. P. No. Nasik.

(Area- 846,15 sq.mts.)

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Nasik under document No. 2245 in the month of June 1983)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquition Range, Poona

Date: 20-12-1983

FORM ITMS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE

Poona the 29th November 1983

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/1043/83-84.—Whereas I, SHASHIKANT KULKARNI

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 955-B, New Agra road Nasik, situated at Nasik (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S. R. Nasik on July 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partice has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1967);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) St/Shori M. P. Bhatiya, P. P. Bhatiya, J. K. Bhatiya N. P. Bhahiya, Smt. K. J. Khatav, Smt. M. M. Khatao, 19-21 Dalal street, Bombay 13.

(Transferor)

(2) Shri Hitesh R. Zawari, Panjarpol, Panchavati, Nasik-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land S. No. 955-B, Part 'D' New Agara Road, Nasik Area 3800 sq.mtr.

(Property as described in the sale deed which is registered in the office of the S. R. Nasik under Doc. No. 2574/83 in the mnth of June, 1983.

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquition Range, Poona

Date 29-11-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE Pune

Poona, the 7th December 1983

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37-G/1042|83-84,-Whereas I, SHASHIKANT KULKARNI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. Green belt land S. No. 955-A/1 and 955-C Agra Road situated at Nasik.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Nasik on 29-6-83,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, no nely :---

60-486GI/83

- (1) 1. Shri Mathurdas P. Bhatia,

 - 2. Shri P. P. Bhatia,
 3. Shri N. P. Bhatia,
 4. Smt. Kokila Jayantkumar Khatau,
 - 5. Smt. Meena Mahendrakumar Khatau and
 - 6. Shri Jamal Khatau Bhatia, All are residing at 1921 Dalal Street, Bombay-400 023,

(Transferor)

(2) Shri Ramji Pragji Zaveri, Panjarapl, Panchavati, Nasik-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Green belt land S. No. 955-A/1, and 955-C admeasuring 14844-13 Sq. meters with a Well, New Agra Rd., Nasik. (Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Nasik under document No. 2573 in the month of June, 1983).

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquition Range, Poona

Date: 7-12-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE Pune

Poona, the 5th December 1983

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/1037/83-84.—Whereas I, SHASHIKANT KULKARNI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

No. Plot No. 28, 29, Got No. 76, Muje situated at Kabnur, Ichalkaranji, situated at Dist. Kolhapur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S.R. Ichal D.K. in June 1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the trability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri C. M. Doshi, Shri S. M. Doshi, Shri Suresh M. Doshi, M/s Triveni Seizers, Ward No. 10, H. No. 522, Ichalkaranji, Kolhapur. (Transferor)
- (2) M/s Kalpataru Sizers, Shri S. T. I andge, M. N. Balifadi, N. K. Galgale, B. A. Landge, B. N. Tombers, P. N. Tombers, Ward No. 9, Jawahar Nagar, Ichalgaranji, Dist. Kolhapur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 28, 29, Get No. 76, Mouje Kabnur, Ichalkaranii. Dist. Kolhapur Area 9936 sa. ft.

(Property as described in the sale deed which is registered in the office of S.R. Ichalkaranii, Dist. Kolhapur, under Doc. No. 1751 in the month of June, 1983).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquition Range, Poona

Date: 5-12-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s Shree Trading Corporation Mittal Tower, 16th floor, R-wing, Nariman point, Bombay-21.

(Transferor)

(2) Mr. Domnic Schastian Fernandes, Mr. O. D. Fernandes, 3/20, Geeta Society, Jodhali Baug Road, Thane-1.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

Poona, the 20th December 1983

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/425|83-84.—Whereas I, SHASHIKANT KULKARNI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Flat No. 106, 1st floor, Minel Apartments situated at No. A, Plot No. ;409, Pancheukhadi situated Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC ACON Pune in July 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 106, 1st floor, Minal Apartments No. A, Plot No. 409, Panchpakhadi, Thone. Area 560 sq. ft.

(Property as described in the negreement to sale, registered in the office of the LAC. Year, Fune, under Doc. No. 37EE/1359/Thane/83-84 in the month of July 1983.

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 20-12-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

Poona, the 12th January 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/424/83-84.—Whereas I, SHASHIKANT KULKARNI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. CTS No. 1986, S. No. 83, H. No. 17/1/7, Flat No. 1, Ground floor, Parvati, situated at Pune,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC ACON Pune in July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s Bhandari Golande Associates, 373 Somwar peth, Pune-11.

(Transferor)

(2) Shri M. S. Toke, Pushpamedh Co-op. Hsg. Society, Sahakar Nagar, Pune-9.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

CTS No. 1986, S. No. 83, H. No. 17/1/7, Parvati, Flat No. 1, Ground floor, Parvoti, Pune, Area 650 sq. ft.

(Property as described in the agreement to sale, registered in the office of the I.A.C. Acqn. Range Pune, under Doc. No. 37EE|2230|Pune|83-84 in the month of July 1983.)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 2-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

Poona, the 24th January 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/420/83-84.—Whereas I, SHASHIKANT KULKARNI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. F.P. No. 59, T.P.S. No. 1, R.S. No. 118/1A/1, Lonavala, Dist. Pune situated at Dist Pune, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered u, has been transferred and the agreement is registered u, but the Registering Officer at IAC Acqn., Pune on Sept. 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Mr. N. S. Pathare, 13 Yug Prabhat, Sitiadevi Temple Rd., Mahim, Bombay-16.
 Mr. V. M. Verghese, 84 Ashiana, St. John Baptist Rd., Bandra (W), Bombay-50.

(Transferor)

(2) Span Resorts (Pvt.) Ltd., 84 Ashiana, St. John Baptist Rd., Bandra (W), Bombay-50,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Final Plot No. 59, T.P.S. No. 1, R.S. No. 118/1A/1, Lonavala, Distt. Pune. Area 2310 sq. mtrs.

(Property as described in the agreement to sale, registered in the office of the LAC. ACON Range Pune, under Docu-

(Property as described in the agreement to sale, registered in the office of the I.A.C., ACON Range Pune, under Document No. 37EE/2544/83-84/Pune in the month of November 83.)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 24-2-1984

Scal :

FORM NO. I.T.N.S.——

 M/s Hari Om Builders, 33, Dariasthan street, R. No. 113, 1st floor, Bombay-400 003.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mohamed Ahamed Jalaladdin, R. No. 1, Rahamad Bai Chawal, Harjawada, Tapalnaka, Panvel-410 206.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, POONA

Poona-4, the 24th December 1983

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/389/37EE/83-84.— Whereas, I, SHASHIKAN'I KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.

No. Block No. 8, in Hari Kripa, Bldg., Hari Om Nagar, F. Plot No. 119 situated at Panvel. Dist. Raigad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC. Acqu. Range, Pune on 13-6-1983

IAC. Acqu. Range, Pune on 13-6-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at Block No. 8, Harr Kripa, Building in proposed Harr Om Nugar, situated at F. Plot No. 119, in the limits of Panyel Nugarpaika Parishad, Panyel, Dist. Raigad.

(Area—36-79 sq. mt.)
(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 900 in the month of June, 1983).

SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissoiner of Income-tax, Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 24-12-198?

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, POONA

Poona, the 24th December 1983

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/388/83-84.—Wheras, J. SHASHIKANT KULKARNI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

and bearing No. No. Block No. 5, Hari Kripa Bldg., F. Plot No. 119, Panyel situated at Dist: Raigad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

IAC. ACQN. PUNE on June 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

 M/s Hari Om Builders, 33, Dariasthan street, R. No. 113, 1st floor, Bombay-400 003.

(Transferee)

(2) Mr. Vivekananda S. Ranade, C/o F. P. No. 57, near Pioneer Housing Society, Panvel, Dist: Raigad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block No. 5, Hari Kripa Bldg., Proposed Hari Om Nagar, Pot No. 119, Panvel, Dist: Riagad Area—36.79 sq. mt. (Property as described in the agreement to sale which is registered in the office of the I.A.C. Acqn. Range Pune, under Doc. No. 37EE/3/Raigad/83-84, in the month of June 83).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissoiner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 24-12-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. PRAPTIKAR SADAN, 60/6, ERANDAVANE, POONA-4

Pune, the 22nd December 1983

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/386/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 3, 1st floor, Gitanjali Kunj. Wellesley Rd., situated at Pune-411 001

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC. Acqn. Range, Pune on June 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mr. K. N. Sunderji and Mrs. D. K. Sunderji, 1/3, Geetanjali Kunj, Dr. Ambedkar Road, Pune-411 001.

(Transferor)

(2) Mr. Krishna Gopal Sawhney and Mrs. Pushpa K. Sawhney, 445, Mangalwar Peth, Pune-411 001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, 1st floor, Gitanjali Kunj, Welleslev Rd., Pune-411 001. (Area—Carpet—1475 sq. ft.)

(Property as described in the agreement 40 sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Ptr document No. 1041 in the month of June, 1983). Pune under

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 22-12-1983

(1) M/s. K. D. Parmar & Sons. Partner—Shri A. K. Parmar, 584/5 8-3, Salisbury Park, Pune-411 001

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Hamida Adam Parkar, Taj Apartment, Flat No. 6, rd floor, 97-A/1-8, Gultekadi, Pune-411 001.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE. PRAPTIKAR SADAN, 60/6, ERANDAVANE, POONA-4

Pune, the 21st December 1983

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/ I, SHASHIKANT KULKARNI, ACQ/CA-5/37EE /382/83-84.—Whereas,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act' have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing
No. Flat No. 6, Taj Apt. 3rd floor, 97-A/1-8 Gultekadi, Pune-411 001 situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at IAC. ACQN. RANGE. PUNE on August, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

may be made in writing to the undersigned :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 6, 3rd floor, Taj Apartment 97-A/1-8, Gultekadi, Pune-411 001.

(Area-926 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 893 in the month of August, 1983).

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269 D of the said Act, to the following nersons, namely :--61-486GI/83

Seal:

Date: 21-12-1983

and/or

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX
ACQUISITION RANGE,
PRAPTIKAR SADAN,
O. 6. ERALIDAVALE, 1001/A-4
Proc., the 1st February 1084

Ref. No. 1AC ACQ'CA-5/37EE/310/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANI' KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. Rs. 25,000/- and bearry

No. Flat at 202 Shukyawar Peth, Pune situated at Pune-2 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC, ACQN, PUNE on June 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay lax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or cluer asset which have not been on which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax. Act., 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax. Act. 1932 (22) 1937:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

(1) M/s. Dadhe Ruikar, 22 Mukundnagar, Pune-37.

(Transferor)

(2) Mrs. Cadha S. Desai, 1351 Data Wada, Sadachiv Peth, Pune-30.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at 202 Shukrawar Peth, Punc-411 002. Area 415 sq. ft.
(Property as described in the agreement to sale, registered

(Property as described in the agreement to sale, registered in the office of the I.A.C. Acqn. Range, Pune under doc. No. 37EE 270/Pune 83-84, in the month of May 1983).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authori
Inspecting Asciptont Commissioner of Income-con
Acquisition Remore Proper

Date: 1-2-1984

ENOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN, 60/6, ERANDAVANE, POÓNA-4

Pune, the 18th January 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37G/1067/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovunder Section 269B of able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. R. S. No. 25, Hissa No. 1 Mayal taluka situated at

≠Lonavala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at

S. R. Maval on June, 83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the conceannent of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) (1) Smt. S. B. Jadhav, (2) Smt. B. B. Jadhav, (3) Shri S. B. Jadhav, (4) Shri V. B. Jadhav, (5) Shri D. B. Jadhav, (6) Mrs. P. D. Sonawane, (7) Miss. M. B. Jadhav and (8) Mrs. S. G. Bhalerao,

All are residing at

'E' Ward, Lonavala, Mavl. Taluka, Dist. Pune.

(Transferor)

(2) M/s Pradhan Hill Resorts. a partnership firm Shri Badruddin Ahmed Pradhan, residing at 41-Jail Road, Dongri (East), Bombay-400 009.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of by any of the afforesate persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land or ground situate at village lonavala within the limits of Lonavala Municipal council and in the Registration Sub-District, of Maval Taluka Maval dist. Pune. bearing Revision survey No. 25, Hissa

(Area—H-1 21.5 Ares)

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Maval under document No. 847 in the month of June, 1983).

SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 18-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIST.
SIONER OF INCOME-TAX ASSISTANT COMMIS-

> ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN 60/6, ERANDAVANE, POÓNA-4

Pune, the 10th January 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/418/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred was the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceedings Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat at F.P. No. 475/C, Plot No. 11, Gultekadi, situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered u/s under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC. Acqn. Range, Pune on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the agoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:---

 M/s Mutha Apartments. 322/11, Shankar Seth Road, Pune-2.

(Transferor)

(2) Mrs. Tarabai H. Vyapari, 360, Shanwarpeth, Pune-30.

(Transferce,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein us are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at F.P. No. 475/C, Plot No. 11, Gultekadi, 2nd floor, No. 5.

(Area—985 sq. ft.)
(Property as described in the agreement to sell registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 352 in the month of July, 1983).

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 10-1-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s Mutha Apartments, 322/11, Shankar Seth Road, Pune-2.

(Transferor)

(2) Mr. Vincent D'Souza, 698, Taboot Street, Punc-1.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. PRAPTIKAR SADAN. 60/6, ERANDAVANE, POONA-4

Pune, the 10th January 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/313/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat at F. P. No. 469/A Gultekadi, Building-B No. 11

situated at Punc

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at IAC. Acqn. Range, Pune on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at F. P. No. 469/A, Building 'B' No. 11, 2nd floor, Gultekadl, Pune.

(Area - 40 sq. meter). (Property as described in the agreement of sell registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 354 in the month of July, 1983).

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. PRAPTIKAR SADAN, 60/6, ERANDAVANE, POONA-4

Pune, the 10th January 1984

Ref. No. JAC ACQ/CA-5/37EE/83-84.—Whereas, I. SHASHIKANT KULKARNI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. F. P. No. 469, A. Gultekadi, C.-No. F-3 situated at Prine (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred.

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC, Acqn. Range, Pune on July, 1983

for an apparent consideration which is has there the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the rurposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

(1) M/n N. itha Apartments, 322/11, Shankar Seth Road, Pune-2.

(Transferor)

(2) Shri Satram Vishindas Bhatia and Shri Naresh Satram Bhatia, C/o Mrs. S. T. Bhatia, 38, Bhaveshwar Bhavan, North Gokhale Rd., Dadar-Bombay-28.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat on first floor. C-No.-F-3, F.P. No. 469/A, Gultekadi, Pune.

(Area—997 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sell registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 352 in the month of July, 1983).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

ມານe 10-1-1984

Scal:

(1) II/s Mama Apariments, 522/11, Shankar Seth Road, Pune-2.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr & Mrs. C. T. Shah Pune Aduentist Hospital, Salisbury Park, P.O. Box No. 15, Pune-411 001

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTION ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN, 60, 6, ERANDAVANE, POONA-4

Pune, the 10th January 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/415/83-84.--Whereus, f, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat at F. No. 469/A, Bld. No. C-No. F-1 First floor.

Gultekadi situated at PUNE

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at IAC. Acqn. Range, Pune on July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subcretion (1) of Section 269D of the sold Act to the fellowing persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat at F.P. No. 469/A -- First floor, Building No. 'C' No. F-Gultekadı, Pune.

(Arca---780 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sell registered in the office of the LAC, Acquisition Range. Pune under document No. 217 in the month of June, 1983).

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 10-1-1984

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Shri D. B. Ashtekar, Sou, S. D. Ashtekar Master Yogesh D. Ashtekar, 50/38, Erandawans, Pune-4.

(Transferor)

(2) Shri S. R. Banthia, 73/2/12. Frandawana, Pune-4.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN, 60/6. ERANDAVANE, POONA-4

Pune, the 3th December 1983

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/308/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of he Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a tair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing Bungalow S. No. 50/38, F.P. No. 73/3 Flat No. 12, Erandawana situated at Pune-4

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. ACQ. PUNE on July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market velue of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facili ating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of he Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bunglow, S. No. 50/38, Erandawana, Pune-4. Area 549.75

(Property as described in the sale agreement which is registered in the office of the I.A.C., ACQN. Range Pune, under Doc. No. 37EE/2367/83-84, in the month of July. 83)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-12-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN, 60/6, ERANDAVANE, POONA-4

Pune, the 6th December 1983

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/330/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Tika No. 8, C.T.S. No. 19 (Part), 'K' Villa situated at Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. ACQ. PUNE on July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 557).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—62—486GI/83

(1) Mrs. B. C. Saldhana, Parchure Bldg., Station Road, Thana.

(Transferor)

(2) Mrs. M. V. Kaantri, Mrs. A. P. Valia, 73 Bombay Samachar Marg, Appolo Street, Bombay-400 023.

事

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Tika No. 8, C.T.S. Nt. 19 (Part) Area 196 sq. yards, 'K' Villa, Thane.

(Property as described in the sale agreement which is registered in the office of the I.A.C., ACQN. Range Pune, under Doc. No. 37EE/1553/83-84, in the month of July 83).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspection Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Poona

Date: 6-12-1983

(1) Mrs. Ruby S. Sassoon Sulbha Apartment, Block No. 13, 3rd floor, Dhobi Aali, Tenvi Naka, Thane West.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Vishwas V. Prabhu Tendulkar A-9, Muncipal Blocks, D. G. Mahajani road, Sewree, Bombay-400 015.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 6th December 1983

Ref. No. IAC ACQ/CA-5|37EE/331/83-84.-Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Devendu Co-op. Housing Society Ltd., Opp. Indian Hume Pipe Co. Ltd., M. hounder Road, Chevavi, Flat No. 20 situated at Pilds. P. Thurst 1981.

ed at Bldg, B, Thane-1.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. ACQN. Pune on 4/7/1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in tespect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which enght to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Devendu Co-op. Housing Society Ltd., Opp. Indian Hume Pipe Co. Ltd., Mithbunder Road, Chevdavi, Flat No. 20 in Building 'B' Thane-400 601.

(Area 350 sq. ft.)

(Property as described in the sale agreement which is registered in the office of the J.A.C., ACQN, Range, Pune under Doc. No. 2310/83-84 in the month of June, 1983).

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid pronerty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 6/12/1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE Pune, the 5th December 1983

Ref. No. IAC ACQ/CA-5|37EE/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No. 24, Village Achole, Tal: Kalyun situated at Kalyan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

at IAC. ACQN. Pune on July, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri V. M. Patel
 Prop: M/s. Progressive Engg. Works
 Kamal Kunj,
 V. P. Road, Andheri (W),
 Bombay-58.

(Transferor)

(2) M. s. Time Farma Navajeevan Building Dattatraya road, Santakruz (W), Bombay-54.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defiend in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 124, Village Achole, Tal: Vasai, Dist. Thane Area 2400 sq. ft.

(Property as described in the sale agreement which registered in the office of the I.A.C. ACQN. RANGE Pune, under Doc. No. 2892/Thane/83-84 in the month of July, 1983).

SHASHIKANT KULKARNI.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poons

Date: 5-12-1983

Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 20th December 1983

Ref. No. IAC ACQ/CA-5|37EE|379/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269R of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing

Flat No. 209 on the 2nd floor of Minal Apartments A on plot No. 409 situated at Panchpakhad, Thane

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer IAC ACQN. Pune on 6-6-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mi/s Shree Trading Corporation Mittal Tower, 16th floor, B-Wing, Nariman Point, Bombay-400 021.

(Transferor)

(2) Mr. Kamalkumar L. Mandawewala (HUF) 5-Azadnagar Co-op. Housing Society Ltd., N. S. Road No. 1, Vileparle (W), Bombay-400 560.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 209 on the 2nd floor of Minal Apartments-A, on plot No. 409 at Panchpakhadi, Thane, Area—725 sq. ft.

(Property as described in the sale deed agreement which is registered in the office of the IAC. ACQN. Range, Pune under Doc. No. 37EE/1358/Thana|83-84 in the month of July, 1983)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poons

Date: 20/12/83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 20th December 1983

Ref No. 1AC ACQ/CA-5[37EE]380'83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 304 on the 3rd floor of Minal Apartments-A, plot No. 409, Panchpakhadi situated ut Thane.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, ACQN, Pune on 6/7/1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partes has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 M/s Shree Trading Corpn., Mittal Tower, 16th floor, B-Wing, Nariman point, Bombay-400 021.

(Transferor)

(2) Mr. Kailashchandra L. Mandawewala 5, Azednagar Co-op. Housing Society Ltd. N. S. Road No. 1, Vileparle (W), Bombay-400 056.

(Transferce)

Objection, if any, to the acquisition of the said propety may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 304 on the 3rd floor of Minal Apartments-A, on plot No. 409 at Panchpakhadi, Thane.

Area—720 sq. ft.

(Property as described in the sale agreement which is registered in the office of the I.A.C. ACON, RANGE, Pune, under Doc. No. 37EE/1356/Thane/83-84.)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range. Poona

Seal:

Date: 20/12/1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 23rd December 1983

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/390/83-84.--Whereas, I SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (nereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 11, 2nd floor, Building Co.op. Housing Society Ltd., Vashi situated at New Bombay,

Idd., Vashi situated at New Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed heroto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at at IAC. ACON. PUNE on July, 83. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Bul Bul Co.op. Housing Society Ltd., Plot No. 50, Sector 9A, Vashi, New Bombay.

(Transferor)

(2) Shri V. K. Ramachandran, Shreyas, Flat No. 11, V. P. Road, Mulund (W), Bombay-80.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 11, 2nd floor, Bul Bul Co.op. Housing Society Ltd., Vashi, New Bombay.

(Property as described in the sale agreement which is registered in the office of the IAC ACQN. Range Pune, under Doc. No. 37EE/Thana/1376/83-84 in the month of July 1983).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following

persons, namely :--

Date: 23/12/1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 27th December 1983

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/405/83-84.—Whereas, I. SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinsafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. IV, Jay Bhawani Apartments, Plot No. 6 S. No. 129/

1B, 159/1A, Akurdi situated at Pune. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of

the Competent Authority at 1AC, ACQN, RANGE, PUNE on July, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Ramanlal Shri C. Khinvasara, Shri P. C. Khinvasara Mi's. Jay Bhavani Enterprises, 377/A, Shukrawar Peth, Pune-2.

(Transferor)

(2) Shri Sukhalal Shri P. Choduhary IV, Jay Bhawani Apartments, Chinchwad, Pune-19.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Apartment No. IV of Jay Bhavani Apartments at Plot No. 6, out of S. No. 129/IB and 159/IA, Akurdi, Pune, Area—33.25 sq. mtr.

(Property as described in the sale agreement which is registered in the office of the IAC. ACQN. RANGE, PUNE under Doc. No. 37EE/1604/83-84, in the month of July,

SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Poona

Date: 27/12/1983.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 23rd January 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/421/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat Vishwa Co-operative Housing Society Ltd., Plot No. 26-A Sector 9A Vashi situated at New Bombay. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has ben transfered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. ACQN. Range Punc on June, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Smt. Kasturi Vellan,
 3/4, Shinde Building, Asha Nagar,
 Chembur,
 Bombay.

(2) Shri P. S. Ramaswamy, SIES—College, 4th floor, Sion, Bombay-22. (Transferor)

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesate persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at Plot No. 26-A in Sector 9A, Vashi, New Bombay Area-964.15 sq. ft.

(Property as described in the agreement sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune, under document No. 220 in the month of June, 1983).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 23/1/1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 21st December 1983

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37G/1052/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Rs. 25,000/- and Bs. 25,000/- and Bs.

Plots No. 1, 2, 7, R. S. No. 721/A 1-3-3-A-1 situated at Dist. Nasik.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at SR. Nasik on 21/7/83.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— 63-486 GI/83

(1) I. Meherwan R. Irani,

2. Falu R. Irani,
3. Miss. Mehera R. Irani,
4. Mrs. Nargis Mehta,
5. Maj B. R. Irani,
6. Jabangir R. Jrani,

Surosh Bungalow, Trambak road,

Nasik.

(Transferor)

(2) S/Shri G. R. Bangar,P. N. Bangar,7 & 8 Sent Jorges gate road, Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plots No. 1, 2 & 7 in R. S. No. 721/A-1-3-3-A-1 situated at Nasik, Tal & Dist: Nasik. Arca—360 sqm, each.

(Property as described in the sale deed which is registered in the office of the S. R. Nasik, under Doc. No. 2842 in the month of July, 83).

SHASHIKANT KULKARNI

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range, Poona

Date: 21/12/1983.

FORM ITNS—— -

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 29th December 1983

Ref. No. IAC Acq/CA-5/1054/37G/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot Gate No. 205, Mouje Tarwad situated at Dist: Kolhapur at Sara.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at S. R. Shirol on July 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair marked value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Sestion 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri V. K. Gadgil Post: Kurundwad, Tal: Shirol, Dist: Kolhapur.

(Transferor)

(2) The Kurundwad Co-op. Indl. Estate, Chairman Shri D. D. Aalse, At: Kurundwad, Tal: Shirol, Kolhapur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot Gat No. 206, Mouje Tarward, Tal: Shirol, Dist: Kelhapur.

Area 22.45 Acres.

(Property as described in the sale deed which is registered in the office of the S. R. Shirol, under Doc. No. 1244 in the month of July 1983).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona.

Date: 29-12-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 29th December 1983

Ref. No. IAC Acq./CA-5/37-G/1055/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the improvable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. Land at R.S. No. 289/3, 288 & 285/2, Satara, Near Police quarters, situated at Satara.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfedred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Satara on June, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) Shri Shrikirshna Eknath Agate Shri Yogendra Ramchandra Agate, 3. Smt. Lalita Ramchandra Agate and
 - 4. Smt. Surekha Ramchandra Agate, (now Mrs. Madhuri S. Lohokare) Address-106-A Ramcha-got, Satara.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Dhanraj Laxminarayan Lahoti,

 - Vithal L. R.
 Babaji Shiyaji Kadam
 - Balasaheb S. K.
 - 5. Narayan S. K.
 - Mahadeo Shivaji Kadam and
 - 7. Deepak Dhanraj Lahoti

180, Raviwar Peth, Satara.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at R. S.No. 289/9 (289/3), 288 and 285/2 at Satara. (Area-1H-132 R)

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Satara, under document No. 1523 in the month of June, 1983.)

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Poons.

Date: 29-12-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269 D (I) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 29th December 1983

Ref. No. 1ΛC Acq./CA-5/37G/1056/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. Immovable property bearing Gat No. 171 of village Pimprale, Tal. & Dist. Jalgaon, situated at Jalgaon. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Jalgaon on June, 1983

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Namdeb Kalu Bari, At Pimprale, Tal. & Dist. Jalgaon.

(Transferor)

(2) Shri Ganesh Girha Nirman Society Ltd., Chief promotor-Shri Ashok Tryambak Patil, C/o. Nutan Mahavidyalaya, Jalgaon.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Gat No. 171 of village Pimprala, Jalgaon. (Area 2 Acres i.e. 8094 sq. meters)
(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Jalgaon under document No. 2634 in the month of June, 1983).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Date: 29-12-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 6th December 1983

Ref. No. IAC Acq./CA-5/37G/1068/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value immovable property hexceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. Plot R.S. No. 1329/1A, Karvir situated at Dist.

Kolhapur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Karvir on July 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income er any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tay Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) Shri B. M. Sutar Kandekari, Smt. Anandibai B. Kandekari, Shri P. B. Sutar Kandekari 2185 A-ward, Rankala, Wandfi Kolhapur. (Transferor)
- (2) M/s. Niyojit Rankala Parisar Sahakari Griha Nirman Sansthan Maryadit Promotor Shri D. V. Chavan, 1297-, D-ward, Uttareshwar peth, Kolhapur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable of property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot R.S. No. 1329/1A, at Karvir, Dist. Kolhapur, Area-15A 32G.

Property as described in the sale deed which is registered in the office of the S.R. Karvir, under Doc. No. 3392 in the month of July 1983.)

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona.

Date: 6-12-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 23rd December 1983

Ref. No. JAC Acq./CA-5/37EE/309/83-84.—Whereas, I. SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

as the said Act i have leaded to control that had a sale property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. free hold Flat No. 6 at 512 Shaniwar Peth situated at Pune. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), have transferred under the Paristration Act. 1908, (16, of has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC. Acqn. Pune on 23-1-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the reforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) M/s. Dadhe Ruikar 22, Mukundnagar, Pune-411 037.

(Transferor)

(2) Shri V. B. Joshi, A/23, Kothrud, Pune-411 029,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6 at 512, Shaniwar Peth, Pune.

Area-312 sq. ft.

(Property as described in the sale agreement which is reggistered in the office of the I.A.C., Acqn. Range, Pune, under Doc. No. 37EE/885/Pune-83-84. in the month of June 1983).

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona.

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 23-12-1983.

(1) M/s. Dadhe Ruikar 22 Mukundnagar, Pune-37.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Suresh D. Sathe 820 Bhavani Peth, Pune-2.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 23rd December 1983

Ref. No. IAC Acq./CA-5/37EE/353/83-84.--Whereas, I SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority Under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat at Plot No.44, Mukundnagar, Pune-37. situated

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC. Acqn. Pune on July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at No. 44, Mukundnagar, Punc-37.

Area-355 sq. ft.

(Property as described in the sale agreement which is registered in the office of the I.A.C., Acqn. Range, Pune, under Dec. No. 37EE/1215/Pune/83-84, in the month of July 1983).

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona.

Date: 23-12-1983.

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 22nd December 1983

Ref. No. IAC Acq./CA-5/37EE/370/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

∡8

Flat No. 4, 1552 Sadashiv Peth, Pune-30, situated at Pune. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC, Acqn. Pune on 2105/September 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which enght to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s, D. A. Kelkar & Associate 722 45 Navi Peth, Pune-30.

(Transferor)

(2) Shri S. R. Nirgudkar, V. R. Nirgudkar 1411 Sadashiv Peth Pune-30.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning 35 given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, 1552 Sadashiv Peth, Pune-30, (Area 469 sq ft.)

(Property as per described in Doc. No. 2105/September 83 in the office of the I.A.C., Acqn. Range, Pune).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona.

Date: 22-12-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 22nd December 1983

Ref. No. IAC Acq./CA-5/37EE/371/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and

bearing No. Flat at Survey No. 128/4, Flat No. 12, Plot No. 9, Sanewadi, Baner Road, Aundh, situated at Pune-411 007. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC. Acqn. Range, Pune on September 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the purties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--64-486 G1/83

 M/s. Vaibhav Builders, 101/102, Kamla Chambers, 687, Budhwar Peth, Punc-411 002.

(Transferor)

(2) Mr. Atul Padmanabh Kale, 293, Dr. Bhakamkar Marg., Bombay-400 007.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 12, Survey No. 128/4, Plot No. 9, Sanewadi, Baner Road, Aunth, Pune. (Area-1225 sq. ft.)

(Property as described in the agreement for sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 1944 in the month of september 1983).

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona.

Date: 22-12-1983.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, **PUNE**

Pune, the 22nd December 1983

Ref. No. IAC Acq./CA-5/37EE/373/83-84.—Whereas, SHASHIKANT KULKARNI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing No. Flat at Plot No. 9, survey No. 128/4, Sanewadi, Baner Road, Aunth, situated at Pune-7, in the Schedule arrowed hearts) and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at IAC. Acqn. Range, Pune on September 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) M/s. Vaibhav Builders. 101/102, Kamla Chambers, 687, Budhwar Peth. Pune-2.

(Transferor)

(2) M/s. Nugehalli Jagannath Keshavdas Nagratna Keshavdas, 133, survey No. Hissa No. 1 & 2 134 Survey No. Hissa No. 2, Baner Road, Aunth, Pune-7.

(Trasferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at survey No. 128/4, Plot No. 9, Sanewadi, Baner Road, Aunth Pune-7.

(Area-1120 sq. ft. Built-up area)
(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 1946/83-84 in the month of September 1983.)

SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona.

Date: 22 12-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 22nd December 1983

Ref. No. IAC Acq./CA-5/374/37EE/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 5, 4th floor, 512, Shaniwar Peth, situated at Pune.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

I.A.C. Acqn. Range, Pune on October 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) M/s. Dadhe-Ruikar, 22, Mukundnagar, Pune-411 037.

(Transferor)

(2) Mrs. Asha Divakar Joshi, 508, Budhawar Peth, Khare Wada, Pune-411 002,

(Trasferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5, 4th floor, 512, shaniwar Peth, Pune.

(Area-415 sq. ft.) (Property as described in the agreement to sale registered in the office of the LA.C. Acquisition Range, under document No. 2358 in the month of October, 1983).

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authortly Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona.

Date: 22-12-1983.

· FORM ITNS --

(1) M/s, Dhade Ruikar 22. Mukund nagar Pune-37.

(Transferor)

(2) Shri R. K. Date 1149 Sadashiv Peth Pune-30.

(Trasferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OPFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 22nd December 1983

Ref. No. IAC Acq./CA-5/37EE/375/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. Flat No. 3/A, 202 Shukrawar Peth, situated

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16

has been transferred linder the Registration Act 1908 (10 of 1908) in the Office of the registering Officer at IAC. Acqn. Pune on 2357/October 1983. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than 1882-1882 to the superior consideration and that the exceeds the apparent consideration therefor by more than iffteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(a) by any of the aforesaid persons within a period

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 31A at 202 Sukrawar Peth, Pune-2. (Area 415 sq. ft.) (Property as per Doc. Register No. 2357/October 1983 in the office of the I.A.C., Acqn. Range, Punc).

THE SCHEDULE

SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona.

_ 1 ×

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons ,namely :---

Date: 22-12-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, **PUNE**

Punc, the 22nd December 1983

Ref. No. IAC Acq. CA-5/37EE/376/83-84,--Whereas, 1. SHASHIKANT KULKARNI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing Block No. 1, 2nd floor at S. No. 83/13, 14, 19. Plot No. 3,

Parvati. situated at Pune-9.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune on September 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Renuka Construction, 769/6, Deccan Gymkhana, Pune-411 004

(Transferor)

(2) Shri Ravindra Ganesh Bhagwat and Mrs. Seema Ravindra Bhagwat, 17. Sandhya Society, Gectangali, Sahakar Nagar No. 1. Punc-9.

(Trasferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the under signed :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this metics in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at Block No. 1, 2nd floor and S. No. 83/13, 14, 19 Plot No. 3, Parvati, Pune-9. (Area-655 sq. ft. Sarpet area)

(Property as described in the agreement for sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 2113 in the month of September 1983).

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona.

Date: 22-12-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 22nd December 1983

Ref. No. IAC Acq./CA-5/377/37EE/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing Plot No. 22, S. Nos. 133/1+2 and 134/2, Baner Road,

Aundh, situated at Pune-7.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer Officer at IAC. Acqn. Range, Pune in September 1983. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 M/s. Vaibhav Builders, 101, 102, Kamla Chambers, 687, Budhwar Peth, Punc-411 002.

(Transferor)

(2) Dr. (Mrs.) Meenakshi Vilas Rele, 'Shri Kripa' No. 2 Swami Vivekanand Society. Sant Nagar, Pune-411 009.

(Trasferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat in Plot 22, S. No. 133/1+2 and 134/2, Baner Road, Aundh, Pune-411 007. (Area-1120 sq. ft. built-up arta).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I/A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 2242 in the month of september. 1983).

SHASHIKANT KUI KARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Pune

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue for this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 22-12-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 20th December 1983

Ref. No. IAC Acq./CA-5/37EE/358/Thane/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing
Flat No. 109 on 1st floor of Minal Apartment-as on Plot No. 409 situated at Panchpukhadi, Thane (and more fully described in the Scheduule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Authority Officer at IAC. Acqn. Pune on 6-7-1983. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor t opay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Shree Trading Corporation Mittal Tower, 16th floor B-Wing, Nariman Point, Bombay-400 021.

(Transferor)

(2) Mr. Rajesh R. Mandawewala 5-Azadnagar Co-op. Housing Society Ltd., N. S. Road No 1, Vileparle (W), Bombay-400 056.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 109 on 1st floor of 'Minal Apartments-As on plot No. 409 at Panchpakhadi, Thane.

(Property as described in the sale agreement which is registered in the office of the I.A.C. Acqn. Range, Pune, under Doc. No. 37EE/1357/Thane/83-84 in the month of July 1983).

 $\frac{1}{1} = \frac{1}{1} \cdot \frac{1}{1} \cdot \frac{1}{1}$

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Pune

Date: 22-12-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 21st December 1983

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/381/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing H. No. 5, S. 349 F. Plot No. 284

T.P. S. No. 1, Panchpakhadi, Thana situated at Thana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Pune in July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Miss I. A. D'Cunha, Mrs. E. J. D'Cunha Mrs. C. W. Fernandes, Miss C. J. D'Cunha Miss M. J. D'Cunha, Mr. C. D'Cunha 'Joe Villa', 3 Charai, Thane.

(Transferor)

(2) Shri P. C. Kulkarni and Smt. R. M. Vaidyu and Smt. S. V. Parulekar Darshani Apartment, Panchpakhadi, Naupada, Thane-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land, Final Plot No. 284, T. P. Scheme No. J. Panch-pakhadi, Thane. (Area 1056 sq. yards.)
(Property as described in the agreement for sale which is registered in the office of the I.A.C. Acqn. Range, Punc, under Doc. No. 37EE/1366/Thana/83-84 in the month of

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range, Pune

Date: 21-12-1983

Seal ;

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 20th December 1983

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/385/83-84.--Whereas, I,

SHASHIKANT KULKARNI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

bearing No. Shop No. 6, Ground floor, 'Sitaram Apartments', S. No. 351, Rasta peth, situated at Pune-2

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at JAC ACQN. PUNE on July 1983

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income on any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

65--486 G1/83

(1) Sh. D. R. Gole H. No. 722, Navi peth, Pune-2.

(Transferor)

 Sh. Rambhau A. Giramkar H. No. 672/C/2 Budhwar peth, Pune-2.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Shop No. 6, Ground floor, 200 sq. ft. 'Sitaram Apartments', S. No. 351, Rasta Peth, Pune-2. Area-200 sq. ft. (Property as described in agreement for sale, which is registered in the office of the I.A.C., ACQN. Range, Pune, under Doc. No. 37EE/1175/Pune/83-84 in the month of July 1983.

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona.

Date 20-12-1983 Seal:

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 28th December 1983

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/401/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and

bearing No. II Jay Bhawani Apartments Plot No. 6, S. No. 129/1B, 159/1A, Akurdi,

situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC. ACQN. PUNE in July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Sh. R. C. Khinvsara
 Sh. P. C. Khinvsara
 M's. Jay Bhawani Enterprises,
 377/A Shukrawar peth, Pune-2.

 Mrs. P. T. Choudhary II Jay Bhawani Apartment, Chinchwad, Punc-19. (Transferor)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Apartment No. II, Jay Bhawani Apartments, Plot No. 6, S. No. 19/21B, 159/IA, Akurdi, Pune. (Area—33.25 sq. m.) (Property as described in the sale agreement which is registered in the office of the IAC. ACQN Range Pune, under Doc. No. 37EE/1060/83-84 in the month of July 1983).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspection Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Poona.

Date: 28-12-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 28th December 1983

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/402/83-84.—Whereas, I. SHASHIKANT KULKARNI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. VI Jay Bhawani Apartments, Flat No. 6, S. No. 129/IB, 159/IA, Akurdi situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. ACQN. PUNE on July 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the nforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that

the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Sh. R. C. Khinyasara, Shri P. C. Khinyasara M/s. Jay Bhayani Enterprises, 377/A Shukrawar peth, Pune-2.

(Transferor)

(2) Sh. Umakant K. Dhume VI, Jay Bhawani Apartment Chinchwad, Pune-17.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

No. VI, Jai Bhavani Apartments, Flat No. 6, S. No. 129/, 1B and 159/1A, Akurdi, Area. (33.25 sq. mtr.)

(Property as described in the sale agreement which is registered in the office of the I.A.C., ACQN. Range Pune, under Doc. No. 37EE/1602/83-84 in the month of July 1983.

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 28-12-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I

Pune, the 28th December 1983

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/403/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Apartment No. 1, Jay Bhavani Apartments Plot No. 6, S. No. 129/1B. 159/1A, situated at Akurdi, Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of Registering Officer at IAC. ACON, PUNE on July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Sh. Romanlal C. Khinvasara
 Sh. Prakash C. Khinvasara
 446, Gokhale Road, Pune-16.
 Builders M/s Jay Bhawani Enterprises
 377/A Shukrawar peth, Pune-2.

(Transferor)

 Mrs. S. D. Mittal
 Jay Bhavani Apartments Chinchwad, Pune-19.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as save defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Apartment No. I, Jay Bhawani Apartments, Plot No. 6, S. No. 129/1B, 159/1A, Akurdi, Pune. Area—33.25 sq. mtr.

(Property as described in the sale agreement which is registered in the office of the I.A.C., ACQN. Range Pune, under Doc. No. 37EE/1601/83-84 in the month of July 1983.

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Punc

Date: 28-12-1983

FORM I.T.N.S.-

. 'NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

FFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 28th December 1983

cf. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/404/83-84.—Whereas, 1, SHIKANT KULKARNI,

ing the Competent Authority under Section 269B of the come-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the said Act'), have reason to believe that the impovable property having a fair market value exceeding s. 25,000/- and ering No. III, Jay Bhawani Apartments, Plot No. 6, Nos. 129/1B, 159/1A, Akurdi situated at Pune, and more fully described in the Schedule annexed hereto).

nd more fully described in the Schedule annexed hereto), been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 108) in the office of the Registering Officer at C. ACQN. PUNE in July 1983

an apparent consideration which is less than the fair arket value of the aforesaid property and I have reason to lieve that the fair market value of the property as aforeid exceeds the apparent consideration therefor by more ian fifteen per cent of such apparent consideration and that te consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument f transfer with the object of :-

(1) S/Shri Ramanlal C. Khinvasara, P. C. Khinvasara M/s. Jay Bhawani Enterprises, 377/A Shukrawar peth, Pune-2.

(Transferor)

(2) Mrs. Sumitrabai H. Rathod No. III, Jay Bhawani Apartments Chinchwad, Pune-19.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sad! Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any incomes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Apartment No. III, Jay Bhawani apartments Plot No. 6, S. Nos. 129/1B & 159 /1A, Akurdi, Pune. (Area-33.25 sq.

(Property as described in the sale agreement which is registered in the office of the IAC. ACQN. Range Pune, under Doc. No. 37EE/1603/83-84, in the month of July 1983.

SHASHIKANT KULKARNI Competent_Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Pune

Seal:

Date: 28-12-1983

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

M/s. M. B. Chitale and A. K. Angal through M/s. Hindustan Builders, 836, Sadashiv Peth, Pune-411 030.

(Transferor?

(2) Mr. Sadanand Gajanan Bapat, Blue Bird Society, 1046, Shivajinagar, Pune.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 23rd Januaryy 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/83-84.—Whereas, f, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Flat No. 7, Stilt floor, Priyaynvada Apt., S. No. 93, and F.P. No. 15 in TPS-No. 1, C. situated at Erandawana, June-4 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at IAC. Acqn. Range, Pune in Oct. 83 for an annarent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 7, on the stilt floor of the proposed Priyanv Apartments at S. No. 93, and F.P. No. 15 in TPS No. 1, and City survey No. 19, Erandawana, Pune.

(Area-860 sq. ft,)

(Property as described in the agreement for sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 2385/83-84 in the month of October, 1983).

SHASHIKANT KULKARNI, Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Pune

Date: 23-1-1984

Scal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 8th December 1983

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/57EE/422/83-84.—Whereas, I, HASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B

of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing Flat No. 6, 2nd floor, Priyanyada Apt. S. No. 93, and F.P. No. 15 in TPS Scheme-No. 1, C.S.

No. 19 situated at Erandawana, Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. Acqn. Range, Pune in June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:-

- (1) M/s. M. B. Chitale and A. K. Angal through M/s. Hindustan Builders. 264/1, Shaniwar Peth, Pune-411 030,
 - (Transferor)
- (2) Sh. Vijay Anant Kalgaonkar, D/4 swroop Society, C.T.S. No. 130 Erandawana, Punc-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6, 2nd floor, Priyanvada Apartments, S. No. 93, and F.P. No. 15 in T.P. Scheme—No. 1, and C.S. No. 19, Erandawana, Pune.
(Area—843. sq. ft.).

(Property as described in the agreement for sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 891 in the month of June, 1983).

> SHASHIKANT KULKARNI. Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona.

Date: 8-12-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 12th January 1983

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/423/83-84.—Whereas, I. SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-

bearing Flat No. A-4, Reshma Co-op. Housing Society, Ltd., Plot No. 26 Sector-9A, Vashi, situated at New Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the reistering Officer at IAC. Acqn. Range, Pune in June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Mr. Surjitsingh Vazirsingh Arora, 7/29, Prem Prakash Laxmi Colony, Chembur, Bombay-400 074. (Transfero
- (2) Mrs. Jayshree Jayprakash Ratani, A-104, Dwarkadevi, Daftary Road, Malad (East) Bombay-400 064.

(Transfered

Objections, if any, to the acquisition of the said proper may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period c 45 days from the date of publication of this notic in the Official Gazette or a period of 30 day from the service of notice on the respective period whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of t¹ publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A-4, Reshma Co-operative Housing Society L.d. Plot No. 26 Sector 9A Vashi, New Bombay-400 703. (Area—754.5 sq. ft.).

(Property as described in the agreement for sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 218/83-84 in the month of June, 1983).

SHASHIKANT KULKARN Competent Authorit Inspecting Assistant Commissioner of Income-ta.. Acquisition Range, Pun

Date: 12-1-1983

(Transferor)

(2) Mr. K. C. George.

(1) Mrs. Kukmani Hira.

(Transferee)

(3) Shri/Smt./Kum. Transferee.
(The person in occupation of the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th February 1984

No. AR-II/37EE.2253/83-84.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

B-81 Cozi hom 251 Pali Hill Bandra, Bombay-50 situated at Bandra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under and the agreement is required by the Competent Authority u/s. 269AB of the Income-tax Act, 1961

in the office of Competent Authority

Bombay on 2-6-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act to the following persons, namely:—

THE SCHEDULE

B-81 Cozi hom, 251 Pali Hill, Rombay. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II/2253/83-84 dt. 2-6-1983.

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 13-2-1984

FORM I.T.N.S.---

(1) Mrs. Taramati Magli Nissar & Mrs. Kesarben Mavji Nissar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Maniben Vasanji Nissar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Shri/Smt./Kum. Transferec. (The person in occupation of the property.)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th February 1984

AR-II/37EE.2312/82-83.—Whereas, I, No. ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 'Tara-Kunj', 1st floor, Besant Street, Santacruz, (W) Bom-

bay-54 and situated at Santacruz, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

Bombay on 2-6-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

'Taral Kunj', 1st floor, Besant Street, Santacruz (W), Bombay-54. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II/2312/ 83-84 dt. 2-6-83.

> S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :-

Date: 4-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

IE

M/s. Jardine Henderson Ltd. Clive Road, Calcutta-700 001.

(Transferor)

(2) Ms. Rydak Syndicate I.td., 4, Clive Road, Calcutta-700 001.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE, SHILLONG

Shillong, the 16th November 1983

Ref. No. A-265/83-84/M&D/678-79.—Whereas, I, E. J. MAWLONG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to 88 the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 2226 in Book I for 1983 situated at Mangaldoi Sub-division, Darrang, Assam & Dag, Patta number is "grant No. 358-620xNLR, grant No. 59/36,FS, Grant No. 95/6FS, Special periodic Khiraj Patta No. 1 and PKP No. 1, AKP—30 (New).

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mangaldoi on 16th June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDLE

Kopati Tea Estate situated at Mangaldoi sub-division in the Dist. of Darrang in the State of Assam measuring 615.86 hectares.

E. J. MAWLONG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Shillong

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 16-11-1983

•			
·			
k.			
1			
-			